संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

वार्षिक विवरण

Annual Report

2024-25

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

Centre for Cultural Resources and Training

Contents

Introduction 4

Training 8

Workshops 26

Evaluation and Feedback 44

Extension Services and Community Feedback Programme 52

Collection of Resources 56

Production of Educational Material 58

Publications 62

CCRT Library 62

Scholarship and fellowship Schemes 64

Initiatives in the North-Eastern States 80

Cultural Exchange Programme 84

Annex 90

Financial Statements and Audit Report 98

विषय सूची

परिचय 5

प्रशिक्षण 9

कार्यशालाएँ 27

मूल्यांकन तथा पुनर्निवेश 45

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम 53

स्रोतों का संग्रहण 57

शैक्षिक सामग्री का उत्पादन 59

प्रकाशन 63

सीसीआरटी पुस्तकालय 63

छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति योजनाएँ 65

पूर्वोत्तर राज्यों में पहल 81

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम 85

परिशिष्ट 91

वित्तीय विवरण एवं लेखा परीक्षा प्रतिवेदन 99

Introduction

The Centre for Cultural Resources and Training (CCRT) is one of the premier institutions instrumental in linking of education with culture. Established in 1979, CCRT was pioneered by Smt. Kamaladevi Chattopadhyay and Dr. Kapila Vatsyayan. CCRT functions as an autonomous organization under the aegis of Ministry of Culture, Government of India. It is one of the premier institutions working in the field of linking culture with education. CCRT conducts a range of training programmes for in-service teachers, educators and administrators from across India to foster their creative potential. It also organizes special training programmes for divyang children. The training programmes provide an understanding and appreciation of the philosophy, aesthetics and beauty inherent in Indian art and culture and focus on formulating methodologies for incorporating a cultural component into the curriculum. The training programmes are tailored to introduce the participants to various art forms and focus on development of their observational skills, enhance their writing and verbal skills and develop their powers of deduction and conclusion. They help to make learning informative, interesting and fun.

At the philosophical core of CCRT, lies a commitment to holistic education, encompassing the cognitive, emotional and spiritual development of children. To this end, CCRT conducts educational programmes in cultural knowledge and understanding as conducive to clarity, creativity, independence of thought, tolerance and compassion. In sensitizing students, teachers and others to the arts and cultures of India, CCRT aims to encourage local communities to take the lead in the preservation of their cultural and natural heritage, promote respect for diversity and reinforce cultural identity. The underlying emphasis is on imbibing architectural, aesthetic, historic, environmental, archaeological and even spiritual and symbolic values embedded in our heritage.

CCRT has its headquarters in New Delhi and Four Regional Centres: Udaipur in the west, Hyderabad in the south, Guwahati in the North-East and Damoh in the centre to facilitate the widespread dissemination of Indian art and culture.

Main Functions

Organizes theoretical and theme based academic programmes on Indian art and culture for teachers and students.

Conducts Workshops to provide practical training and knowledge in crafts to be incorporated in school curriculum. Various art activities like drama, music, narrative art forms, classical dances, etc. are organized to create an awareness of the regional variations and richness of cultural expressions of our country.

Organizes various educational activities for school students, teachers and children belonging to governmental and non-governmental organizations under its Extension Services and Community Feedback Programme, to create an awareness of the need for conservation of the natural and cultural heritage.

Collects and develops a library of resources in the form of scripts, digital photographs, audio and video recordings and films with the objective of producing culturally-oriented educational aids to encourage the art and craft forms of rural India and their revival.

Prepares publications and other audio-visual material which attempt to provide an understanding and appreciation of the different aspects of Indian art and culture, such as, architecture, music, drama, dance, painting, crafts etc. These explore many intertwining threads of tradition, values and culture present in our rich heritage.

Implements Cultural Talent Search Scholarship Scheme for providing facilities to young talented children selected in the 10-14 age group to study one or the other art form and Scheme for Award of Scholarship to Young Artists in different cultural fields for advance training of various art forms. Besides, Junior and Senior Fellowships focussing on indepth study/research in various facets of culture including New Emerging Areas of Cultural Studies, are also awarded.

परिचय

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी)की स्थापना मई, 1979 में श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय तथा डॉ. कपिला वात्स्यायन के मार्गदर्शन में की गई। सीसीआरटी संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक स्वायत्तशासी संस्थान के रूप में कार्यरत है। यह एक अग्रणी संस्थान है, जो शिक्षा को संस्कृति के साथ जोड़ने का कार्य कर रहा है। सीसीआरटी देशभर के सेवारत शिक्षकों, शिक्षाविदों तथा प्रशासकों के लिए उनकी रचनात्मक प्रतिभा का विकास करने हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। सीसीआरटी दिव्यांग बच्चों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के अतिरिक्त दृश्य-श्रव्य सामग्री द्वारा पाठ्यक्रम-शिक्षण में सांस्कृतिक तत्वों के सन्निवेश के लिए प्रविधि-प्रतिपादन पर विशेष बल दिए जाने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति में निहित दर्शन, सौंदर्यशीलता की समझ व बोध भी विकसित किया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को विविध कला शैलियों से परिचित कराने के साथ-साथ उनमें निहित समग्र कौशल को विस्तार देने एवं उनकी कमी को दूर कर उन्हें सक्षम बनाने हेतु बल दिया जाता है।

सीसीआरटी का मुख्य सैद्धान्तिक उद्देश्य बच्चों को सर्वांगीण शिक्षा प्रदान कर उनका भावनात्मक व आध्यात्मिक विकास करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सीसीआरटी संस्कृति पर आधारित शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है और उनमें विचारों की स्पष्टता, स्वतन्त्रता, सहिष्णुता तथा संवेदनाओं का समावेश किया जाता है। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा समाज के अन्य लोगों को भारत की कला एवं संस्कृति के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए सीसीआरटी का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को अपनी प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण हेतु आगे लाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि उनमें विविधता के प्रति सम्मान की भावना विकसित हो। हमारी धरोहर में अंतर्निहित स्थापत्य, सौन्दर्य, ऐतिहासिक, पर्यावरणीय, पुरातात्विक, आध्यात्मिक एवं प्रतीकात्मक मूल्यों को भी आत्मसात करने पर बल दिया जाता है।

सीसीआरटी का मुख्यालय नई दिल्ली में है तथा इसके चार क्षेत्रीय केन्द्र हैं, जोकि भारतीय कला तथा संस्कृति में व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु पश्चिम में उदयपुर(राजस्थान), दक्षिण में हैदराबाद (तेलंगाना), पूर्वोत्तर में गुवाहाटी(असम) तथा मध्य में दमोह (मध्य प्रदेश) में स्थित हैं।

मुख्य कार्य

शिक्षक/शिक्षिकाओं और छात्र/छात्राओं के लिए भारतीय कला व संस्कृति पर सैद्धांतिक व विषय वस्तु आधारित अकादमिक कार्यक्रम आयोजित करना।

विद्यालयी-पाठ्यक्रम में शिल्पकला के व्यावहारिक ज्ञान को समाहित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित करना। अपने देश की क्षेत्रीय विविधता तथा सांस्कृतिक समृद्धि से सम्बन्धित जागृति एवं समझ के लिए नाटक, संगीत, आख्यान परंपराओं, लोक एवं शास्त्रीय नृत्यों इत्यादि विविध गतिविधियों के विषय में कार्यशालाएँ आयोजित करना।

विस्तार तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के अन्तर्गत सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के सम्बन्धित विद्यालयों में छात्रों/छात्राओं, शिक्षकों/शिक्षिकाओं और बालकों/बालिकाओं के लिए विभिन्न शैक्षिक कार्यकलापों का आयोजन करना, ताकि प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागृति उत्पन्न की जा सके।

पाण्डुलिपियों, डिजिटल छायाचित्रों, श्रव्य और दृश्य रिकार्डिंग और फिल्मों के रूप में स्रोतों को एकत्रित कर उनके लिए पुस्तकालय का निर्माण करना एवं प्रलेखित करना ताकि शैक्षिक सांस्कृतिक सामग्री को तैयार कर ग्रामीण भारत की कला और शिल्प-रूपों को प्रोत्साहित एवं पुनर्जीवित किया जा सके।

शैक्षिक प्रकाशन एवं अन्य श्रव्य-दृश्य सामग्री तैयार करना, जिनके माध्यम से भारतीय कला व संस्कृति के विभिन्न पक्षों की समझ पैदा हो तथा उनका रसास्वादन किया जा सके जैसे-स्थापत्य कला, संगीत, नाटक, नृत्य, चित्रकारी, शिल्पकला आदि। वे हमारी समृद्ध विरासत में मौजूद परंपरा, मूल्य व संस्कृति के कई अंत:सूत्रों का अन्वेषण करती हैं।

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रतिभावान बालक-बालिकाओं का 10-14 वर्ष के आयु वर्ग में चयन कर, विभिन्न कला रूपों में अपनी प्रतिभा विकसित करने के लिए सुविधाएँ प्रदान कराना, विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति प्रदान करना तथा संस्कृति के विभिन्न पहलुओं में गहन अध्ययन/अनुसंधान पर मुख्य बल देते हुए कनिष्ठ एवं वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करना, जिनमें सांस्कृतिक अध्ययनों के नए उभरते क्षेत्र भी शामिल हैं।

Brief account of activities conducted by CCRT from April 1, 2024 - March 31, 2025

Training Programmes organised

- Orientation Courses in line with NEP 2020 ... 14
- Workshops..... 34
- Refresher Courses 04
- Total No. of Teachers Trained..... 3171

Extension Services and Community Feedback Programme

- Workshops 179
- Students trained 45248

Production

Films

- Documentary films Indian Culture :- Gondhli Folk Artist of Maharashtra.
- Dharohar : - Documentary films on CCRT scholar Achiever.
- Theatrical Production titled Krishna Bhakt Meera
- Video Coverage and Still Photography

Publications

- **Booklet**

  CCRT Monthly Newsletter (August 2024 – March 2025)

- **Annual Report 2023-24**

- **Reprint**

  National Symbol

  - Odissi Dance
  - Kathak Dance
  - Expression in Lines

Cultural Talent Search Scholarship Scheme

- New Scholarships awarded (2024-25) 650
- Total no. of Live Scholarships 4071

सीसीआरटी द्वारा वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, 2024 - 31 मार्च, 2025 के दौरान आयोजित गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम

- एन.ई.पी. 2020 के अनुरुप अनुस्थापन पाठ्यक्रम.. 14
- कार्यशालाएँ.....34
- पुनश्चर्या पाठ्यक्रम.....04
- प्रशिक्षित शिक्षकों की कुल संख्या.....3171

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम

- कार्यशालाएँ..... 179
- प्रशिक्षित छात्र.....45248

उत्पादन

फिल्म

- भारतीय संस्कृति पर वृत्तचित्र फ़िल्में : महाराष्ट्र के गोंधली लोक कलाकार।
- धरोहर :- सीसीआरटी विद्वान और सफल कलाकार पर वृत्तचित्र फ़िल्में।
- कृष्ण भक्त मीरा नामक नाट्य प्रस्तुति।
- वीडियों कवरेज और स्थिर फोटोग्राफी

प्रकाशन

- **पुस्तिका**

  सीसीआरटी मासिक समाचार पत्र

  (अगस्त 2024-मार्च 2025)
- **वार्षिक विवरण (2023-24)**
- **पुनर्मुद्रण**
  - राष्ट्रीय प्रतीक
  - ओडिसी नृत्य
  - कत्थक नृत्य
  - अभिव्यक्ति रेखाएँ

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना

- 2024-25 के लिए प्रदान की गईं नई छात्रवृत्तियाँ.....650
- विद्यमान छात्रवृत्तियों की कुल संख्या..... 4071

Training

Training is one of the key methods in enabling CCRT to fulfil its objectives. In order to execute its objectives and enlarge the scope of its work in the field of education, CCRT conducts a variety of in-service school teachers training programmes throughout the year, which are held in different parts of the country. The emphasis of the training programmes organised for in-service school teachers, heads of institutions and teacher educators is on devising methodologies for the development of child's personality particularly in terms of helping the child to discover his/her hidden talent and to express it creatively. The thrust is on building up a pervasive consciousness of the Indian Cultural Heritage through the utilization of local material and community interaction and also by involving students in conservation of the natural and cultural heritage.

Each art is unique and essential in the curriculum because of the particular avenues of perception that it develops. Heightened perception provides a stimulus for imagination and creativity. It also has an impact on all learning creative activities to inculcate aesthetic sensibility and values incorporated in the programmes. To develop aesthetic values, the participants study the sensory, intellectual, emotional and philosophical bases for understanding the artistic manifestations and cultural traditions.

Over the years, CCRT has conducted action research and worked out methodologies for providing cultural components in teaching-learning processes, to create an integrated approach to education using a cultural base to understand the various school disciplines.

Orientation Courses in line with NEP 2020

- Orientation Course in line with NEP 2020 (s) for in-service teachers
- Orientation Course in line with NEP 2020 (s) for teacher educators

The Orientation Course is organised for in-service Middle (Class 6th to 8th) & Secondary (Class 9th to 12th) at two level School teachers and Teacher Educators (referred as teachers henceforth) from all parts of the country. It is approximately of three weeks duration and consists of a variety of programmes such as lectures, lecture-cum-demonstrations, practical classes and educational tours to places of natural and cultural interest. The Training Programme introduces the participating teachers to the rich fabric of our artistic and cultural heritage. It is designed to give the teachers an idea of the variety of creative expressions in India and how the school children can be exposed to the beauty in nature and art. Members of the community, specially the younger generation need to understand the cultural heritage and the variety of geo-physical features, indigenous, religious and linguistic groups that have contributed to the aesthetic quality and richness of our culture. It is this awareness that fosters love for all mankind and helps in producing better citizens.

Aims of the Orientation Course

- Create an awareness of the fundamental principles underlying the development of Indian culture in order to foster a spirit of national integration;
- Provide an opportunity to formulate methodologies to make aspects of Indian culture and creative activities as an integral part of the teaching and learning process;
- Provide teachers an occasion to interact with scholars and artists in order to devise ways of making education an experiential learning.
- Provide skills and training in creative activities in order to improve class-room teaching techniques and,
- Provide an opportunity to the participants, teaching different disciplines from all parts of the country to work together.

प्रशिक्षण

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र को अपने उद्देश्यों की पूर्ति करने में समर्थ बनाने हेतु 'प्रशिक्षण' एक महत्त्वपूर्ण कुंजी की तरह कार्य करता है एवं शिक्षा के क्षेत्र में संस्कृति को प्रचारित-प्रसारित करने हेतु सीसीआरटी वर्ष भर 'सेवारत शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए विविध प्रशिक्षण-कार्यक्रम' चलाता है, जो देश के विभिन्न भागों में आयोजित किए जाते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं, संस्थानों के प्रधानों तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों हेतु आयोजित किये जाते हैं। छात्र/छात्रओं के व्यक्तित्व-विकास, विशेषकर उनमें निहित प्रतिभा को खोजने तथा रचनात्मक रूप में अभिव्यक्त करने में सहायता करने के लिए, प्रविधियों की अभिकल्पना को विशेष महत्त्व दिया जाता है। छात्र/छात्राओं को प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में शामिल करने तथा स्थानीय सामग्री के उपयोग और सामुदायिक मेल-मिलाप द्वारा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति व्यापक चेतना विकसित करने पर विशेष बल दिया जाता है।

पाठ्यक्रम में सिखायी जाने वाली प्रत्येक कला अद्वितीय, महत्त्वपूर्ण तथा आवश्यक है, क्योंकि इससे विशिष्ट बोध विकसित होता है। गहन बोध से कल्पना व सृजन के लिए प्रेरणा मिलती है तथा शिक्षण-संबंधी सृजनात्मक गतिविधियों पर इसका प्रभाव इस रूप में पड़ता है कि सौन्दर्यात्मक संवेदना और मूल्यों को मन में बिठाते हुए औपचारिक व अनौपचारिक शिक्षा में संलग्न शिक्षाकर्मिकों के लिए आयोजित कार्यक्रमों में इसका समावेश संभव हो जाता है। सौंदर्यात्मक मूल्यों को विकसित करने के लिए कलात्मक अभिव्यक्तियों व सांस्कृतिक परंपराओं को समझते हुए प्रतिभागी संवेदी, बौद्धिक, भावात्मक व दार्शनिक आधारों का अध्ययन करते हैं।

वर्षों से, सीसीआरटी ने कार्य अनुसंधान द्वारा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सांस्कृतिक अवयवों के समावेश हेतु प्रविधियाँ विकसित की हैं और इनके माध्यम से कुछ हद तक विद्यालय में पढ़ाए जाने वाले विविध विषयों को समझाने हेतु सांस्कृतिक आधार का उपयोग करते हुए शिक्षा के प्रति समेकित दृष्टिकोण के उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया है।

एनईपी 2020 के अनुरुप में अनुस्थापन पाठ्यक्रम

- सेवारत शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम
- शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम

अनुस्थापन प्रशिक्षण-कार्यक्रम का आयोजन देश के सभी भागों के मिडिल (कक्षा 6-8) एवं सेकेंडरी (कक्षा 9-12) दो स्तर के विद्यालयों के सेवारत शिक्षकों/शिक्षिकाओं तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए किया जाता है। इसकी अवधि लगभग तीन सप्ताह तक की होती है तथा इसमें विविध कार्यक्रम शामिल होते हैं, जैसे-व्याख्यान, व्याख्यान-प्रदर्शन, व्यावहारिक कक्षाएं और प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक रुचि के स्थानों का शैक्षिक भ्रमण। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अध्यापकों का परिचय अपनी समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत की संरचना से कराया जाता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों/शिक्षिकाओं को भारत की विविध रचनात्मक अभिव्यक्तियों के संदर्भ में विचार प्रदान करने हेतु इस दृष्टि से तैयार किया जाता है कि स्कूली बच्चे प्रकृति और कला में निहित सौंदर्य को उद्भासित कर सकें। जन समुदाय के सदस्यों के साथ, विशेषकर युवा पीढ़ी द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत तथा विविध प्रकार की भौगोलिक विशिष्टताओं, मूल निवासी,धार्मिक व भाषायी समूहों के बारे में समझा जाना जरूरी है, जिन्होंने हमारी संस्कृति की समृद्धि और सौंदर्यात्मक गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान किया है। यही जागरूकता संपूर्ण मानव जाति के लिए प्रेम की भावना सँजोती है तथा अच्छे नागरिक बनाने में मदद करती है

अनुस्थापन पाठ्यक्रम के लक्ष्य

- राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करने के क्रम में भारतीय संस्कृति के विकास को रेखांकित करते हुए मूलभूत सिद्धांतों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
- ऐसी प्रविधियों के प्रतिपादन का अवसर प्रदान करना, जिनमें भारतीय संस्कृति व रचनात्मक गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया को एक अभिन्न अंग के रूप में संघटित किया जा सके।
- शिक्षा को शिक्षकों के लिए सर्वांगीण अनुभव बनाने के क्रम में विद्वानों व कलाकारों के साथ बातचीत/मेल-मिलाप का सुअवसर एवं सीखने का अनुभवन देना।
- कक्षा की शिक्षण तकनीकों के सुधार के क्रम में रचनात्मक गतिविधियों में कौशल व प्रशिक्षण देना, और
- देश के सभी भागों के विभिन्न विषयों के शिक्षण से जुड़े शिक्षकों/शिक्षिकाओं को एक साथ मिल-जुल कर काम करने का अवसर प्रदान करना।

The Orientation Course comprises of the following six major components:

(i) Theoretical Study of Art and Culture

(ii) Practical Training in Art and Culture

- Learning of skills in traditional crafts
- Practical training in learning of songs in National languages
- Practical training in learning Indian Dance
- Enhancing communication skills through movement and mime

(iii) Preparation of educational aids for cultural education and to support classroom teaching

(iv) Educational tours to museums, monuments, art galleries and nature parks

(v) Evaluation(s)

(vi) Other Educational Activities

During the period from June 2024 to February 2025, CCRT has organized 14 Orientation Courses in line with NEP 2020 for in-service teachers in on-campus mode as per the following details:

Orientation Courses organized from June, 2024 to February, 2025

Sl. No.	Duration	Venue	No. of Teachers trained
1.	June 20-July 10, 2024	New Delhi	24
2.	July 18-August 07, 2024	Hyderabad	64
3.	July 24-August 13, 2024	Guwahati	62
4.	August 05-17, 2024	New Delhi	58
5.	August 21-September 10, 2024	Udaipur	57
6.	September 17-October 08, 2024	New Delhi	37
7.	November 06-27, 2024	Udaipur	39
8.	November 25-December 06, 2024	Hyderabad	55
9.	November 27-December 17, 2024	Guwahati	68
10.	December 26, 2024 to January 15, 2025	Udaipur	77
11.	January 02-23, 2025	Hyderabad	60
12.	January 08-28, 2025	New Delhi	114
13.	February 06-26, 2025	Hyderabad	70
14.	February 17-28, 2025	Udaipur	64
		Total	**849**

अनुस्थापन पाठ्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित छः मुख्य घटक शामिल हैं :

(i) कला एवं संस्कृति का सैद्धांतिक अध्ययन

(ii) कला एवं संस्कृति का व्यावहारिक प्रशिक्षण

- पारंपरिक शिल्पकला के कौशल को सीखना
- राष्ट्रीय भाषाओं के गीत सीखने का प्रशिक्षण
- भारतीय नृत्य सीखने का प्रशिक्षण
- हावभाव और मूकाभिनय नाट्यकला द्वारा संप्रेषण कौशल बढ़ाना

(iii) सांस्कृतिक शिक्षा और कक्षा संबंधी शिक्षण में मदद के लिए शैक्षिक सहायक सामग्री तैयार करना

(iv) संग्रहालयों, स्मारकों, कला दीर्घाओं तथा प्राकृतिक उद्यानों के शैक्षणिक भ्रमण

(v) मूल्यांकन

(vi) अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ

जून 2024 से फरवरी 2025 की अवधि के दौरान, सीसीआरटी ने निम्नलिखित विवरण के अनुसार ऑन-कैंपस मोड में सेवारत शिक्षकों के लिए एन.ई.पी. 2020 के अनुरुप 14 अनुस्थापन पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं:

जून, 2024 से फरवरी, 2025 तक आयोजित अनुस्थापन पाठ्यक्रम

क्र.सं	अवधि	स्थान	प्रशिक्षित शिक्षकों/ शिक्षिकाओं की संख्या
1.	20 जून से 10 जुलाई, 2024	नई दिल्ली	24
2.	18 जुलाई से 07 अगस्त, 2024	हैदराबाद	64
3.	24 जुलाई से 13 अगस्त, 2024	गुवाहाटी	62
4.	05 से 17 अगस्त, 2024	नई दिल्ली	58
5.	21 अगस्त से 10 सितम्बर, 2024	उदयपुर	57
6.	17 सितम्बर से 08 अक्टूबर, 2024	नई दिल्ली	37
7.	06 से 27 नवंबर, 2024	उदयपुर	39
8.	25 नवंबर से 06 दिसंबर, 2024	हैदराबाद	55
9.	27 नवंबर से 17 दिसंबर, 2024	गुवाहाटी	68
10.	26 दिसंबर 2024 से 15 जनवरी, 2025	उदयपुर	77
11.	02 से 23 जनवरी, 2025	हैदराबाद	60
12.	08 से 28 जनवरी, 2025	नई दिल्ली	114
13.	06 से 26 फरवरी, 2025	हैदराबाद	70
14.	17 से 28 फरवरी, 2025	उदयपुर	64
		कुल	**849**

Statewise participation of Teachers/Teacher Educators in Orientation Course 2024-2025

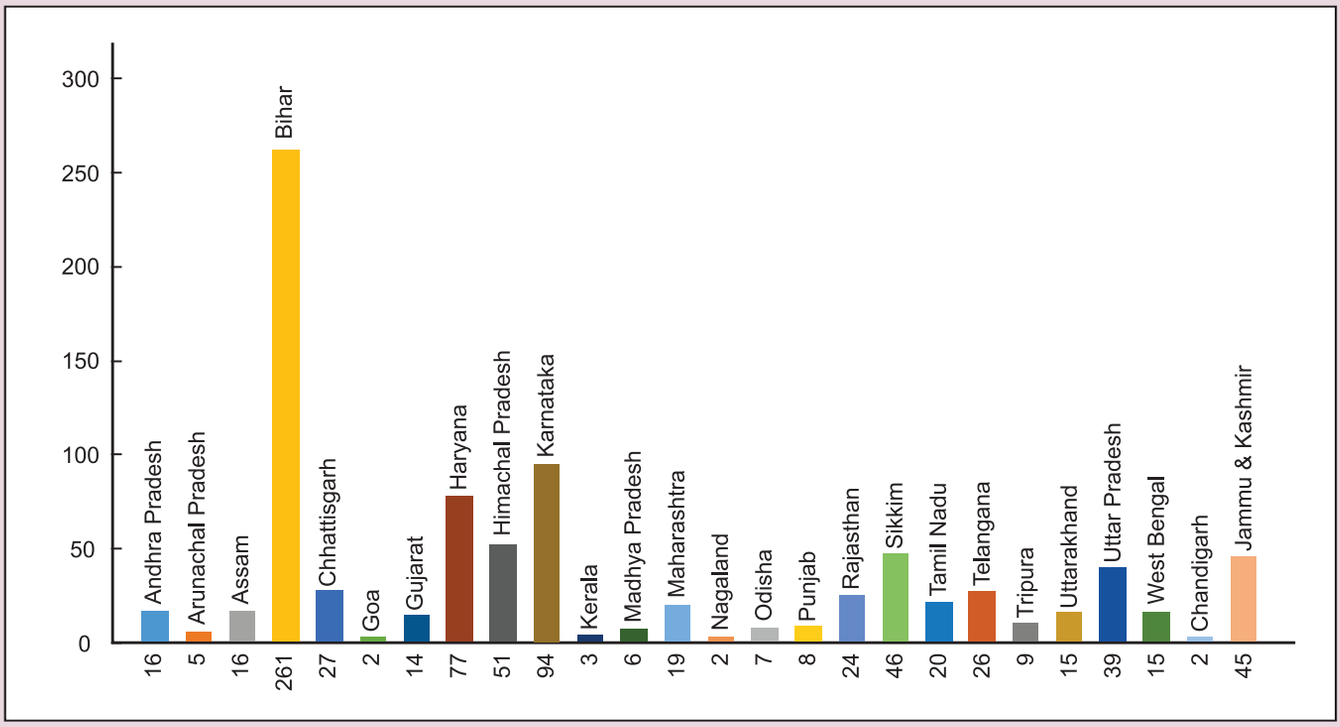

Statewise participation of Teachers/Teacher Educators in Orientation Course 1979-2025

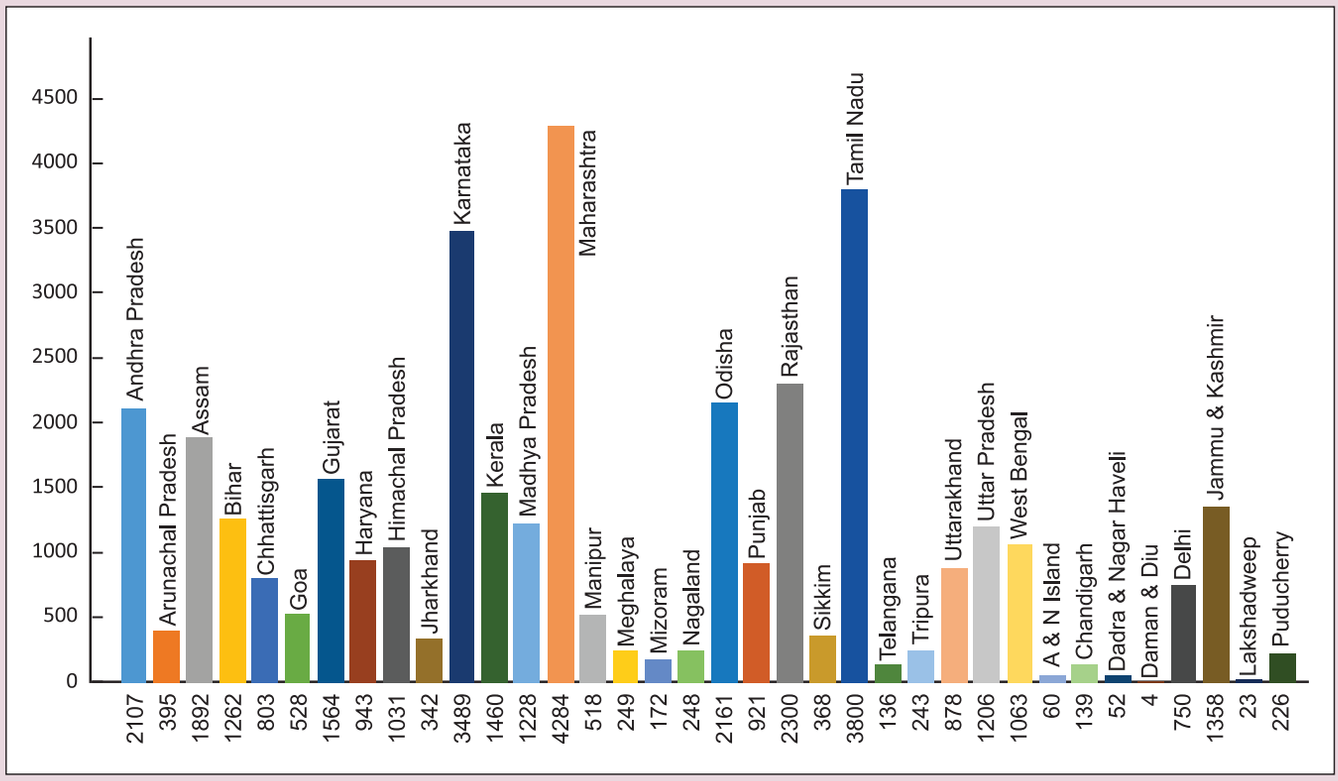

अनुस्थापन पाठ्यक्रम में शिक्षकों/शिक्षिकाओं एवं शिक्षक-प्रशिक्षकों की राज्यवार संख्या 2024-2025

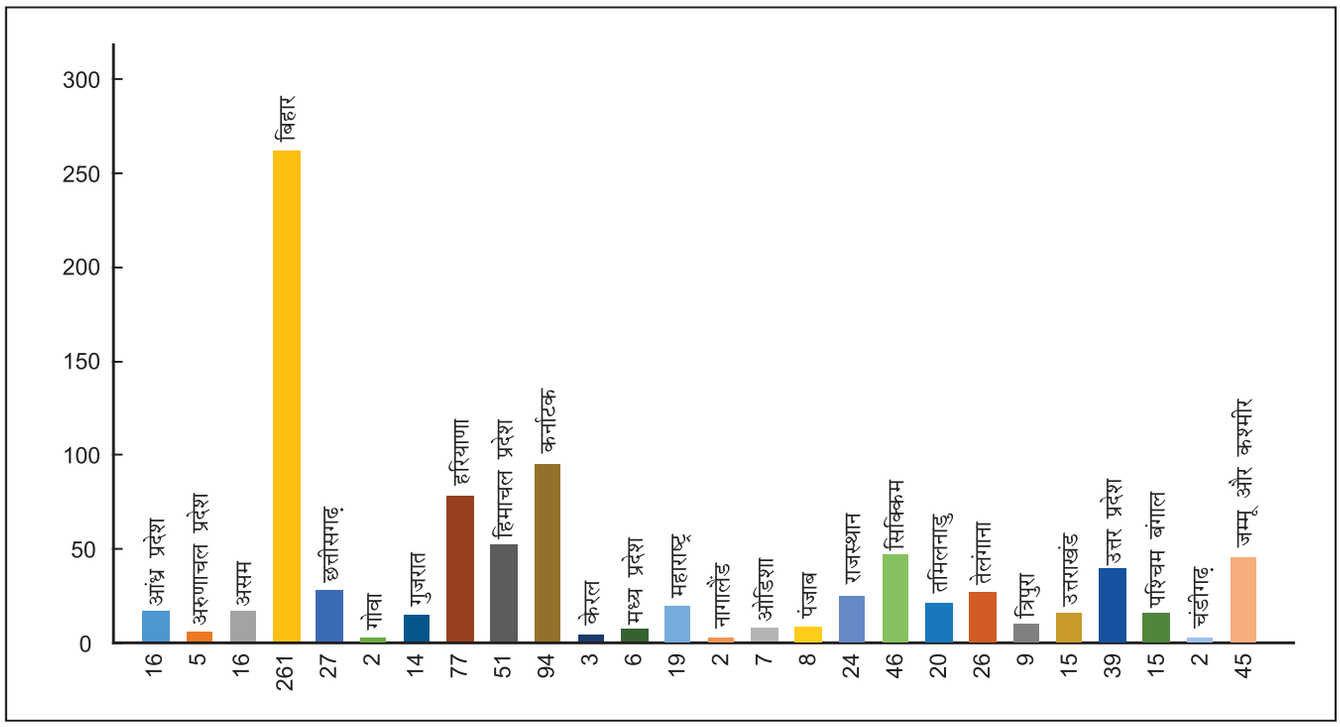

अनुस्थापन पाठ्यक्रम में शिक्षकों/शिक्षिकाओं एवं शिक्षक-प्रशिक्षकों की राज्यवार संख्या 1979-2025

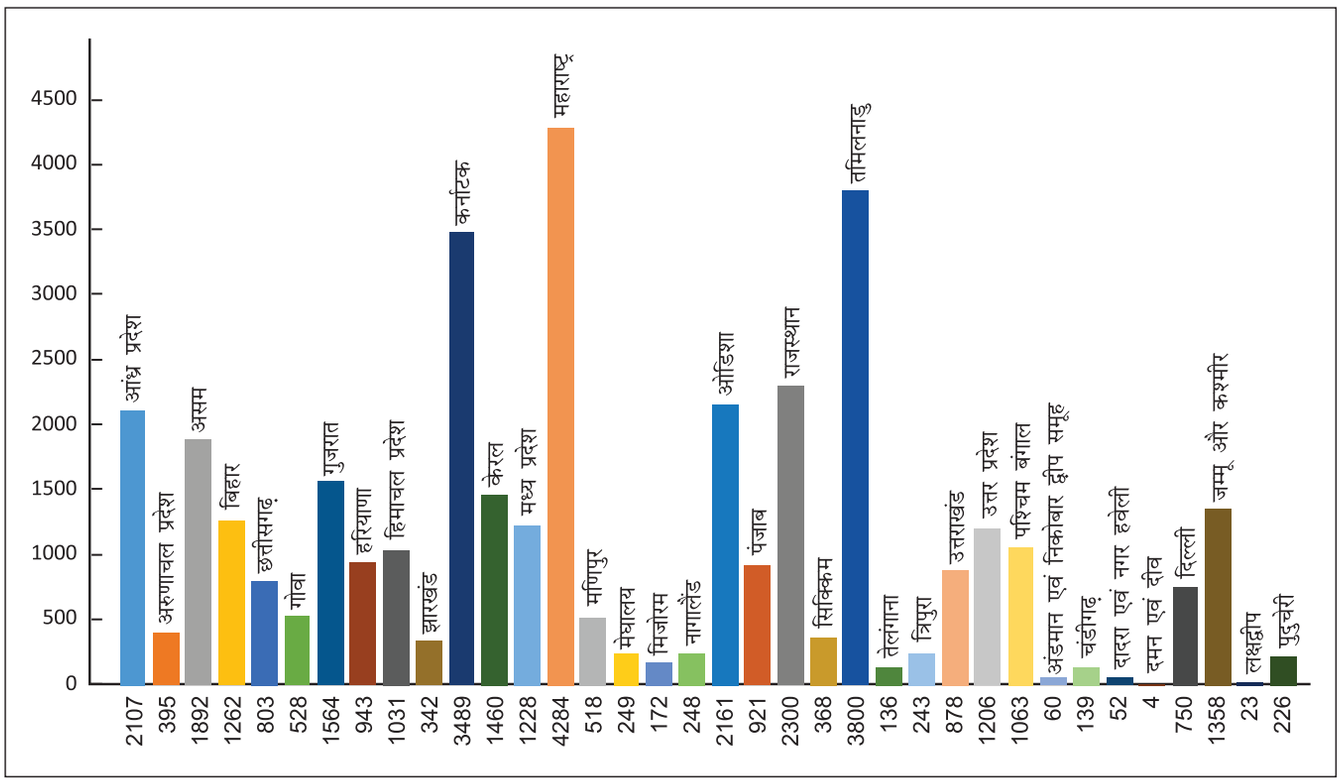

Deep dive into Indian Cultural History with Prof. Bharat Gupt

Teachers engaged in enriching training sessions

Lecture/Lecture-cum-Demonstration Series

During the year 2024-2025, series of lectures/lecture-cum-demonstrations were organized and delivered by renowned artists, scholars and educationists advocating the peacemaking potential of art and the use of experiential education techniques and practices to help students make these vital connections such as Unity, Harmony, Perspective and Value. The languages of art have a lot in common with the language of peace and this is no coincidence. Art gives us a way of communicating even when we share no common languages. It provides a nonviolent means of expressing our outrage at unjust acts and it is through art that we come to accept – and even, appreciate – the unique ways in which people see and interpret the world. Participants learn about the life and culture of the Indians including celebrations, customs, and role of environment in shaping their lives. Also included are descriptions and details of the native art forms and the ways in which art is helping to preserve traditional culture and lifestyles.

Exploring the classical elegance of Kathak with Smt. Jayshree Acharya

Interactive moment with experts during lecture-demonstration

अनुस्थापन पाठ्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान सत्र में सम्मिलित शिक्षक प्रतिभागी

पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों पर प्रो. पी. सी. जोशी का व्याख्यान

व्याख्यान/व्याख्यान-सह-प्रदर्शन शृंखला

वर्ष 2024-2025 के दौरान कई व्याख्यान/व्याख्यान प्रदर्शनों का आयोजन किया गया, जिनमें प्रख्यात कलाकारों, विद्वानों तथा शिक्षाविदों द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिन्होंने छात्रों को एकता, सहिष्णुता, सांस्कृतिक दृष्टिकोण, सामाजिक मूल्यों का महत्त्व समझाने के लिए अपने शैक्षिक अनुभवों तथा तकनीकों का उपयोग किया। कला की भाषा शांति की भाषा से समानता रखती है और यह कोई एक संयोग नहीं है। कला हमें उस समय संप्रेषण का मार्ग दिखाती है जब हम आम भाषाओं का प्रयोग नहीं करते। यह अन्यायपूर्ण कार्यों पर रोष प्रकट करने का एक अहिंसात्मक साधन भी है और यह कला ही है जिसके माध्यम से हम दुनिया को देखने और समझने के विलक्षण तरीकों को स्वीकार करते ओर सराहते हैं। प्रतिभागी भारतीयों की संस्कृति और जीवन के साथ-साथ उनके उत्सवों, रीति-रिवाजों तथा जीवन निर्माण में पर्यावरण की भूमिका आदि के बारे में सीखते हैं । व्याख्यानों में स्थानीय कला शैलियों तथा तरीकों का विवरण तथा ब्यौरा भी शामिल किया जाता है, जिनमें यह वर्णित होता है कि कला किस प्रकार पारम्परिक संस्कृति तथा जीवनशैलियों का संरक्षण करती है।

अनुस्थापन पाठ्यक्रम के अंतर्गत सभागार में शैक्षणिक सत्र में भाग लेते प्रतिभागी

समापन समारोह में प्रतिभागी प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत प्राप्त प्रमाण पत्र के साथ

Some of the lectures were on the following topics :

Subject (s)	Name of Expert (s)
Understanding the concept of Tangible Heritage vis-à-vis Architecture of India and its importance in school curriculum	Dr. M.N. Rajesh Smt. Puja Sonwal
Introduction to Intangible Heritage (Focusing on Folk & Tribal Traditions including myths, beliefs, legends and rituals) – Discussion on contemporary beliefs.	Dr. Satish Sharma
Introduction to Tangible Heritage of India	Dr. Lalit Panday Dr. Shri Krishna Jugnu
Understanding Archaeology: Protecting India's Cultural Heritage	Dr. N. Tahir
The Significance of Tangible Heritage in Indian Architecture: Integrating It into School Education	Prof. Rekha Pande
Role of performing Art in Cultural Education with a Special perspective on Intangible Cultural Heritage	Dr. Laique Hussain Shri Phanindra Talukdar Shri Kripal Kalita Smt. Sakuntala Santosh
Understanding the Tangible Cultural Heritage vis-a-vis the Art of Sculpture from Harrapa to Contemporary	Dr. M.N. Rajesh Prof. J.S. Kharakwal Dr. K.P. Rao Shri Mrinmoy Das Dr. Vijay Kumar Mathur Smt. Puja Sonwal
Educational Visit to UNESCO's World Heritage Sites: Qut'b Complex and Humayun's Tomb	Dr. Archana Asthana Dr. Ashwani Asthana
Recommendation of NEP-2020 with respect to Integrated Art Education	Prof. Jyotsana Tiwari Prof. N. Upender Reddy Dr. Ritu Bhatnagar Dr. Purabi Baishya
Revolutionizing Art Education: NEP-2020 Recommendations	Smt. Sakuntala Santosh
Relevance of Social values in Contemporary India with reference to NEP 2020	Dr. Sharda Kumari Prof. Madhumeeta Sinha Ms. Annie Pothen
Fostering Gender Equity and *Neutrality* in school education	Dr. Meerambika Mahapatro Prof. Madhumeeta Sinha Dr. Polly Vauquline Dr. Poonam Kakoti Borah
Gender in Culture	Prof. Seema Malik
Role of Museums in School Education	Shri M. Veerender Smt. Geetanjali Barua
The Role of Literature in Preserving Indian Cultural Heritage	Prof K. Rajya Rama
Innovations in Education – The New Responsibility of Teachers	Dr. M.P. Sharma
Relevance of Value Education in Nation building with respect to Indian knowledge systems	Dr. A.K. Merchant Dr. Sabnam Barman Dr. P.C. Jain Dr. Babli Chaudhary

कुछ व्याख्यान निम्नलिखित विषयों पर आयोजित किए गए:

विषय	वक्ता/विशेषज्ञ
भारत की वास्तुकला की तुलना में मूर्त विरासत की अवधारणा और विद्यालयी पाठ्यक्रम में इसके महत्व को समझन	डॉ. एम.एन. राजेश श्रीमती पूजा सोनवाल
अमूर्त विरासत का परिचय : (मिथकों, मान्यताओं, किंवदंतियों और अनुष्ठानों सहित लोक और जनजातीय परंपराओं पर ध्यान केंद्रित) - समसामयिक मान्यताओं पर चर्चा	डॉ. सतीश शर्मा
भारत की मूर्त विरासत का परिचय	डॉ. ललित पांडे डॉ. श्री कृष्ण जुगनू
पुरातत्व को समझना: भारत की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना	डॉ. एन. ताहिर
भारतीय वास्तुकला में मूर्त विरासत का महत्व: इसे स्कूली शिक्षा में शामिल करना	प्रो. रेखा पांडे
अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर विशेष परिप्रेक्ष्य के साथ सांस्कृतिक शिक्षा में प्रदर्शन कला की भूमिका	डॉ. लईक हुसैन श्री फणीन्द्र तालुकदार श्री कृपाल कलिता श्रीमती शकुंतला संतोष
हड़प्पा से लेकर समकालीन मूर्तिकला तक की मूर्त सांस्कृतिक विरासत और मूर्तिकला कला को समझना	डॉ. एम.एन. राजेश प्रो.जे.एस. खरकवाल डॉ. के.पी. राव श्री मृण्मय दास डॉ. विजय कुमार माथुर श्रीमती पूजा सोनवाल
यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों की शैक्षिक यात्रा: कुतुब परिसर और हुमायूं का मकबरा	डॉ. अर्चना अस्थाना डॉ. अश्वनी अस्थाना
एकीकृत कला शिक्षा के संबंध में एनईपी-2020की अनुशंसा	प्रो ज्योत्सना तिवारी प्रो. एन. उपेन्द्र रेड्डी डॉ. रितु भटनागर डॉ. पूरबी बैश्य
कला शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव: एनईपी 2020 की सिफारिशें	श्रीमती शकुंतला संतोष
एनईपी 2020के संदर्भ में समकालीन भारत में सामाजिक मूल्यों की प्रासंगिकता	डॉ.शारदा कुमारी प्रो मधुमीता सिन्हा सुश्री एनी पोथेन
विद्यालयी शिक्षा में लैंगिक समानता और तटस्थता	डॉ मीराम्बिका महापात्रो प्रो मधुमीता सिन्हा डॉ. पोली वौक्यूलाइन डॉ. पूनम काकोटी बोरा
संस्कृति में लिंग	प्रो. सीमा मलिक
विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका	श्री एम. वीरेंद्र श्रीमती गीतांजलि बरुआ
भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में साहित्य की भूमिका	प्रो. के. राज्य राम
शिक्षा में नवाचार - शिक्षकों की नई जिम्मेदारीयाँ	डॉ. एम.पी. शर्मा

Subject (s)	Name of Expert (s)
Painting & Craft Traditions of India	Dr. Charu Smita Gupta Dr. Nilajana Gogoi Sri J.V. Krishna Kumar Dr. Deepak Salvi Dr. Basant Kashyap
Indian Design	Dr. Bhargav Mistry
The Symbolism, Iconography,Techniques and Materials Used in Traditional Indian Paintings	Shri Anand Kumar Gadapa
Indian Handloom and an overview*	Ms. Sudha Kishore
Understanding Indian Contemporary Paintings	Dr. Shail Choyal
Cultural History of India	Prof. Bharat Gupt Dr. Lalit Panday Dr. Hansmukh Seth Dr. Ashim Borah Dr. Sabnam Barman
Relevance of Multilingualism: three language formula with reference to NEP-2020	Prof. K. Rajya Rama Dr. Dhurjjati Sarma
Performing aspect of various traditional and contemporary theatre forms of India and its relevance in overall personality development	Dr. Suwarn Rawat Ms. Nisha Trivedi Dr. Rajeev Ranjan Shri Prabuddha Pandey Shri Dayalkrishna Nath Shri Gunakar Dev Goswami
The Impact of Theatre Studies on Personality Development for Teachers and Students	Shri Rajeev Ranjan Shri Vinay Varma
Using Traditional Games and Toys as pedagogy in cultural education with special reference to NEP-2020	Prof. R. Lakshmi Reddy Smt. Vijaya Lakshumi Prabhakar Smt. Binita Devi
Enchanting Play ways: Unveiling the Toy-based Paradigm in Education with special reference to NEP-2020	Smt. Seema Wahi Mukherjee Dr. Saswati Bordoloi
Official Language Policy and Hindi: Its Importance for Teachers in School Education	Dr. Ramesh R. Arya Dr. Atma Ram Dr. Jai Prakash Kardam Shri Ajay Chaudhary Shri Giriraj Paliwal Dr. J. P. Shakdweepiya Dr. Sharmila Tayee Smt. Binita Das
Odissi Dance	Smt. Vani Madhav Shri Krishnendu Saha Ms. Shally Srivastava

विषय	वक्ता/विशेषज्ञ
भारतीय ज्ञान प्रणालियों के संदर्भ में राष्ट्र निर्माण में मूल्य शिक्षा की प्रासंगिकता	डॉ. ए.के. मर्चेंट डॉ. सबनम बर्मन डॉ. पी.सी.जैन डॉ. बबली चौधरी
भारत की चित्रकला और शिल्प परंपराएं	डॉ. चारु स्मिता गुप्ता डॉ. नीलाजना गोगोई श्री जे.वी. कृष्ण कुमार डॉ. दीपक साल्वी डॉ. बसंत कश्यप
भारतीय डिज़ाइन*	डॉ. भार्गव मिस्त्री
पारंपरिक भारतीय चित्रकला में प्रयुक्त प्रतीकवाद, प्रतिमा विज्ञान, तकनीक और सामग्री	श्री आनंद कुमार गडपा
भारतीय हथकरघा और एक सिंहावलोकन*	सुश्री सुधा किशोर
भारतीय समकालीन चित्रकला को समझना	डॉ. शैल चोयल
भारत का सांस्कृतिक इतिहास	प्रो. भरत गुप्त डॉ. ललित पांडे डॉ. हंसमुख सेठ डॉ. आशिम बोरा डॉ. सबनम बर्मन
बहुभाषावाद की प्रासंगिकता: NEP-2020 के संदर्भ में त्रिभाषा सूत्र	प्रो. के. राज्य राम डॉ. धुर्जति शर्मा
भारत के विभिन्न पारंपरिक और समकालीन रंगमंच रूपों का प्रदर्शन पहलू और समग्र व्यक्तित्व विकास में इसकी प्रासंगिकता	डॉ. सुवर्ण रावत सुश्री निशा त्रिवेदी डॉ. राजीव रंजन श्री प्रबुद्ध पांडे श्री दयालकृष्ण नाथ श्री गुणाकर देव गोस्वामी
शिक्षकों और छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर रंगमंच अध्ययन का प्रभाव	श्री राजीव रंजन श्री विनय वर्मा
एनईपी-2020 के विशेष संदर्भ के साथ सांस्कृतिक शिक्षा में पारंपरिक खेलों और खिलौनों का उपयोग करना	प्रो. आर. लक्ष्मी रेड्डी श्रीमती विजया लक्ष्मी प्रभाकर श्रीमती बिनीता देवी
मनमोहक खेल के तरीके: एनईपी-2020 के विशेष संदर्भ के साथ शिक्षा में खिलौना-आधारित प्रतिमान का अनावरण	श्रीमती सीमा वाही मुखर्जी डॉ. सास्वती बोरदोलोई
राजभाषा नीति और हिंदी: स्कूली शिक्षा में शिक्षकों के लिए इसका महत्व	डॉ. रमेश आर. आर्य डॉ. आत्मा राम डॉ जय प्रकाश कर्दम श्री अजय चौधरी श्री गिरिराज पालीवाल डॉ. जे. पी. शाकद्वीपीय डॉ. शर्मिला तायी श्रीमती बिनीता दास
ओडिसी नृत्य	श्रीमती वाणी माधव श्री कृष्णेंदु साहा सुश्री शैली श्रीवास्तव

Subject (s)	Name of Expert (s)
Bharatnatyam Dance	Smt. Jayalakshmi Eshwar Ms. Shreyasi Gopinath Smt. Geetha Ganesan Smt. Binal Himanshu Wala Smt. Upashana Mahanta
Kathak Dance	Ms. Jayashree Acharya Ms. Vibha Dubey Smt. Mangala Bhatt Dr. Shambhauvi Shukla Smt. Chandrakala Choudhary Smt. Kiran Paneri Smt. Sonal Garg
Kuchipudi Dance	Dr. P. Rama Devi Dr. Yashoda Thakore
Sattriya Dance	Smt. Seujpriya Borthakur Dr. Anwesha Mahanta
Folk Dance of Punjab	Shri Rajinder Singh Tonk
Folk Dance of Assam	Shri Ranjit Gogoi
Folk Dance of Rajasthan	Smt. Marisha Dixit Joshi
Folk Traditions of Rajasthan	Dr. Laique Hussain Shri Dinesh Bansal
Musical Instruments of India: Developing Sensory Memory in School Students	Dr. D. Pavani
Using Hindustani Music and its importance in delivering cultural education from interdisciplinary perspective	Dr. Sharbari Banerjee Dr. Subhadra Desai Prof. Ojesh Pratap Singh Dr Asmita Mishra Shri Gautam Kale Dr. Monika Shah Pt. Rajendra Vaishnav Prof. Seema Rathore Shri Pradyut Mishra Ms. Ankita Tiwari
Using Carnatic Music and its importance in delivering cultural education from interdisciplinary perspective	Shri Arvindd Narayanan Dr. B. Radha Sarangapani
Using Folk Music and its importance in delivering cultural education from interdisciplinary perspective	Smt. Mitali De Smt. Reema Das
Learning to Sing Songs in Indian Languages	Smt. Gurinder Kaur Shri Sudhanshu Bahuguna Dr. P. Saroja Smt. Barnali Das Dr. Prem Bhandari

विषय	वक्ता/विशेषज्ञ
भरतनाट्यम नृत्य	श्रीमती जयलक्ष्मीं ईश्वर सुश्री श्रेयसी गोपीनाथ श्रीमती गीता गणेशन श्रीमती बिनल हिमांशू वाला श्रीमती उपासना महंत
कथक नृत्य	सुश्री जयश्री आचार्य सुश्री विभा दुबे श्रीमती मंगला भट्ट डॉ. शाम्भवी शुक्ला श्रीमती चंद्रकला चौधरी श्रीमती किरण पानेरी श्रीमती सोनल गर्ग
कुचिपुड़ी नृत्य	डॉ. पी. रमा देवी डॉ यशोदा ठाकोर
सत्रिया नृत्य	श्रीमती सेउजप्रिया बोरठाकुर डॉ. अन्वेषा महंत
पंजाब का लोक नृत्य	श्री राजिंदर सिंह टोंक
असम का लोक नृत्य	श्री रंजीत गोगो
राजस्थान का लोक नृत्य	श्रीमती मारिशा दीक्षित जोशी
राजस्थान की लोक परंपराएँ	डॉ. लाइक हुसैन श्री दिनेश बंसल
भारत के संगीत वाद्ययंत्र: स्कूली छात्रों में संवेदी स्मृति का विकास	डॉ. डी. पवन
अंत:विषयक परिप्रेक्ष्य से सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान करने में हिंदुस्तानी संगीत का उपयोग और उसका महत्व	डॉ शरबरी बनर्जी डॉ. सुभद्रा देसाई प्रो. ओजेश प्रताप सिंह डॉ अस्मिता मिश्रा श्री गौतम काले डॉ. मोनिका शाह पं. राजेंद्र वैष्णव प्रो सीमा राठौड़ श्री प्रद्युत मिश्रा सुश्री अंकिता तिवारी
अंत:विषयक परिप्रेक्ष्य से सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान करने में कर्नाटक संगीत का उपयोग और उसका महत्व	श्री अरविन्द नारायणन डॉ. बी. राधा सारंगपाणि
अंत:विषयक परिप्रेक्ष्य से सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान करने में लोक संगीत का उपयोग और उसका महत्व	श्रीमती मिताली डे श्रीमती रीमा दास
भारतीय भाषाओं में गीत गाना सीखना	श्रीमती गुरिंदर कौर श्री सुधांशु बहुगुणा डॉ. पी. सरोजा श्रीमती बरनाली दास डॉ. प्रेम भंडारी

Subject (s)	Name of Expert (s)
*Traditional Health System and its relevance in school education	Prof. P. C. Joshi Smt. Anita Paliwal Shri Suresh Paliwal Dr. Narendra Sanadhya Dr. Vyom Singh Boliya Dr. Nurul Islam Smt. Rajkanya Barua
Experimental learning through storytelling and pedagogy in school education	Smt. Usha Chhabra Smt. Nupur Awasthi Gaur Ms. Veena Sethepalli Dr. Swasati Bordoloi
Indian Culture and Modern Science	Dr. Anup Bordoloi
Introduction to Ecological (Natural& Cultural) diversity and heriatge of India and its principals	Dr. Jyotishmoy Bora Dr. Ashim Bora
Sustainable Living: Good practices in waste management under *Swachh Bharat Mission*	Major Shiva Kiran Ms. Swati Singh Sambyal Shri Sharad Gaur Ms Madhulika Choudary Dr. Bhanwar Vishvendra Raj Singh Shri Himangshu Kachari Dr. Pradip Sharma Dr. Devendra Singh Chauhan
Gandhian Philosophy of Education	Dr. Kavita Chauhan
Introduction to Telangana Folk Music & Dance	Dr. L. Srinivas Dr. Surabhi Laxmi Sarada
Enhancing Communication Skills: Practical Activity – Music, Dance Voice Modulation & Positive Body Language (Practical Exercises)	Smt. Savita Sharma Shri Gulshan Walia Shri Anoop Saggar Shri Swapan Kumar Sarkar Shri Rakesh Sharma Shri A. Madhusudan Shri Vasudev .C Shri Sunil Tank Smt. Ekaakshie Adhikari Shri Kuldeep Patgiri Shri Deepak Dixit Shri Tapajit Dutta Borah
Yoga for Mindful Living	Dr. Sanjiv Pathak Shri D.S. Siva Prasad Dr. Vyom Singh Boliya Shri Ravi Sharma Shri Suresh Paliwal Dr. Nurul Islam Dr. Narendra Sanadhya Ms. Bijoy Laxmi Baruah

विषय	वक्ता/विशेषज्ञ
पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणाली और स्कूली शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता*	प्रो. पी. सी. जोशी श्रीमती अनिता पालीवाल श्री सुरेश पालीवाल डॉ. नरेन्द्र सनाढ्य डॉ. व्योम सिंह बोलिया डॉ. नुरुल इस्लाम श्रीमती राजकन्या बरुआ
स्कूली शिक्षा में कहानी सुनाने और शिक्षण-शास्त्र के माध्यम से प्रयोगात्मक शिक्षा	श्रीमती उषा छाबड़ा श्रीमती नूपुर अवस्थी गौड़ सुश्री वीणा सेठेपल्ली डॉ. स्वस्ती बोरदोलोई
भारतीय संस्कृति और आधुनिक विज्ञान	डॉ. अनूप बोरदोलोई
भारत की पारिस्थितिक (प्राकृतिक और सांस्कृतिक) विविधता और विरासत तथा उसके सिद्धांतों का परिचय	डॉ. ज्योतिष्मय बोरा डॉ. अशीम बोरा
सतत जीवन: स्वच्छ भारत मिशन के तहत अपशिष्ट प्रबंधन में अच्छी प्रथाएँ	मेजर शिव किरण सुश्री स्वाति सिंह संब्याल श्री शरद गौड़ सुश्री मधुलिका चौधरी डॉ. भंवर विश्वेन्द्र राज सिंह श्री हिमांग्शु कचारी डॉ. प्रदीप शर्मा डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान
शिक्षा का गांधीवादी दर्शन	डॉ. कविता चौहान
तेलंगाना लोक संगीत और नृत्य का परिचय	डॉ. एल. श्रीनिवास डॉ. सुरभी लक्ष्मी शारदा
संचार कौशल बढ़ाना: व्यावहारिक गतिविधि - संगीत, नृत्य आवाज मॉड्यूलेशन और सकारात्मक शारीरिक भाषा (व्यावहारिक अभ्यास)	श्रीमती सविता शर्मा श्री गुलशन वालिया श्री अनूप सग्गर श्री स्वपन कुमार सरकार श्री राकेश शर्मा श्री ए. मधुसूदन श्री वासुदेव सी श्री सुनील टांक श्रीमती एकाक्षी अधिकारी श्री कुलदीप पाटगिरी श्री दीपक दीक्षित श्री तपजीत दत्त बोरा
मननशील जीवन के लिए योग	डॉ. संजीव पाठक श्री डी.एस. शिव प्रसाद डॉ. व्योम सिंह बोलिया श्री रवि शर्मा श्री सुरेश पालीवाल डॉ. नुरुल इस्लाम डॉ. नरेन्द्र सनाढ्य सुश्री बिजॉय लक्ष्मी बरुआ

Subject (s)	Name of Expert (s)
*Cultural Wisdom : Emphasizing Women's Empowerment through Yoga	Smt. Varsha Labahshetwar
*Meditation for Mindful Living	Dr. Ruchi Dahiya
From Tradition to Education: Indian Puppetry's Contribution to Effective Classroom Teaching	Ms Meera Chaganti Ms. Veena Sethepalli
Redefining Teaching skills –&Presentation skills for effective teaching	Shri G V N Raju
Innovative Communication through the Art of Ventriloquism: Elevating Teaching and Presentation Effectiveness	Shri G V N Raju
*Exploring India's Rich Manuscript Tradition through Technology	Dr. Pratapanand Jha
The Role of Media in Cultural Preservation	Dr Anjali Lal Gupta
Preparation of Lesson Plans and Project work on Cultural component in Education	Smt. Uma Sharma
Crafting Heritage : The Art & Craft of Traditional Puppet Making	Shri Ajit Bhat

* The new Subject(s)/Expert(s) added this year

Exploring the manuscript heritage with Dr. Pratapanand Jha

Teachers learning the classical dance form of Odissi

विषय	वक्ता/विशेषज्ञ
सांस्कृतिक ज्ञान: योग के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर जोर*	श्रीमती वर्षा लाभशेतवार
सचेतन जीवन के लिए ध्यान*	डॉ. रुचि दहिया
परंपरा से शिक्षा तक: प्रभावी कक्षा शिक्षण में भारतीय कठपुतली कला का योगदान	सुश्री मीरा चागंती सुश्री वीणा सेठेपल्ली
प्रभावी शिक्षण के लिए शिक्षण कौशल और प्रस्तुति कौशल को फिर से परिभाषित करना	डॉ. जी वी एन राजू
वेंट्रिलोक्विज्म की कला के माध्यम से अभिनव संचार: शिक्षण और प्रस्तुति प्रभावशीलता को बढ़ाना	डॉ.जी वी एन राजू
'प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत की समृद्ध पांडुलिपि परंपरा की खोज	डॉ. प्रतापानंद झा
सांस्कृतिक संरक्षण में मीडिया की भूमिका	डॉ अंजलि लाल गुप्ता
शिक्षा में सांस्कृतिक घटक पर पाठ योजना और परियोजना कार्य की तैयार	श्रीमती उमा शर्मा
शिल्प विरासत: पारंपरिक कठपुतली बनाने की कला और शिल्प	श्री अजीत भट्ट

* इस वर्ष जोड़े गए नए विषय/विशेषज्ञ

एनईपी 2020 के संदर्भ में एकीकृत कला शिक्षा विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. राहुल कुमार

पारंपरिक हस्तशिल्प की शिल्पकला सीखते हुए प्रतिभागी

भारतीय भाषाओं में गीत गायन का अभ्यास कराते हुए विशेषज्ञ

राजभाषा नीति एवं हिंदी के महत्व पर आयोजित सत्र में ध्यानपूर्वक सहभागिता करते प्रतिभागी

Workshops

As envisioned in the National Education Policy 2020, which is aligned with the global education development agenda reflected in the Goal 4 (SDG4) of the 2030 agenda for Sustainable Development, CCRT has always emphasized on an education system deep rooted in Indian ethos and organized workshops for in-service teachers of schools from all parts of the country to propagate art education and to understand the importance of art in education.

"Cultural awareness and expression are among the major competencies considered important to develop in children, in order to provide them with a sense of identity, belonging, as well as an appreciation of other cultures and identities.

As a part of the thrust on experiential learning, art-integrated education will be embedded in classroom transactions not only for creating joyful classrooms, but also for imbibing the Indian ethos through integration of Indian art and culture in the teaching and learning process at every level. This art-integrated approach will strengthen the linkages between education and culture."

– National Education Policy (NEP) 2020

CCRT has designed 'Thematic Workshops' to introduce the participating teachers/students to the rich fabric of artistic and cultural heritage of India, help in conservation and development of diverse culture, awareness and traditions of all parts of the country. A hands-on component is also available to reassure the participants that everyone has the capacity to do art and encourage creativity and sensitivity in them. They are introduced to discipline based art education and engaged in activities that model successful implementation. These Workshops help teachers to integrate the arts across the curriculum and provide methodologies of cultural inputs in curriculum teaching. The various Workshops organized by the CCRT during the year 2024-25 are as given below: -

- Role of Puppetry in Education
- Role of Schools in Conservation of the Natural and Cultural Heritage
- Integrating Craft Skills in School Education
- Our Cultural Diversity
- Other Workshops
  - Role of Museums in School Education
  - Theatre Arts in Education

Major Activities:

- Learning of Crafts
- Puppet Show
- Selection and Completion of Projects
- Preparation of Educational Aids
- Learning of Songs in National Languages- Celebrating Azaadi Ka Amrit Mahotsav
- Lecture and lecture-demonstration on Indian Classical Music, Indian Classical Dances- Celebrating Azaadi Ka Amrit Mahotsav
- *Rajbhasha Neeti Aur Uski Samvaidhanik Sthiti*
- Educational Visits
- Evaluation(s) and Feedback form
- Regional Cultural presentations under *Ek Bharat - Shrestha Bharat*

कार्यशालाएँ

चूंकि, सतत् विकास के लिए 2030 एजेंडा के लक्ष्य 4 (एसडीजी 4) परिलक्षित वैश्विक शिक्षा विकास एजेंडा के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी रेखांकित है, सीसीआरटी ने हमेशा ऐसी शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया है जो भारतीय लोकाचार की जड़ों तक पहुँचती है और यह कला शिक्षा का प्रचार करने और शिक्षण में कला के महत्त्व को समझने के लिए देश के सभी भागों में सेवा कालीन शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

"सांस्कृतिक जागरूकता और अभिव्यक्ति, बच्चों में विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली प्रमुख दक्षताओं में से एक है, ताकि उन्हें पहचान, अपनेपन के साथ-साथ अन्य संस्कृतियों और पहचान की सराहना की भावना प्रदान की जा सके ।

अनुभवात्मक शिक्षा पर जोर देने के एक भाग के रूप में, कला-एकीकृत शिक्षा को न केवल आनंददायक कक्षाओं के निर्माण के लिए, बल्कि हर स्तर पर शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में भारतीय कला और संस्कृति के एकीकरण के माध्यम से भारतीय लोकाचार को आत्मसात करने के लिए कक्षा शिक्षा आदान-प्रदान में भी शामिल किया जाएगा । यह कला-एकीकृत दृष्टिकोण शिक्षा और संस्कृति के बीच सबंधों को मजबूत करेगा ।"

-राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020

सीसीआरटी ने भाग लेने वाले शिक्षकों/छात्रों को भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत के समृद्ध ताने-बाने से परिचित कराने, देश के सभी हिस्सों की विविध संस्कृति, जागरूकता और परम्पराओं के संरक्षण और विकास में मदद करने के लिए 'विषयगत कार्यशालाएँ तैयार किया है । कार्यशालाओं द्वारा छात्रों/छात्राओं में यह विश्वास पैदा किया जाता है कि उनमें प्रत्येक में कला क्षमता मौजूद है, उन्हें अपनी कला क्षमताओं को विकसित करने का अवसर प्रदान किया जाता है, साथ ही संकाय आधारित कक्षा की पढ़ाई से भी परिचित कराया जाता है उन्हें अनुशासन आध ारित कला शिक्षा से परिचित कराया जाता है और ऐसी रचनात्मक गतिविधिओं में शामिल किया जाता है, जिन्हें वे सफलतापूर्वक पूरा कर सकते हैं । इन कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षकों को पाठ्यक्रम-शिक्षण में सांस्कृतिक तत्वों की प्रविधियाँ और पाठ्यक्रम में कलाओं का समावेश करने में भी सहायता मिलती है। सीसीआरटी द्वारा वर्ष 2024-25 में आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं का विवरण नीचे दिया गया है :-

- शिक्षा में पुतली कला की भूमिका
- प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका
- विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश
- हमारी सांस्कृतिक विविधता
- अन्य कार्यशालाएँ
  - विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका
  - शिक्षा में नाट्य कलाएं

मुख्य गतिविधियाँ:

- शिल्पकलाओं को सीखना
- कठपुतली प्रदर्शन
- परियोजना का चयन एवं उन्हें पूरा करना
- शैक्षिक सहायक सामग्री तैयार करना
- राष्ट्रीय भाषाओं के गीत सीखना - आजादी का अमृत महोत्सव मनाना
- भारतीय शास्त्रीय संगीत, भारतीय शास्त्रीय नृत्य पर व्याख्यान और प्रस्तुति - आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के अंतर्गत
- राजभाषा नीति और उसकी संवैधानिक स्थिति
- शैक्षणिक भ्रमण
- मूल्यांकन व प्रतिक्रिया प्रपत्र
- एक भारत - श्रेष्ठ भारत के तहत क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

Role of Puppetry in Education in line with NEP 2020

Puppetry has been playing an important role in disseminating knowledge in most parts of the world. Puppetry imbibes elements of all art forms such as literature, painting, sculpture, music, dance, drama and enables students to develop their creative abilities. Puppetry has been used traditionally in India as a popular and an inexpensive medium to transmit knowledge about Indian myths and legends. Since Puppetry is a dynamic art form that appeals to all age groups, this medium of communication has been selected to serve as an aid for imparting education in schools. CCRT provides a comprehensive and an integrated training in the preparation, manipulation and production of such puppet programmes which may be used in variety of formal and non-formal teaching situations.

Aims of the Workshop

- To introduce puppetry as an aid to education.
- To teach preparation and manipulation of various forms of puppets.
- To prepare educational scripts and programmes for teaching curriculum subjects through puppetry.
- To enable teachers to acquire knowledge about traditional puppet forms of India and to provide them with an opportunity to interact with traditional puppeteers.
- To encourage teachers to improvise inexpensive teaching aids and to make creative activities for students an integral part of classroom teaching.

S.No.	Duration	Venue	No. of Participants
1.	June 19- July 03, 2024	Hyderabad	45
2.	June 20- July 04, 2024	Guwahati	66
3.	July 19- August 02, 2024	Udaipur	53
4.	August 27- September 10, 2024	New Delhi	65
5.	August 28-September 11, 2024	Hyderabad	53
6.	September 17-October 01, 2024	Udaipur	34
7.	November 20 - December 04, 2024	New Delhi	54
8.	December 10-24, 2024	Hyderabad	51
9.	January 02 -06, 2025	Guwahati	37
10.	February 06-20, 2025	New Delhi	55
		Total	**513**

एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका

विश्व के अधिकांश भागों में ज्ञान के प्रचार-प्रसार में पुतली कला ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । पुतली कला साहित्य, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, नृत्य, नाटक जैसी सभी कला शैलियों के तत्वों को आत्मसात करती है और छात्रों की रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने में सक्षम बनाती है। भारत में पारंपरिक रूप से पुतली कला को भारतीय पुराणों और दंत कथाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लोकप्रिय व सस्ते माध्यम के स्वरूप प्रयोग में लाया जाता रहा है। चूंकि पुतली कला एक गतिशील कला शैली है, जो सभी आयु वर्गों के लिए उपयुक्त है, अतः इस संचार माध्यम को विद्यालयों में शिक्षा प्रदान करने की सहायक सामग्री के रूप में चुना गया है। सीसीआरटी विविध औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षण परिस्थितियों में प्रयोग किए जा सकने वाले पुतली कार्यक्रमों को तैयार करने, चलाने और निर्मित करने में व्यापक तथा समेकित प्रशिक्षण प्रदान करता है।

कार्यशाला के उद्देश्य

- पुतली कला को शिक्षण में सहायक सामग्री के रूप में परिचित कराना।
- विविध प्रकार की पुतलियाँ बनाना तथा उन्हें चलाने का तरीका सिखाना।
- पुतली कला के माध्यम से शिक्षण पाठ्यक्रम के विषयों के लिए शैक्षिक आलेखों तथा कार्यक्रमों को तैयार कराना।
- भारत की परम्परागत पुतली कलाओं से अवगत कराना तथा पुतलीकारों से मिलने का अवसर प्रदान करना जिससे कि प्रतिभागी शिक्षक/शिक्षिकाएं भारतीय पुतली कला के ज्ञान को अर्जित करने में सक्षम हो सकें।
- शिक्षक/शिक्षिकाओं को सस्ती शैक्षिक सामग्री के निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना तथा उनसे छात्रों के लिए कक्षा की पढ़ाई के अभिन्न भाग के रूप में रचनात्मक गतिविधियाँ करवाना ।

क्रम संख्या	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	19 जून – 03 जुलाई, 2024	हैदराबाद	45
2.	20 जून - 04 जुलाई, 2024	गुवाहाटी	66
3.	19 जुलाई – 02 अगस्त, 2024	उदयपुर	53
4.	27 अगस्त– सितम्बर 10, 2024	नई दिल्ली	65
5.	28 अगस्त– 11 सितम्बर, 2024	हैदराबाद	53
6.	17 सितम्बर– अक्तूबर 01, 2024	उदयपुर	34
7.	20 नवम्बर – 04 दिसम्बर, 2024	नई दिल्ली	54
8.	10-24 दिसम्बर, 2024	हैदराबाद	51
9.	02-06 जनवरी, 2025	गुवाहाटी	37
10.	06-20 फरवरी , 2025	नई दिल्ली	55
		कुल	**513**

Statewise participation of Teachers in Workshops on Role of Puppetry in Education 2024-25

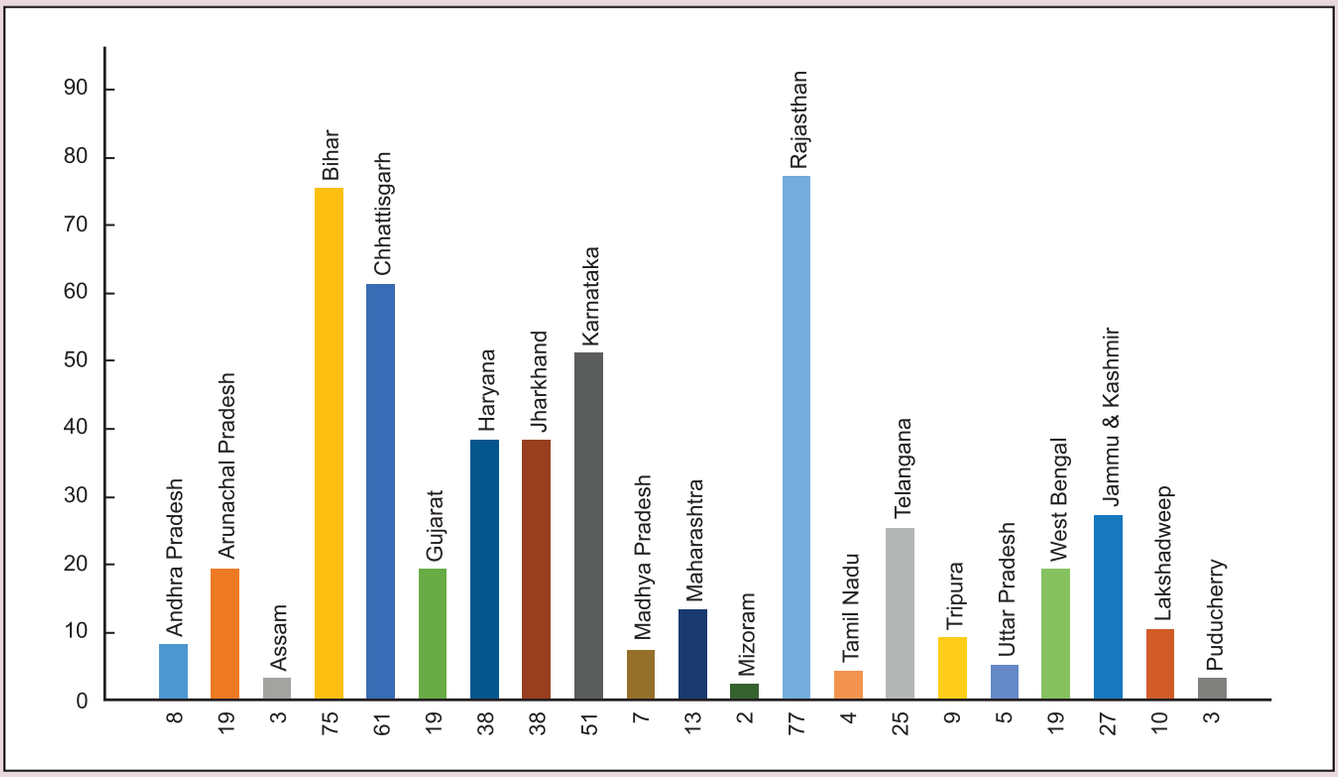

Statewise participation of Teachers in Workshops on Role of Puppetry in Education 1979-2025

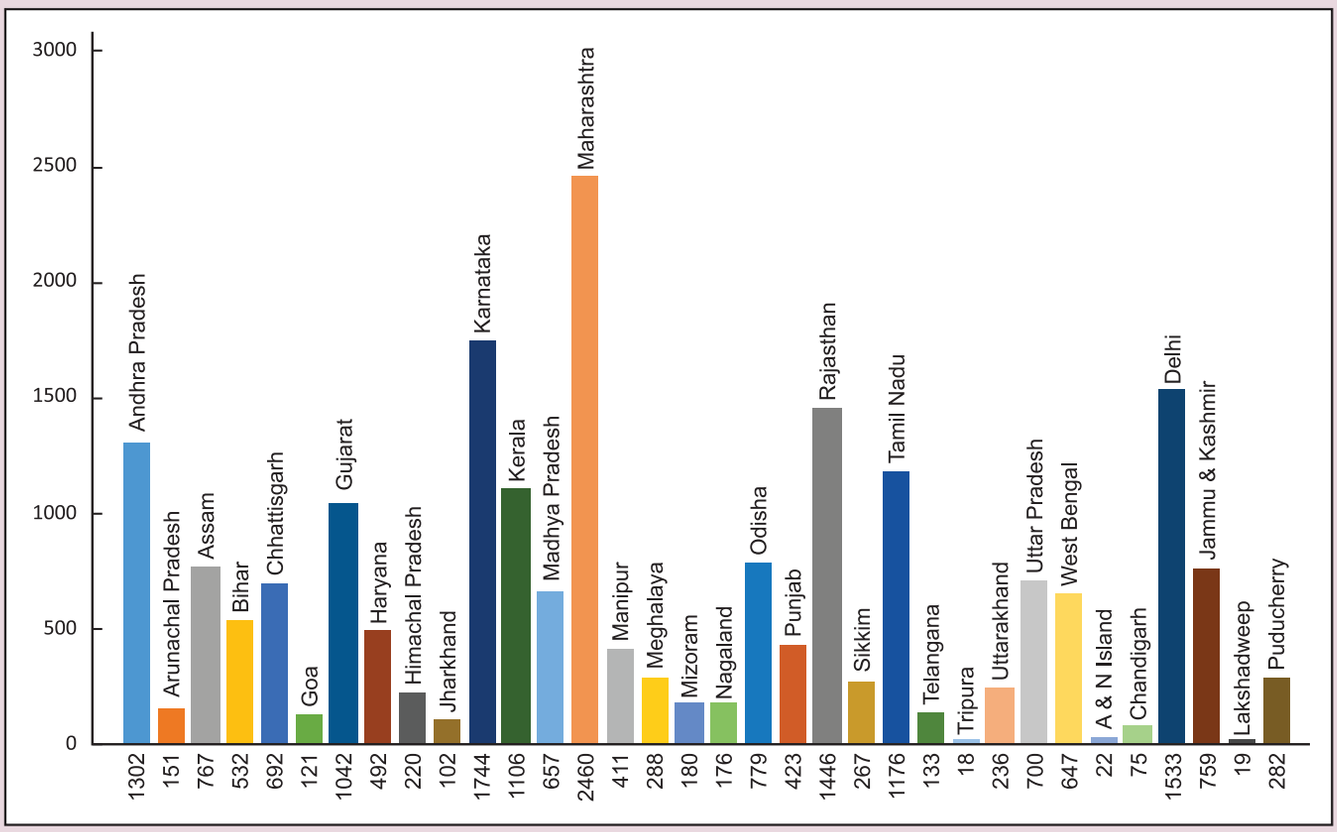

शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका पर आयोजित कार्यशालाओं में शिक्षक/शिक्षिकाओं की राज्यवार प्रतिभागिता 2024-2025

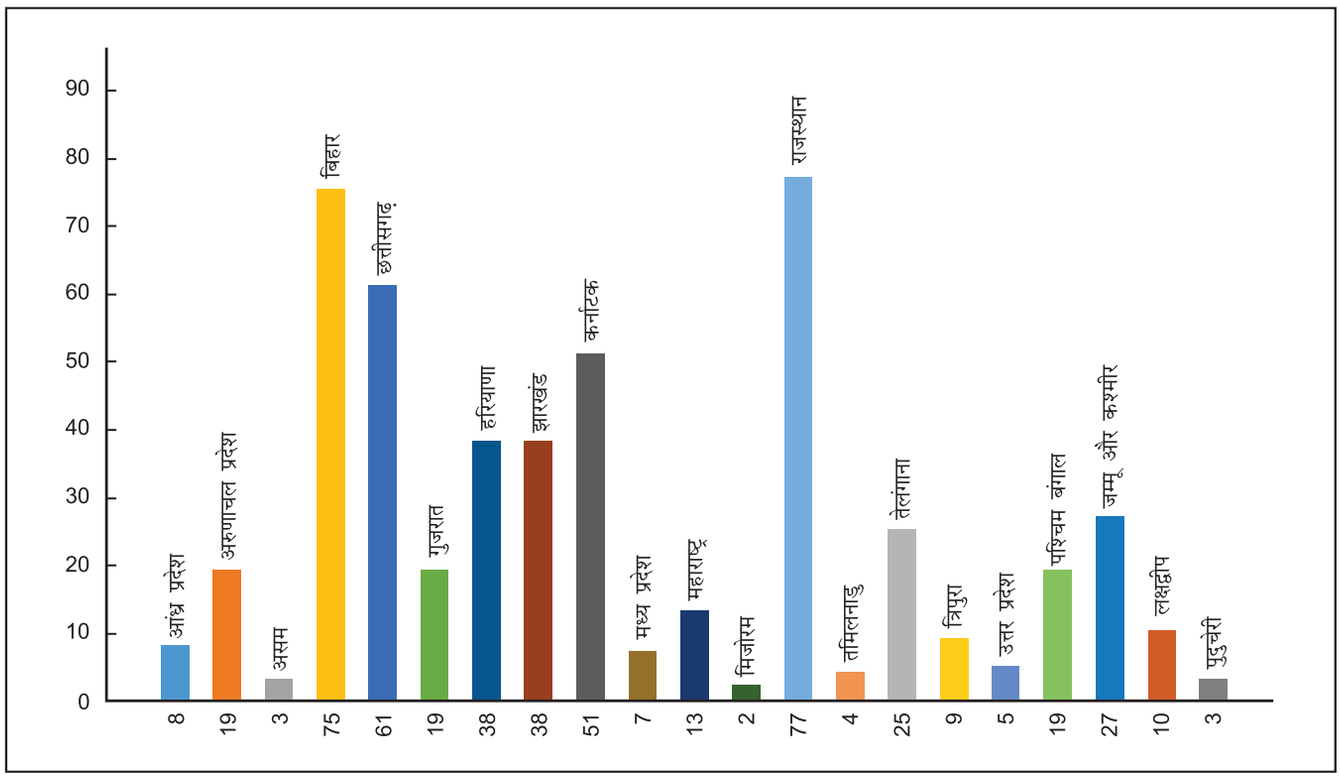

शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका पर आयोजित कार्यशालाओं में शिक्षक/शिक्षिकाओं की राज्यवार प्रतिभागिता 1979-2025

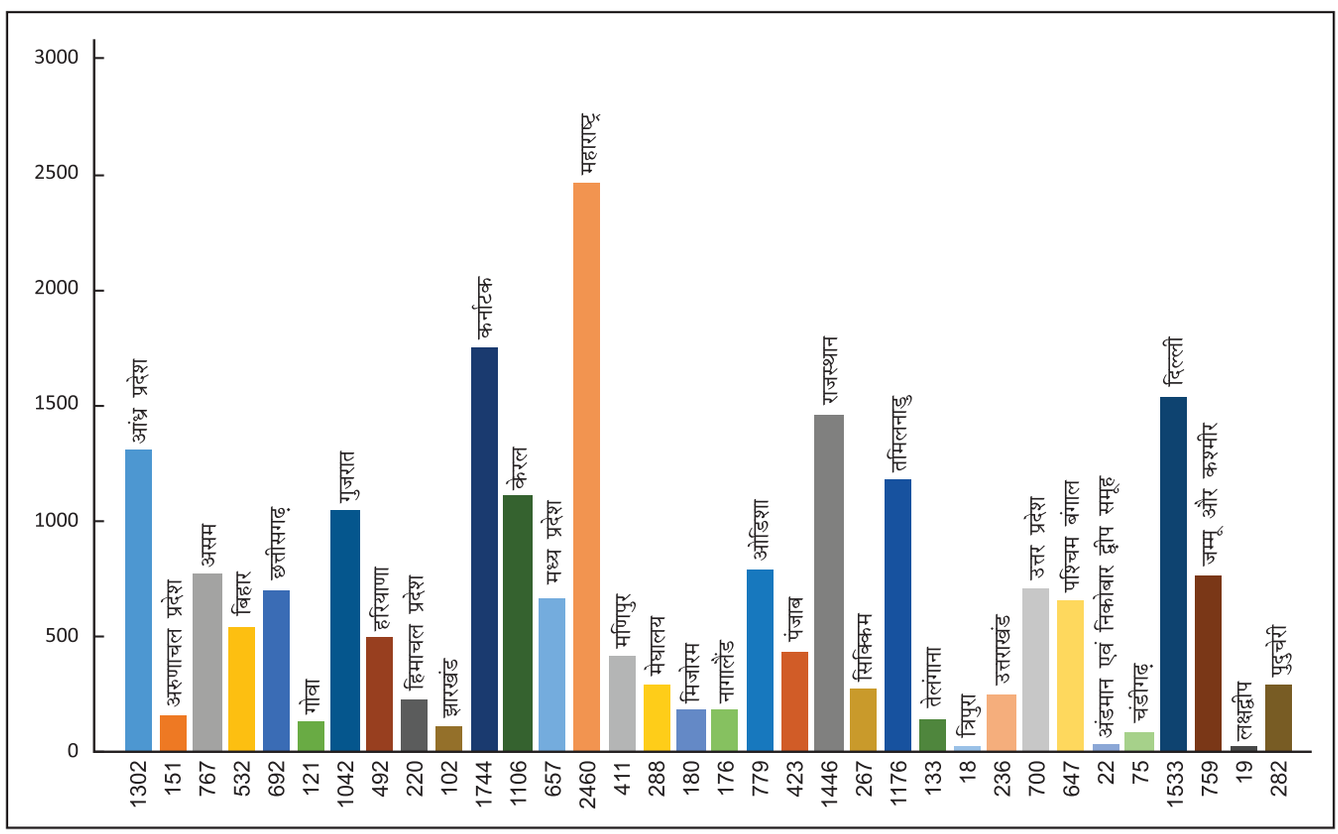

Role of Schools in Conservation of the Natural and Cultural Heritage (RSCNCH)

The Centre for Cultural Resources and Training (CCRT) organizes a variety of in-service teacher training programmes to enable teachers from different regions to share knowledge of their culture with others and sensitize them towards the diversity and richness of India's natural and cultural heritage. These programmes provide teachers teaching various disciplines, an opportunity to interact with one another so that their approach to education may become inter-related and the teaching-learning process less compartmentalized.

The Workshop concentrates on studying the Role of Schools in the Conservation of our Natural and Cultural Heritage and involve students and teachers in such activities which enable them to understand the cultural and biodiversity values of the site, the importance to preserve these values and the associated threats. The Workshop also develops a practical 'plan of action' that may inspire students to appreciate their natural and cultural heritage and feel responsible to protect the environment as citizens of India.

The accelerated pace of development in our country has brought forth changes both in the physical environment and cultural patterns, on an unprecedented scale. As a result, the familiar surroundings and the related cultural identities are being lost. It must be realized that what is lost today due to ignorance, lack of awareness or concern or thoughtless planning cannot be recovered, be it a plant species or a historical monument. The teachers are invited in Workshops to take up the task of sensitizing the students to their role as future guardians of the rich natural and cultural resources of our country.

Aims of the Workshop

- To study simple conservation techniques by which students can be involved in looking after historical monuments and natural and cultural heritage of their region.
- To develop a practical plan of action that may inspire students to take up cleanliness and beautification of local historical sites and parks.
- To provide an opportunity to teachers from various parts of the country to stay together and interact with each other and with local students, fostering a spirit of national integration,

Sl. No.	Duration	Venue	No. of Participants
1.	August 27-September 05, 2024	Guwahati	95
2.	August 27-September 05, 2024	Damoh	65
3.	October 16-25, 2024	Guwahati	68
4.	November 05-14, 2024	Hyderabad	59
5.	January 21-30, 2025	Udaipur	63
6.	February 25 to March 06, 2025	New Delhi	51
		Total	**401**

प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) सेवारत अध्यापकों हेतु प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में स्कूलों की भूमिका विषय पर कार्यशालाएँ आयोजित करता है, जो कि भिन्न-भिन्न भागों के अध्यापकों को अपनी संस्कृति के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती हैं, ताकि प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर की विविधता और समृद्धि के प्रति वे सराहना की भावना उत्पन्न कर सकें। इन प्रशिक्षण कार्यशालाओं में प्रतिभागियों को विविध विषयों से अवगत कराया जाता है जिससे कि शिक्षा के विभिन्न आयामों में सह-सम्बन्ध और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को समेकित कर विद्यार्थियों के शैक्षिक अनुभवों को समृद्ध बनाया जा सके।

इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में स्कूलों की भूमिका का अध्ययन करना तथा छात्र एवं अध्यापकों को ऐसी गतिविधियाँ सुझाना है जो विरासत में प्राप्त कला रूपों के संरक्षण में सहायक हों। इन कार्यशालाओं में शिक्षक/शिक्षिकाएँ स्थल के सांस्कृतिक परिवेश एवं जैव विविधता विषयक मूल्यों से परिचित होते हैं। इनके संरक्षण के महत्व तथा चुनौतियों के बारे में जानकारी दी जाती है। इन कार्यशालाओं के दौरान प्रतिभागियों में कार्यान्वयन की ऐसी क्रियात्मक योजना विकसित की जाती है जो छात्रों को एक जिम्मेदार नागरिक बनने और भारत की प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विरासत की सराहना व वातावरण की सुरक्षा करने हेतु प्रेरित करती है।

हमारे देश में तीव्र गति से विकास के कारण भौतिक वातावरण तथा सांस्कृतिक ढाँचे में बड़े पैमाने पर अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप हम परिचित परिवेश और इससे संबंधित सांस्कृतिक पहचान खो रहे हैं। अत: आज इस वास्तविकता को जानना चाहिए कि हमने अज्ञान, जागरूकता की कमी एवं अनियोजित योजनाओं से जो कुछ खोया, उसकी पुन: प्राप्ति असंभव है, चाहे यह किसी पौधे की प्रजाति या ऐतिहासिक स्मारक ही हो। कार्यशालाओं में अध्यापकों को इसलिए आमंत्रित किया जाता है, जिससे विद्यार्थी देश की समृद्ध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधनों के भावी संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका के महत्त्व को समझ सकें।

कार्यशालाओं के उद्देश्य

- संरक्षण की ऐसी सरल तकनीकों का अध्ययन करना, जिनके द्वारा छात्रों/छात्राओं को उनके क्षेत्र में अवस्थित ऐतिहासिक स्मारकों तथा अन्य प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विरासत की देखभाल में शामिल किया जा सके ।
- कार्यान्वयन हेतु ऐसी व्यावहारिक योजना विकसित करना, जिसके द्वारा छात्रों/छात्राओं को स्थानीय ऐतिहासिक स्थलों तथा उद्यानों को स्वच्छ,सुन्दर एवं आकर्षक बनाने हेतु उत्प्रेरित किया जा सके और
- राष्ट्रीय अखण्डता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न भागों से आए हुए शिक्षक/शिक्षिकाओं को स्थानीय छात्रों/छात्राओं के साथ रहने/ठहरने तथा विचार करने का सुअवसर प्रदान करना ।

क्रम संख्या	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	27 अगस्त-सितम्बर 05, 2024	गुवाहाटी	95
2.	27 अगस्त - 05 सितम्बर, 2024	दमोह	65
3.	16-25 अक्टूबर, 2024	गुवाहाटी	68
4.	05-14 नवम्बर, 2024	हैदराबाद	59
5.	21-30 जनवरी, 2025	उदयपुर	63
6.	25 फरवरी - 06 मार्च, 2025	नई दिल्ली	51
		कुल	**401**

Integrating Craft Skills in School Education (ICSSE)

Education at all stages has been regarded as a powerful instrument for social transformation. The major task of education in India today is to usher in a democratic, socialistic secular society which removes prejudices among people. The objectives of introducing 'Integrating Craft Skills in School Education' (ICSSE) in the schools is to help with the realization of these goals. Therefore, not only does it form an integral part of the school curriculum, but also has its ramifications into other subjects of the school curriculum.

The National Policy on Education 2020 states that the basic emphasis in interlinking education and culture should be on helping a child to discover his hidden talent and to express it creatively. This can be achieved through a participative process, using their immediate environment, giving special emphasis to curriculum reorientation and motivating teachers to interact with the students at different levels. Students should be learning joyfully and exploring the world with uninhibited curiosity and sense of adventure.

Handicrafts in this country are an important part of our rich cultural heritage, which serve to satisfy the aesthetic needs of human beings and provide a vehicle for their urge for self expression. The real significance of handicrafts lies in the novelty and utility of each object.

Today, we are losing not only an ancient heritage but an essential element in our social composition which has been a strong cementing force. ICSSE in schools gives an opportunity to revive and keep alive the rich heritage and cultural traditions of our country and encourages creativity among students. During the workshop on ICSSE, the teachers get intensive training in 3 to 4 crafts. The crafts generally taught are Pottery, Clay Modelling, Peppier Mache, Mask Making, Tie & Dye, Rangoli, Wall decoration, Cane Work, Bamboo Work, Book Binding, Paper Toys, etc. Classes for teaching Songs in National Languages are also conducted to inculcate a spirit of communal harmony and a sense of respect for all the languages. Lecture-demonstrations and slide-shows are arranged on a variety of topics related to Indian Handicrafts and Culture and sessions on use of CCRT's educational material for creative activities in curriculum teaching are also organized.

Aims of the Workshop

- To revive an interest in Indian Crafts and study their relevance for contemporary life.
- To help teachers to value and recognise the importance of local craft resources.
- To guide teachers to formulate a syllabus for teaching crafts/ ICSSE, in schools with the awareness created during the Workshops.
- To learn about the lifestyles of craftspersons and recognise their contribution to the society.
- To instil in teachers, the importance of value and moral education, and to suggest projects that can be taken up while working for the welfare of the community.
- To inculcate the value of dignity of labour.
- To develop an aesthetic sensibility pertinent to Indian culture.

Sl. No.	Duration	Venue	No. of Participants
1.	June 25-July 04, 2024	Udaipur	62
2.	July 03-12, 2024	Damoh	45
3.	July 18-27, 2024	New Delhi	95
4.	September 18-27, 2024	Hyderabad	40
5.	October 16-25, 2024	Udaipur	77
6.	November 05-14, 2024	Guwahati	50
7.	December 10-19, 2024	New Delhi	50
8.	January 15-24, 2025	Damoh	43
9.	February 04-13, 2025	Guwahati	61
		Total	**523**

विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश

शिक्षा को सभी स्तरों पर सामाजिक परिवर्तनों का एक शक्तिशाली माध्यम माना जाता है। आज देश में शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य लोगों को लोकतांत्रिक, समाजवादी, सर्वधर्म समभाव समाज के लिए तैयार करना है। शैक्षिक संस्थानों में 'शिक्षा में भारतीय कलारूपों और शिल्प कौशल का एकीकरण' कार्यान्वित करने का उद्देश्य इसी लक्ष्य की प्राप्ति करना है। इसलिए यह विद्यालय पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग ही नहीं है, बल्कि विद्यालय पाठ्यक्रम के अन्य विषयों से भी संबंध रखता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, शिक्षा को संस्कृति के साथ जोड़ने का मूल उद्देश्य, बच्चों में निहित प्रतिभा को खोजना एवं उसको रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करने में सहायता करना है। इसकी प्राप्ति सीखने-सिखाने की प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम के पुनः अनुस्थापन तथा अध्यापकों को विभिन्न स्तरों पर विद्यार्थियों के साथ संबंध स्थापित करने की अभिप्रेरणा द्वारा हो सकती है।

हमारे देश की हस्तकलाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर की अमूल्य देन हैं, जो मानव के सौन्दर्य-बोध की आवश्यकता एवं अभिव्यक्ति की जिज्ञासा का माध्यम है। हस्तकलाओं का वास्तविक महत्त्व प्रत्येक वस्तु के नयेपन व उपयोगिता में निहित है।

आज हम न केवल अपनी प्राचीन धरोहर खो रहे हैं, बल्कि सामाजिक संरचना के उस आवश्यक तत्त्व का भी ह्रास हो रहा है, जो समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। 'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' देश की समृद्ध धरोहर एवं सांस्कृतिक परम्पराओं के पुनर्गठन और इनको पुनः जीवित करने के अवसर प्रदान करता है तथा विद्यार्थियों में रचनात्मकता को भी प्रोत्साहित करता है। 'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' कार्यशाला के दौरान अध्यापक 3-4 शिल्प कलाओं को गहन रूप से सीखते हैं। सामान्यतः मिट्टी के बर्तन बनाना, मिट्टी के खिलौने बनाना, पेपर मेशी, मुखौटे बनाना, बांधनी, रंगोली, बेंत का कार्य, जिल्दसाजी, कागज के खिलौने बनाना आदि शिल्प कलाएं सिखाई जाती हैं। सांप्रदायिक सद्भाव की चेतना और सभी भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करने के लिए राष्ट्रीय भाषाओं में गीत सिखाने के लिए भी कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। भारतीय हस्तशिल्प एवं संस्कृति से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान तथा स्लाइड-प्रदर्शन किए जाते हैं, शिल्प में सौन्दर्य बोध पर विशेष बल दिया जाता है तथा पाठ्यक्रम शिक्षण में रचनात्मक गतिविधियों हेतु सीसीआरटी की शैक्षिक सामग्री का उपयोग किए जाने पर भी सत्र आयोजित किए जाते हैं।

कार्यशालाओं के उद्देश्य

- भारतीय शिल्प-कलाओं के प्रति रुचि जागृत करना और समकालीन जीवन में उनकी प्रासंगिकता का अध्ययन करना।
- स्थानीय शिल्प कला संसाधनों के महत्त्व को जानने में शिक्षक/शिक्षिकाओं की मदद करना।
- कार्यशाला के दौरान उत्पन्न नई जागृति के साथ विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश, पाठ्यक्रम के प्रतिपादन हेतु शिक्षकों/शिक्षिकाओं का मार्गदर्शन करना।
- शिल्पकारों की जीवन-शैली के बारे में जानकारी हासिल करना और समाज में उनकी भूमिका की पहचान स्थापित करना।
- शिक्षक/शिक्षिकाओं के मन में शिक्षा के मूल्य का महत्त्व बिठाना, सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान करना और उन्हें ऐसी परियोजनाएँ बनाने के लिए सुझाव देना, जिनका सामुदायिक कल्याण के कार्य के दौरान उपयोग हो सके।
- श्रम की महत्ता का भाव समाहित करना।
- भारतीय संस्कृति के प्रति सौंदर्यबोध की प्रासंगिकता विकसित करना।

क्रम संख्या	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	25 जून-04 जुलाई, 2024	उदयपुर	62
2.	03-12 जुलाई, 2024	दमोह	45
3.	18-27 जुलाई, 2024	नई दिल्ली	95
4.	18-27 सितम्बर, 2024	हैदराबाद	40
5.	16-25 अक्टूबर, 2024	उदयपुर	77
6.	05-14 नवम्बर, 2024	गुवाहाटी	50
7.	10-19 दिसम्बर, 2024	नई दिल्ली	50
8.	15-24 जनवरी, 2025	दमोह	43
9.	04-13 फरवरी, 2025	गुवाहाटी	61
		कुल	**523**

Our Cultural Diversity

The Workshop on "Our Cultural Diversity" focusses on promotion of national integration among the school students and how it can be made a part and parcel of their general ethos. The workshop is an initiative of CCRT, to generate awareness and enhance understanding of the rich culture of India. The Workshop aims to spread the message of universal brotherhood and respect for each religion and region.

The teachers are invited in this Workshop to take up the task of sensitizing school students to their role as the future guardians of the rich natural and cultural resources of our country. This Course motivates the teachers to learn more about the diverse culture of India, its knowledge system & tradition and also sensitizes them on human values, empathy, tolerance, human rights, gender equality, inclusion and equity which will cultivate respect for diversity. Equal respect for all religions with the idea to develop or bring back creative human endeavour has been the main focus of NEP 2020.

S.No.	Duration	Venue	No. of Participants
1.	September 17-26, 2024	Guwahati	71
2.	December 11-20, 2024	Udaipur	85
3.	January 21-30, 2025	Guwahati	90
		Total	**246**

Other workshops

CCRT organizes Workshops on "Theatre Arts in Education" for teachers with the objective of developing learning strategies through theatre to teach in areas of subject specific curriculum, social issues, life skills, etc. The inclusion of these workshops helps teachers attain optimal outcomes in the domains of cultural/artistic development and communication skills. The "Role of Museums in School Education" workshop emphasizes the use of museum resources as educational tools, encouraging experiential learning and fostering a deeper understanding of history, art, and culture among students. By integrating museum visits and activities into the curriculum, teachers can enhance student's critical thinking, observational skills, and appreciation for cultural heritage.

S.No.	Duration	Programme	Venue	No. of Participants
1.	June 25-29, 2024	Theatre Arts in Education	Nagpur	85
2.	October 14-18, 2024	Role of Museums in School Education	Hyderabad	67
3.	October 21-25, 2024	Role of Museums in School Education	New Delhi	85
4.	January 14-18, 2025	Theatre Arts in Education	Kolkata	106
5.	January 18-22, 2025	Theatre Arts in Education	Rishikesh	97
6.	January 28 to February 01, 2025	Theatre Arts in Education	Ramban J&K	81
			Total	**521**

हमारी सांस्कृतिक विविधता

'हमारी सांस्कृतिक विविधता' पर कार्यशाला स्कूली छात्रों के बीच राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने और इसे उनके सामान्य लोकाचार का अभिन्न अंग बनाने पर केंद्रित है। यह कार्यशाला सीसीआरटी की एक पहल है, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध संस्कृति के बारे में जागरूकता पैदा करना और उसकी समझ को बढ़ाना है। कार्यशाला का उद्देश्य सार्वभौमिक भाई-चारे और प्रत्येक धर्म एवं क्षेत्र के प्रति सम्मान का संदेश फैलाना है।

इस कार्यशाला में शिक्षकों को स्कूली छात्रों को हमारे देश के समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों के भावी संरक्षक के रूप में उनकी भूमिका के प्रति संवेदनशील बनाने का कार्य करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। यह पाठ्यक्रम शिक्षकों को भारत की विविध संस्कृति, इसकी ज्ञान प्रणाली और परंपरा के बारे में अधिक जानने के लिए प्रेरित करता है और उन्हें मानवीय मूल्यों, सहानुभूति, सहिष्णुता, मानवाधिकारों, लैंगिक समानता, समावेशिता और समता के प्रति भी संवेदनशील बनाता है जिससे विविधता के प्रति सम्मान का विकास होगा। सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और रचनात्मक मानवीय प्रयासों को विकसित करने या उन्हें वापस लाने के विचार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य ध्यान केंद्रित रहा है-

क्रम संख्या	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	17-26 सितम्बर, 2024	गुवाहाटी	71
2.	11-20 दिसम्बर, 2024	उदयपुर	85
3.	21-30 जनवरी, 2025	गुवाहाटी	90
		कुल	**246**

अन्य कार्यशालाएँ

सीसीआरटी शिक्षकों के लिए 'शिक्षा में रंगमंच कला' पर कार्यशालाओं का आयोजन करता है, जिसका उद्देश्य विषय-विशिष्ट पाठ्यक्रम, सामाजिक मुद्दों, जीवन कौशल आदि के क्षेत्रों में शिक्षण हेतु रंगमंच के माध्यम से शिक्षण रणनीतियाँ विकसित करना है। इन कार्यशालाओं के आयोजन से शिक्षकों को सांस्कृतिक/कलात्मक विकास और संचार कौशल के क्षेत्र में सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलती है। 'विद्यालय शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका' कार्यशाला संग्रहालय संसाधनों के शैक्षिक उपकरण के रूप में उपयोग पर जोर देती है, जिससे अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहित किया जा सके और छात्रों में इतिहास, कला और संस्कृति की गहरी समझ विकसित हो सके। पाठ्यक्रम में संग्रहालय भ्रमण और गतिविधियों को शामिल करके, शिक्षक छात्रों की आलोचनात्मक सोच, अवलोकन कौशल और सांस्कृतिक विरासत के प्रति प्रशंसा को बढ़ा सकते हैं-

क्रम संख्या	अवधि	कार्यक्रम	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	25-29 जून, 2024	शिक्षा में रंगमंच कला	नागपुर	85
2.	14-18 अक्टूबर, 2024	स्कूली शिक्षा में संग्रहालय की भूमिका	हैदराबाद	67
3.	21-25 अक्टूबर, 2024	स्कूली शिक्षा में संग्रहालय की भूमिका	नई दिल्ली	85
4.	14-18 जनवरी, 2025	शिक्षा में रंगमंच कला	कोलकता	106
5.	18-22 जनवरी, 2025	शिक्षा में रंगमंच कला	ऋषिकेश	97
6.	28 जनवरी - 01 फरवरी, 2025	शिक्षा में रंगमंच कला	रामबन-जम्मू एवं कश्मीर	81
			कुल	**521**

Statewise participation of Teachers in Workshops 2024-2025

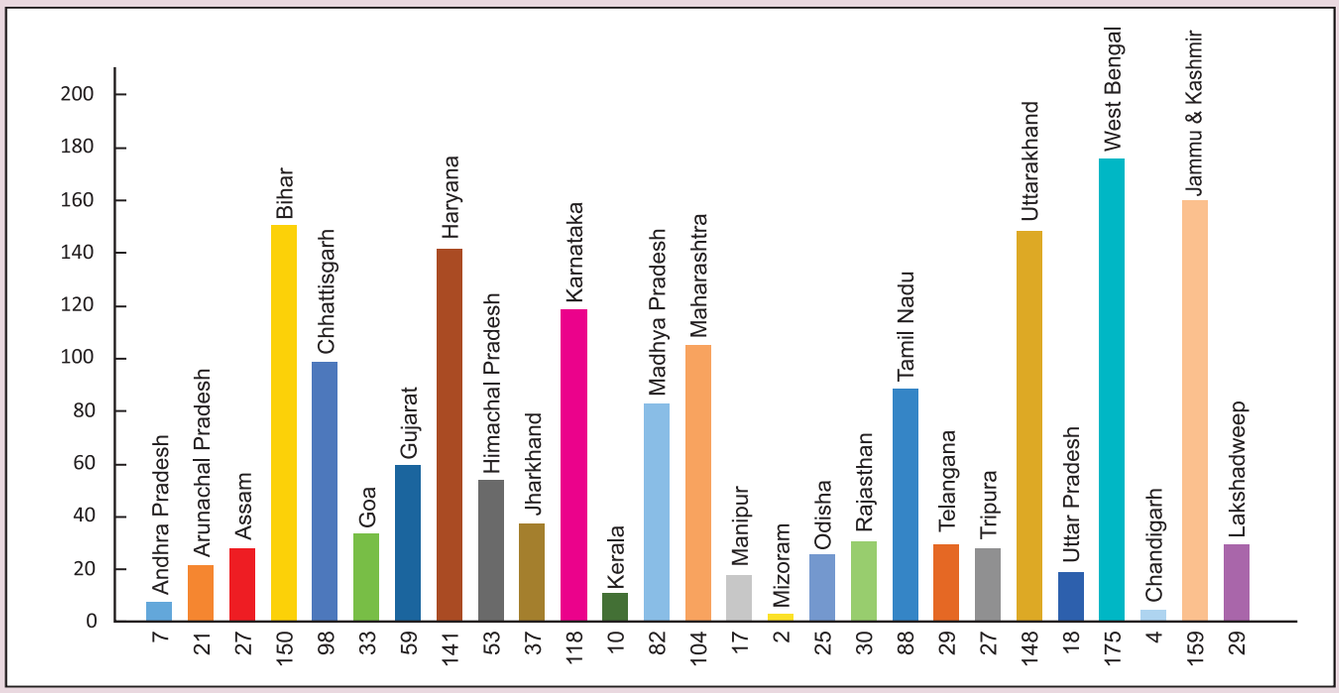

Statewise participation of Teachers in Workshops 1979-2025

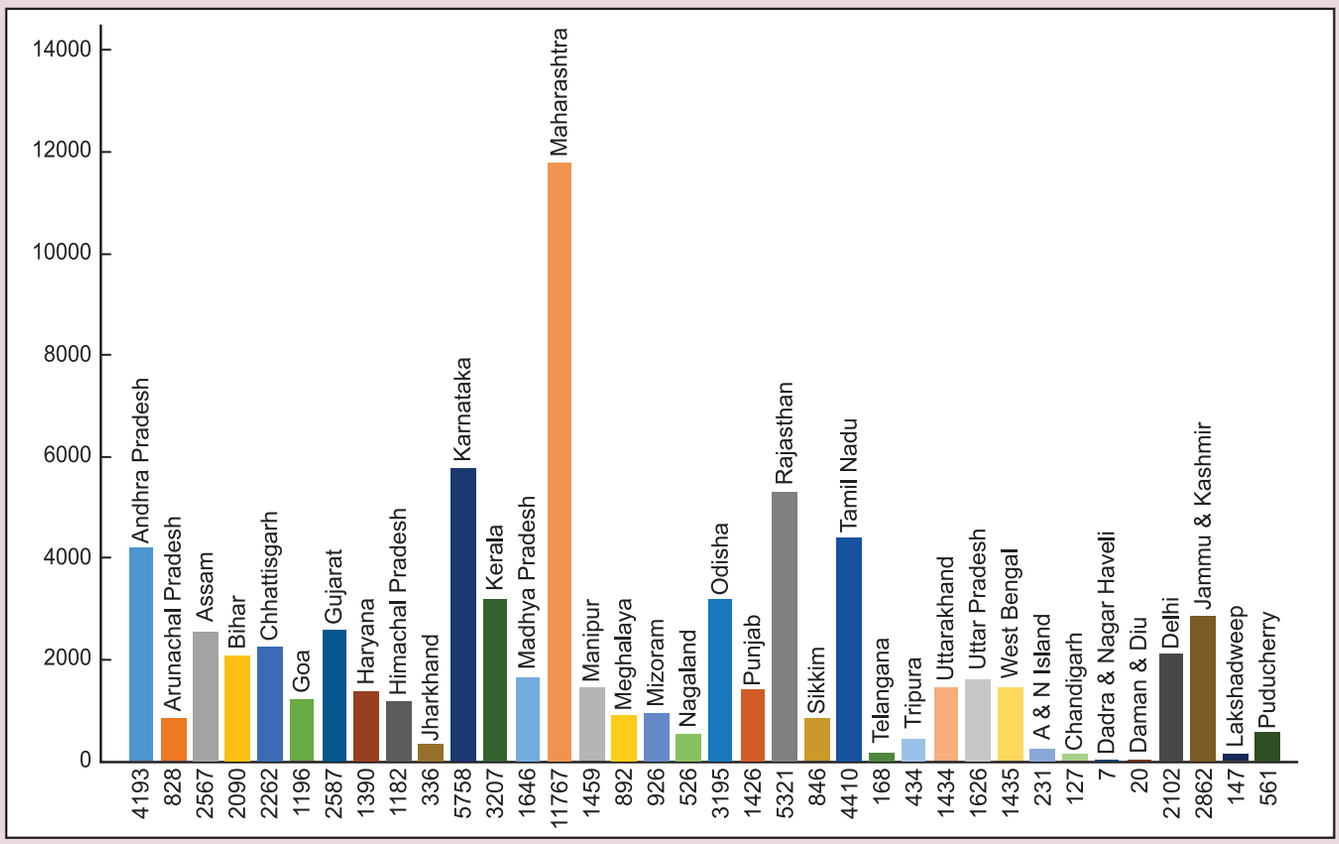

कार्यशालाओं में शिक्षकों/शिक्षिकाओं की राज्यवार प्रतिभागिता 2024-2025

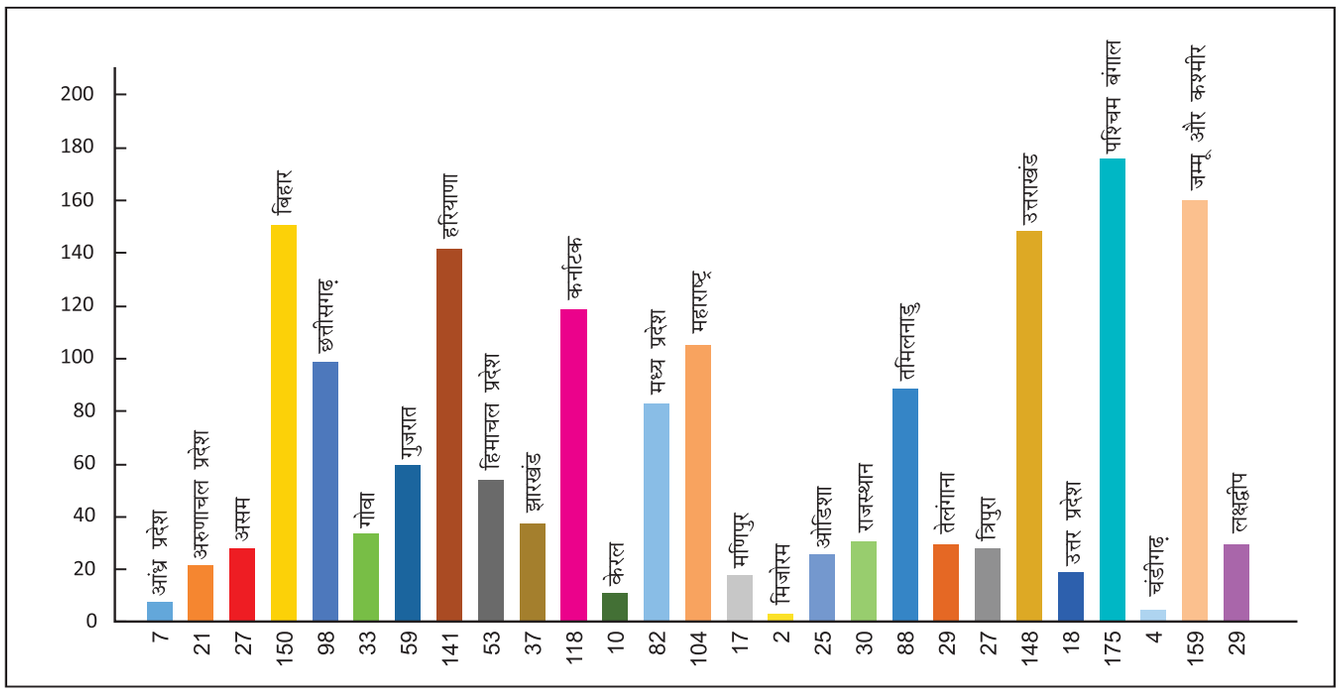

कार्यशालाओं में शिक्षकों/शिक्षिकाओं की राज्यवार प्रतिभागिता 1979-2025

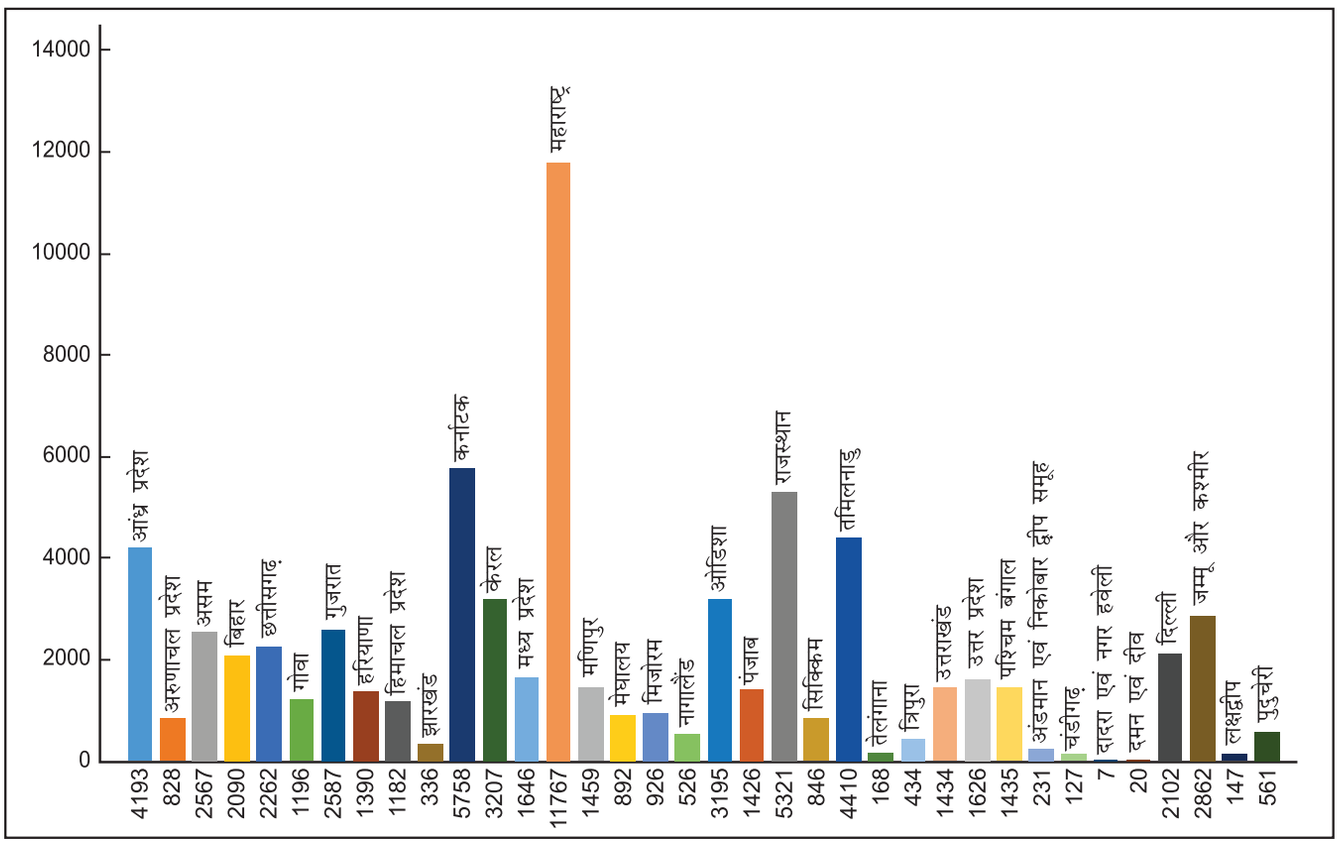

Workshops for Teacher-Trainers

CCRT is constantly in search of ways and means of broadening its base of work. In line with this objective, it has reinitiated the implementation of the concept project of Teacher Trainers in the year 2003. The project proved to be a successful venture and CCRT could reach the teachers working in the remote rural parts of the country through it. These Workshops stress on the need to present India as a cultural entity. Various themes covered under these Workshops are architectural and sculptural heritage, folklore and lifestyle of rural and tribal India, visual and oral performing and other fine arts of India, etc. The stress is on the need to go beyond the political and geographical boundaries and encourage the participants to share their heritage and values. The participants are trained to conduct short term workshops in the districts under the guidance of respective Principals and District Education Authorities.

SI No.	Duration	Programme	Venue	No. of Teachers Trained
1.	July 15-16, 2024	Cultural Inputs in Curriculum Teaching	New Delhi	41

Crafting of contemporary puppets by Teacher trainers

Teacher trainers with their certificates during Valedictory session

Short-term Workshops

In order to broaden its base at the grass root level and aiming larger number of training teachers, CCRT introduced the Direct Teacher Trainers Schemes. Under the scheme, previously trained teachers of the CCRT, doing good work in their areas, are further trained and are made responsible for organizing Short-term Workshops for the teachers at the district level. Short-term Workshops promote the development and nurturing of quality teachers.

Education is both a tool for and a reflection of cultural diversity. Education should raise awareness of the positive value of cultural diversity and threats to it, if any. The focus is on developing respect for one's native culture, traditions and language, promote tolerance for other cultures and capacity for cross-cultural communication.

शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए कार्यशालाएँ

सीसीआरटी ने लगातार कार्य के आधार को विस्तारित करने के तरीकों की खोज में वर्ष 2003 में शिक्षक-प्रशिक्षकों की परियोजना की अवधारणा के कार्यान्वयन को दोबारा शुरू किया । इस परियोजना से एक चुनौतीपूर्ण कार्य को करने में सफलता प्राप्त हुई और इसके माध्यम से देश के दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में भी कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं तक पहुंचना आसान हुआ । इन कार्यशालाओं में भारत को एक सांस्कृतिक हस्ती वाले देश के रूप में प्रस्तुत करने पर बल दिया जाता हैं । इन कार्यशालाओं में विविध विषयों के अंतर्गत वास्तुशिल्पीय एवं मूर्तिकला सम्बंधित विरासत, लोक साहित्य तथा ग्रामीण एवं जन-जातीय भारत की जीवन शैली, भारत के दृश्यपरक तथा मौखिक कला प्रदर्शनों तथा अन्य ललित कलाओं आदि को शामिल किया जाता है । कार्यशाला में बच्चों को राजनैतिक तथा भौगोलिक सीमाओं से बाहर जाने पर बल देते हुए सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जाता है। प्रतिभागियों को संबंधित प्रधानाचार्यों तथा जिला शिक्षा अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपने जिलों में लघु-अवधि की कार्यशालाएँ आयोजित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

क्र. सं.	अवधि	कार्यक्रम	स्थान	प्रशिक्षित शिक्षकों/शिक्षिकाओं की संख्या
1.	15-16 जुलाई, 2024	पाठ्यक्रम शिक्षण में सांस्कृतिक तत्व	नई दिल्ली	41

श्री राजीव कुमार (निदेशक, सीसीआरटी) प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

राजस्थानी लोक संगीत पर सत्र के दौरान प्रस्तुति देते हुए कलाकार

लघु-अवधि कार्यशालाएँ

सीसीआरटी ने बड़ी संख्या में अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के ध्येय को प्राप्त करने तथा उनके प्रशिक्षण की बुनियाद को आधारभूत स्तर पर विस्तार देने के लिए प्रत्यक्ष शिक्षक-प्रशिक्षक योजना पुनः आरंभ की। इस योजना के अन्तर्गत, सीसीआरटी के अच्छा कार्य कर रहे पूर्व प्रशिक्षित शिक्षक/शिक्षिकाओं को पुनः प्रशिक्षित किया जाता है और उन्हें जिला स्तर पर लघु अवधि कार्यशालाएँ आयोजित करने की जिम्मेदारी दी जाती है। लघु अवधि की कार्यशालाएँ शिक्षकों को एक योग्य एवं सक्षम शिक्षक बनाने में सहायता प्रदान करती हैं।

शिक्षा, सांस्कृतिक विविधता के लिए एक माध्यम का काम करती है। शिक्षा को सांस्कृतिक विविधता के मूल्यों के प्रति सकारात्मक एवं चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होना चाहिए। कार्यशाला में देशज सांस्कृतिक परम्पराओं तथा भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने पर प्रकाश डाला जाता है व अन्य संस्कृतियों के प्रति सहिष्णुता की भावना तथा भिन्न सांस्कृतिक संप्रेषण की क्षमता विकसित की जाती है।

State-wise participation of trainees in short-term workshops 2003-2025

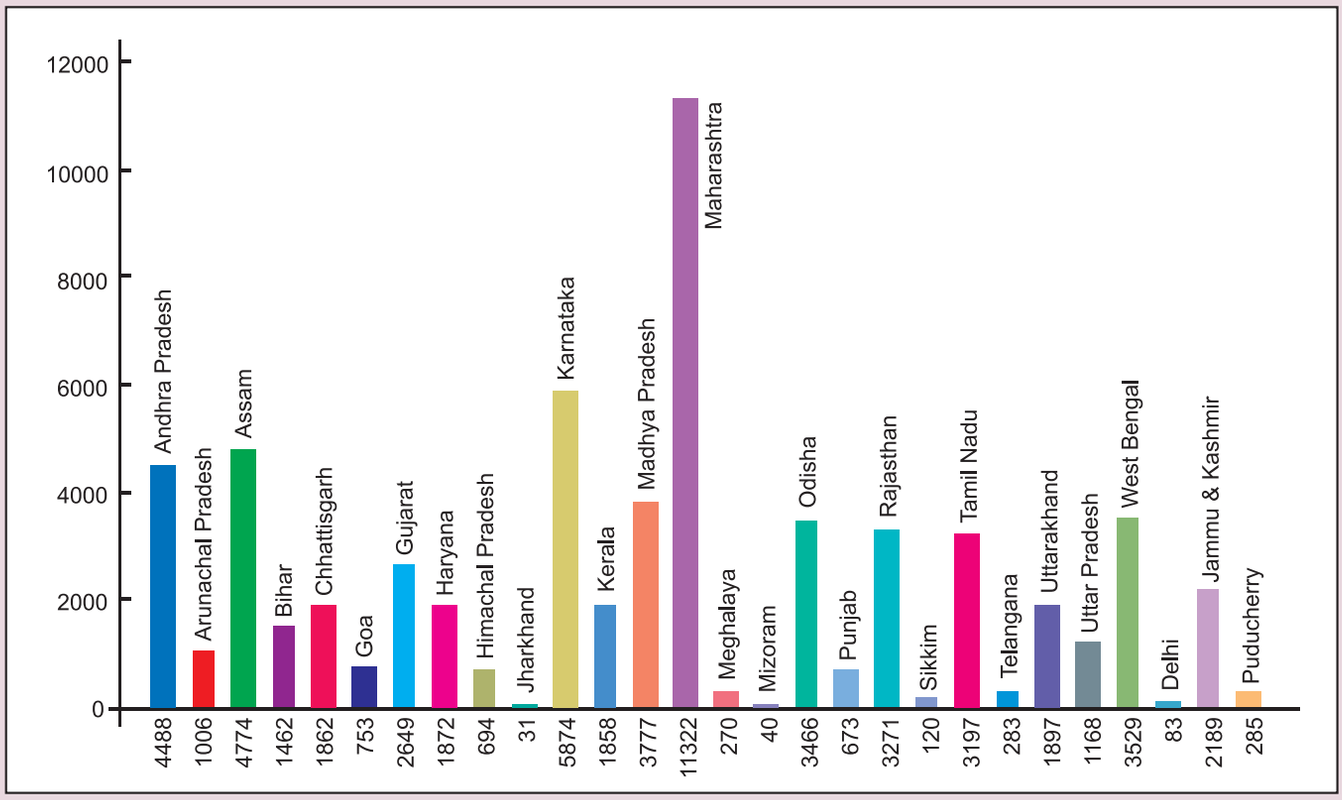

Short-term Programmes

In order to augment its activities in the State/UT, CCRT initiated a scheme of appointing senior level officers of State Education Department(s) as CCRT Nodal Officer. These incumbents extend their help and guidance to trained teachers for implementation of CCRT's mission at the grassroot level within the respective States/UTs.

The Nodal Officers forwarded a suggestion to register or to strengthen the presence of CCRT at the grassroot level by organizing 'Short Term Programme' in collaboration with State Education Departments with a two pronged approach. These 'Short Term Programmes' would not only create an awareness about CCRT's work amongst teachers within the State/UT but also inspire the participants to work more intensely in the area of introducing 'Cultural Education in Schools'. In addition, CCRT would also get enriched in identifying Experts/Resource persons for various educational activities.

Distance Learning Programme

CCRT trains in-service teachers by organizing various training programmes. A constant need is felt to increase the number of trained teachers. Distance learning is the ideal solution for providing access to learning, when the source of information is separated by time and distance. CCRT mooted the idea of starting a Distance Learning Programme.

CCRT has been recording the lectures/lecture-demonstration/panel discussions of prominent scholars, artists and educationists. These recordings have also been used for the programmes conducted through Distance Learning mode. CCRT in collaboration with State Education Department/RIE's/Colleges of Education has also started conducting training for in-service/pre-service teachers under Distance Learning Programmes.

लघु-अवधि कार्यशालाओं में प्रशिक्षणार्थियों की राज्यवार प्रतिभागिता 2003-2025

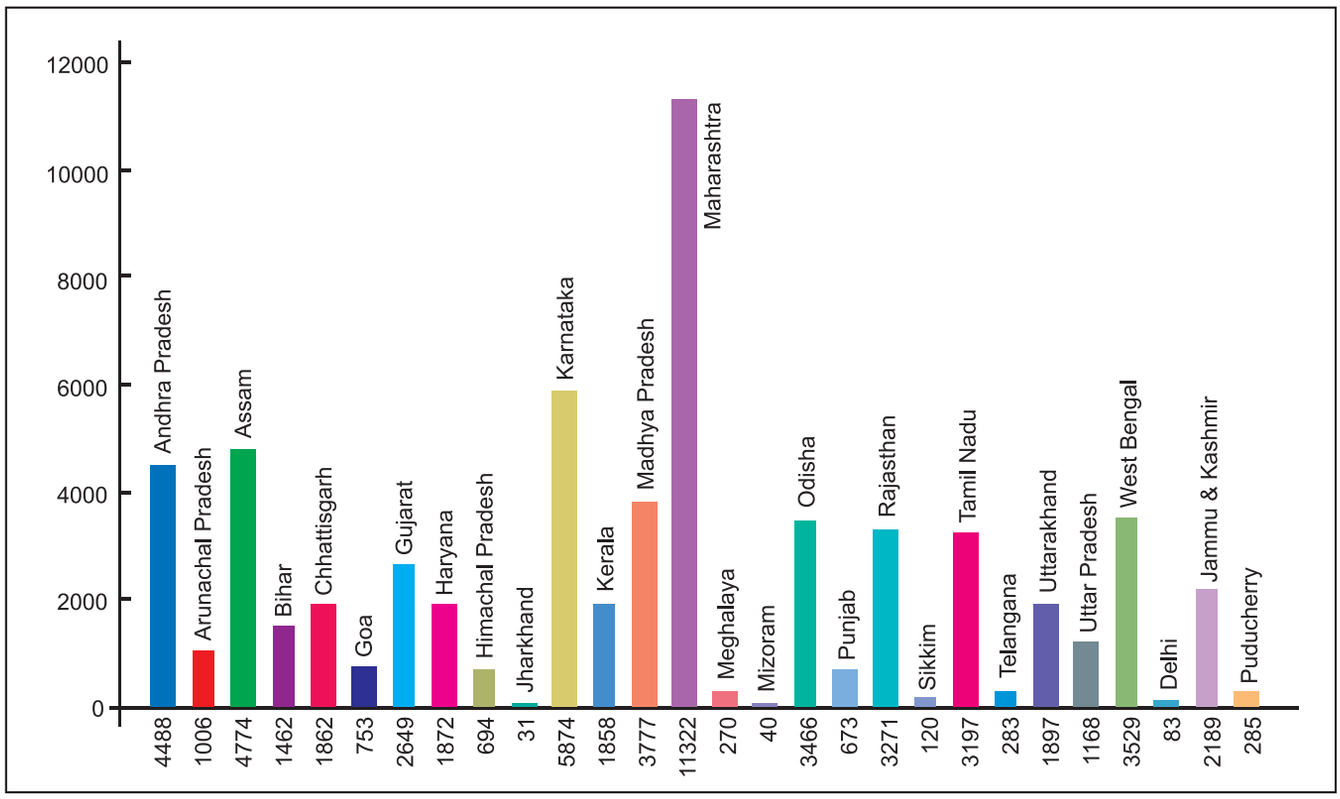

लघु-अवधि कार्यक्रम

सीसीआरटी ने राज्य/संघ शासित प्रदेशों में अपनी गतिविधियों में वृद्धि करने के उद्देश्य से राज्य शिक्षा विभाग/विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति सीसीआरटी नोडल अधिकारी के रूप में करने की एक योजना आरम्भ की है। ये अधिकारी अपने संबंधित राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में बुनियादी स्तर पर सीसीआरटी के उद्देश्यों को कार्यान्वित करने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की सहायता एवं उन्हें मार्ग निर्देशन में सहायता करते हैं।

नोडल अधिकारियों ने दो प्रमुख दृष्टिकोणों के साथ राज्य शिक्षा विभाग की सहभागिता से लघु अवधि के कार्यक्रमों के माध्यम से सीसीआरटी की उपस्थिति को मूलभूत स्तर पर बल प्रदान करने के लिए सुझाव भेजा। इन कार्यक्रमों से न केवल राज्य/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षकों के मध्य सीसीआरटी के कार्यों के प्रति जागरूकता पैदा की जा सकेगी बल्कि प्रतिभागियों को 'विद्यालयों में सांस्कृतिक शिक्षा' को जोड़ने/शामिल करने के क्षेत्र में भी उन्हें गहन रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा। इसके अलावा केन्द्र अपनी विविध शैक्षिक गतिविधियों के लिए विशेषज्ञों, स्रोत व्यक्तियों का चयन अच्छी तरह से करने में सक्षम होगा।

दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम

सीसीआरटी द्वारा सेवारत शिक्षकों हेतु विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या में वृद्धि करने की आवश्यकता लगातार महसूस की गई है। दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से समय एवं दूरी की सीमा को लांघते हुए शिक्षण स्रोत तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। सीसीआरटी ने दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत करने का विचार बनाया है।

विद्वानों/कलाकारों द्वारा दिये गए व्याख्यानों/व्याख्यान प्रदर्शनों/पैनल चर्चा की सीसीआरटी ने रिकार्डिंग की है। इन रिकार्डिंगों का उपयोग दूरस्थ कार्यक्रम में भी किया गया। राज्य शिक्षा विभाग/क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान/महाविद्यालयों की सहायता से सीसीआरटी ने सेवारत/पूर्व सेवारत शिक्षकों के लिए दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण आरंभ किया है।

Evaluation and Feedback

Evaluation is a process of assessing and measuring the effectiveness of the training programmes. CCRT has been training school teachers from all parts of the country both in the rural and urban areas. Evaluation is an essential component of each training programme organized by CCRT. In every training programme, three or four evaluation sessions are conducted. The participants are given structured questionnaires so that they may express their views on different aspects of the course content. Various techniques of formal and informal evaluations are applied to assess the knowledge during the training programmes.

CCRT trains approximately 4000 teachers in the various "Orientation Courses" and Workshops on "Role of Puppetry in Education" from time to time in a year. A feedback programme has been designed to maintain regular contact with trainees to study their follow up work in schools and to evaluate the effectiveness of the programmes conducted and use of educational material provided. The evaluations and suggestions from trainees working in the schools assist CCRT in revitalizing and enriching its activities.

Refresher Course(s)

CCRT organizes Refresher Courses for teachers who have participated in its Orientation Course and Workshop on the Role of Puppetry in Education. They are invited on the basis of the work that they have been carrying out in their respective schools after being trained by CCRT. These courses are directed towards specific subjects, aiming to improve the quality of teaching of curriculum subjects with relevant activities connected with culture.

Aims of the Refresher Course(s)

- To obtain a feedback from trained teachers on CCRT's training programmes and educational materials for future improvements.
- To acquaint teachers with innovative teaching methods.
- To encourage schools to network with other centres of learning, such as museums, art galleries, research institutions, etc
- To encourage teachers to draw upon the creative human resources in the community and bring them to the school for interaction with students.

The content of each training programme is open-ended to a certain extent to meet the specific needs and requirement of different groups of trainees.

मूल्यांकन तथा पुनर्निवेश

मूल्यांकन, प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक जांच एवं समीक्षा प्रक्रिया है। सीसीआरटी देश भर के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के शिक्षक/शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित करता रहा है। सीसीआरटी द्वारा आयोजित प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक अनिवार्य घटक है – मूल्यांकन। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तीन या चार मूल्यांकन सत्र आयोजित किए जाते हैं। प्रशिक्षणार्थियों को एक संरचनात्मक प्रश्नावली दी जाती है, ताकि वे प्रशिक्षण कार्यक्रम की विषयवस्तु के विभिन्न पहलुओं पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान ज्ञान के मूल्यांकन के लिए औपचारिक और अनौपचारिक मूल्यांकन की विभिन्न तकनीकों को लागू किया जाता है।

सीसीआरटी एक वर्ष में समय-समय पर आयोजित विभिन्न "अनुस्थापन पाठ्यक्रमों" एवं "शिक्षा में पुतली कला की भूमिका" पर कार्यशाला में करीब 4000 सेवारत शिक्षक/शिक्षिकाओं को प्रशिक्षण देता है। इन प्रतिभागियों द्वारा अपने विद्यालयों में आगे दिए जाने वाले कार्यों के अध्ययन, आयोजित कार्यक्रमों और दी गई शैक्षिक सामग्री की उपयोगिता तथा प्रभाव के मूल्यांकन के लिए प्रशिक्षणार्थियों से नियमित संपर्क बनाए रखने के लिए एक पुनर्निवेशन कार्यक्रम तैयार किया गया है। विद्यालयों में काम कर रहे इन प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त सुझाव और मूल्यांकन, केन्द्र के कार्यकलापों को और अधिक समृद्ध बनाने तथा इसको नवजीवन प्रदान करने में मदद करते हैं।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

सीसीआरटी उन शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करता है जिन्होंने शिक्षा में पुतली कला की भूमिका पर कार्यशाला में और अनुस्थापन पाठ्यक्रम में भाग लिया है। उन्हें सीसीआरटी द्वारा प्रशिक्षित होने के बाद उनसे संबंधित स्कूलों में किए गए काम के आधार पर आमंत्रित किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों को विशिष्ट विषयों पर केंद्रित किया जाता है, जो संस्कृति से जुड़ी प्रासंगिक गतिविधियों के साथ पाठ्यचर्या विषयों के शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करने का लक्ष्य रखते हैं।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

- भविष्यगत सुधार हेतु सीसीआरटी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शैक्षिक सामग्रियों पर प्रशिक्षित शिक्षकों से प्रतिपुष्टि प्राप्त करना।
- नवाचारी शैक्षिक प्रविधियों के साथ शिक्षकों का परिचय कराना।
- विद्यालयों को अन्य शिक्षा-केंद्रों से जुड़ाव के लिए प्रेरित करना, जैसे-संग्रहालय, कला-वीथिकाएँ, शोध प्रतिष्ठान आदि।
- जन समुदाय में सृजनात्मक मानवीय स्रोतों के बारे में शिक्षकों का उत्साहवर्धन करना तथा विद्यार्थियों से संवाद हेतु स्कूलों में उन्हें प्रयोग में लाना।

प्रत्येक प्रशिक्षण-कार्यक्रम की विषय वस्तु को एक निश्चित सीमा-विस्तार तक खुला रखा जाता है ताकि विभिन्न प्रशिक्षणार्थी समूहों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

During the period from April 2024 to March 2025, CCRT has organized 04 Refreshers Courses as per the following details:

Refresher Courses organised in the year 2024-2025

Sl. No.	Refresher Course	Duration	Venue	No. of Teachers
1.	The Heritage of Creative Puppetry	August 06-10, 2024.	Udaipur	95
2.	An Integrated Approach to Education	October 14-18, 2024	New Delhi	127
3.	An Integrated Approach to Education	January 27-31, 2025	Hyderabad	26
4.	The Heritage of Creative Puppetry	February 24-28, 2025	Guwahati	49
			Total	**297**

Statewise participation of Trained Teachers in Refresher Course (Orientation Course) 2024-2025

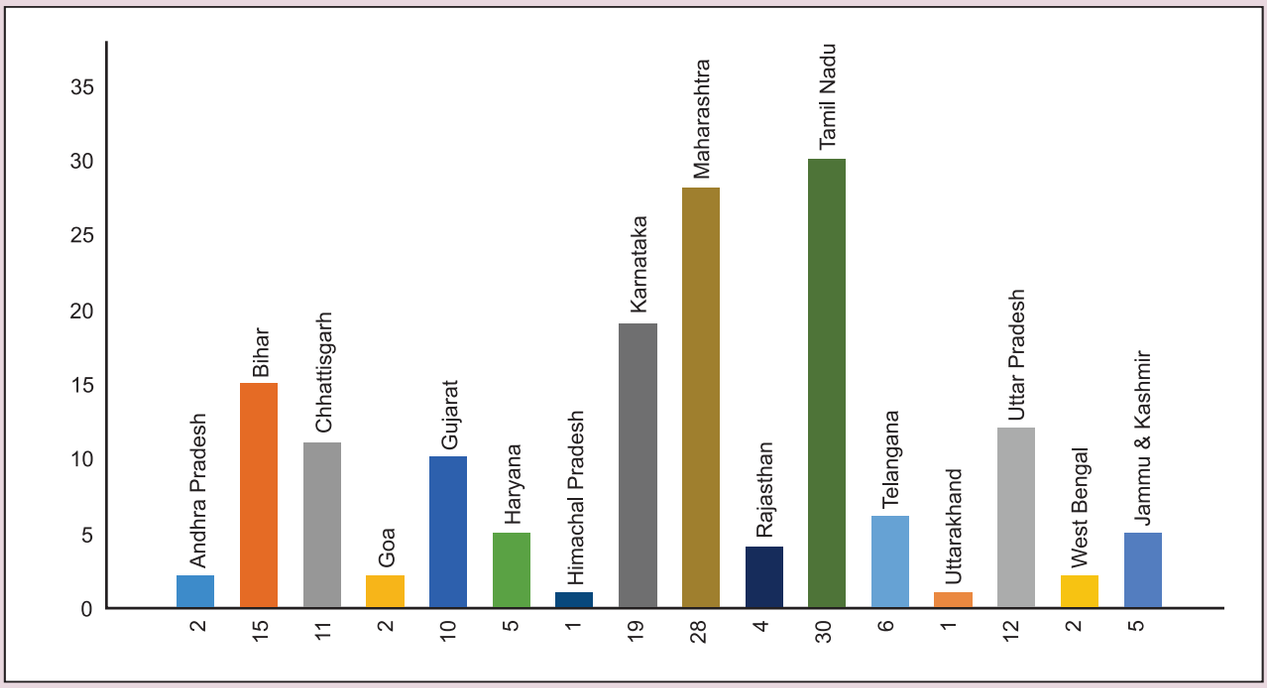

Statewise participation of Trained Teachers in Refresher Course (Role of Puppetry in Education) 2024-2025

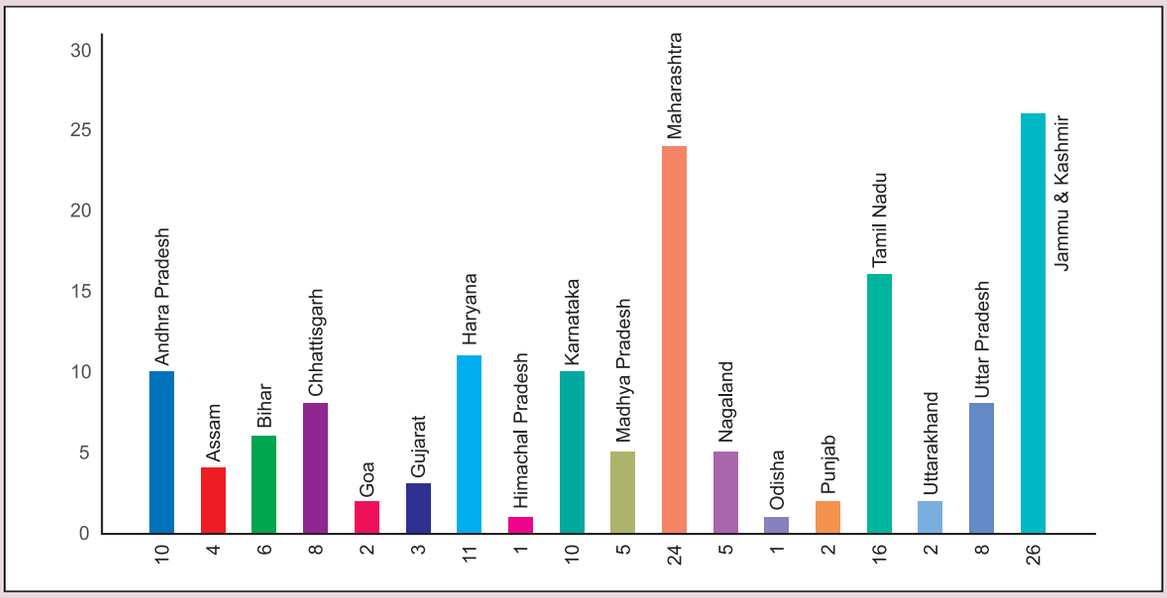

सीसीआरटी ने अप्रैल 2024 के दौरान निम्नलिखित विवरण के अनुसार 04 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किए:

2024-2025 में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

क्र.सं	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	अवधि	स्थान	शिक्षकों/शिक्षिकाओं की संख्या
1.	रचनात्मक पुतली कला की विरासत	06-10 अगस्त, 2024	उदयपुर	95
2.	शिक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण	14-18 अक्टूबर, 2024	नई दिल्ली	127
3.	शिक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण	27-31 जनवरी, 2025	हैदराबाद	26
4.	रचनात्मक पुतली कला की विरासत	24-28 फरवरी, 2025	गुवाहाटी	49
			कुल	**297**

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अनुस्थापन पाठ्यक्रम) में प्रशिक्षित शिक्षकों की राज्यवार प्रतिभागिता 2024-25

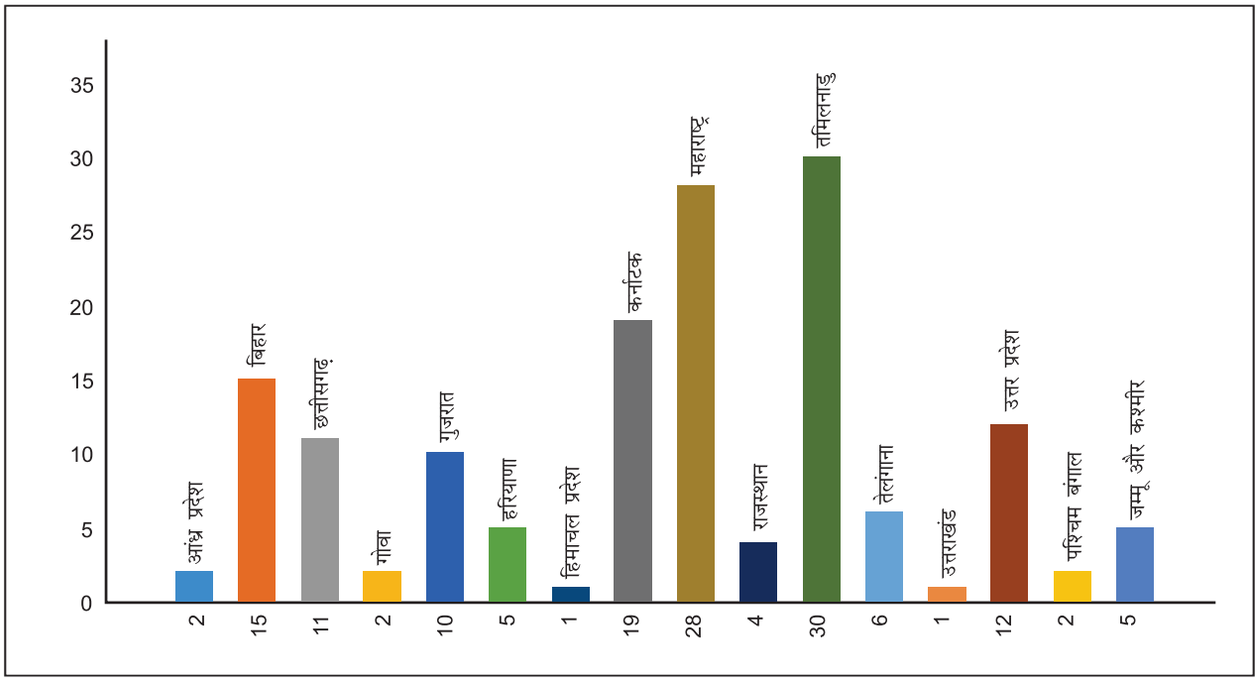

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (शिक्षा में पुतलीकला) में प्रशिक्षित शिक्षकों की राज्यवार प्रतिभागिता 2024-25

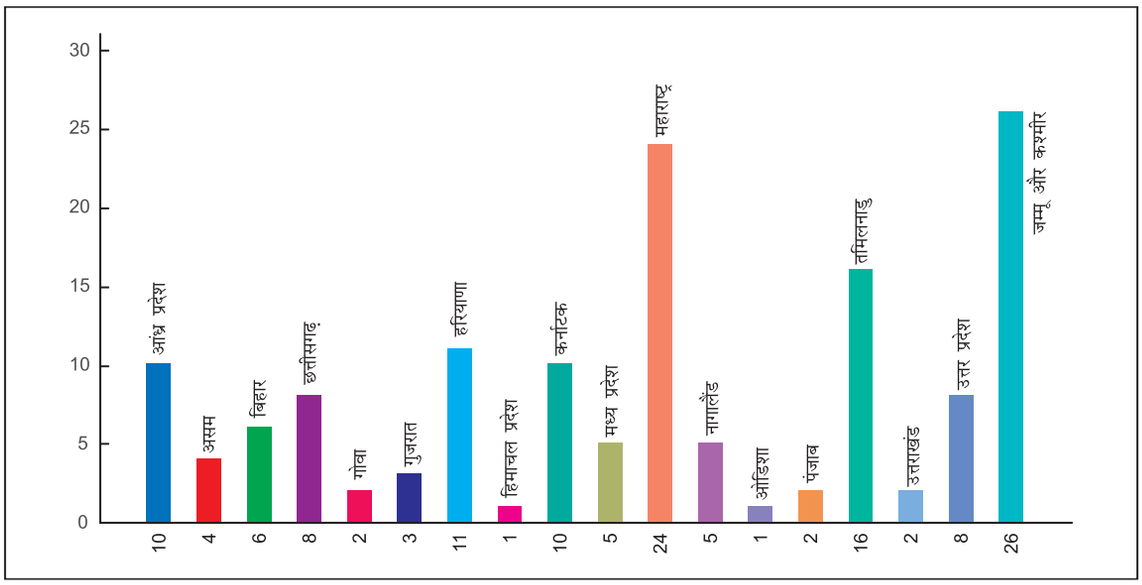

Cultural Club Scheme

The promotion, preservation and dissemination of information on India's cultural heritage have been the prime concern of CCRT. With these objectives in mind, CCRT has undertaken the task of setting up Cultural Clubs in schools. The Cultural Clubs provide an avenue to the students to form a collective voice to raise awareness of prevalent concerns and encourage active participation in fostering a welcoming, caring and a celebrative community.

Aims of the Cultural Club

- Motivate school students to acquire knowledge about India's rich natural and cultural heritage
- Sensitizing them towards appreciation of Indian Arts and Culture
- Develop a sense of respect towards continuity of traditions
- Empower children to undertake action-projects to conserve and preserve cultural ethos and become custodians of our heritage.
- Identify talented student(s) and encourage them to apply under Cultural Talent Search Scholarship Scheme implemented by CCRT.

State wise break-up of Cultural Clubs opened in schools in during 2024-25

Sl.No	State	No.of Clubs
1.	Arunachal Pradesh	01
2.	Andhra Pradesh	02
3.	Assam	01
4.	Bihar	04
5.	Chhattisgarh	10
6.	Goa	02
7.	Gujarat	13
8.	Haryana	03
9.	Jammu & Kashmir	05
10.	Jharkhand	01
11.	Karnataka	06
12.	Maharashtra	20
13.	Madhya Pradesh	01
14.	Odisha	01
15.	Punjab	02
16.	Pondicherry	02
17.	Rajasthan	02
18.	Sikkim	03
19.	Tamil Nadu	05
20.	Tripura	02
21.	Uttarakhand	01
22.	Uttar Pradesh	05
23.	West Bengal	19
	Total	**111**

This scheme also supports training in the form of dance, music, theatre and visual arts in schools of remote areas of the country. The scheme provides annually ₹ 7500/- as financial assistance to the school to run CCRT's Cultural Club.

During 2024-25, 111 new Cultural Clubs were opened. At present, 111 Cultural Clubs are operative in 23 states/UT's in different schools.

सांस्कृतिक क्लब योजना

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना, बनाए रखना तथा सूचना का प्रचार-प्रसार करना सीसीआरटी का मुख्य उद्देश्य है। इस उद्देश्य के लिए सीसीआरटी ने विद्यालयों में सांस्कृतिक क्लब स्थापित करने की योजना आरम्भ की। सांस्कृतिक क्लब, विद्यार्थियों में प्रचलित सरोकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक सामूहिक स्वर पैदा करने का मंच उपलब्ध कराते हैं तथा उन्हें गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए एक अनुकूल, सकारात्मक और मनोरंजक समूह बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

सांस्कृतिक क्लब के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में गहराई से जानने के लिए प्रेरित करना।
- उन्हें भारतीय कला और संस्कृति को जानने और समझने के लिए जागरुक करना।
- परम्पराओं की निरन्तरता के प्रति समझ का भाव पैदा करना।
- सांस्कृतिक लोकाचार के संरक्षण हेतु बच्चों को कार्ययोजनाएँ हाथ में लेने हेतु सक्षम करना एवं उन्हें हमारी विरासत का अभिरक्षक बनाना।
- प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करना तथा उन्हें सीसीआरटी द्वारा कार्यान्वित की जा रही सांस्कृतिक प्रतिभा छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन करने हेतु प्रेरित करना।

2024-25 के दौरान विद्यालयों में खोले गए सांस्कृतिक क्लबों का राज्यवार विवरण

क्र.सं.	राज्य	क्लबों की संख्या
1.	अरुणाचल प्रदेश	01
2.	आंध्र प्रदेश	02
3.	असम	01
4.	बिहार	04
5.	छत्तीसगढ़	10
6.	गोवा	02
7.	गुजरात	13
8.	हरियाणा	03
9.	जम्मू एवं कश्मीर	05
10.	झारखंड	01
11.	कर्नाटक	06
12.	महाराष्ट्र	20
13.	मध्य प्रदेश	01
14.	ओडिशा	01
15.	पंजाब	02
16.	पुदुचेरी	02
17.	राजस्थान	02
18.	सिक्किम	03
19.	तमिलनाडु	05
20.	त्रिपुरा	02
21.	उत्तराखंड	01
22.	उत्तर प्रदेश	05
23.	पश्चिम बंगाल	19
	कुल	**111**

यह योजना देश के दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों में नृत्य, संगीत, रंगमंच व अन्य दृश्य कलाओं में दी गई जानकारी एवं प्रशिक्षण को भी सार्थक बनाती है। योजना के अन्तर्गत चयनित विद्यालय को सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब चलाने हेतु ₹ 7500/- की वार्षिक आर्थिक सहायता दी जाती है।

2024-25 के दौरान 111 नए सांस्कृतिक क्लब खोले गए। वर्तमान में, 23 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न स्कूलों में 111 सांस्कृतिक क्लब कार्यरत है।

A Workshop on "Role of CCRT in Cultural Education" from February 11-15, 2025 has been organized at CCRT Regional Centre Udaipur in which 23 In-charge teachers of Cultural Club from 12 different State/UTs participated.

Sl.No	Course	Venue	Cultural Club In-charges Teachers
2.	"Role of CCRT in Cultural Education" from February 11-15, 2025	Regional Centre, Udaipur	23

Sl.No	State	No.of Participants
1.	Arunachal Pradesh	02
2.	Goa	02
3.	Gujarat	01
4.	Jammu & Kashmir	01
5.	Jharkhand	01
6.	Karnataka	03
7.	Maharashtra	05
8.	Odisha	01
9.	Rajashtan	01
10.	Tamil Nadu	02
11.	Uttar Pradesh	03
12.	West Bengal	01
	Total	**23**

"Swachhata Action Plan during 2024-25

The details of activities organised under Swachhta Action Plan (SAP) during the Financial year 2024-25

Sl. No.	Total No. of Pakhwada Organized	Total Number of Workshops Organized	Venue	No. of Participants/ Officials / Community Members /Teachers/ Students.
1.	10	29	CCRT Headquarters and its Regional Centres Hyderabad , Udaipur, Guwahati & Damoh	15,000

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर में 11-15 फरवरी, 2025 तक "सांस्कृतिक शिक्षा में सीसीआरटी की भूमिका" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 12 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक क्लब के 23 प्रभारी शिक्षकों ने भाग लिया।

क्रम संख्या	अवधि	स्थान	इन्चार्ज शिक्षक की संख्या
2.	'सांस्कृतिक शिक्षा में सीसीआरटी की भूमिका' 11-15 फरवरी, 2025 तक	क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर	23

क्रम. संख्या	राज्य	प्रतिभागियों की संख्या
1.	अरुणाचल प्रदेश	02
2.	गोवा	02
3.	गुजरात	01
4.	जम्मू और कश्मीर	01
5.	झारखंड	01
6.	कर्नाटक	03
7.	महाराष्ट्र	05
8.	ओडिशा	01
9.	राजस्थान	01
10.	तमिलनाडु	02
11.	उत्तर प्रदेश	03
12.	पश्चिम बंगाल	01
	Total	**23**

"स्वच्छता कार्य योजना 2024-25"

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) के अंतर्गत किये कार्यों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. संख्या	आयोजित पखवाड़ा की कुल संख्या	आयोजित कार्यशाला की कुल संख्या	स्थान	प्रतिभागियों/अधिकारियों/ समोदय/शिक्षकों व छात्रों की कुल संख्या
1.	10	29	सीसीआरटी मुख्यालय एवं चारों क्षेत्रीय केन्द्र हैदराबाद, उदयपुर, गुवाहाटी और दमोह	15,000

Seminars

CCRT organizes Seminars stressing the continuing need to train personnel in all areas of cultural and educational development and advocating the existence of culturally well trained personnel for encouraging participation of the people at large in the cultural sphere. The participants of the Seminars are mainly District Education Officers/CCRT's Nodal Officers/Principals of DIET and B.Ed Colleges.

Aims of the Seminars

- Provide participants with an understanding of CCRT's aims and objectives.
- Create an understanding of the need for cultural education.
- Discuss and develop methodologies for implementation of CCRT programmes.
- Involve Administrators at the State level in the process of improving school education.
- Create an awareness of the importance of cultural education for all round development of the student's personality.
- To get feedback regarding implementation of the training in the schools.

Extension Services and Community Feedback Programme

CCRT believes in the fundamental value of enabling all children, young people and the community at large to experience and access a diverse range of creative and cultural activities because this:

- brings intrinsic pleasure and benefits;
- raises their aspirations;
- improves their academic achievements and skills;
- unlocks their imaginations;
- brings about lasting improvements in the quality of their lives.

CCRT organizes a variety of educational activities for school students and children studying in non-formal schools run by voluntary organizations under its Extension Services and Community Feedback Programme. The activities include:

- Educational tours to
  - Monuments - Museums - Art Galleries - Zoological Parks/Gardens
  - Craft Centres - Theme based special exhibitions
- Workshops on learning crafts using low cost locally available resources;
- Camps on Conservation of the Natural and Cultural Heritage;
- Lectures and demonstrations by artists and experts on various art forms;
- Demonstrations by artists and craft persons in schools and colleges;
- Slide-presentation supplementing class-room teaching;
- Workshops for children in resettlement and basti colonies;
- Workshops for *Divyang* students;
- Workshops on Puppetry in Education

A Summer Workshop "Indradhanush- 2024 Amritkaal" was organized in CCRT Headquarters, New Delhi and at four Regional Centres, Hyderabad, Udaipur, Guwahati and Damoh from May 20 to July 19, 2024 in which 475 children participated. Some of the creative activities such as Classical & Folk Dances, Contemporary Dance, Theatre in Education, Life Skills, Art of Story Telling, Radio Anchoring, Learning Songs in Indian Languages, Creative Writing, Calligraphy, Aesthetics in Photography, Contemporary

संगोष्ठी

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक विकास के सभी क्षेत्रों के कार्मिकों के सतत प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए, सांस्कृतिक जीवन में लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षित कार्मिकों के लिए स्कूलों में सांस्कृतिक शिक्षा विषय पर संगोष्ठी आयोजित करता है। संगोष्ठी में मुख्यत: सीसीआरटी के नोडल अधिकारी, ज़िला शिक्षा अधिकारी, डाइट व बी. एड. कॉलेजों के प्रधानाचार्य प्रतिभागिता करते हैं।

संगोष्ठी का उद्देश्य

- प्रतिभागियों में सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र के लक्ष्य व उद्देश्यों की समझ विकसित करना।
- सांस्कृतिक शिक्षा की आवश्यकता के प्रति समझ विकसित करना।
- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु प्रविधियों का विकास करना।
- स्कूली शिक्षा की सुधार प्रक्रिया में राज्य स्तर पर प्रशासकों को सम्मिलित करना।
- छात्रों/छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा की महत्ता के विषय में जागृति उत्पन्न करना।
- स्कूलों में प्रशिक्षण के कार्यान्वयन हेतु पुनर्निवेश प्राप्त करना।

विस्तार सेवाएं तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम

सीसीआरटी बुनियादी मूल्यों में विश्वास रखता है और इसी सोच के तहत बच्चों, युवाओं एवं समुदाय के लोगों को विविध रचनात्मक गतिविधियों से परिचित कराने में सहायता करता है, जिसके कारण :

- उन्हें गहरा आत्म-सुख एवं अनेक लाभ प्राप्त होते हैं।
- उनकी महत्त्वाकांक्षा में वृद्धि होती है।
- उनकी अकादमिक उपलब्धियों तथा कौशलों में सुधार होता है।
- उनकी कल्पनाओं को मूर्त रूप मिलता है।
- उनके जीवन स्तर में चिरस्थायी सुधार होता है।

सीसीआरटी अनौपचारिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों तथा स्कूली बच्चों के लिए विविध शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित करता है। इन गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है :

- निम्नलिखित स्थानों के शैक्षिक भ्रमण
  - स्मारक
  - संग्रहालय
  - कला दीर्घाएँ
  - प्राणी-उद्यान/बगीचे
  - शिल्प केंद्र
  - विषय-वस्तु केन्द्रित विशिष्ट प्रदर्शनियाँ
- स्थानीय रूप से कम कीमत वाले संसाधनों का उपयोग करते हुए शिल्प सीखने से संबंधित कार्यशाला।
- प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर शिविर।
- विविध कलारूपों पर कलाकारों तथा विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान तथा प्रदर्शन।
- विद्यालयों और कॉलेजों में कलाकारों तथा शिल्पियों द्वारा व्याख्यान-प्रदर्शन।
- कक्षा-शिक्षण के पूरक रूप में स्लाइड-व्याख्यान।
- पुनर्वास एवं बस्ती कॉलोनी के बच्चों के लिए कार्यशालाएँ।
- दिव्यांग छात्रों/छात्राओं के लिए कार्यशालाएँ।
- शिक्षा में पुतली कला पर कार्यशालाएँ।

20 मई से 19 जुलाई, 2024 तक सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली एवं चार क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद, उदयपुर, गुवाहाटी और दमोह में ग्रीष्मकालीन शिविर 'इंद्रधनुष- 2024' का आयोजन किया गया जिनमें 475 बच्चों ने भाग लिया। कुछ रचनात्मक गतिविधियाँ जैसे शास्त्रीय और लोक नृत्य, समकालीन नृत्य, शिक्षा में रंगमंच, जीवन कौशल, कहानी कहने की कला, रेडियो एंकरिंग एवं भारतीय भाषाओं में गीत सीखना, रचनात्मक लेखन, सुलेख, फोटोग्राफी में सौंदर्यबोध, समकालीन चित्रकला बंधेज की कला, बुक बाइंडिंग, मास्क बनाना, लकड़ी के खिलौने, मैक्रेम, गुड़िया बनाना, पेपर मेशी, मोती का काम, पेपर क्राफ्ट,

Painting and crafts like Tie and Dye, Book Binding, Mask Making, Making useful things from Waste Materials, Wooden Toys, Macrame, Papier Mache, Beads Work, Paper Craft, Rangoli, Pottery, Phad Paintings etc. were taught during the Workshop.

During the year 2024-2025, 179 Workshops have been organized under the Extension Services and Community Feedback Programme in which 45248 students were trained at CCRT Headquarter, New Delhi and Regional Centres, Hyderabad, Udaipur, Guwahati and Damoh respectively and Kolkata, West Bengal.

CCRT organised serveral programmes for children of Govt. School/NGOs in 2024-25.

Sl. No.	Name of Programme	No. of Students
1.	Har Ghar Tiranga	2500
2.	Kaveri Meets Ganga	830
	Total	**3330**

Statewise participation and no. of students trained in Extension Services and Community Feedback Programme/ Workshops 1979-2025

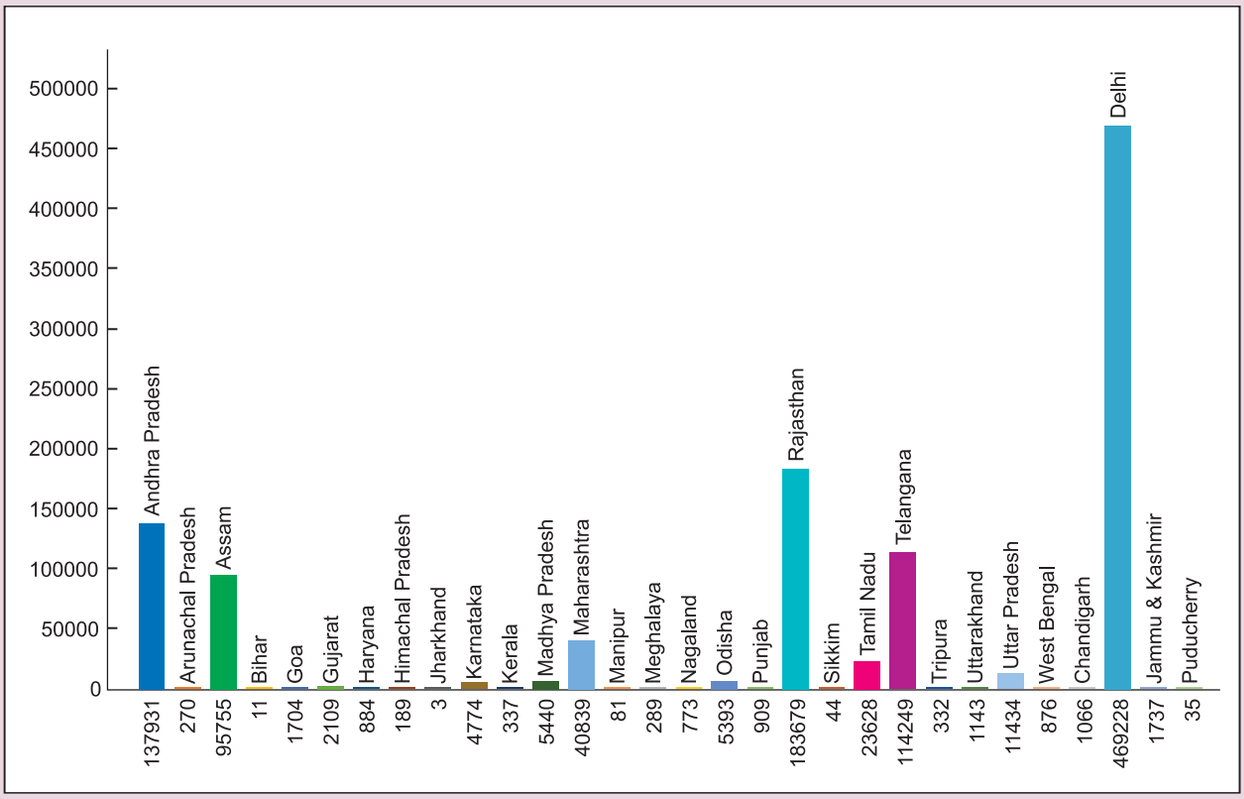

बंधेज की कला, बुक बाइंडिंग, मास्क बनाना, लकड़ी के खिलौने, मैक्रेम, गुड़िया बनाना, पेपर मेशी, मोती का काम, पेपर क्राफ्ट, रंगोली, मिट्टी के बर्तन बनाना, फड़ पेंटिंग शिल्प कला आदि सिखाई गई।

विस्तार सेवाएं तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के दौरान सीसीआरटी द्वारा 179 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसके अतर्गत सीसीआरटी3 मुख्यालय और क्रमशः हैदराबाद, उदयपुर, गुवाहाटी और दमोह स्थित क्षेत्रीय केंद्रों तथा कोलकाता, पश्चिम बंगाल में कुल 45248 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।

सीसीआरटी ने 2024-25 में सरकारी स्कूल/एनजीओ के बच्चों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हर घर तिरंगा	2500
2.	कावेरी मीट्स गंगा	830
	कुल	**3330**

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/कार्यशालाओं में प्रशिक्षित छात्रों की राज्यवार प्रतिभागिता 1979-2025

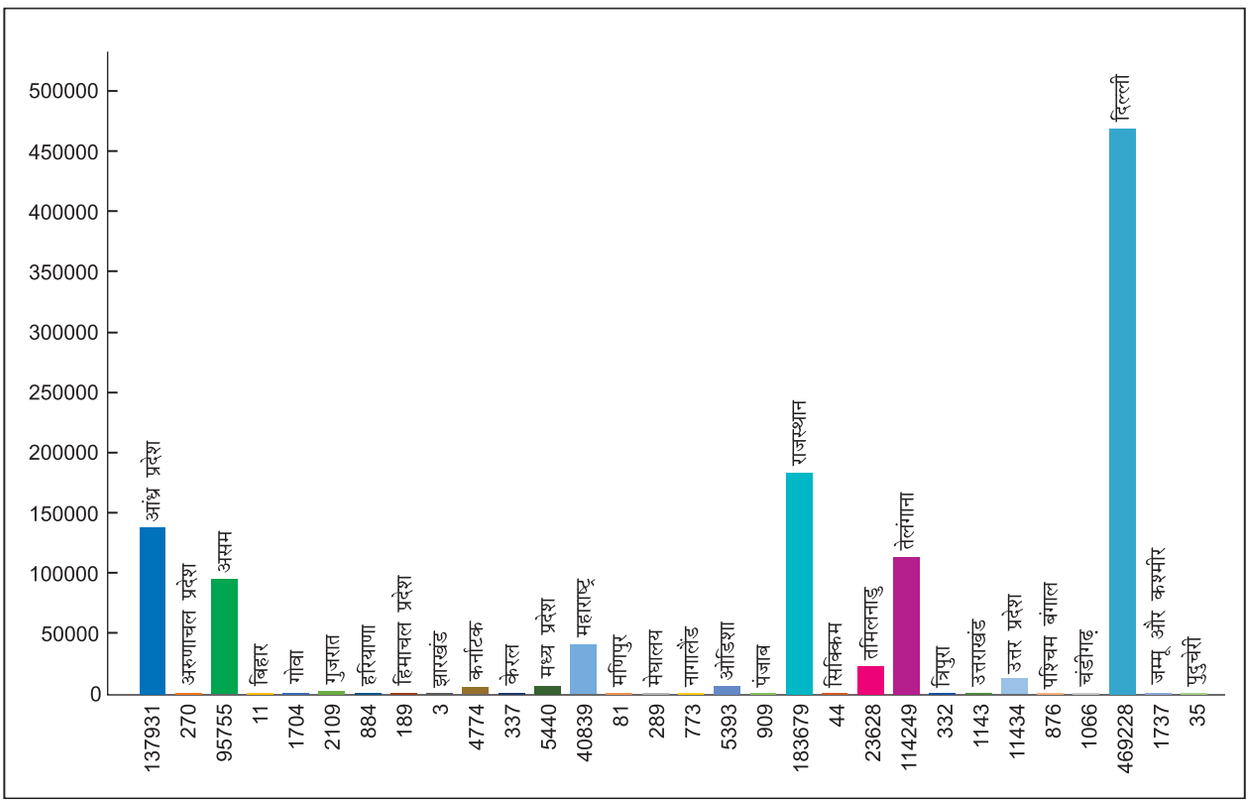

Collection of Resources

CCRT collects material on arts and crafts of the country in the form of audio recordings, slides, photographs, films and written texts in order to enrich the content of the Educational Kit and provide educational material to teacher trainees and other research students on the arts of India.

The areas to be documented by CCRT are chosen with a view to create an interest among students in the culture of various regions of the country and develop a sense of appreciation for the diversity and continuity of cultural traditions.

The main objectives of CCRT's documentation are:

- Production of educational material on various aspects of Indian Culture:
- Educational Kit which includes audio-visual materials and written texts;
- Publications on Cultural Education;
- Setting up of an Archive of Cultural Resources for research scholars;
- Distribution of materials on Cultural Education to schools from where teachers have been trained.

CCRT produced the following Audio-Visual programmes during the year 2024-2025:

The following CCRT produced Video Productions have been released during this financial year-

- **Gondhli Folk Artist of Maharashtra**

  This film is based on the performance of Gondhal and the Gondhali community, known for their unique blend of worship and performance. Traditionally nomadic, the Gondhalis are now more seasonal in thier movements. They revere goddesses like Bhawani and Renuka, performing rituals called "Gondhal" a ritualistic dance-drama narrating mythological stories and legends to ensure well-being for all. The Gondhali community serves as a custodian of Maharashtra's cultural heritage.

- **Dharohar**

  Dharohar Short Documentary film on the Success stories of CCRT Scholar Achiever (On the life and works of Smt. Insha Manzoor, Eminent Artist from Kashmir)

- Video production of theatrical Productions on Meera Bai titled - Krishna Bhakt Meera

स्रोतों का संग्रह

सीसीआरटी शैक्षिक किट की सामग्री को समृद्ध करने के लिए ऑडियो रिकॉर्डिंग, फोटोग्राफ, फिल्म और लिखित ग्रंथों के रूप में देश की कला और शिल्प पर सामग्री एकत्रित करता है और शिक्षक प्रशिक्षुओं और अन्य शोध छात्रों को भारतीय कला पर शैक्षिक सामग्री प्रदान करता है।

सीसीआरटी द्वारा प्रलेखित किए जाने वाले क्षेत्रों को देश के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति में छात्रों के बीच रुचि पैदा करने और संस्कृति परंपराओं की विविधता और निरंतरता के लिए प्रशंसा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से चुना गया है।

सीसीआरटी के दस्तावेज़ीकरण के मुख्य उद्देश्यः-

- भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं पर शैक्षिक सामग्री का उत्पादन।
- शैक्षिक किट तैयार करना जिनमें दृश्य-श्रव्य सामग्री तथा लिखित पाठ शामिल हैं।
- सांस्कृतिक शिक्षा पर प्रकाशन
- अनुसंधान विद्वानों के लिए सांस्कृतिक संसाधनों के पुरालेख की स्थापना।
- उन स्कूलों को सांस्कृतिक शिक्षा पर सामग्री वितरण जहां के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

सीसीआरटी ने वर्ष 2024-2025 के दौरान निम्नलिखित श्रव्य-दृश्य कार्यक्रम तैयार किए:

इस वित्तीय वर्ष के दौरान निम्नलिखित सीसीआरटी निर्मित विडियो प्रोडक्शंस लोकार्पण किए गए-

- **महाराष्ट्र के गोंधली लोक कलाकार**

  यह फिल्म गोंधल और गोंधली समुदाय के प्रदर्शन पर आधारित है, जो अपनी पूजा और प्रदर्शन के अनूठे मिश्रण के लिए जाने जाते है। गोंधली पारंपरिक रूप से खानाबदोश थे। वे भवानी और रेणुका जैसी देवियों की पूजा करते हैं और ''गोंधल'' नामक अनुष्ठान करते हैं, जो सभी के कल्याण के लिए पौराणिक कथाओं और किंवदंतियों का वर्णन करने वाला एक अनुष्ठानिक नृत्य-नाटक है। गोंधली समुदाय महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक के रूप में कार्य करता है।

- **धरोहर**

  सीसीआरटी स्कॉलर अचीवर की सफलता की कहानियों पर आधारित लघु वृत्तचित्र फिल्म (कश्मीर की प्रख्यात कलाकार श्रीमती इंशा मंजूर के जीवन और कार्यों पर)

- मीरा बाई पर नाट्य प्रस्तुति का वीडियो निर्माण, जिसका शीर्षक है 'कृष्ण भक्त मीरा'

Video Coverage and Still Photography

Video and still documentation of Har Ghar Tiranga, Hindi Pakhwada, CCRT Foundation day, World Music Day, Constitution day, International Yoga Day, Independence Day, Republic Day and other important activities held at CCRT from time to time during the year 2024-25.

Production of Educational Material

CCRT has been preparing a variety of materials on Cultural Education in the form of audio visuals and printed material. The material is given to schools from where teachers have been trained to use these in a variety of teaching and learning situations in the school for curriculum teaching and extension work. Besides this, the material is now available on sale also at CCRT Head Office and its Regional Centres.

Educational Kit

The Educational Kit consisting of audio-visual materials and publications of CCRT is provided to the institutions from where the teachers have been trained. The Kit is issued after evaluating the performance of the participating teacher(s) specifically in two training programmes i.e. Orientation Course and the Workshop on Role of Puppetry in Education. The CCRT trained teachers of institutions which are provided with an Educational Kit by CCRT are duly instructed to send regular half-yearly reports on the use of the material of the Kit in their classrooms, in other institutions and for the community.

Audio-Visual material distributed to the teachers during 2024-25

Audio-Visual Material	Quantity
Educational Kits	821
Songs in National Languages (Part1,2 and 3)	918
My Pledge to Freedom (Audio-CD)	918
Azadi ke Geet (Audio-CD)	817

वीडियो कवरेज एवं छायाचित्रण:

वर्ष 2024-25 के दौरान समय-समय पर सीसीआरटी में आयोजित हर घर तिरंगा, हिंदी पखवाड़ा, सीसीआरटी स्थापना दिवस, विश्व संगीत दिवस, संविधान दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों का विडियो और स्थिर दस्तावेजीकरण किया गया।

शैक्षिक सामग्री का उत्पादन

सीसीआरटी सांस्कृतिक शिक्षा पर ऑडियो विजुअल और मुद्रित सामग्री के रूप में विभिन्न प्रकार की सामग्री तैयार करता रहा है। सामग्री उन स्कूलों को दी जाती है जहां से शिक्षकों को पाठ्यक्रम शिक्षण और विस्तार कार्य के लिए स्कूल में विभिन्न शिक्षण और सीखने की स्थितियों में इनका उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, सामग्री अब सीसीआरटी मुख्यालय और उसके क्षेत्रीय केंद्रों पर भी बिक्री के लिए उपलब्ध है।

शैक्षिक किट

सीसीआरटी द्वारा ऐसी संस्थाओं को जहाँ के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है, शैक्षिक किट उपलब्ध कराई जाती है। शैक्षिक किट में दृश्य-श्रव्य सामग्री तथा सीसीआरटी के प्रकाशन शामिल हैं। यह किट प्रतिभागी शिक्षक द्वारा विशेष रूप से दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों अर्थात अनुस्थापन पाठ्यक्रम तथा शिक्षा में पुतली कला की भूमिका विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लेने पर उनके कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करने के बाद जारी की जाती है। जिस संस्था के सीसीआरटी प्रशिक्षित शिक्षकों/शिक्षिकाओं को सीसीआरटी द्वारा शैक्षिक किट प्रदान की जाती है उसे अपनी कक्षाओं, अन्य संस्थाओं तथा समुदाय के मध्य उपयोग करने संबंधी अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट नियमित रूप से भेजने के निर्देश दिए जाते हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान शिक्षक/शिक्षिकाओं को वितरित दृश्य-श्रव्य सामग्री

दृश्य-श्रव्य सामग्री	मात्रा
शैक्षिक किट	821
राष्ट्रीय भाषाओं में गीत (भाग 1, 2 और 3)	918
स्वतंत्रता के लिए मेरी प्रतिज्ञा (ऑडियो-सीडी)	918
आज़ादी के गीत (ऑडियो-सीडी)	817

Statewise break-up of Educational Kits distributed during year 2024-2025

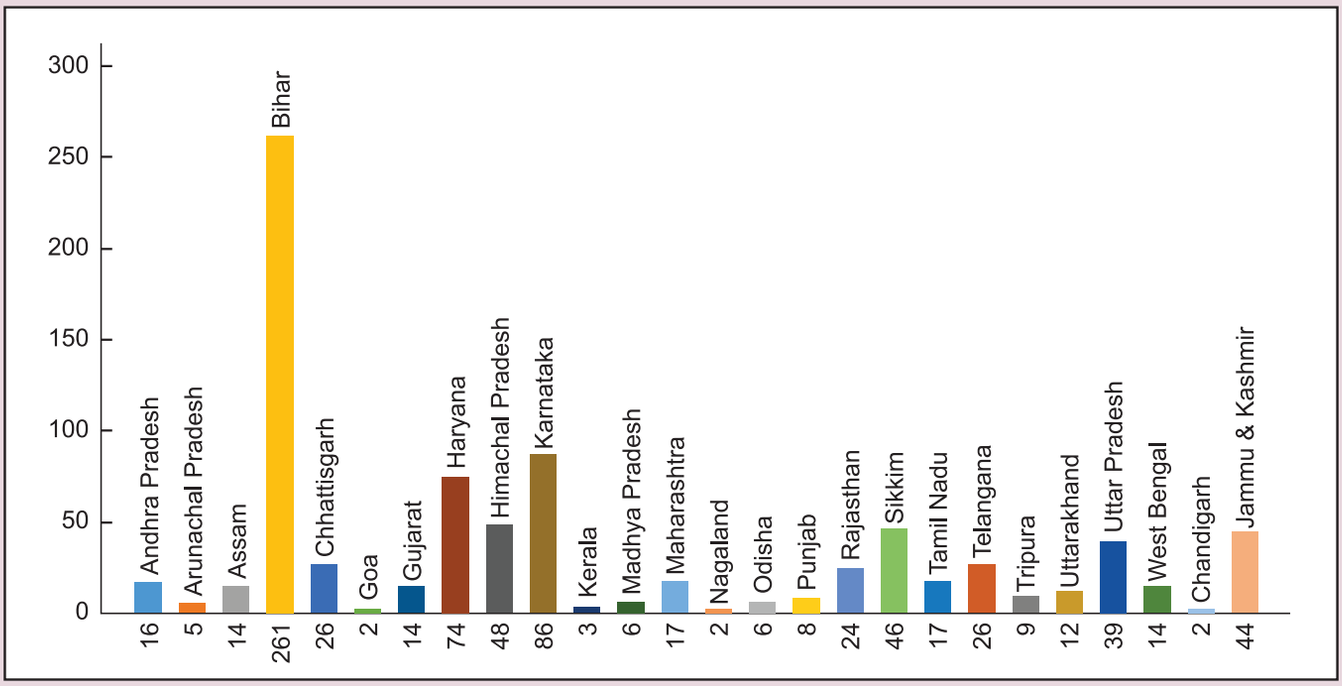

Statewise break-up of Educational Kits distributed during 1979 - 2025

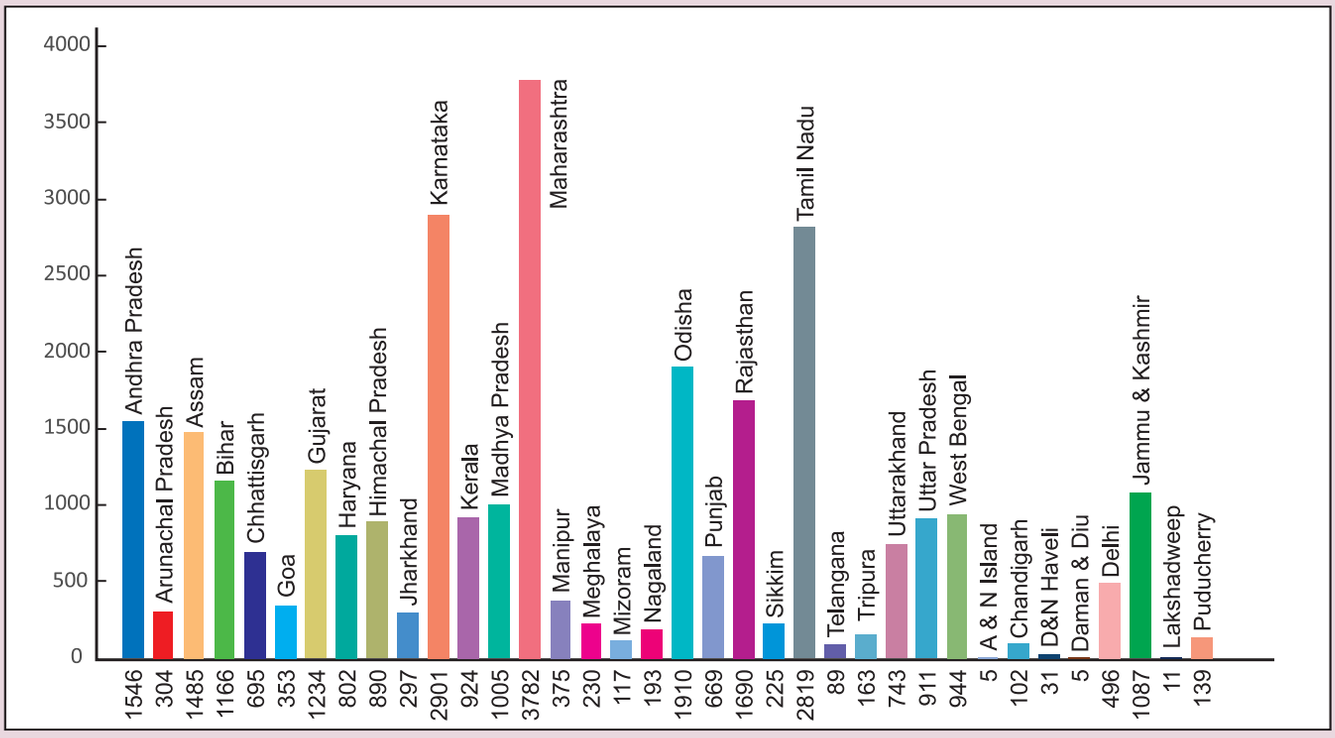

वर्ष 2024-2025 में वितरित शैक्षिक किट का राज्यवार ब्यौरा

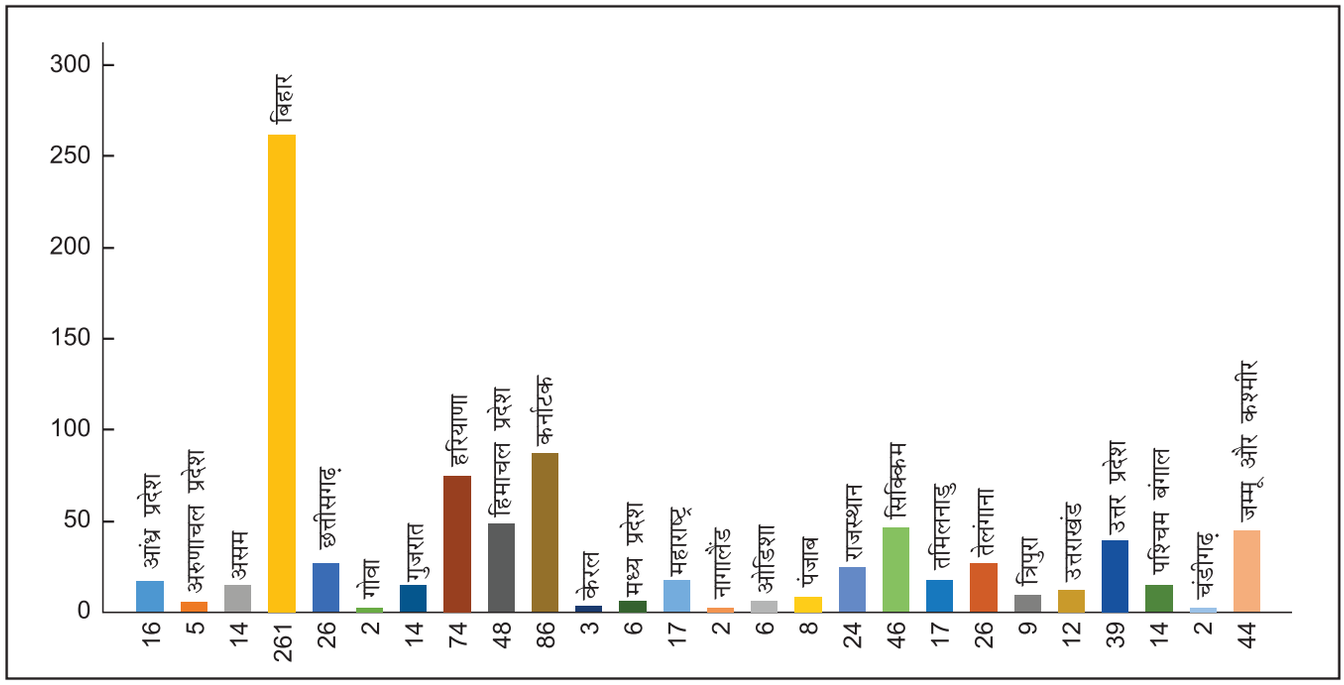

1979-2025 तक वितरित शैक्षिक किट का राज्यवार ब्यौरा

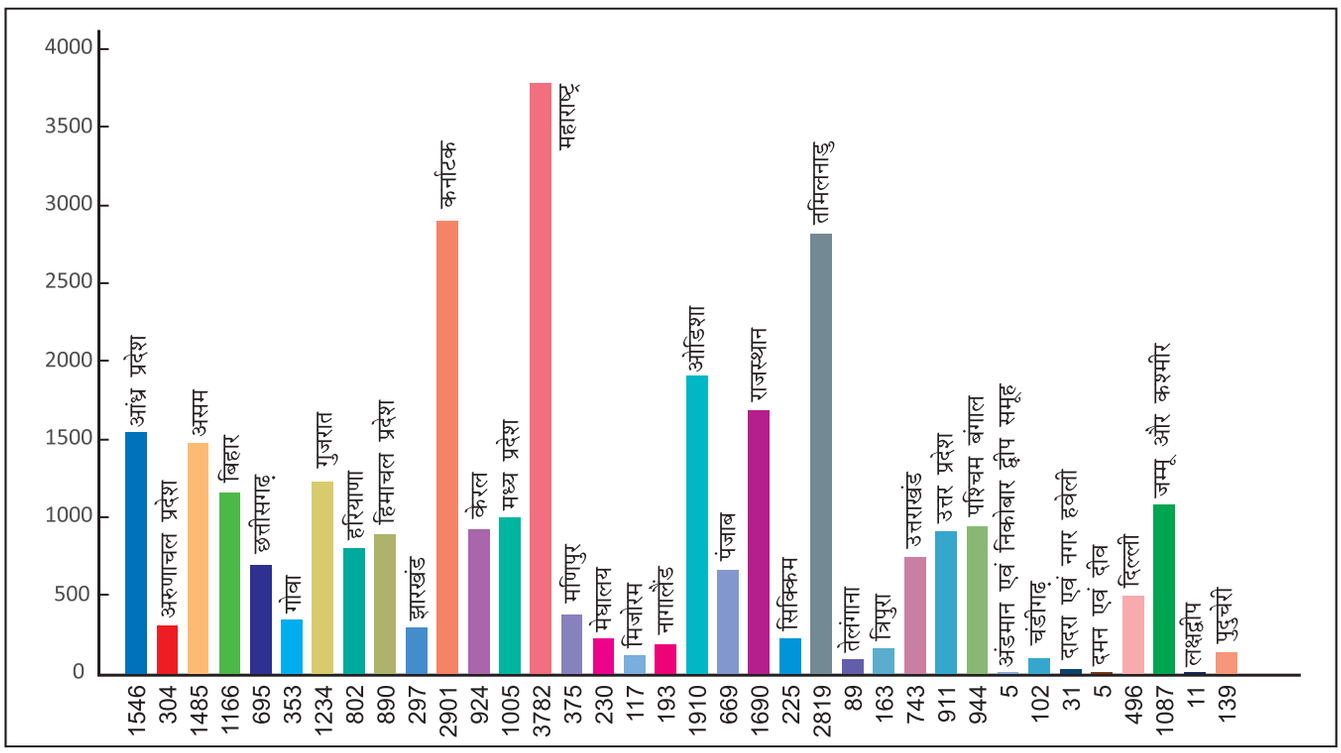

Publications

CCRT publications aim at providing an understanding and appreciation of different aspects of Indian art and culture. They also highlight the influence of nature on artistic expression so as to develop an understanding of the impact of environment on cultural manifestations. On successful participation in the training programmes, the participants are issued these publications for use in their institutions, nearby schools and for community at large.

New Publications

- CCRT Monthly Newsletter (August 2024 – March 2025)
- Annual Report 2023-24
- **Reprint**
  - National Symbols
  - Kathak Dance
  - Odissi Dance
  - Expression in Lines

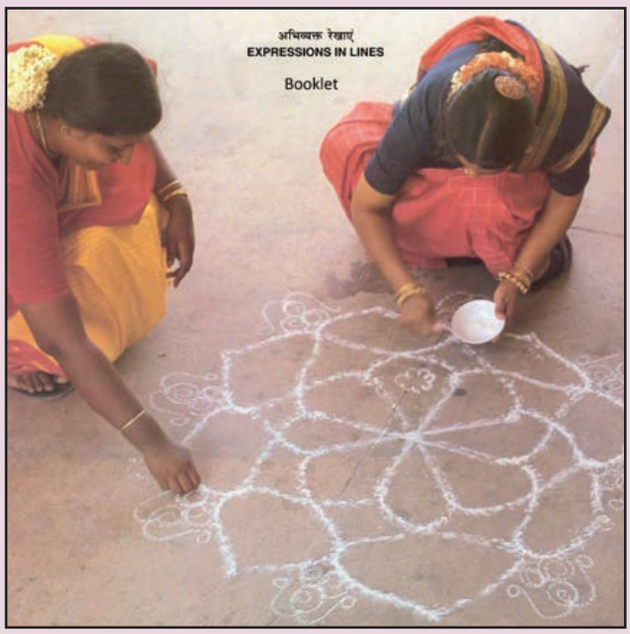

CCRT Library

In the financial year 2024-25,160 number of books has been purchased. The details of the total number of books till date available in the libraries at CCRT Headquarters, New Delhi, and its Regional Centres at Hyderabad, Udaipur, and Guwahati meant for study and reference by teachers participating in various training programmes conducted from time to time, as well as by employees/officers and external users are as follows:

S.No	CCRT	Total Numbers of Books
1.	CCRT Headquarters, New Delhi	13,981
2.	CCRT Regional Centres, Udaipur	3,128
3.	CCRT Regional Centres, Hyderabad	3,696
4.	CCRTRegional Centres, Guwahati	3,677

प्रकाशन

सीसीआरटी के प्रकाशनों का लक्ष्य भारतीय संस्कृति के विभिन्न पक्षों के प्रति समझ व विवेक उत्पन्न करना है। इसके अन्तर्गत कलात्मकता व सौंदर्य के सहज प्रत्ययों पर प्रकाश डाला जाता है, ताकि सांस्कृतिक रूपों का आत्यंतिक मर्म एवं विशिष्टताएँ उद्घाटित हो सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सफलतापूर्वक प्रतिभागिता के पश्चात् प्रतिभागियों को उनके संस्थान, आस-पास के स्कूलों तथा जनसमुदाय में प्रयोग हेतु प्रकाशन सामग्री प्रदान की जाती है।

नए प्रकाशन

- **सीसीआरटी मासिक समाचार (अगस्त 2024-मार्च 2025)**
- **वार्षिक विवरण (2023-24)**
- **पुनर्मुद्रण**
  - राष्ट्रीय प्रतीक
  - कत्थक नृत्य
  - ओडिसी नृत्य
  - अभिव्यक्तियाँ रेखाएँ

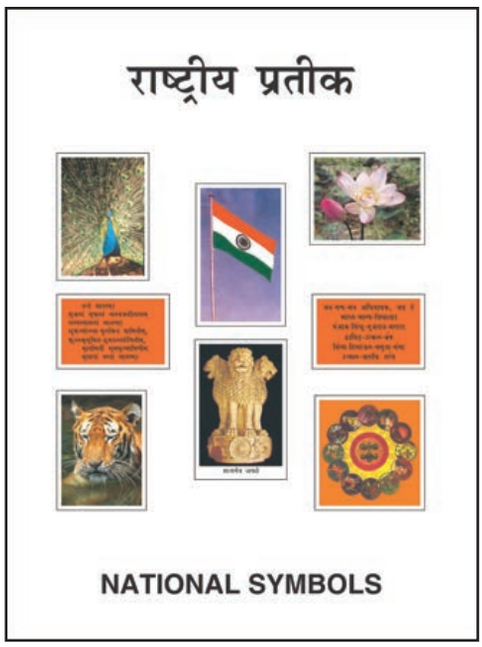

सीसीआरटी पुस्तकालय

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में कुल 160 पुस्तकें क्रय की गई। सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली व क्षेत्रीय केन्द्र हैदराबाद, उदयपुर एवं गुवाहाटी में समय-समय पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आने वाले शिक्षकों के साथ-साथ कर्मचारी/अधिकारी एवं बाहरी व्यक्तियों के अध्ययन हेतु पुस्तकालय में उपलब्ध अब तक कुल पुस्तकों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. संख्या	स्थान	पुस्तकों की कुल संख्या
1.	सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली	13,981
2.	सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर	3,128
3.	सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद	3,696
4.	सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी	3,677

Scholarship and Fellowship Schemes

In order to preserve and promote the rich and diverse cultural heritage of India, CCRT annually implements scholarship and fellowship scheme. These schemes include identifying and promoting the traditional art forms including Tribal cultural arts and folk culture, languages, and festivals of the region.

The details of the Scholarship and Fellowship Schemes are as follows:

Cultural Talent Search Scholarship (CTSS) Scheme

The Cultural Talent Search Scholarship Scheme aims at providing facilities to selected meritorious young children to develop their talents in various performing, visual & literary art fields. Children in the age group of 10 to 14 years studying either in recognized schools or belonging to families practicing traditional art forms, are selected for the scholarships.

The scholarship awarded under the Scheme is initially for two years and is renewable after every two years till the completion of the first University degree stage of education or up to the age of 20 years, whichever is earlier, subject to the awardee maintaining satisfactory progress.

The CCRT provides **650 new scholarships** every year, out of which 100 scholarships are reserved for Tribal Culture/ST students. Special emphasis is given to arts and crafts which are on the verge of extinction. 125 scholarships are reserved for the children of families practicing traditional art forms. 20 scholarships are reserved for differently abled (Divyang) children and 30 Scholarships are reserved for Creative Writing /Literary Arts.

650 new scholarships were offered to the meritorious children during the year 2024-2025. The selection was carried out through preliminary screening of applications by Central selection committee followed by the interviews and practical assessments of shortlisted applicants purely on the basis of merit through Regional Selection Committees comprising of eminent artists, erudite scholars and senior Gurus from various art disciplines at 15 venues ensuring nationwide representation and inclusive participation from all States and Union Territories.

Central Selection Committee Meetings 2024-25 under CTSSS

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति योजनाएँ

भारत के समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु, सीसीआरटी प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति योजनाएँ लागू करता है। इन योजनाओं के अंतर्गत क्षेत्र की जनजातीय सांस्कृतिक कलाओं एवं लोक संस्कृति, भाषाओं और त्योहारों सहित पारंपरिक कला रूपों की पहचान एवं संवर्धन शामिल है।

छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति योजनाओं का विवरण इस प्रकार है :

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति (CTSS) योजना

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य चयनित मेधावी युवा बच्चों में विभिन्न प्रदर्शनकारी, चाक्षुष एवं साहित्य कला के क्षेत्रों में निहित प्रतिभा को विकसित करना है। इस योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त स्कूलों में अध्ययनरत 10 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों अथवा विलुप्त होती पारम्परिक कला शैलियों से जुड़े परिवारों के बच्चों का छात्रवृत्ति हेतु चयन किया जाता है।

योजना के अंतर्गत प्रारंभ में छात्रवृत्ति दो वर्ष के लिए दी जाती है और उसके प्रत्येक दो वर्ष बाद शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्तर की प्रथम डिग्री प्राप्त करने तक अथवा 20 वर्ष की आयु पूरी करने तक, जो भी पहले हो, संतोषजनक प्रगति के आधार पर जारी रखी जाती है।

सीसीआरटी द्वारा प्रति वर्ष **650 नई छात्रवृत्तियां** प्रदान की जाती हैं जिनमे 100 छात्रवृत्तियां जनजातीय संस्कृति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए आबंटित होती हैं। ऐसी कला और शिल्पों पर विशेष बल दिया जाता है जो विलुप्त होने के कगार पर हैं। 125 छात्रवृत्तियां ऐसे परिवारों से जुड़े बच्चों के लिए आरक्षित हैं जो पारंपरिक कला से जुड़े हैं। 20 छात्रवृत्तियां दिव्यांग बच्चों के लिए तथा 30 छात्रवृत्तियां रचनात्मक लेखन/ साहित्य कलाओं के लिए आरक्षित हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान **650 नई छात्रवृत्तियाँ** मेधावी बच्चों को प्रदान की गई। केंद्रीय चयन समिति द्वारा आवेदनों की प्रारंभिक जाँच के माध्यम से चयन किया गया, जिसके बाद विभिन्न कला विधाओं के प्रख्यात कलाकारों, प्रखर विद्वानों और वरिष्ठ गुरुओं वाली क्षेत्रीय चयन समितियों द्वारा योग्यता के आधार पर चयनित आवेदकों के साक्षात्कार और व्यावहारिक मूल्यांकन किए गए। इस प्रकार, 15 स्थानों पर राष्ट्रव्यापी प्रतिनिधित्व और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की समावेशी भागीदारी सुनिश्चित की गई।

सीटीएसएसएस के अंतर्गत प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शन 2024-25

Statewise break-up of Scholarships awarded under CTSSS for the year 2024-2025

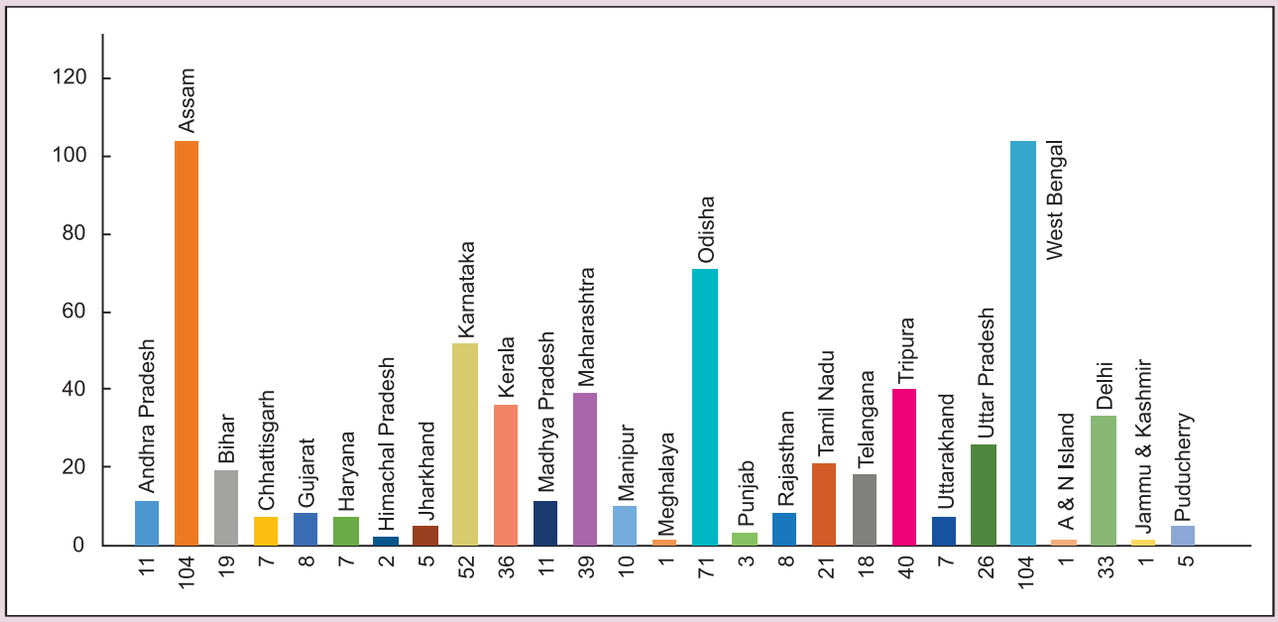

Statewise break-up of Scholarships awarded under CTSSS during 1982-2025

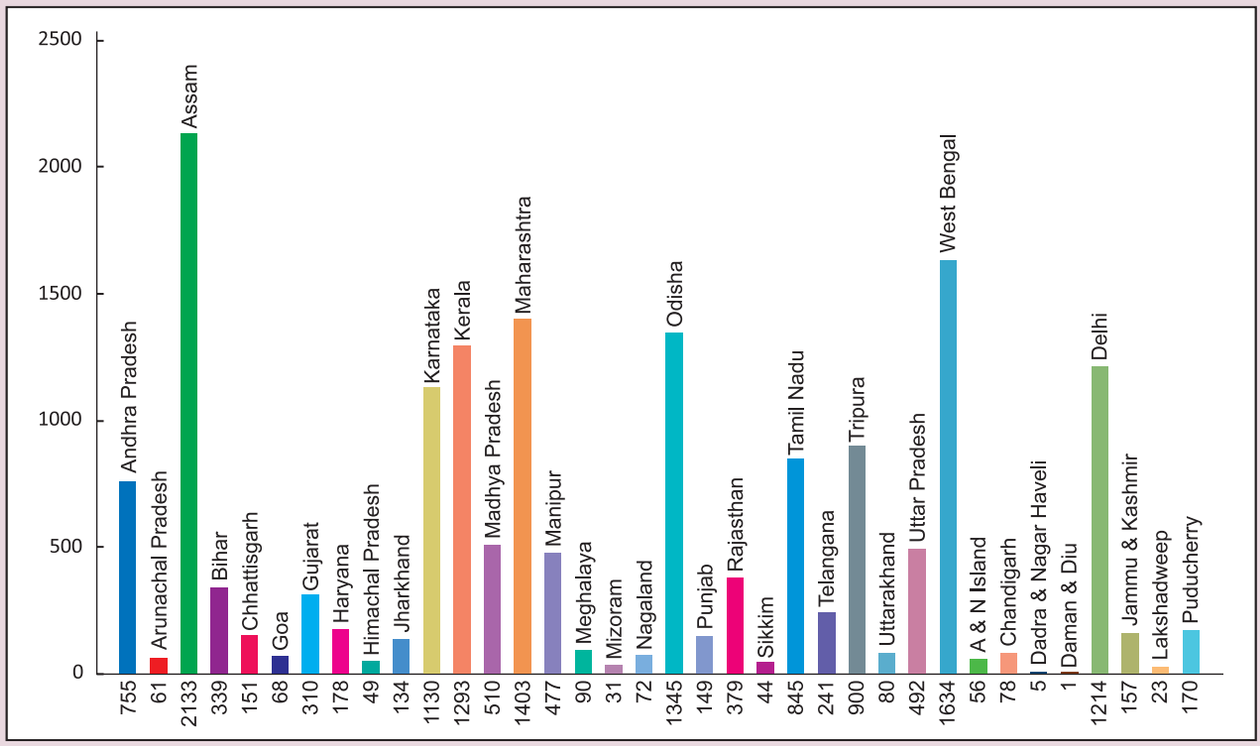

Scheme of "Award of Scholarships to Young Artistes (SYA) in Different Cultural Fields":

The Scheme for "Award of Scholarships to Young Artistes (SYA) in different Cultural fields" has also been transferred to CCRT partially under which **400 scholarships** are provided in the age group of 18 to 25 years in the field of Indian Classical Music, Classical Dances, Light Classical Music, Theatre, Visual Arts and Folk/ Traditional and Indigenous Arts. Each scholar is paid ₹5000/- (Rupees Five thousand only) per month for a period of two years to cover his/her living expenses on travelling, books, art material or other equipment and tuition or training etc.

This year, **400 new scholarships** were awarded to meritorious young artistes under SYA scheme for the year 2022–2023 based on interviews and tests conducted through online Expert Committee Meetings. These committees were constituted by the Scholarship & Fellowship Section of the Ministry of Culture to ensure a fair, transparent, and rigorous evaluation process.

वर्ष 2024-2025 हेतु सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने का राज्यवार ब्यौरा

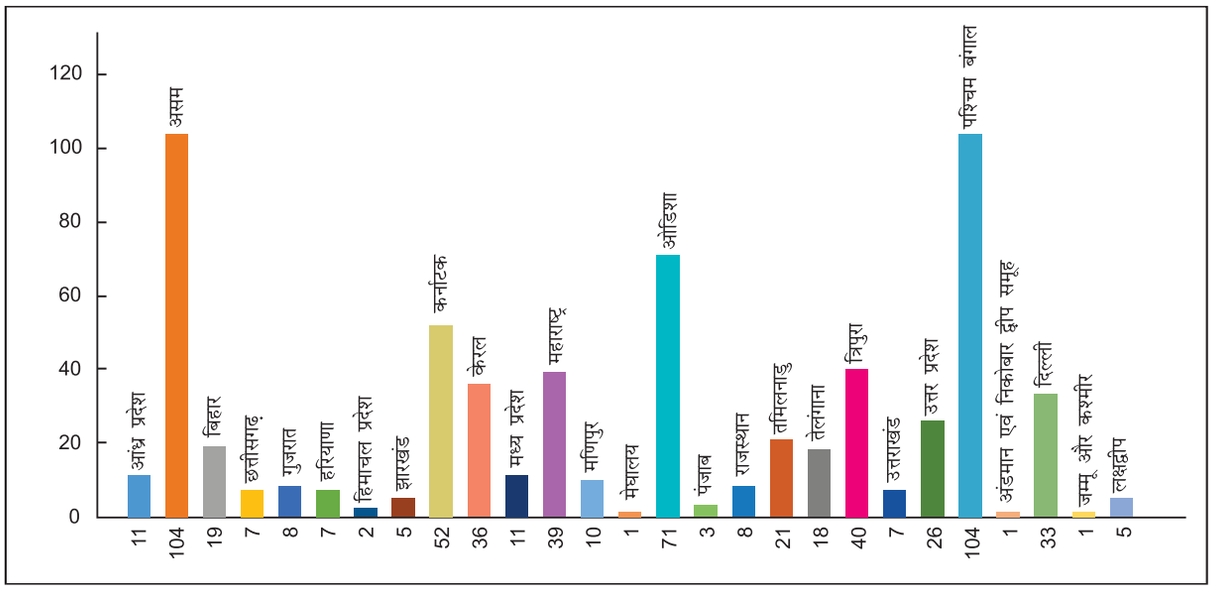

वर्ष 1982-2025 के दौरान सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने का राज्यवार ब्यौरा

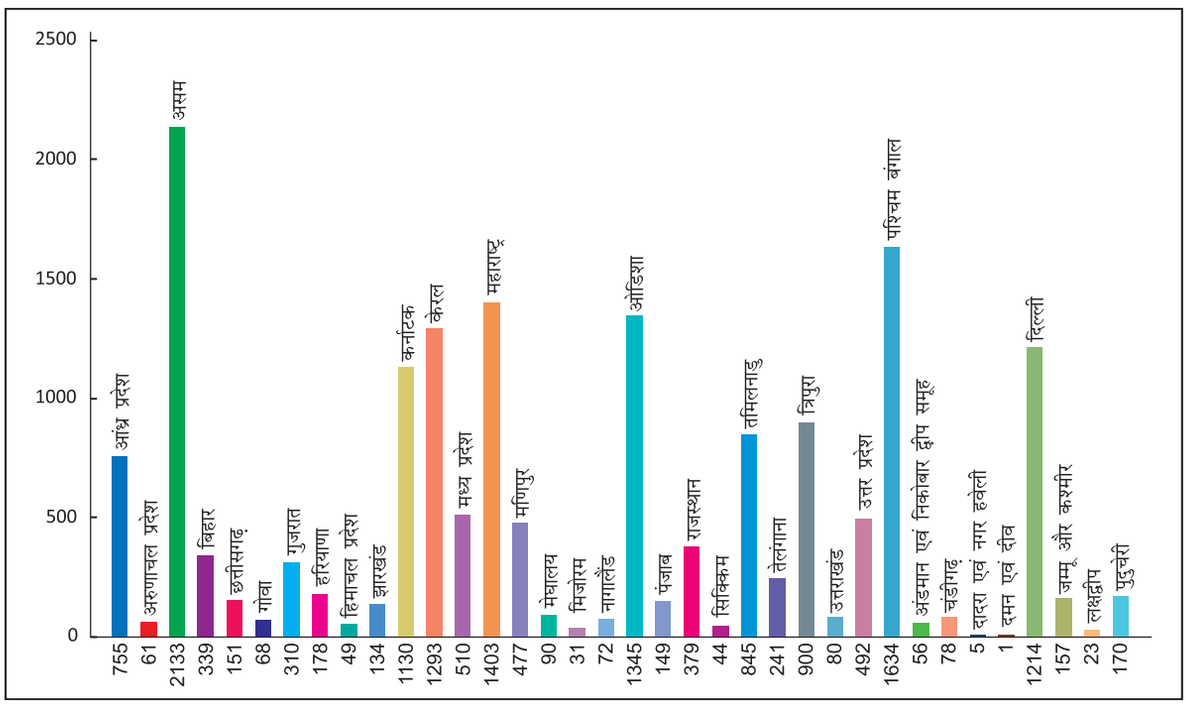

"विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना"

सीसीआरटी को 'विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों (एसवाईए) को छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना' सौंपी गई है, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, सुगम संगीत, नाटक, चाक्षुष और लोक/पारंपरिक और देशज कला के क्षेत्र में 18 से 25 वर्ष के आयु वर्ग में **400 छात्रवृत्तियाँ** प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक अध्येता को यात्राओं, पुस्तकों की खरीद, कला सामग्री तथा अन्य उपकरण एवं शिक्षण या प्रशिक्षण शुल्क आदि के खर्च के लिए ₹ 5000/- (रुपये पाँच हजार केवल) प्रति माह दो साल की अवधि के लिए भुगतान किया जाता है।

इस वर्ष, ऑनलाइन विशेषज्ञ समिति बैठकों के माध्यम से आयोजित साक्षात्कारों और परीक्षा के आधार पर, वर्ष 2022-23 के लिए एसवाईए योजना के अंतर्गत मेधावी युवा कलाकारों को 400 नई छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई। निष्पक्ष, पारदर्शी और कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए संस्कृति मंत्रालय के छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति अनुभाग द्वारा इन समितियों का गठन किया गया था।

Fellowship Scheme for the "Award of Fellowships to Outstanding Persons in the Field of Culture":

CCRT is implementing partially the scheme titled "Fellowship to outstanding individuals doing outstanding work in the field of culture". Under this Scheme 200 each of the Junior and Senior Fellows are selected. Awardees are paid grant money @ ₹10,000/- and ₹ 20,000/- per month respectively for a period of two years. The focus of this scheme is on "in-depth study/research" in various facets of culture. These include new emerging areas of Cultural Studies also.

- For the year 2022-23, a total 200 candidtates were selected for Junio Fellowships and 200 candidates were slected for Senior Fellowships by the duly constituted Expert committees of Ministry of Culture, Govt. of India.

National Cultural Festivals and other activities

CCRT organizes cultural festivals to promote aesthetic and cultural values, foster harmony and creativity among youth, and encourage appreciation of diverse artistic traditions. These festivals aim to channel the energy of young people into constructive pursuits, celebrating India's unity in diversity and enriching their experience through the beauty of the arts.

The festivals and activities undertaken by CCRT under Ministry of Culture, in the past one year are as follows;

- **National Cultural Festival for Scholarship-holders**

  CCRT organized National Cultural Camp Cum Festival titled ''Dance Music Ensemble" based on the musical compositions of Meerabai and Workshop cum Exhibition on visual arts dedicated to R K Laxman, Indian Cartoonist and Illustrator from **May 27, 2024 to June 02, 2024** in CCRT Campus, New Delhi.

  In this festival 55 Scholarship holders/Young Artistes/ Fellows were participate from 07 different States/UTs namely Delhi, Chandigarh, Rajasthan, Uttar Pradesh, Himachal Pradesh, Haryana & Uttarakhand.

  The synchronized production of dance – music ensemble was composed & directed by Pandit Chetan Joshi and dance choreography by Vidushi Preeti Srivastava was presented on **June 02, 2024.** The visual arts workshop dedicated to R K Laxman was mentored by Shri Prabhas Roy & Dr Ujjwal Suresh Kadode and an exhibition was also organized on June 02, 2024.

- **Residential Camp for CCRT's Scholarship Holders and Fellows from 26th to 28th August, 2024**

  CCRT hosted a three-day residential camp for its scholarship holders and fellows, featuring a synchronized dance and music production based on Meerabai's compositions. The showcase, held on August 28th, 2024, at Bharatmuni Natyagriha, CCRT, New Delhi, was graced by Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon'ble Minister of Culture & Toursim, Govt. of India as Chief Guest and involved 32 talented participants.

'संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान करने की योजना'

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की योजना ''संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को अध्येतावृत्ति प्रदान करने की योजना'' को सीसीआरटी आंशिक रूप से लागू करता है। इस योजना के कनिष्ठ अध्येता एवं वरिष्ठ अध्येता (फेलो) प्रत्येक के लिए अध्येताओं का चयन किया जाता है। चयनित अध्येताओं को क्रमशः दो वर्ष की अवधि के लिए ₹10000/- और ₹ 20,000/- प्रति माह अनुदान राशि का भुगतान किया जाता है योजना का केन्द्र बिन्दु संस्कृति के विविध आयामों में 'गहन अध्ययन/अनुसंधान' है। जिसमें सांस्कृतिक अध्ययन के नए उभरते क्षेत्र भी शामिल है।

- वर्ष 2022-23 के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने कनिष्ठ अध्येतावृत्ति हेतु 200 तथा वरिष्ठ अध्येतावृत्ति हेतु 200 अभ्यर्थियों का चयन किया।

राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव और अन्य गतिविधियाँ

सीसीआरटी युवाओं में कलात्मकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने, सद्भाव और रचनात्मकता को बढ़ावा देने और विविध कलात्मक परंपराओं की सराहना को प्रोत्साहित करने के लिए सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन करता है। इन उत्सवों का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक गतिविधियों में लगाना, भारत की विविधता में एकता का उत्सव मनाना और कला की सुंदरता के माध्यम से उनके अनुभव को समृद्ध बनाना है।

पिछले एक वर्ष में संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत सीसीआरटी द्वारा आयोजित उत्सव और गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:-

- **छात्रवृत्ति धारकों के लिए राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव**

सीसीआरटी ने मीराबाई की संगीत रचनाओं पर आधारित 'नृत्य संगीत समूह' नामक राष्ट्रीय सांस्कृतिक शिविर सह महोत्सव और भारतीय कार्टूनिस्ट एवं चित्रकार आर. के. लक्ष्मण को समर्पित दृश्य कला पर कार्यशाला सह प्रदर्शनी का आयोजन 27 मई, 2024 से **2 जून, 2024** तक सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली में किया।

इस महोत्सव में दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड जैसे 7 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 55 छात्रवृत्ति धारकों/युवा कलाकारों/अध्येताओं ने भाग लिया।

नृत्य-संगीत समूह का समन्वित निर्माण पंडित चेतन जोशी द्वारा रचित और निर्देशित किया गया था और विदुषी प्रीति श्रीवास्तव द्वारा नृत्य कोरियोग्राफी **2 जून, 2024** को प्रस्तुत की गई थी। आर. के. लक्ष्मण को समर्पित दृश्य कला कार्यशाला का मार्गदर्शन श्री प्रभास रॉय और डॉ. उज्ज्वल सुरेश कडोडे ने किया था और **2 जून, 2024** को एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी।

- **सीसीआरटी के छात्रवृत्ति धारकों और अध्येताओं के लिए आवासीय शिविर 26 से 28 अगस्त, 2024**

सीसीआरटी ने अपने छात्रवृत्ति धारकों और अध्येताओं के लिए तीन दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन किया, जिसमें मीराबाई की रचनाओं पर आधारित एक समन्वित नृत्य और संगीत की आयोजित प्रस्तुत की गई। 28 अगस्त, 2024 को भरतमुनि नाट्यगृह, सीसीआरटी, नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और कुल 32 प्रतिभाशाली प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- **Rashtriya Sanskriti Utsav - "Ek Bharat Shreshtha Bharat"**

  CCRT organized Rashtriya Sanskriti Utsav Under the theme of "Ek Bharat Shreshtha Bharat" from November 2 to 8, 2024 at Bharatmuni Natyagrah, CCRT, New Delhi. 69 scholarship holders and young artists participated in the above program and a dance drama was staged by the scholarship holder's and youth artists.

- **National Cultural Camp cum Festival under "Ek Bharat Shreshtha Bharat"**

  CCRT organized a National Cultural Camp-cum-Festival titled "Ek Bharat Shreshtha Bharat" from January 7 to 11, 2025, at the CCRT Campus, New Delhi. Thirty (30) scholarship holders/young artistes from various states/UTs participated in this festival.

Collaborative Programmes & New Initiatives

- **Swadeshi Mela 2024-25**

  CCRT Scholarship and Fellowship holders showcased their talents on October 22-23, 2024, at the Swadeshi Mela 2024, held at the CCRT Campus in New Delhi. This event was organized by the Swadeshi Mela Team, New Delhi, in collaboration with CCRT, New Delhi.

- **Cultural Programme during Mera Samvidhan Mera Swabhiman Pad Yatra**

  CCRT, in collaboration with Nehru Yuva Kendra, deputed three Haryanvi folk dance teams comprising 30 performers for a cultural presentation on November 25, 2024. The performances took place during the Mera Samvidhan Mera Swabhiman event held at Major Dhyan Chand National Stadium, India Gate Circle, New Delhi – 110001. The vibrant showcase highlighted the traditional dance heritage of Haryana and added a spirited regional flavor to the national celebration.

- **Sahitya Akademi's Book fair, "Pustakyan"**

  Sahitya Akademi's Book Fair "Pustakyan" held from December 6-15, 2024, featured daily performances by 15 CCRT scholarship holders, who showcased their talent throughout the event.

- **Ritual and Rhythms of India**

  CCRT organized a programme titled 'Ritual and Rhythms of India' on the occasion of Makar Sankranti Utsav, held on January 13, 2025, at Ashoka Road, New Delhi. On this occasion, Shri Vetri Boopathy delivered a captivating performance, showcasing his talent and celebrating the rich cultural spirit of the festival.

- **Cultural presentation at International seminar organized by Election Commission of India**

  On January 23, 2025, the CCRT presented a cultural program at an International Seminar organized by the Election Commission of India (ECI). During the event, 16 CCRT scholarship and fellowship holders showcased the dance production "Nritya Tarang", under the expert guidance of Dr. Shaumbhavi Shukla Mishra, a renowned CCRT expert. The performance, which was part of the international conference hosted by the ECI, received a letter of appreciation from the ECI for its exceptional contribution.

- **Cultural Curation" in the Mahakumbh Mela, Prayagraj**

  CCRT was an integral part of the "Cultural Curation" at the Maha Kumbh Mela, held in Prayagraj, Uttar Pradesh, from January 13th to February 26th, 2025. During the event, seven teams from CCRT performed at the Triveni Manch as part of the celebrations at the Maha Kumbh Mela 2025.

- **Orientation Training Programme for the ICCR empaneled Artists to be deputed for Mission Posts**

  Centre for Cultural Resources and Training (CCRT) successfully conducted a comprehensive orientation and training program for performing art teachers-cum-performers in seven disciplines: Kathak, Tabla, Kuchipudi, Bharatnatyam, Odissi, and Hindustani Vocal.This residential program, held from March 6-12, 2025, was designed to equip 64 participants, deputed by the Indian Council for Cultural Relations (ICCR), with the skills and knowledge necessary to promote Indian cultural heritage globally through ICCR's Cultural Centers abroad

- **राष्ट्रीय संस्कृति उत्सव - ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत''**

  सीसीआरटी ने 2 से 8 नवंबर, 2024 तक भरतमुनि नाट्यग्रह, सीसीआरटी, नई दिल्ली में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" विषय के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्कृति उत्सव का आयोजन किया। उपरोक्त कार्यक्रम में 69 छात्रवृत्ति धारकों और युवा कलाकारों ने भाग लिया और छात्रवृत्ति धारकों और युवा कलाकारों द्वारा एक नृत्य नाटक का मंचन किया गया।

- **''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के अंतर्गत राष्ट्रीय सांस्कृतिक शिविर-सह-महोत्सव**

  सीसीआरटी ने 7-11 जनवरी, 2025 तक सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' नामक एक राष्ट्रीय सांस्कृतिक शिविर-सह-महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में विभिन्न राज्यों/केंन्द्र शासित प्रदेशों के तीस (30) छात्रवृत्ति धारकों/युवा कलाकारों ने भाग लिया।

सहयोगात्मक कार्यक्रम और नई पहल

- **स्वदेशी मेला 2024-25**

  सीसीआरटी छात्रवृत्ति और फेलोशिप धारकों ने 22-23 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित सीसीआरटी परिसर में आयोजित स्वदेशी मेला 2024 में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम स्वदेशी मेला टीम, नई दिल्ली द्वारा सीसीआरटी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया था।

- **मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान पद यात्रा के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम**

  सीसीआरटी ने नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से 25 नवंबर, 2024 को एक सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए 30 कलाकारों वाली तीन हरियाणवी लोक नृत्य टीमों को तैनात किया। ये प्रदर्शन मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम, इंडिया गेट सर्कल, नई दिल्ली - 110001 में आयोजित मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान कार्यक्रम के दौरान हुए। इस जीवंत प्रदर्शन ने हरियाणा की पारंपरिक नृत्य विरासत को उजागर किया और राष्ट्रीय उत्सव में एक उत्साहपूर्ण क्षेत्रीय रंग भर दिया।

- **साहित्य अकादमी का पुस्तक मेला, 'पुस्तकायन'**

  साहित्य अकादमी का पुस्तक मेला 'पुस्तकायन', जो 6-15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया गया था, में 15 सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारकों ने प्रतिदिन अपनी प्रस्तुतियाँ दीं और पूरे कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

- **भारत के अनुष्ठान और लय**

  सीसीआरटी ने मकर संक्रांति उत्सव के अवसर पर 13 जनवरी, 2025 को अशोका रोड, नई दिल्ली में 'भारत के अनुष्ठान और लय' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर, श्री वेत्री भूपथी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए और उत्सव की समृद्ध सांस्कृतिक भावना का जश्न मनाते हुए एक मनमोहक प्रस्तुति दी।

- **भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सांस्कृतिक प्रस्तुति**

  23 जनवरी, 2025 को, सीसीआरटी ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के दौरान, सीसीआरटी के 16 छात्रवृत्ति और फेलोशिप धारकों ने प्रसिद्ध सीसीआरटी विशेषज्ञ डॉ. शांभवी शुक्ला मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में नृत्य प्रस्तुति 'नृत्य तरंग' का प्रदर्शन किया। यह प्रस्तुति, जो कि ईसीआई द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हिस्सा थी, को इसके असाधारण योगदान के लिए ईसीआई से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।

and Mission/Posts. Twelve CCRT-empanelled artists expertly crafted the training modules, incorporating both theoretical and practical sessions for each art form, ensuring a holistic learning experience for the participants. This initiative underscores CCRT's commitment to aligning with ICCR's objectives and fostering cultural diplomacy, while promoting India's rich cultural heritage worldwide.

Project "Sanskriti" at Varanasi

Project 'Interpretation Centres at Varanasi' is an initiative of Ministry of Culture in developing/establishing of interpretation Centres in Educational Institutions in Varanasi envisioned by Hon'ble Prime Minister. In his speech in Varanasi on December 25, 2014 he stressed the need for developing some schools and colleges in Varanasi in a way that they have mastery over any luminary of Varanasi or over any theme regarding the heritage of Varanasi.

In this endeavour, CCRT has been designated as a Nodal agency to coordinate the initiative of Ministry of Culture in developing/ establishing Interpretation Centres in Educational Institutions in Varanasi. CCRT is working with its chosen institutions to work on the themes of Mahamana Malviya, Jaishankar Prasad, Sampoornanand, Swami Karpatri ji, Kashi Naresh, Pt. Lal Bahadur Shastri and Pt. Vidya Niwas Mishra. The chosen institutions are conceptualizing a variety of activities ranging from developing museum corners, debates, padyatras, literary competitions, recitation of writings of these literary figures, etc. Name of the institutions

The name of the Interpretation Centres under CCRT are as per details below:

Sl. No.	Name of the Educational Institutions	Theme of the Interpretation Centres
1.	Mahamana Malviya Inter College, Bachhav, Varanasi	Pt. Mahamana Madan Mahamana Malviya
2.	Nivedita Shiksha Sadan Balika Inter College, Varanasi	Rani Laxmibai
3.	Bharatiya Shiksha Mandir Inter College, Englishia Line, Varanasi	Swami Karpatri ji
4.	Gurunanak Khalsa Inter College, Gurubagh, Varanasi	Sant Ravidas
5.	C.M Anglo Bengali Inter College, Bhelpur, Varanasi	Sant Chintamani Mukherjee
6.	National Inter College, Pindara, Varanasi	Dr. Vidya Niwas Mishra
7.	Radha Kishori Rajkiya Balika Inter College, Ram Nagar, Varanasi	Kashi Naresh
8.	Rajkiya Balika Inter College, Maldahiya, Varanasi	Shri Lal Bahadur Shastri
9.	Gangapur Inter College, Gangapur, Varanasi	Dr. Sampoornanand
10.	Vivekananda Abhinav Shikshan Sansthan, Lohatiya, Varanasi	Swami Vivekananda

CCRT organized a 5-day Cultural Workshop at six Interpretation Centers in Varanasi, Uttar Pradesh, from January 22 to 26, 2025. The workshop witnessed the active participation of approx 500 students, who took part in a range of activities aimed at promoting and preserving India's rich cultural heritage.

- **प्रयागराज के महाकुंभ मेले में 'सांस्कृतिक क्यूरेशन'**

सीसीआरटी, 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले के 'सांस्कृतिक क्यूरेशन' का एक अभिन्न अंग था। इस कार्यक्रम के दौरान, सीसीआरटी की सात टीमों ने महाकुंभ मेला 2025 के समारोहों के एक भाग के रूप में त्रिवेणी मंच पर प्रदर्शन किया।

- **आईसीसीआर के पैनल में शामिल कलाकारों के लिए मिशन पोस्टों पर प्रतिनियुक्ति हेतु अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम**

सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) ने सात विधाओं: कथक, तबला, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, ओडिसी और हिंदुस्तानी गायन में प्रदर्शन कला शिक्षकों-सह-कलाकारों के लिए एक व्यापक अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 6-12 मार्च, 2025 तक आयोजित इस आवासीय कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा प्रतिनियुक्त 64 प्रतिभागियों को आईसीसीआर के विदेश स्थित सांस्कृतिक केंद्रों और मिशन/पोस्टों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करना था। सीसीआरटी के पैनल में शामिल बारह कलाकारों ने प्रशिक्षण मॉड्यूल को कुशलतापूर्वक तैयार किया, जिसमें प्रत्येक कला रूप के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों सत्र शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों के लिए एक समग्र शिक्षण अनुभव सुनिश्चित हुआ। यह पहल आईसीसीआर के उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाने और सांस्कृतिक कूटनीति को बढ़ावा देने के साथ-साथ दुनिया भर में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए सीसीआरटी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

वाराणसी में ''संस्कृति'' परियोजना

'वाराणसी में व्याख्या केंद्र' परियोजना, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित वाराणसी के शैक्षणिक संस्थानों में व्याख्यान केंद्रों के विकास/स्थापना में संस्कृति मंत्रालय की एक पहल है। 25 दिसंबर, 2014 को वाराणसी में अपने भाषण में उन्होंने वाराणसी में कुछ स्कूलों और कॉलेजों को इस तरह विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया कि उन्हें वाराणसी के किसी भी प्रमुख व्यक्ति या वाराणसी की विरासत से संबंधित किसी भी विषय पर महारत हासिल हो।

इस प्रयास में, सीसीआरटी को वाराणसी के शैक्षणिक संस्थानों में व्याख्यान केंद्रों के विकास/स्थापना में संस्कृति मंत्रालय की पहल का समन्वय करने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। सीसीआरटी अपने चुने हुए संस्थानों के साथ मिलकर महामना मालवीय, जयशंकर प्रसाद, संपूर्णानंद, स्वामी करपात्री जी, काशी नरेश, पंडित लाल बहादुर शास्त्री और पंडित विद्या निवास मिश्र के विषयों पर काम कर रहा है। चयनित संस्थान संग्रहालय कोनों के विकास, वाद-विवाद, पदयात्रा, साहित्यिक प्रतियोगिताओं, इन साहित्यकारों की रचनाओं के पाठ आदि से लेकर विभिन्न गतिविधियों की संकल्पना कर रहे हैं। संस्थानों के नाम:-

सीसीआरटी के अंतर्गत व्याख्यान केंद्रों के नाम नीचे दिए गए विवरण के अनुसार हैं

क्र. संख्या	शैक्षिक संस्थाओं के नाम	संपर्क केन्द्रों की विषय वस्तु
1.	महामना मालवीय इन्टर कॉलेज, बछावं, वाराणसी	महामना पं. मदन मोहन मालवीय
2.	निवेदिता शिक्षा सदन बालिका इन्टर कॉलेज, वाराणसी	रानी लक्ष्मीबाई
3.	भारतीय शिक्षा मंदिर इंटर कॉलेज, इंग्लिशिया लाइन, वाराणसी	स्वामी करपात्री जी
4.	गुरु नानक खालसा इंटर कॉलेज, गुरुबाग, वाराणसी	संत रविदास
5.	सी.एम. एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज, भेलूपुर, वाराणसी	संत चिंतामणि मुखर्जी
6.	नेशनल इंटर कॉलेज, पिंडारा, वाराणसी	डॉ. विद्यानिवास मिश्र
7.	राधा किशोरी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रामनगर, वाराणसी	काशी नरेश
8.	राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मलदहिया, वाराणसी	श्री लाल बहादुर शास्त्री
9.	गंगापुर इन्टर कॉलेज, गंगापुर, वाराणसी	डॉ. सम्पूर्णानंद
10.	विवेकानंद अभिनव शिक्षण संस्थान, लोहटिया, वाराणसी	स्वामी विवेकानन्द

सीसीआरटी ने 22 से 26 जनवरी, 2025 तक उत्तर प्रदेश के वाराणसी में छह व्याख्यान केंद्रों पर 5 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में लगभग 500 छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की, जिन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के उद्देश्य से कई गतिविधियों में भाग लिया।

Project under Azadi ka Amrit Mahotsav

DIGITAL DISTRICT REPOSITORY (DDR) PROJECT

As a component of Azadi Ka Amrit Mahotsav initiative, which commemorates 75 years of India's independence, the Digital District Repository (DDR) Project is being implemented by the Centre for Cultural Resources and Training (CCRT), an autonomous organization of Ministry of Culture, Govt. of India in collaboration with Education and Cultural Deptt. of various States/UTs, district administrations, and other cultural organizations. The DDR is part of a broader initiative that aims to celebrate India's diverse cultural heritage by organizing a range of cultural, educational, and social events across the country. Overall, the DDR scheme is a significant step towards making India digitally empowered and reviving the lost glory of our rich historical freedom struggle. CCRT has been conducting workshops throughout India, both online and offline, to collect stories from various states and UTs. These workshops have been successful in training teachers and educators from prestigious educational institutes and universities. The Ministry of Culture has commended CCRT's efforts in documenting local history, including unsung heroes, traditions, and folklore related to the freedom struggle.

DIGITAL DISTRICT REPOSITORY(DDR) Stories:

CCRT has been entrusted with the task of collecting 5,000 stories/snippets under the 'DDR Project' phase-I, and CCRT has collected 10115 stories from all over the country. 5370 stories have been duly edited, vetted and sent to the Ministry of Culture, out of which 4792 stories have been uploaded on the Azadi ka Amrit Mahotsav website.

CCRT has been again entrusted with the task of collecting another 5,000 stories/snippets under the DDR Project in phase-II since March 2024 and CCRT has collected 5811 stories upto 31 March, 2025 and 5421 stories have been duly edited, vetted and sent to the Ministry of Culture, out of which 3304 stories have been uploaded on the website of Azadi Ka Amrit Mahotsav.

The Details of Workshops organized by CCRT during 01April 2024 to 31 March 2025 under DDR Project are as Follows:

S. No	Venue of the workshop	District	State	Duration	Number of Participants
1.	Kirorimal College, Delhi University	New Delhi	New Delhi	06 – 07 May, 2024	150
Second Phase					
2.	Alluri Ramakrishna Raju MPL High School	Bhimavaram	Andhra Pradesh	17-18 February, 2025	85
				Total	**235**

Two days workshop at Kirorimal College, Delhi University from 06-07 May, 2024

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत परियोजना

डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी (DDR) परियोजना

आजादी का अमृत महोत्सव पहल के एक घटक के रूप में, जो भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाता है, डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रेपोजिटरी (डीडीआर) परियोजना को सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के एक स्वायत्त संगठन द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। डीडीआर भारत के शिक्षा और सांस्कृतिक विभाग के सहयोग से विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों, जिला प्रशासनों और अन्य सांस्कृतिक संघठनों की एक व्यापक पहल का हिस्सा है जिसका उद्देश्य देश भर में सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करके भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना है। कुल मिलाकर, डीडीआर योजना भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और हमारे समृद्ध ऐतिहासिक स्वंतत्रता संग्राम की खोई हुई महिमा को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक कदम है ।

सीसीआरटी विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहानियां एकत्र करने के लिए पूरे भारत में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से कार्यशालाएं आयोजित कर रहा है। ये कार्यशालाएं प्रतिष्ठित , शैक्षिणिक संस्थनों और विश्वविधालयों के शिक्षकों और प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने में सफल रहीं। संस्कृति मंत्रालय ने स्वंत्रता संग्राम से संबंधित गुमनाम नायकों,परंपराओं और लोककथाओं सहित स्थानीय इतिहास का दस्तावेजीकरण करने में सीसीआरटी के प्रयासों की सराहना की है।

डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी (DDR) कहानियाँ

सीसीआरटी को 'डीडीआर प्रोजेक्ट' चरण-1 के तहत 5,000 कहानियाँ/ स्निपेट इकट्ठा करने का काम सौंपा गया और सीसीआरटी ने पूरे देश से 10115 कहानियाँ एकत्र की। 5370 कहानियों को विधिवत संपादित, पुनरीक्षित किया गया और संस्कृति मंत्रालय को भेजा गया, जिनमें से 4792 कहानियाँ आजादी का अमृत महोत्सव वेबसाईट पर अपलोड की गई ।

सीसीआरटी को चरण-2 में डीडीआर परियोजना के तहत और 5,000 कहानियाँ/ स्निपेट एकत्र करने का कार्य फिर सौंपा गया और यह काम मार्च 2024 में शुरू हो गया। सीसीआरटी ने 31 मार्च,2025 तक 5811 कहानियाँ एकत्र कीं और जिसमें से कुल 5421 कहानियाँ विधिवत संपादित की गई । इन्हें जांच कर संस्कृति मंत्रालय को भेजा गया, जिसमें से 3304 कहानियाँ आजादी का अमृत महोत्सव की वेबसाइट पर अपलोड की गई ।

सीसीआरटी द्वारा डीडीआर परियोजना के अंतर्गत 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के दौरान आयोजित कार्यशालाओं का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	कार्यशाला का स्थान	जिला	राज्य	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	किरोडीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	नई दिल्ली	नई दिल्ली	06-07 मई, 2024	150
		दूसरा चरण			
2.	अल्लूरी रामकृष्ण राजू एम.पी.एल. हाई स्कूल	भीमावरम	आंध्र प्रदेश	17-18 फरवरी, 2025	85
				कुल	**235**

06-07 मई, 2024 तक किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला

National Outreach Programme of Har Ghar Tiranga (HGT), Campaign

CCRT has organized various activities under HarGharTiranga Outreach Campaign in Celebration of 78th Independence Day in the State/UT of Andhra Pradesh, Telangana, Rajasthan, West Bengal and Delhi respectively through its Regional Centres and headquarters. CCRT has organized the programmes in schools in the above said states involving the school children, teachers, parents and community members ensuring the janbhagidari, in which various innovative and creative activities have been organised such as Tiranga Run, Tiranga Rally, Rangoli, Pottery, Tiranga Concert etc. Moreover, national flags have been distributed to the schools, teachers, local wards/bodies and among community members etc.

Tiranga Run: Mass Tiranga marches were organized. In Delhi, more than 2500 school children/teachers/officials participated. Moreover, Tiranga themed craft sessions on Tie & Dye, Warli painting, Beads Work and Pottery were also organized showcasing the diverse artistic traditions of India. The run was a vibrant expression of patriotism, with participants proudly wearing T-Shirts emblazoned with the Tiranga.

Tiranga Selfie Booths: Special booths were set up during the campaign where participants could take selfies with the national flag. These booths were a part of various cultural events organized by CCRT, adding a fun and interactive element to the campaign.

Mega Canvas Event: A large blank canvas was provided at specific locations where school children and participants wrote slogans and messages reflecting their love and respect for the nation. This activity encouraged creativity and expression of national pride.

School Programs: CCRT reached out to schools across the country, urging them to organize special assemblies, flag hoisting ceremonies, and cultural programs centered around the theme of Independence Day and the national flag. The number of participants of school teachers and participants at the following venues are as under

- Andhra Pradesh - 7464 • Telangana – 3780 • Rajasthan – 2620 • West Bengal – 3350 • Delhi – 2500
  Total – 19,714 school children, teachers etc. participated.
- 10,01,500 National Flags were also distributed through these events.

Teacher and Former DRP Involvement: CCRT-trained teachers and Former District Resource Persons (DRPs) played a crucial role in implementing the campaign at the grassroots level. They were encouraged to organize one-day programs in their schools, involving students in various activities like essay writing, drawing competitions, and patriotic song performances.

Social Media Engagement: The campaign also had a strong online presence, with participants encouraged to share their activities and selfies on social media platforms using the hashtag #HarGharTiranga. This helped in amplifying the reach and impact of the campaign.

New Delhi

Andhra Pradesh

West Bengal

Rajasthan

CCRT has also organized "Tiranga Concert" on 13th and 14th August, 2024 at CCRT Campus New Delhi under HarGharTiranga Campaign 2024 in which 31 CCRT Scholarship Holders participated.

Celebration of Foundation Day:

CCRT has celebrated its 45th Foundation Day at CCRT Campus, Dwarka, New Delhi on May 31, 2024 (Friday). The momentous occasion was dedicated to commemorate 525th birth anniversary of Saint Meera Bai, in which a theatre production titled 'Krishna Bhakt Meera' was developed under the esteemed direction of Dr. Vinod Narayan Indurkar, Chairperson, CCRT. CCRT has developed an open air theatre, which was inaugurated by Guests of the Day - Ms. Uma Nanduri, Joint Secretary (AKAD, AKAM, C&M) , Ms. Amita Prasad Sarbhai , Joint Secretary (BTI & ZCCs).

On this occasion Ashwa Ghosh Muktakash Kala Manch was inaugurated by Guests of the Day - Ms. Uma Nanduri, Joint Secretary (AKAD, AKAM, C&M).

हर घर तिरंगा (HGT) अभियान का राष्ट्रीय जन-जागरण कार्यक्रम

सीसीआरटी (CCRT) ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा जन जागरण अभियान के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और दिल्ली राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में अपने क्षेत्रीय केन्द्रों एवं मुख्यालय के माध्यम से विविध गतिविधियाँ आयोजित कीं। सीसीआरटी ने इन राज्यों के विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित करते हुए विद्यालयी बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा समुदाय के सदस्यों की जन भागीदारी सुनिश्चित की। इस अभियान के अंतर्गत तिरंगा रन, तिरंगा रैली, रंगोली, मिट्टी कला, तिरंगा संगीत कार्यक्रम आदि जैसे अनेक नवोन्मेषी एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही विद्यालयों, शिक्षकों, स्थानीय वार्डों/संस्थाओं तथा समुदाय के सदस्यों को राष्ट्रीय ध्वज भी वितरित किए गए।

तिरंगा रन

विभिन्न स्थानों पर जन-सहभागिता आधारित तिरंगा मार्च आयोजित किए गए। दिल्ली में 2,500 से अधिक विद्यालयी बच्चे, शिक्षक एवं अधिकारी इस रन में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त टाई-एंड-डाई, वारली पेंटिंग, बीड्स वर्क और मिट्टी कला जैसी तिरंगा-थीम पर आधारित शिल्प कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं, जिनमें भारत की विविध कलात्मक परंपराओं का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने तिरंगा छपे टी-शर्ट पहनकर उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे देशभक्ति का अत्यंत जीवंत वातावरण बना।

तिरंगा सेल्फी बूथ

अभियान के दौरान विशेष सेल्फी बूथ स्थापित किए गए, जहाँ प्रतिभागी राष्ट्रीय ध्वज के साथ तस्वीरें ले सकते थे। ये बूथ सीसीआरटी द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आकर्षक एवं सहभागितापूर्ण हिस्सा बने।

मेगा केनवास कार्यक्रम

नियत स्थानों पर एक विशाल केनवास उपलब्ध कराया गया, जिस पर विद्यालयी बच्चों व प्रतिभागियों ने राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को दर्शाते हुए संदेश एवं नारे लिखे। इस गतिविधि ने सृजनात्मकता तथा राष्ट्रप्रेम की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया।

विद्यालय कार्यक्रम

सीसीआरटी ने देशभर के विद्यालयों तक पहुँच बनाते हुए उन्हें विशेष सभाएँ, ध्वजारोहण समारोह एवं स्वतंत्रता दिवस तथा राष्ट्रीय ध्वज पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने हेतु प्रेरित किया। विभिन्न राज्यों में प्रतिभागियों की संख्या निम्नानुसार रही-

- आंध्र प्रदेश - 7,464 ● तेलंगाना - 3,780 ● राजस्थान - 2,620 ● पश्चिम बंगाल - 3,350 ● दिल्ली - 2,500
  कुल - 19,714 विद्यालयी बच्चे, शिक्षक एवं अन्य प्रतिभागी शामिल हुए।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से **10,01,500 राष्ट्रीय ध्वज** भी वितरित किए गए।

शिक्षकों एवं पूर्व डीआरपी की सहभागिता

सीसीआरटी-प्रशिक्षित शिक्षक एवं पूर्व जिला स्रोत व्यक्ति (DRPs) ने जमीनी स्तर पर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें अपने-अपने विद्यालयों में एक-दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने तथा निबंध लेखन, चित्रकला, देशभक्ति गीत आदि गतिविधियों में विद्यार्थियों को सम्मिलित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

सोशल मीडिया सहभागिता

अभियान में डिजिटल माध्यमों से भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। प्रतिभागियों को #HarGharTiranga हैशटैग के साथ अपनी गतिविधियाँ एवं सेल्फियाँ सोशल मीडिया पर साझा करने हेतु प्रोत्साहित किया गया, जिससे अभियान का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित हुआ।

13 और 14 अगस्त, 2024 को सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली मेंहर घर तिरंगा अभियान 2024 के अंतर्गत **"तिरंगा कॉन्सर्ट"** का आयोजन किया गया, जिसमें सीसीआरटी के 31 छात्रवृत्ति धारकों ने भाग लिया।

स्थापना दिवस समारोह

सीसीआरटी का **45वाँ स्थापना दिवस** 31 मई, 2024 (शुक्रवार) को सीसीआरटी परिसर, द्वारका, नई दिल्ली में मनाया गया। यह अवसर संत मीराबाई की 525वीं जयंती को समर्पित था, जिसके अन्तर्गत **'कृष्ण भक्त मीरा'** नामक रंगमंचीय प्रस्तुति, सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर के निर्देशन में तैयार की गई।

इस अवसर पर सीसीआरटी द्वारा विकसित **ओपन एयर थियेटर** का उद्घाटन मुख्य अतिथियों-

- सुश्री उमा नंदुरी, संयुक्त सचिव (AKAD] AKAM] C&M) तथा
- सुश्री अमिता प्रसाद साराभाई, संयुक्त सचिव (BTI & ZCCs) द्वारा किया गया।
- इस दिन अश्वघोष मुक्ताकाश कला मंच का भी उद्घाटन सुश्री उमा नंदुरी द्वारा किया गया।

Production of "Kushal Veerangana Rani Durgavati"

CCRT developed and presented a theatre production titled "Kushal Veerangana Rani Durgavati" in connection with Centenary Celebration of Rani Durgavati in collaboration with ZCCs from January 2024 to December 2024. Details of Programmes conducted are as follows:

- West Zone Cultural Centre, Udaipur on August 04, 2024 at DarpanSabhagar, Shilpgram Udaipur (Rajasthan).
- North Central Zone Cultural Centre, Prayagraj on September 15, 2024 at NCZCC Auditorium, Prayagraj (Uttar Pradesh).
- Chandigarh Sangeet Natak Akademi on Spetember 19, 2024 at Tagore Theatre, Chandigarh.
- North Zone Cultural Centre, Patiala on September 21, 2024 at Kalidas Auditorium, VirsaVihar Kendra, Patiala (Punjab).
- South Central Zone Cultural Centre, Nagpur on November 13, 2024 at Shilpagram, Khajuraho (Madhya Pradesh)

Thousands of local audience witnessed the programme.

Organization of Kaveri Meets Ganga at CCRT Hqrs, New Delhi

CCRT organized "Kaveri meets Ganga – Amrit Parampara Phase – I" Festival under aegis of the Ministry of Culture from November 02-05, 2024 at CCRT Campus, Dwarka, New Delhi. Kaveri meets Ganga the special campaign of Amrit Parampara aims to celebrate the cultural unity of India by showcasing South Indian classical dance forms and music in North India. The festival was jointly hosted by the Sangeet Natak Akademi, Kalakshetra Foundation and CCRT.

By showcasing the rich heritage of music and dance from the rivers Kaveri to Ganga, the festival served as a symbolic confluence of India's traditions and paid homage to the vision of Sardar Patel, who worked tirelessly to unite India geographically, politically and culturally.

Day 1 : November 2, 2024 (Inauguration Day)

The festival opened with an atmosphere of cultural reverence at CCRT Campus. The event began with Nama Sankeertanam, a traditional invocation that sect a spiritually uplifiting tone. This was followed by the evening's musical highlights.

Day 2 : November 3, 2024

The second day took the audience deeper into India's classical music and dance heritage. The performances celebrated the sacred connection between rivers Kaveri and Ganga, emphasizing their symbolic importance in uniting the nation.

Day 3 : November 4, 2024

The third day of Kaveri meets Ganga was graced by presence of Chief Guest of the evening Hon'ble Minister of State for Tourism & Natural Gas, Shri Suresh Gopi, who attended the event at the CCRT Campus. His presence added a layer of prestige and recognition to the festival, Further emphasizing the importance of preserving and promoting Indian cultural heritage. Smt Uma Nanduri, Joint Secretary (AKAD, AKAM, C&M) and Shri Aneish P Rajan, Director (Akademi), Ministry of Culture were the Guest of honour of this occasion.

Day 4 : November 5, 2024

The final day of the festival was a grand celebration of dance and music that highlighted India's cultural unity.

The outreach of the festival ensured its success as not just an artistic celebration but also an educational initiative, spreading awareness about the richness of Indian Culture to a wider audience.

''कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती'' नाट्य प्रस्तुति

सीसीआरटी ने जेडसीसी (ZCCs) के सहयोग सेरानी दुर्गावती शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में **"कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती"** शीर्षक से एक रंगमंचीय प्रस्तुति विकसित एवं प्रस्तुत की। जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक विभिन्न सांस्कृतिक केन्द्रों में इसके कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं–

- **पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर, राजस्थान** – 04 अगस्त 2024, दर्पण सभागार, शिल्पग्राम, उदयपुर (राजस्थान)
- **उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश** – 15 सितंबर 2024, NCZCC सभागार, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)
- **चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी** – 19 सितंबर 2024, टैगोर थिएटर, चंडीगढ़
- **उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला, पंजाब** – 21 सितंबर 2024, कालिदास सभागार, विरसा विहार केन्द्र, पटियाला (पंजाब)
- **दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, मध्यप्रदेश** – 13 नवंबर 2024, शिल्पग्राम, खजुराहो (मध्य प्रदेश)''

इन सभी प्रस्तुतियों को हजारों स्थानीय दर्शकों ने देखा और सराहा।

"कावेरी मीट्स गंगा" का आयोजन – CCRT मुख्यालय, नई दिल्ली

CCRT ने संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में 2 से 5 नवम्बर 2024 तक CCRT परिसर, द्वारका, नई दिल्ली में **"कावेरी मीट्स गंगा – अमृत परंपरा फेज–I"** उत्सव का आयोजन किया। **"कावेरी मीट्स गंगा"** – अमृत परंपरा का यह विशेष अभियान – भारत की सांस्कृतिक एकता का उत्सव मनाने के उद्देश्य से दक्षिण भारत की शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत परंपराओं को उत्तर भारत में प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया। यह उत्सव संगीत नाटक अकादमी, कलाक्षेत्र फाउंडेशन और CCRT द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

कावेरी से लेकर गंगा तक की संगीत और नृत्य की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत करते हुए यह महोत्सव भारत की परंपराओं के सांस्कृतिक संगम का प्रतीक बना और लौहपुरुष सरदार पटेल की उस भावना को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने भारत को भौगोलिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से एकीकृत करने का अविरत प्रयास किया।

दिन 1 : 2 नवम्बर 2024 (उद्घाटन दिवस)

उत्सव का शुभारंभ CCRT परिसर में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा के वातावरण के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नमा संकीर्तनम् से हुई, जिसने पूरे स्थल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद संध्या के प्रमुख कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

दिन 2 : 3 नवम्बर 2024

दूसरे दिन दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की गहराइयों में ले जाया गया। प्रस्तुतियों ने कावेरी और गंगा–दोनों नदियों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया, जो भारत की एकता का प्रतीक हैं।

दिन 3 : 4 नवम्बर 2024

तीसरा दिन विशेष था, क्योंकि इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय पर्यटन एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी ने परिसर में उत्सव की शोभा बढ़ाई। उनकी उपस्थिति ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और बल दिया। इस अवसर पर सुश्री उमा नंदूरी, संयुक्त सचिव (AKAD, AKAM, C&M) और श्री अनीश पी. राजन, निदेशक (अकादमी), संस्कृति मंत्रालय, माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

दिन 4 : 5 नवम्बर 2024

उत्सव के अंतिम दिन नृत्य और संगीत की भव्य प्रस्तुतियों के साथ भारत की सांस्कृतिक एकता का उत्सव मनाया गया।

उत्सव की व्यापक पहुँच ने इसे केवल एक कलात्मक आयोजन ही नहीं, बल्कि एक शैक्षिक पहल भी बना दिया, जिसके माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्धि के प्रति जनजागरण और व्यापक समझ विकसित हुई।

Initiatives in the North-Eastern States

From ancient times, India's North-East has been the meeting place of many communities, faith and cultures. In order to build up a pervasive consciousness of the rich natural and cultural heritage of the North-East region, including Sikkim through the utilization of students in the conservation of our heritage, CCRT organized various training programmes in different North-Eastern States. The primary, middle, secondary and senior secondary school teachers from all parts of the country were introduced to innovative methoosQ of classroom teaching using specific art forms and traditional crafts of this region.

Sl. No.	Training Programmes	Duration	Venue	No. of Participants
1.	Workshop on "Role of Puppetry in Education in line with NEP 2020"	June 20-July 04, 2024	Guwahati	66
2.	Orientation Course in line with NEP 2020	July 24-August 13, 2024	Guwahati	62
3.	Workshop on "Role of Schools in Conservation of Natural & Cultural Heritage"	August 27 -September 05, 2024	Guwahati	95
4.	Workshop on "Our Cultural Diversity"	September 17-26, 2024	Guwahati	71
5.	Workshop on "Role of Schools in Conservation of Natural & Cultural Heritage"	October 16-25, 2024	Guwahati	68
6.	Workshop on "Integrating Craft Skills in School Education"	November 5-14, 2024	Guwahati	50
7..	Orientation Course in line with NEP 2020	November 27-December 17, 2024	Guwahati	68
8.	Workshop on "Role of Puppetry in Education in line with NEP 2020"	January 02-16, 2025	Guwahati	37
9.	Workshop on "Our Cultural Diversity"	January 21-30, 2025	Guwahati	90
10.	Workshop on "Integrating Craft Skills in School Education"	February 04-13,2025	Guwahati	61
			Total	**668**

Teachers performing a North-Eastern folk dance

Karma folk dance of Chhattisgarh in Guwahati workshop

पूर्वोत्तर राज्यों में पहल

प्राचीन काल से ही भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र कई समुदायों,आस्था और संस्कृतियों का मिलन स्थल रहा है। हमारी विरासत के संरक्षण में छात्रों की भूमिका को देखते हुए सिक्किम सहित उत्तर-पूर्व क्षेत्र की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत की व्यापक चेतना निर्माण करने के लिए सीसीआरटी ने विभिन्न पूर्वोत्तर राज्योंमेंप्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया । देश के विभिन्न भागों के प्राथमिक, पूर्व-माध्यमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को अपने क्षेत्र के विशिष्ट कला-रूपों और पारंपरिक शिल्प का उपयोग करते हुए नवीनतम शिक्षण पद्धति की जानकारी दी ।

क्र. संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रम	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	''एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा में कठपुतली की भूमिका'' पर कार्यशाला	20 जून से 04 जुलाई, 2024	गुवाहाटी	66
2.	एनईपी 2020 के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम	24 जुलाई से 13 अगस्त, 2024	गुवाहाटी	62
3.	''प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका'' पर कार्यशाला	27 अगस्त से 05 सितंबर, 2024	गुवाहाटी	95
4.	हमारी सांस्कृतिक विविधता पर कार्यशाला	17 से 26 सितंबर, 2024	गुवाहाटी	71
5.	''प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका'' पर कार्यशाला	16 से 25 अक्टूबर, 2024	गुवाहाटी	68
6.	''स्कूली शिक्षा में शिल्प कौशल का एकीकरण'' पर कार्यशाला	05 से 14 नवंबर, 2024	गुवाहाटी	50
7.	एनईपी 2020 के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम	27 नवम्बर से 17 दिसंबर, 2024	गुवाहाटी	68
8.	''एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा में कठपुतली की भूमिका'' पर कार्यशाला	02 से 16 जनवरी, 2025	गुवाहाटी	37
9.	''हमारी सांस्कृतिक विविधता'' पर कार्यशाला	21 से 30 जनवरी, 2025	गुवाहाटी	90
10.	''स्कूली शिक्षा में शिल्प कौशल का एकीकरण'' पर कार्यशाला	04 से 13 फरवरी, 2025	गुवाहाटी	61
			कुल	**668**

कार्यशाला के दौरान सत्रिय नृत्य की प्रस्तुति

गुवाहाटी में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागीगण

Progress in the use of official language in CCRT

All the relevant provisions of the rules and regulations related to the Official Language Policy of the Central Government are followed as far as possible at the CCRT Headquarters and its four regional centres and CCRT remains fully geared up to achieve the targets set in the annual program issued by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs. The details of important official language related works and programmes at CCRT Headquarters and its four regional centres during the period from 01 April 2024 to 31 March 2025 are as follows:

1. During this period, quarterly meetings of the Official Language Implementation Committee were held every quarter at CCRT Headquarters under the Chairmanship of Director CCRT on 27th June 2024, 30th September 2024, 30th December 2024 and 28th March 2025 respectively.
2. During this period, Hindi workshops were organized at CCRT Headquarters every quarter on 24 June 2024, 17 September 2024, 26 December 2024 and 25 March 2025 respectively, in which personnel from the Headquarters as well as regional centers also participated through online medium. Apart from these, a total of 38 training workshops were organized from time to time at the headquarters and the four regional centers during this period for the participating teachers on "Official Language Policy of the Union and the Importance of Hindi in School Education". Lectures on official language by invited experts were organised on other relevant subjects including this one.
3. During this period from 13-27 September 2024, Hindi Pakhwada was organized in the Headquarters campus in which a large number of personnel participated in 06 different competitions. The winners of these competitions and the winners of the Annual Rajbhasha Protsahan Puraskar (2023-24) were awarded at the prize distribution ceremony held on 30 September 2024.
4. During this period, a "One Day Official Language Seminar" was organized on 16 October 2024 in collaboration with the Commission for Scientific and Technical Terminology, Department of Higher Education, Ministry of Education. A total of 117 participants including representatives from other Delhi-based offices of Ministry of Culture and 09 offices of 5th Sub-Committee of town Official Language Implementation Committee South Delhi-2 took part in the event.
5. During this period CCRT Headquarters participated in the 3rd and 4th half-yearly meetings organized by the Nodal Office, Town Official Language Implementation Committee South Delhi-2 on 19th July 2024 and 11th December 2024 respectively. Apart from this, 02 representatives of the office attended the "One Day Joint Regional Official Language Conference and Award Distribution Ceremony" for North-W & North-II and Central & Western regions conducted by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, organized at Jaipur on 17 February 2025.
6. The Hindi Officer of the Headquarters conducted the internal official language inspection of 09 sections of the Headquarters from 22 July to 01 August 2024. Apart from this, the Hindi Officer conducted the official language inspection of Regional Center, Guwahati on 09 May 2024 and Regional Center, Udaipur on 31 January 2025.
7. A 'Parangat' class (July-November 2024 session) was organized for all the permanent and eligible personnel (total 19) of the office at the Headquarters campus, conducted by Hindi Teaching Scheme, North Central Region Office, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs.
8. During this period, the Hindi section finalized the publication and presentation of various printed and digital materials, which include 12 issues of the monthly newsletter, brochures of various events, invitation letters, media and social media reports prepared in Hindi. Apart from these, from time to time important material received from other sections and regional centres was translated and vetted in Hindi.

सीसीआरटी में राजभाषा के प्रयोग में प्रगति

सीसीआरटी मुख्यालय और इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र में केंद्र सरकार की राजभाषा नीति से जुड़े नियमों व अधिनियमों के सभी प्रासंगिक प्रावधानों का यथासंभव अनुपालन किया जाता है और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सीसीआरटी पूर्णतया तत्पर रहता है। 01 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र में राजभाषा संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों और कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

1. इस अवधि में सीसीआरटी मुख्यालय में प्रत्येक तिमाही में निदेशक सीसीआरटी की अध्यक्षता में क्रमशः 27 जून 2024, 30 सितंबर 2024, 30 दिसंबर 2024 और 28 मार्च 2025 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें आयोजित की गईं।

2. इस अवधि में सीसीआरटी मुख्यालय में प्रत्येक तिमाही में क्रमशः 24 जून 2024, 17 सितंबर 2024, 26 दिसंबर 2024 और 25 मार्च 2025 को हिंदी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें मुख्यालय के कार्मिकों के साथ ऑनलाइन माध्यम से क्षेत्रीय केंद्रों के कार्मिक भी शामिल हुए। इनके अलावा मुख्यालय और चारों क्षेत्रीय केंद्र में इस अवधि में समय-समय पर आयोजित कुल 38 प्रशिक्षण कार्यशालाओं में प्रतिभागी शिक्षकों व शिक्षिकाओं के लिए ''संघ की राजभाषा नीति और स्कूली शिक्षा में हिंदी का महत्व'' सहित अन्य संगत विषयों पर आमंत्रित विशेषज्ञों के राजभाषा विषयक व्याख्यान आयोजित किए गए।

3. इस अवधि में 13-27 सितंबर 2024 तक मुख्यालय परिसर में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया जिसमें 06 अलग-अलग प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में कार्मिक शामिल हुए। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं और वार्षिक राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार (2023-24) के विजेताओं को 30 सितंबर 2024 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया।

4. इस अवधि में दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को वैज्ञानिक एवं तकनीकि शब्दावली आयोग, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के साथ संयुक्त आयोजन में ''एक दिवसीय राजभाषा संगोष्ठी'' आयोजित की गई। इस आयोजन में संस्कृति मंत्रालय के दिल्ली स्थित अन्य कार्यालयों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दक्षिण दिल्ली-2 की 5वीं उप-समिति के 09 कार्यालयों के प्रतिनिधियों सहित कुल 117 प्रतिभागी शामिल हुए।

5. इस अवधि में सीसीआरटी मुख्यालय ने 19 जुलाई 2024 और 11 दिसंबर 2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दक्षिण दिल्ली-2 अध्यक्ष कार्यालय द्वारा आयोजित क्रमशः तृतीय और चतुर्थ छमाही बैठकों में प्रतिभागिता की। इसके अलावा कार्यालय के 02 प्रतिनिधि 17 फरवरी 2025 को जयपुर में आयोजित राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के उत्तर-I एवं उत्तर-II तथा मध्य एवं पश्चिमी क्षेत्रों के लिए ''एकदिवसीय संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह'' में शामिल हुए।

6. मुख्यालय के हिंदी अधिकारी द्वारा 22 जुलाई से 01 अगस्त 2024 तक मुख्यालय के 09 अनुभागों का आंतरिक राजभाषायी निरीक्षण किया गया। इसके अलावा हिंदी अधिकारी द्वारा 09 मई 2024 को क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी और 31 जनवरी 2025 को क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर का राजभाषायी निरीक्षण किया गया।

7. हिंदी शिक्षण योजना, मध्योत्तर क्षेत्र कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के सौजन्य से मुख्यालय परिसर में कार्यालय के सभी स्थायी व पात्र कार्मिकों (कुल 19) के लिए 'पारंगत' कक्षा (जुलाई-नवंबर 2024 सत्र) का आयोजन कराया गया।

8. इस अवधि में हिंदी अनुभाग ने विविध मुद्रित एवं डिजिटल सामग्री के प्रकाशन और प्रस्तुति को अंतिम रूप दिया, जिनमें मासिक न्यूजलेटर के 12 अंक, विभिन्न आयोजनों के ब्रोशर, निमंत्रण पत्र, मीडिया और सोशल मीडिया रिपोर्ट हिंदी में तैयार करना प्रमुख हैं। इनके अलावा समय-समय पर अन्य अनुभागों और क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त महत्वपूर्ण सामग्री का हिंदी में अनुवाद और पुनरीक्षण किया गया।

Cultural Exchange Programme

Under the Cultural Exchange Programme with the countries that have an item of exchange with CCRT, CCRT receives scholars, artists and other guests for exchanging views, dialogues and to express their views on educational dimensions of culture. This is an ongoing process and few important CEPs under consideration are with Union of Comoros, Republic of Sierra Leone, Kingdom of Bahrain, Bangladesh, Chile, Botswana, Brazil, Hungary, Bolivia, Iceland and Lithuania.

Media Cell

The CCRT Website www.ccrtindia.gov.in has been upgraded to a dynamic website. CCRT has made its presence felt through Facebook, Twitter, YouTube and Instagram linked to its website www.ccrtindia.gov.in. This not only showcases CCRT's activities and its achievements but also provides a platform for interaction with teaching community, scholarship holders and public at large on a global basis. The Media Cell aims to disseminate information about the training programmes, national/international level competitions, Scholarship/Fellowship Schemes, Swacchata Campaign, Foundation Day, Independence Day, Republic Day, Sankalp Parv, and other initiatives undertaken by CCRT to the teachers/students and general public. All the virtual activities i.e. Lecture-Demonstrations, training programmes, National Level Competitions, Webinars, Talk Shows etc. are broadcasted live also on Social Media platforms.

A weekly social media report is generated by CCRT and uploaded on Google spreaosQheet prepared by the Ministry of Culture. There are multiple Training Programmes organized simultaneously by different Regional Centres and Headquarters, the monthly schedule is published in first week of every month on CCRT website www.ccrtindia.gov.in. The number of followers on various social media handles are as follows:-

Social Media Handle	1st April 2024	31 March 2025
Facebook Followers	16,100	17,670
Twitter Followers	4,500	5,000
Instagram Followers	3,700	3,850
YouTube Subscribers/Views	11,500	12,500

Meetings

- The 64th meeting of Executive Committee, CCRT was held on Wednesday, December 18, 2024 in CCRT, New Delhi.
- The 49th meeting of the Society, CCRT was held on Wednesday, December 18, 2024 in CCRT, New Delhi.
- The 54th meeting of Finance Committee, CCRT was held on June 2024 in CCRT, New Delhi.

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत सीसीआरटी अन्य देशों के विद्वानों, कलाकारों तथा अन्य अतिथियों से सांस्कृतिक एवम् शैक्षिक आयामों पर उनके विचार जानने के लिए उनसे सम्पर्क करता रहता है। सीसीआरटी में संस्कृति के शैक्षिक आयामों पर विचार व्यक्त करने तथा बातचीत करने और विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ, कलाकार तथा अन्य अतिथिगण आते रहते हैं। यह प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है। सांस्कृतिक विनियम कार्यक्रम के अन्तर्गत विचाराधीन महत्वपूर्ण देश हैं: कोमोरोस यूनियन, रिपब्लिक ऑफ सिएरा लियोन, किंगडम ऑफ बहरीन, बांग्लादेश, चिली, बोत्स्वाना, ब्राजील, हंगरी, बोलीविया, आइसलैंड और लिथुआनिया।

मीडिया सेल

सीसीआरटी वेबसाइट www.ccrtindia.gov.in को एक डिजिटल वेबसाइट में अपग्रेड किया गया है। सीसीआरटी ने अपनी वेबसाइट www.ccrtindia.gov.in से जुड़े फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब और इंस्टाग्राम के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह न केवल सीसीआरटी की गतिविधियों और इसकी उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है बल्कि वैश्विक आधार पर बड़े पैमाने पर शिक्षण समुदाय, छात्रवृत्ति धारकों और जनता के साथ बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करता है। मीडिया सेल का उद्देश्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं, छात्रवृत्ति-अध्येतावृत्ति योजनाओं, स्वच्छता अभियान, स्थापना दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, संकल्प पर्व और सीसीआरटी द्वारा की गई अन्य पहलों के बारे में शिक्षकों-छात्रों एवं सामान्य जनता में जानकारी का प्रसार करना है। सभी आभासी गतिविधियों जैसे व्याख्यान-प्रदर्शन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं, वेबिनार, वार्ता शो आदि का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीधा (लाइव) प्रसारण भी किया जाता है।

सीसीआरटी द्वारा साप्ताहिक सोशल मीडिया रिपोर्ट तैयार की जाती है और संस्कृति मंत्रालय द्वारा तैयार की गई गूगल स्प्रेडशीट पर अपलोड की जाती है। विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों और मुख्यालयों द्वारा एक साथ कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, मासिक कार्यक्रम हर महीने के पहले सप्ताह में सीसीआरटी वेबसाइट www.ccrtindia.gov.in पर प्रकाशित किया जाता है। विभिन्न सोशल मीडिया पेज फॉलोअर की संख्या इस प्रकार रही:-

सोशल मीडिया पेज	1 अप्रैल 2024	31 मार्च 2025
फेसबुक फॉलोअर	16,100	17,670
ट्विटर फॉलोअर	4,500	5,000
इंस्टाग्राम फॉलोअर	3,700	3,850
यू-ट्यूब सब्सक्राइबर्स/व्यूज़	11,500	12,500

बैठकें

- सीसीआरटी कार्यकारिणी समिति की 64वीं बैठक, 18 दिसंबर, 2024 (बुधवार) को सीसीआरटी, नई दिल्ली में आयोजित हुई।
- सीसीआरटी सोसायटी की 49वीं बैठक, 18 दिसंबर, 2024 (बुधवार) को सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली में संपन्न हुई।
- सीसीआरटी वित्त समिति की 54वीं बैठक, जून, 2024 को सीसीआरटी, नई दिल्ली में आयोजित हुई।

Members of Society

1. Dr. Vinod Narayan Indurkar
   Chairman, CCRT

2. Vice Chairman, CCRT (Vacant)

3. Additional Secretary & Financial Adviser (AS&FA)
   Ministry of Culture,
   Govt of India

4. Joint Secretary
   Ministry of Culture, Govt. of India
   Shastri Bhavan, New Delhi

5. Member (Vacant)

6. Member (Vacant)

7. Member (Vacant)

8. Member (Vacant)

9. Member (Vacant)

10. Director, NCERT
    Aurbindo Marg
    New Delhi-110016

11. Development Commissioner
    Handicrafts Board
    Ministry of Textiles, Govt. of India
    West Block-7 R.K. Puram, New Delhi

12. Director
    Gandhi Smriti & Darshan Samiti (GSDS)
    5, Tees January Marg
    New Delhi-110011

13. Additional Director General,
    Press Information Bureau (PIB)
    Room No. 204, National Media Centre
    Raisina Road, WinosQor Place
    New Delhi -110001

14. Director
    Department of State Educational Research and Training (DSERT)
    No. 4, 100 ft. Ring Road,
    Banashankari, 3rd Stage , Opp. Hosakerahalli,
    Telephone Exchange , Bengaluru,
    Karnataka - 560085

15. Director,
    State Council of Educational Research and Training (SCERT) Govt. of Goa, Alto – Porvorim
    Bardez, Goa – 403521

16. Director
    M.P. State Open School Education Board
    School Education Department, Government of Madhya Pradesh, Shivaji Nagar, Bhopal,
    Madhya Pradesh – 462011

17. State Coordinating Officer
    (State NSS Officer)
    Secretariat , Higher Education Department, Nava Raipur,
    Atal Nagar, Raipur,
    Chhattisgarh

18. Secretary
    Education Department
    Chandigarh

19. Member (Vacant)

20. Member (Vacant)

21. Member (Vacant)

22. Member (Vacant)

23. Shri Rajeev Kumar
    Director, CCRT
    Member Secretary

समिति के सदस्य

1. डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर
   अध्यक्ष, सीसीआरटी

2. उपाध्यक्ष, सीसीआरटी (रिक्त)

3. अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (एएस एंड एफए)
   संस्कृति मंत्रालय,
   भारत सरकार

4. संयुक्त सचिव
   संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

5. सदस्य (रिक्त)

6. सदस्य (रिक्त)

7. सदस्य (रिक्त)

8. सदस्य (रिक्त)

9. सदस्य (रिक्त)

10. निदेशक, एनसीईआरटी
    अरबिंदो मार्ग
    नई दिल्ली-110016

11. विकास आयुक्त
    हस्तशिल्प बोर्ड
    वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
    पश्चिम ब्लॉक-7, आर.के. पुरम, नई दिल्ली

12. निदेशक
    गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति (जीएसडीएस)
    5, तीस जनवरी मार्ग
    नई दिल्ली-110011

13. अपर महानिदेशक,
    पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी)
    कमरा संख्या 204, राष्ट्रीय मीडिया केंद्र
    रायसीना रोड, विंडसर प्लेस
    नई दिल्ली-110001

14. निदेशक
    राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण विभाग
    (डीएसईआरटी)
    नं. 4, 100 फीट, रिंग रोड,
    बनशंकरी, तृतीय चरण, होसाकेराहल्ली के सामने,
    टेलीफोन एक्सचेंज, बेंगलुरु,
    कर्नाटक - 560085

15. निदेशक,
    राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
    (एससीईआरटी) गोवा सरकार, ऑल्टो - पोरवोरिम
    बारदेज, गोवा - 403521

16. निदेशक
    मध्य प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय शिक्षा बोर्ड
    स्कूल शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार,
    शिवाजी नगर, भोपाल,
    मध्य प्रदेश - 462011

17. राज्य समन्वय अधिकारी
    (राज्य एनएसएस अधिकारी)
    सचिवालय, उच्च शिक्षा विभाग, नवा रायपुर,
    अटल नगर, रायपुर,
    छत्तीसगढ़

18. सचिव
    शिक्षा विभाग
    चंडीगढ़

19. सदस्य (रिक्त)

20. सदस्य (रिक्त)

21. सदस्य (रिक्त)

22. सदस्य (रिक्त)

23. श्री राजीव कुमार
    निदेशक, सीसीआरटी
    सदस्य सचिव

Members of Executive Committee

1. Dr. Vinod Narayan Indurkar
   Chairman, CCRT
2. Vice Chairman, CCRT (Vacant)
3. Additional Secretary & Financial Adviser (AS&FA)
   Ministry of Culture,
   Govt of India
4. Joint Secretary
   Ministry of Culture, Govt. of India
   Shastri Bhavan, New Delhi
5. Member (Vacant)
6. Member (Vacant)
7. Director
   Gandhi Smriti & Darshan Samiti (GSDS)
   5, Tees January Marg
   New Delhi-110011
8. Member (Vacant)
9. Shri Rajeev Kumar
   Director, CCRT
   Member Secretary

Members of Finance Committee

1. Ms. Ranjana Chopra
   Additional Secretary & Financial Adviser,
   Ministry of Culture, Govt. of India,
   Shastri Bhawan, New Delhi
2. Shri Aneish P. Rajan
   Director (Akademi),
   Ministry of Culture, Govt. of India,
   Shastri Bhawan, New Delhi
3. Shri Jwala Prasad
   Director,
   Gandhi Smriti & Darshan Smriti
   5, Tees January Marg, New Delhi
4. Ms. Nanu Bhasin
   Additional Director General,
   Ministry of I&B, Government of India
5. Shri Rajeev Kumar
   Director, CCRT
   Member Secretary

कार्यकारिणी समिति के सदस्य

1. डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर
   अध्यक्ष, सीसीआरटी
2. उपाध्यक्ष, सीसीआरटी (रिक्त)
3. अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (एएस एंड एफए)
   संस्कृति मंत्रालय,
   भारत सरकार
4. संयुक्त सचिव (अकादमी)
   संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली
5. सदस्य (रिक्त)
6. सदस्य(रिक्त)
7. निदेशक
   गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति (जीएसडीएस)
   5, तीस जनवरी मार्ग
   नई दिल्ली-110011
8. सदस्य (रिक्त)
9. श्री राजीव कुमार
   निदेशक, सीसीआरटी
   सदस्य सचिव

वित्त समिति के सदस्य

1. सुश्री रंजना चोपड़ा
   अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
   संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली
2. श्री अनीष पी. राजन
   निदेशक, (अकादमी)
   संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली
3. श्री ज्वाला प्रसाद
   निदेशक
   गाँधी स्मृति एवं दर्शन समृति
   5, तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली
4. सुश्री नानू भसीन
   अपर महानिदेशक
   सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
   भारत सरकार
5. श्री राजीव कुमार
   निदेशक, सीसीआरटी
   सदस्य सचिव

Number of Teachers/Teacher Educators and Students of different States/UTs trained by CCRT from 1st April 2024 to 31st March, 2025

State/UTs	Orientation Course (Teachers)	Refresher Course (Teachers)	Puppetry Course (Teachers)	Refresher Course (Teachers)	Workshops (Teachers)	Total No. of Teachers	Extension Programme Students
Andhra Pradesh	16	02	8	10	7	43	0
Arunachal Pradesh	5	-	19	-	21	45	0
Assam	16	-	3	04	27	50	10137
Bihar	261	15	75	06	150	507	-
Chhattisgarh	27	11	61	08	98	205	-
Goa	02	02	-	02	33	39	-
Gujarat	14	10	19	03	59	105	-
Haryana	77	05	38	11	141	272	-
Himachal Pradesh	51	01	-	01	53	106	-
Jharkhand	-	0	38	-	37	75	-
Karnataka	94	19	51	10	118	292	-
Kerala	03	-	-	-	10	13	-
Madhya Pradesh	06	-	7	05	82	100	2072
Maharashtra	19	28	13	24	104	188	-
Manipur	-	-	-	-	17	17	-
Meghalaya	-	-	-	-	-	-	-
Mizoram	-	-	2	-	2	4	-
Nagaland	02	-	-	05	-	7	-
Odisha	07	-	-	01	25	33	-
Punjab	08	-	-	02	-	10	-
Rajasthan	24	04	77	-	30	135	10749
Sikkim	46	-	-	-	-	46	-
Tamil Nadu	20	30	4	16	88	158	-
Telangana	26	06	25	-	29	86	10969
Tripura	09	-	9	-	27	45	-
Uttarakhand	15	01	-	02	148	166	-
Uttar Pradesh	39	12	5	08	18	82	-
West Bengal	15	02	19	-	175	211	500
A & N Island	-	-	-	-	-		-
Chandigarh	02	-	-	-	4	6	-
Dadra & Nagar Haveli	-	-	-	-	-	-	-
Daman & Diu	-	-	-	-	-	-	-
Delhi	-	-	-	-	-	-	10821
Jammu & Kashmir	45	05	27	26	159	262	-
Lakshadweep	-	-	10	-	29	39	-
Puducherry	-	-	3	-	-	3	-
Total	**849**	**153**	**513**	**144**	**1691**	**3350**	**45248**

1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक सीसीआरटी द्वारा प्रशिक्षित विभिन्न राज्यों/संघशासित क्षेत्रों के शिक्षकों/शिक्षिकाओं और छात्रों की संख्या

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	ऑन कैंपस/ऑनलाइन अनुस्थापन (बुनियादी) पाठ्यक्रम (शिक्षक)	अनुस्थापन पाठ्यक्रम (शिक्षक)	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (शिक्षक)	पुतली कला पाठ्यक्रम (शिक्षक)	कार्यशालाएँ (शिक्षक)	कुल शिक्षक	विस्तार कार्यक्रम (छात्र)
आंध्र प्रदेश	16	02	8	10	7	43	0
अरुणाचल प्रदेश	5	-	19	-	21	45	0
असम	16	-	3	04	27	50	10137
बिहार	261	15	75	06	150	507	-
छत्तीसगढ़	27	11	61	08	98	205	-
गोवा	02	02	-	02	33	39	-
गुजरात	14	10	19	03	59	105	-
हरियाणा	77	05	38	11	141	272	-
हिमाचल प्रदेश	51	01	-	01	53	106	-
झारखंड	-	0	38	-	37	75	-
कर्नाटक	94	19	51	10	118	292	-
केरल	03	-	-	-	10	13	-
मध्य प्रदेश	06	-	7	05	82	100	2072
महाराष्ट्र	19	28	13	24	104	188	-
मणिपुर	-	-	-	-	17	17	-
मेघालय	-	-	-	-	-	-	-
मिजोरम	-	-	2	-	2	4	-
नागालैंड	02	-	-	05	-	7	-
ओडिशा	07	-	-	01	25	33	-
पंजाब	08	-	-	02	-	10	-
राजस्थान	24	04	77	-	30	135	10749
सिक्किम	46	-	-	-	-	46	-
तमिलनाडु	20	30	4	16	88	158	-
तेलंगाना	20	06	25	-	29	80	10969
त्रिपुरा	09	-	9	-	27	45	-
उत्तराखंड	15	01	-	02	148	166	-
उत्तर प्रदेश	39	12	5	08	18	82	-
पश्चिम बंगाल	15	02	19	-	175	211	500
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	-	-	-	-	-		-
चंडीगढ़	02	-	-	-	4	6	-
दादरा एवं नगर हवेली	-	-	-	-	-	-	-
दमन एवं दीव	-	-	-	-	-	-	-
दिल्ली	-	-	-	-	-	-	10821
जम्मू और कश्मीर	45	05	27	26	159	262	-
लक्षद्वीप	-	-	10	-	29	39	-
पुदुचेरी	-	-	3	-	-	3	-
कुल	**849**	**153**	**513**	**144**	**1691**	**3350**	**45248**

Number of Teachers/Teacher Educators and Students of different States/UTs trained by CCRT upto March 31, 2025

State/UTs	Orientation Course (Teachers)	Refresher Course (Teachers)	Puppetry Course (Teachers)	Refresher Course (Teachers)	Workshops (Teachers)	E-Learning Workshop (Teachers)	• Short term Workshops (Teachers)	Short term Programme (Teachers)	Distance Learning Programme (Teachers)	Seminars Educational Administrators	Total No. of Teachers	Extension Programme (Students)
Andhra Pradesh	2107	221	1302	240	4193	106	4488	01	0	394	13052	137931
Arunachal Pradesh	395	11	151	4	828	7	1006	01	0	18	2421	270
Assam	1892	247	767	76	2567	492	4795	197	0	83	11116	95755
Bihar	1262	164	532	42	2090	42	1468	334	150	120	6204	11
Chhattisgarh	803	123	692	109	2262	203	1864	231	250	31	6568	0
Goa	528	122	121	16	1196	5	753	167	77	68	3053	1704
Gujarat	1564	254	1042	182	2587	356	2649	730	55	240	9659	2109
Haryana	943	122	492	100	1390	102	1888	196	37	89	5359	884
Himachal Pradesh	1031	141	220	31	1182	97	694	347	107	116	3966	189
Jharkhand	342	56	102	26	336	10	31	01	0	9	913	3
Karnataka	3489	418	1744	271	5758	276	5878	207	266	487	18794	4774
Kerala	1460	104	1106	250	3207	68	1858	98	0	300	8451	337
Madhya Pradesh	1228	109	657	109	1646	56	3777	126	60	169	7937	5440
Maharashtra	4284	950	2460	474	11767	397	11325	754	186	526	33123	40839
Manipur	518	5	411	33	1459	40	0	98	0	51	2615	81
Meghalaya	249	9	288	15	892	5	270	01	0	28	1757	289
Mizoram	172	4	180	3	926	2	40	98	0	6	1431	0
Nagaland	248	2	176	17	526	10	14	01	0	18	1012	773
Odisha	2161	230	779	132	3195	203	3466	1372	82	373	11993	5393
Punjab	921	60	423	38	1426	161	673	08	0	92	3802	909
Rajasthan	2300	274	1446	128	5321	409	3285	82	143	378	13766	183679
Sikkim	368	5	267	13	846	51	120	0	93	27	1790	44
Tamil Nadu	3800	533	1176	290	4410	445	3197	08	0	494	14353	23628
Telangana	136	11	133	4	168	210	283	03	0	23	971	114249
Tripura	243	14	18	0	434	41	0	0	49	27	826	332
Uttarakhand	878	157	236	62	1434	73	1897	651	210	115	5713	1143
Uttar Pradesh	1206	137	700	88	1626	47	1177	47	0	173	5201	11434
West Bengal	1063	169	647	140	1435	159	3532	249	102	79	7575	876
A & N Island	60	1	22	3	231	0	0	95	0	4	416	0
Chandigarh	139	5	75	3	127	75	0	07	0	16	447	1066
Dadra & Nagar Haveli	52	0	0	0	7	0	0	0	0	0	59	0
Daman & Diu	4	0	0	0	20	0	0	0	79	1	104	0
Delhi	750	87	1533	38	2102	6	83	90	161	382	5232	469228
Jammu & Kashmir	1358	94	759	87	2862	92	2192	775	0	64	8283	1737
Lakshadweep	23	0	19	2	147	0	0	0	0	2	193	0
Puducherry	226	17	282	18	561	175	285	163	115	21	1863	35
Total	**38203**	**4856**	**20958**	**3044**	**71164**	**4421**	**62988**	**7138**	**2222**	**5024**	**2,20,018**	**1105142**

• Short-term workshops have been introduced in the year 2003 (April 1, 2003)

31 मार्च, 2025 तक सीसीआरटी द्वारा प्रशिक्षित विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षकों/शिक्षिकाओं और छात्रों की संख्या

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	अनुस्थापन पाठ्यक्रम (शिक्षक)	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (शिक्षक)	पुतली कला पाठ्यक्रम (शिक्षक)	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (शिक्षक)	कार्यशालाएँ (शिक्षक)	ई-लर्निंग कार्यशालाएँ (शिक्षक)	• लघु अवधि कार्यशालाएँ (शिक्षक)	लघु अवधि कार्यक्रम (शिक्षक)	दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम (शिक्षक)	सेमीनार शैक्षिक प्रशासक	कुल शिक्षक	विस्तार कार्यक्रम (छात्र)
आंध्र प्रदेश	2107	221	1302	240	4193	106	4488	01	0	394	13052	137931
अरुणाचल प्रदेश	395	11	151	4	828	7	1006	01	0	18	2421	270
असम	1892	247	767	76	2567	492	4795	197	0	83	11116	95755
बिहार	1262	164	532	42	2090	42	1468	334	150	120	6204	11
छत्तीसगढ़	803	123	692	109	2262	203	1864	231	250	31	6568	0
गोवा	528	122	121	16	1196	5	753	167	77	68	3053	1704
गुजरात	1564	254	1042	182	2587	356	2649	730	55	240	9659	2109
हरियाणा	943	122	492	100	1390	102	1888	196	37	89	5359	884
हिमाचल प्रदेश	1031	141	220	31	1182	97	694	347	107	116	3966	189
झारखंड	342	56	102	26	336	10	31	01	0	9	913	3
कर्नाटक	3489	418	1744	271	5758	276	5878	207	266	487	18794	4774
केरल	1460	104	1106	250	3207	68	1858	98	0	300	8451	337
मध्य प्रदेश	1228	109	657	109	1646	56	3777	126	60	169	7937	5440
महाराष्ट्र	4284	950	2460	474	11767	397	11325	754	186	526	33123	40839
मणिपुर	518	5	411	33	1459	40	0	98	0	51	2615	81
मेघालय	249	9	288	15	892	5	270	01	0	28	1757	289
मिजोरम	172	4	180	3	926	2	40	98	0	6	1431	0
नागालैंड	248	2	176	17	526	10	14	01	0	18	1012	773
ओडिशा	2161	230	779	132	3195	203	3466	1372	82	373	11993	5393
पंजाब	921	60	423	38	1426	161	673	08	0	92	3802	909
राजस्थान	2300	274	1446	128	5321	409	3285	82	143	378	13766	183679
सिक्किम	368	5	267	13	846	51	120	0	93	27	1790	44
तमिलनाडु	3800	533	1176	290	4410	445	3197	08	0	494	14353	23628
तेलंगाना	136	11	133	4	168	210	283	03	0	23	971	114249
त्रिपुरा	243	14	18	0	434	41	0	0	49	27	826	332
उत्तराखंड	878	157	236	62	1434	73	1897	651	210	115	5713	1143
उत्तर प्रदेश	1206	137	700	88	1626	47	1177	47	0	173	5201	11434
पश्चिम बंगाल	1063	169	647	140	1435	159	3532	249	102	79	7575	876
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	60	1	22	3	231	0	0	95	0	4	416	0
चंडीगढ़	139	5	75	3	127	75	0	07	0	16	447	1066
दादरा एवं नगर हवेली	52	0	0	0	7	0	0	0	0	0	59	0
दमन एवं दीव	4	0	0	0	20	0	0	0	79	1	104	0
दिल्ली	750	87	1533	38	2102	6	83	90	161	382	5232	469228
जम्मू और कश्मीर	1358	94	759	87	2862	92	2192	775	0	64	8283	1737
लक्षद्वीप	23	0	19	2	147	0	0	0	0	2	193	0
पुदुचेरी	226	17	282	18	561	175	285	163	115	21	1863	35
कुल	**38203**	**4856**	**20958**	**3044**	**71164**	**4421**	**62988**	**7138**	**2222**	**5024**	**2,20,018**	**1105142**

• लघु-अवधि कार्यशालाएं वर्ष 2003 (1 अप्रैल, 2003) में आरंभ की गईं।

Statewise break-up of scholarships awarded under Cultural Talent Search Scholarship Scheme from 1982-83 to 2022-2023, 2023-24 and during 2024-2025.

State/UTs	1982-83 to 2022-2023	2023-2024	2024-2025	Total
Andhra Pradesh	738	06	11	755
Arunachal Pradesh	61	00	-	61
Assam	1876	153	104	2133
Bihar	301	19	19	339
Chhattisgarh	142	2	7	151
Goa	68	00	-	68
Gujarat	298	4	8	310
Haryana	168	3	7	178
Himachal Pradesh	46	01	2	49
Jharkhand	126	3	5	134
Karnataka	1034	44	52	1130
Kerala	1242	15	36	1293
Madhya Pradesh	485	14	11	510
Maharashtra	1329	35	39	1403
Manipur	459	08	10	477
Meghalaya	89	00	1	90
Mizoram	31	00	0	31
Nagaland	72	00	0	72
Odisha	1215	59	71	1345
Punjab	143	03	3	149
Rajasthan	364	07	8	379
Sikkim	44	00	-	44
Tamil Nadu	810	14	21	845
Telangana	203	20	18	241
Tripura	802	58	40	900
Uttarakhand	68	05	7	80
Uttar Pradesh	453	13	26	492
West Bengal	1420	110	104	1634
A & N Island	55	00	1	56
Chandigarh	77	1	-	78
Dadra & Nagar Haveli	5	00	-	5
Daman & Diu	1	00	-	1
Delhi	1148	33	33	1214
Jammu & Kashmir	155	1	1	157
Lakshadweep	23	00	-	23
Puducherry	161	04	5	170
Total	**15712**	**635**	**650**	**16997**

वर्ष 1982-83 से 2022-2023 तक तथा 2023-2024 एवं 2024-2025 के दौरान सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदान की गयी छात्रवृत्तियों का राज्यानुसार ब्यौरा

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	1982-83 से 2022-2023	2023-2024	2024-2025*	कुल
आंध्र प्रदेश	738	06	11	755
अरुणाचल प्रदेश	61	00	-	61
असम	1876	153	104	2133
बिहार	301	19	19	339
छत्तीसगढ़	142	2	7	151
गोवा	68	00	-	68
गुजरात	298	4	8	310
हरियाणा	168	3	7	178
हिमाचल प्रदेश	46	01	2	49
झारखंड	126	3	5	134
कर्नाटक	1034	44	52	1130
केरल	1242	15	36	1293
मध्य प्रदेश	485	14	11	510
महाराष्ट्र	1329	35	39	1403
मणिपुर	459	08	10	477
मेघालय	89	00	1	90
मिजोरम	31	00	0	31
नागालैंड	72	00	0	72
ओडिशा	1215	59	71	1345
पंजाब	143	03	3	149
राजस्थान	364	07	8	379
सिक्किम	44	00	-	44
तमिलनाडु	810	14	21	845
तेलंगाना	203	20	18	241
त्रिपुरा	802	58	40	900
उत्तराखंड	68	05	7	80
उत्तर प्रदेश	453	13	26	492
पश्चिम बंगाल	1420	110	104	1634
अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह	55	00	1	56
चंडीगढ़	77	1	-	78
दादरा एवं नगर हवेली	5	00	-	5
दमन और दीव	1	00	-	1
दिल्ली	1148	33	33	1214
जम्मू और कश्मीर	155	1	1	157
लक्षद्वीप	23	00	-	23
पुदुचेरी	161	04	5	170
कुल	**15712**	**635**	**650**	**16997**

Statewise break-up of distribution of Educational Kits upto 2024

State/UTs	Total No. of Kits issued upto March, 2024	In the Year 2024-2025	Total No. of Kits issued upto March, 2025
Andhra Pradesh	1530	16	1546
Arunachal Pradesh	299	5	304
Assam	1471	14	1485
Bihar	905	261	1166
Chhattisgarh	669	26	695
Goa	351	2	353
Gujarat	1220	14	1234
Haryana	728	74	802
Himachal Pradesh	842	48	890
Jharkhand	297	-	297
Karnataka	2815	86	2901
Kerala	921	3	924
Madhya Pradesh	999	6	1005
Maharashtra	3765	17	3782
Manipur	375	-	375
Meghalaya	230	-	230
Mizoram	117	-	117
Nagaland	191	2	193
Odisha	1904	6	1910
Punjab	661	8	669
Rajasthan	1666	24	1690
Sikkim	179	46	225
Tamil Nadu	2802	17	2819
Telangana	63	26	89
Tripura	154	9	163
Uttarakhand	731	12	743
Uttar Pradesh	872	39	911
West Bengal	930	14	944
A & N Island	5	-	5
Chandigarh	100	2	102
D&N Haveli	31	-	31
Daman & Diu	5	-	5
Delhi	496	-	496
Jammu & Kashmir	1043	44	1087
Lakshadweep	11	-	11
Puducherry	139	-	139
Total	**29517**	**821**	**30338**

वर्ष 2024 तक राज्यवार वितरित की गयी शैक्षिक किट का ब्यौरा

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	मार्च, 2024 तक निर्गत किट	वर्ष 2024-2025 में निर्गत किट	मार्च, 2025 तक कुल निर्गत किट
आंध्र प्रदेश	1530	16	1546
अरुणाचल प्रदेश	299	5	304
असम	1471	14	1485
बिहार	905	261	1166
छत्तीसगढ़	669	26	695
गोवा	351	2	353
गुजरात	1220	14	1234
हरियाणा	728	74	802
हिमाचल प्रदेश	842	48	890
झारखंड	297	-	297
कर्नाटक	2815	86	2901
केरल	921	3	924
मध्य प्रदेश	999	6	1005
महाराष्ट्र	3765	17	3782
मणिपुर	375	-	375
मेघालय	230	-	230
मिजोरम	117	-	117
नागालैंड	191	2	193
ओडिशा	1904	6	1910
पंजाब	661	8	669
राजस्थान	1666	24	1690
सिक्किम	179	46	225
तमिलनाडु	2802	17	2819
तेलंगाना	63	26	89
त्रिपुरा	154	9	163
उत्तराखंड	731	12	743
उत्तर प्रदेश	872	39	911
पश्चिम बंगाल	930	14	944
अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह	5	-	5
चंडीगढ़	100	2	102
दादरा एवं नगर हवेली	31	-	31
दमन व दीव	5	-	5
दिल्ली	496	-	496
जम्मू और कश्मीर	1043	44	1087
लक्षद्वीप	11	-	11
पुदुचेरी	139	-	139
कुल	**29517**	**821**	**30338**

Financial Statements

<u>वित्तीय विवरण</u>

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
DETAILED RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE PERIOD ENDED 31st MARCH, 2025

(Amount in - ₹)

RECEIPTS	Current Year		Previous Year		PAYMENTS	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total		Revenue	Total	Revenue	Total
I. Opening Balances					**I. Expenses**				
a) Cash in hand (HQ)	3,657.00	3,657.00	25,066.00	25,066.00	**A. Establishment Expenses**	9,99,32,770.00	9,99,32,770.00	10,61,14,098.00	10,61,14,098.00
b) Cash at Canara Bank (S. B. A/c)	7,44,22,076.03	7,44,22,076.03	5,93,50,477.00	5,93,50,477.00					
c) Cash at Canara Bank (EMD)	5,53,552.00	5,53,552.00	15,57,552.00	15,57,552.00	**B. Administrative Expenses**	6,06,49,441.80	6,06,49,441.80	5,05,74,281.00	5,05,74,281.00
					II. Payment ag Funds for Various Project	14,25,54,957.00	14,25,54,957.00	10,32,45,882.00	10,32,45,882.00
II. Grants Received									
From Govt. of India	31,17,19,038.00	31,17,19,038.00	26,74,67,119.00	26,74,67,119.00	**III. Other Expenses**	24,84,102.00	24,84,102.00	1,25,10,223.00	1,25,10,223.00
III. Interest Received					**IV. Expenditure on Fixed Assets & CWIP**	1,59,72,993.00	1,59,72,993.00	1,09,56,696.00	1,09,56,696.00
a) On Term Deposits	26,732.00	26,732.00	16,95,475.00	16,95,475.00					
b) Loans, Advances etc.	-	-	-	-	**V. Earnest Money Refunded / Deducted**	40,000.00	40,000.00	12,20,240.00	12,20,240.00
c) Saving Bank A/c	24,53,790.00	24,53,790.00	15,89,648.00	15,89,648.00					
d) Interest on IT Refund	6,417.00	6,417.00	-	-	**VI. Advance Payments for Various Projects**				
					Advance to CPWD for Const. Kalagram	4,98,05,550.00	4,98,05,550.00	-	-
IV. Other Income (Specify)	1,17,54,930.84	1,17,54,930.84	97,79,245.00	97,79,245.00	Advance to CPWD for General Work	53,66,992.00	53,66,992.00	-	-
					Advance for Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM)	29,50,000.00	29,50,000.00	-	-
V. Refund	1,45,01,460.00	1,45,01,460.00	38,04,883.00	38,04,883.00	Advance to Settingup of Cultural Clubs Members	-	-	-	-
VI. Settlement of Advances					**VII. Duties & Taxes**				
Martin Motors	-	-	**15,000.00**	**15,000.00**	a) Advance GST & TDS on GST	3,03,574.36	3,03,574.36	-	-
Refund from NBCC	21,72,281.00	21,72,281.00	1,41,00,000.00	1,41,00,000.00	b) TDS Deducted on Rent for AY 2025-26	3,53,046.00	3,53,046.00	-	-
VII. Earnest Money receipt	3,91,000.00	3,91,000.00	2,16,240.00	2,16,240.00	**VII. Paid for Prev. Yr Provision & Unspend Grant**	62,64,030.00	62,64,030.00	-	-
VIII. Current Liabilities					**IX. Work done by CPWD**	-	-	1,65,30,557.00	1,65,30,557.00
a) Payable to GPF A/c ag IT Refund	2,43,923.00	2,43,923.00	-	-					
b) Remittence to CPF	1,64,880.00	1,64,880.00	-	-	**X. Closing Balances**				
					a) Cash in hand	436.00	436.00	3,657.00	3,657.00
IX. Work done by CPWD	-	-	1,65,30,557.00	1,65,30,557.00	b) Cash at Canara Bank (S. B. A/c)	3,09,11,764.71	3,09,11,764.71	7,44,22,076.00	7,44,22,076.00
X. Regional Branches	84,000.00	84,000.00	-	-	c) Cash at Canara Bank (Earnest Money)	9,08,080.00	9,08,080.00	5,53,552.00	5,53,552.00
Total	**41,84,97,736.87**	**41,84,97,736.87**	**37,61,31,262.00**	**37,61,31,262.00**	**Total**	**41,84,97,736.87**	**41,84,97,736.87**	**37,61,31,262.00**	**37,61,31,262.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Dy. Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष का विस्तृत प्राप्ति एवं अदायगी लेखा

(राशि ₹ में)

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष		पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग		राजस्व	योग	राजस्व	योग
I. अथ शेष					**I. खर्चे**				
क) रोकड़ शेष (मुख्यालय)	3,657.00	3,657.00	25,066.00	25,066.00	**क. स्थापना खर्चे**	9,99,32,770.00	9,99,32,770.00	10,61,14,098.00	10,61,14,098.00
ख) केनरा बैंक में रोकड़ शेष(ब.खा.)	7,44,22,076.03	7,44,22,076.03	5,93,50,477.00	5,93,50,477.00	**ख. प्रशासनिक खर्चे**				
ग) केनरा बैंक में जमा बयाना राशि	5,53,552.00	5,53,552.00	15,57,552.00	15,57,552.00		6,06,49,441.80	6,06,49,441.80	5,05,74,281.00	5,05,74,281.00
					II. विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि तहत किया गया भुगतान	14,25,54,957.00	14,25,54,957.00	10,32,45,882.00	10,32,45,882.00
II. प्राप्त अनुदान									
भारत सरकार से	31,17,19,038.00	31,17,19,038.00	26,74,67,119.00	26,74,67,119.00	**III. अन्य भुगतान**	24,84,102.00	24,84,102.00	1,25,10,223.00	1,25,10,223.00
III. प्राप्त ब्याज					**IV. स्थायी परिसंपत्तियों व चालू पूंजीगत कार्य पर खर्च**	1,59,72,993.00	1,59,72,993.00	1,09,56,696.00	1,09,56,696.00
क) आवधिक जमा पर	26,732.00	26,732.00	16,95,475.00	16,95,475.00					
ख) ऋणों, अग्रिमों पर	-	-	-	-	**V. बयाना राशि की वापसी/कटौती**	40,000.00	40,000.00	12,20,240.00	12,20,240.00
ग) बचत खाता	24,53,790.00	24,53,790.00	15,89,648.00	15,89,648.00					
घ) आयकर वापसी पर ब्याज	6,417.00	6,417.00	-	-	**VI. विभिन्न परियोजनाओं के लिए अग्रिम भुगतान**				
					कलाग्राम निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	4,98,05,550.00	4,98,05,550.00	-	-
IV. अन्य आय (उल्लेख करें)	1,17,54,930.84	1,17,54,930.84	97,79,245.00	97,79,245.00	सामान्य कार्य के लिए सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	53,66,992.00	53,66,992.00	-	-
					आजादी का अमृत महोत्सव के लिए अग्रिम	29,50,000.00	29,50,000.00	-	-
V. रिफंड	1,45,01,460.00	1,45,01,460.00	38,04,883.00	38,04,883.00	सांस्कृतिक क्लब की स्थापना के लिए सदस्यों को अग्रिम	-	-	-	-
VI. अग्रिमों का निपटान					**VII. शुल्क और कर**				
मार्टिन मोटर्स	-	-	**15,000.00**	**15,000.00**	अग्रिम जीएसटी और टीडीएस पर जीएसटी	3,03,574.36	3,03,574.36	-	-
एनबीसीसी से रिफंड	21,72,281.00	21,72,281.00	1,41,00,000.00	1,41,00,000.00	वर्ष 2025-26 किराये पर टीडीएस कटौती	3,53,046.00	3,53,046.00	-	-
VII. बयाना राशि प्राप्ति	3,91,000.00	3,91,000.00	2,16,240.00	2,16,240.00	**VII. पिछले वर्ष के प्रावधान और बिना खर्च की गई अनुदान राशि का भुगतान**	62,64,030.00	62,64,030.00	-	-
VIII. चालू देनदारियाँ					**IX. सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किया गया कार्य**	-	-	1,65,30,557.00	1,65,30,557.00
क) आईटी रिफंड के रूप में जीपीएफ खाते को देय राशि	2,43,923.00	2,43,923.00	-	-					
ख) सीपीएफ को भेजी जाने वाली राशि	1,64,880.00	1,64,880.00	-	-	**X. अंत शेष**				
					क) रोकड़ शेष	436.00	436.00	3,657.00	3,657.00
IX. सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किया गया कार्य	-	-	1,65,30,557.00	1,65,30,557.00	ख) केनरा बैंक खाते में नकद (बचत खाता)	3,09,11,764.71	3,09,11,764.71	7,44,22,076.00	7,44,22,076.00
X. क्षेत्रीय शाखाएँ	84,000.00	84,000.00	-	-	ग) केनरा बैंक खाते में नकद (बयाना राशि)	9,08,080.00	9,08,080.00	5,53,552.00	5,53,552.00
योग	**41,84,97,736.87**	**41,84,97,736.87**	**37,61,31,262.00**	**37,61,31,262.00**	**कुल योग**	**41,84,97,736.87**	**41,84,97,736.87**	**37,61,31,262.00**	**37,61,31,262.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2025

(Amount in - ₹)

	Schedule	Current Year		Previous Year	
		Revenue	Total	Revenue	Total
INCOME					
Income from Sales/Services	**12**	68,843.00	68,843.00	2,66,632.00	2,66,632.00
Grants/Subsidies	**13**	34,66,85,787.00	34,66,85,787.00	24,27,13,941.00	24,27,13,941.00
Fees/Subscriptions	**14**	4,19,000.00	4,19,000.00	3,12,000.00	3,12,000.00
Income from Investments (Income on Investment from Earmarked/Endowment. funds transferred to funds)	**15**	-	-	-	-
Income from Royalty, Publication etc	**16**	-	-	-	-
Interest Earned	**17**	25,32,649.00	25,32,649.00	33,08,199.00	33,08,199.00
Other Income	**18**	1,25,22,579.80	1,25,22,579.80	92,00,613.00	92,00,613.00
Increase/(decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	**19**	-	-	-	-
Total (A)		**36,22,28,858.80**	**36,22,28,858.80**	**25,58,01,385.00**	**25,58,01,385.00**
EXPENDITURE					
Establishment Expenses	**20**	10,54,32,746.00	10,54,32,746.00	10,56,55,082.00	10,56,55,082.00
Other Administrative Expenses etc.	**21**	20,80,55,979.84	20,80,55,979.84	16,10,14,058.00	16,10,14,058.00
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	**22**	-	-	-	-
Interest	**23**	-	-	-	-
Depreciation	**8**	1,52,27,789.00	1,52,27,789.00	1,46,24,347.00	1,46,24,347.00
Total (B)		**32,87,16,514.84**	**32,87,16,514.84**	**28,12,93,487.00**	**28,12,93,487.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

	अनुसूची	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
		राजस्व	योग	राजस्व	योग
आय					
बिक्री/सेवाओं से आय	**12**	68,843.00	68,843.00	2,66,632.00	2,66,632.00
अनुदान/सब्सिडी	**13**	34,66,85,787.00	34,66,85,787.00	24,27,13,941.00	24,27,13,941.00
फीस/अभिदान	**14**	4,19,000.00	4,19,000.00	3,12,000.00	3,12,000.00
निवेश से आय (निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश पर आय, निधि में अंतरित निधि)	**15**	-	-	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**16**	-	-	-	-
अर्जित ब्याज	**17**	25,32,649.00	25,32,649.00	33,08,199.00	33,08,199.00
अन्य आय	**18**	1,25,22,579.80	1,25,22,579.80	92,00,613.00	92,00,613.00
स्टॉक में तैयार सामान में घटत/बढ़त तथा चालू निर्माण कार्य	**19**	-	-	-	-
योग (क)		**36,22,28,858.80**	**36,22,28,858.80**	**25,58,01,385.00**	**25,58,01,385.00**
खर्च					
स्थापना खर्च	**20**	10,54,32,746.00	10,54,32,746.00	10,56,55,082.00	10,56,55,082.00
अन्य प्रशासनिक खर्च आदि	**21**	20,80,55,979.84	20,80,55,979.84	16,10,14,058.00	16,10,14,058.00
अनुदानों, सब्सिडी आदि पर खर्च	**22**	-	-	-	-
ब्याज	**23**	-	-	-	-
मूल्य ह्रास	**8**	1,52,27,789.00	1,52,27,789.00	1,46,24,347.00	1,46,24,347.00
योग (ख)		**32,87,16,514.84**	**32,87,16,514.84**	**28,12,93,487.00**	**28,12,93,487.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

(Amount in - ₹)

	Schedule	Current Year		Previous Year	
		Revenue	Total	Revenue	Total
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		3,35,12,343.96	3,35,12,343.96	(2,54,92,102.00)	(2,54,92,102.00)
Transfer to Special Reserve (Specify each)		-	-	-	-
Transfer to /from General Reserve		-	-	-	-
BALANCE BEING SURPLUS\ DEFICIT CARRIED TO CORPUS/ CAPITAL FUND		**3,35,12,343.96**	**3,35,12,343.96**	**(2,54,92,102.00)**	**(2,54,92,102.00)**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS	**24**	-	-	-	-

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

(राशि ₹ में)

	अनुसूची	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
		राजस्व	योग	राजस्व	योग
(क-ख) व्यय पर आय के आधिक्य का शेष		3,35,12,343.96	3,35,12,343.96	(2,54,92,102.00)	(2,54,92,102.00)
विशेष आरक्षित निधि में अन्तरित (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-	-	-
सामान्य आरक्षित निधि में से अन्तरित		-	-	-	-
आधिक्य/घाटे का शेष समग्र/पूंजीगत निधि में अग्रेनीत		**3,35,12,343.96**	**3,35,12,343.96**	**(2,54,92,102.00)**	**(2,54,92,102.00)**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां तथा लेखाओं पर टिप्पणियाँ	**24**	-	-	-	-

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2025

(Amount in - ₹)

	Schedule	Current Year		Previous Year	
		Revenue	Total	Revenue	Total
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES					
CORPUS/CAPITAL FUND	**1**	77,48,93,824.99	77,48,93,824.99	72,75,80,769.00	72,75,80,769.00
RESERVE & SURPLUS	**2**	-	-	-	-
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	**3**	1,98,23,287.00	1,98,23,287.00	3,26,50,086.00	3,26,50,086.00
SECURED LOANS AND BORROWINGS	**4**	-	-	-	-
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	**5**	-	-	-	-
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	**6**	-	-	-	-
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	**7**	3,63,60,292.00	3,63,60,292.00	6,85,89,168.00	6,85,89,168.00
BANK A/C (EARNEST MONEY DEPOSIT)		9,04,552.00	9,04,552.00	5,53,552.00	5,53,552.00
NEW PENSION SCHEME					
Total		**83,19,81,955.99**	**83,19,81,955.99**	**82,93,73,575.00**	**82,93,73,575.00**
ASSETS					
FIXED ASSETS	**8**	72,97,71,286.00	72,97,71,286.00	73,11,98,363.00	73,11,98,363.00
INVESTMENTS - FROM EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS	**9**	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00
INVESTMENTS - OTHERS	**10**	-	-	-	-
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.	**11**	10,20,10,669.99	10,20,10,669.99	9,79,75,212.00	9,79,75,212.00
MISCELLANEOUS EXPENDITURE		-	-	-	-
Total		**83,19,81,955.99**	**83,19,81,955.99**	**82,93,73,575.00**	**82,93,73,575.00**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS	**24**	-	-	-	-

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 का तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

समग्र/पूंजीगत निधि और देनदारियां	अनुसूची	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
		राजस्व	योग	राजस्व	योग
समग्र/पूंजीगत निधि	**1**	77,48,93,824.99	77,48,93,824.99	72,75,80,769.00	72,75,80,769.00
आरक्षित एवं आधिक्य निधि	**2**	-	-	-	-
निर्धारित/अक्षय निधियां	**3**	1,98,23,287.00	1,98,23,287.00	3,26,50,086.00	3,26,50,086.00
प्रतिभूत ऋण तथा उधारियां	**4**	-	-	-	-
अप्रतिभूत ऋण तथा उधारियां	**5**	-	-	-	-
आस्थगित (ऋण) देनदारियां	**6**	-	-	-	-
चालू देनदारियां तथा प्रावधान	**7**	3,63,60,292.00	3,63,60,292.00	6,85,89,168.00	6,85,89,168.00
बैंक खाता (जमा बयाना राशि)		9,04,552.00	9,04,552.00	5,53,552.00	5,53,552.00
नई पेंशन स्कीम					
योग		**83,19,81,955.99**	**83,19,81,955.99**	**82,93,73,575.00**	**82,93,73,575.00**
परिसंपत्तियां					
स्थायी परिसंपत्तियां	**8**	72,97,71,286.00	72,97,71,286.00	73,11,98,363.00	73,11,98,363.00
निवेश–निर्धारित/अक्षय निधियों से	**9**	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00
निवेश–अन्य	**10**	-	-	-	-
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	10,20,10,669.99	10,20,10,669.99	9,79,75,212.00	9,79,75,212.00
विविध खर्चे		-	-	-	-
योग		**83,19,81,955.99**	**83,19,81,955.99**	**82,93,73,575.00**	**82,93,73,575.00**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ व लेखाओं पर टिप्पणियाँ	**24**	-	-	-	-

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

	SCHEDULE 1 - CAPITAL FUND:	Current Year		Previous Year	
		Revenue	Total	Revenue	Total
A.	**Capital Fund for Fixed Assets**				
	Balance at the beginning of the year	72,75,80,769.03	72,75,80,769.03	74,33,69,883.00	74,33,69,883.00
	Add: Contributions towards Capital Fund for Fixed Assets	1,59,72,993.00	1,59,72,993.00	2,37,82,623.00	2,37,82,623.00
	Less : Refund of excess deposit Works/Fixed Assets written off	(21,72,281.00)	(21,72,281.00)	(1,40,79,635.00)	(1,40,79,635.00)
	Total Capital Fund for assets (A)	**74,13,81,481.03**	**74,13,81,481.03**	**75,30,72,871.00**	**75,30,72,871.00**
B.	**Surplus/ (Deficit) Transferred from Income & Expenditure A/c**	3,35,12,343.96	3,35,12,343.96	(2,54,92,102.00)	(2,54,92,102.00)
C.	**Less: Unspent Balance of Grants (Contra)**	-	-	-	-
D.	**Capital Fund (A) + (B) + (C)**	**77,48,93,824.99**	**77,48,93,824.99**	**72,75,80,769.00**	**72,75,80,769.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

	अनुसूची 1 पूंजीगत निधि	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
		राजस्व	योग	राजस्व	योग
क)	**स्थायी परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत निधि**				
	वर्ष के प्रारंभ में शेष	72,75,80,769.03	72,75,80,769.03	74,33,69,883.00	74,33,69,883.00
	जोड़ें: स्थायी परिसम्पत्तियों के लिए पूंजीगत निधि में अंशदान	1,59,72,993.00	1,59,72,993.00	2,37,82,623.00	2,37,82,623.00
	कम करें: बट्टे खाते में डाली गई आधिक्य चालू निर्माण कार्य/स्थायी परिसंपत्ति राशि का रिफंड	(21,72,281.00)	(21,72,281.00)	(1,40,79,635.00)	(1,40,79,635.00)
	परिसंपत्तियों (क) के लिए कुल पूंजीगत निधि	**74,13,81,481.03**	**74,13,81,481.03**	**75,30,72,871.00**	**75,30,72,871.00**
ख)	**आधिक्य (घाटा) : आय-व्यय खाता से अन्तरित**	3,35,12,343.96	3,35,12,343.96	(2,54,92,102.00)	(2,54,92,102.00)
ग)	**कम करें : अनुदान की खर्च न की गई शेष राशि (प्रति)**	-	-	-	-
घ)	**पूंजीगत निधि (क) + (ख) + (ग)**	**77,48,93,824.99**	**77,48,93,824.99**	**72,75,80,769.00**	**72,75,80,769.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 2 - RESERVES AND SURPLUS:		**Current Year**		**Previous Year**	
		Revenue	**Total**	**Revenue**	**Total**
1. Depreciation Reserve					
	As per last Account	-	-	-	-
	Additions during the year	-	-	-	-
	Less: Deductions during the year	-	-	-	-
2. Revaluation Reserve:					
	As per last Account	-	-	-	-
	Additions during the year	-	-	-	-
	Less: Deductions during the year	-	-	-	-
3. Special Reserve:					
	As per last Account	-	-	-	-
	Additions during the year	-	-	-	-
	Less: Deductions during the year	-	-	-	-
4. General Reserve :					
	As per last Account	-	-	-	-
	Additions during the year	-	-	-	-
	Less: Deductions during the year	-	-	-	-
Total		-	-	-	-

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 2 आरक्षित निधि एवम् आधिक्य		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
		राजस्व	योग	राजस्व	योग
1. मूल्यह्रास आरक्षित निधि					
	पिछले लेखा के अनुसार	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान योग	-	-	-	-
	कम करें : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
2. पुनः मूल्यनिर्धारण आरक्षित निधि					
	पिछले लेखा के अनुसार	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान योग	-	-	-	-
	कम करें : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
3. विशेष आरक्षित निधि					
	पिछले लेखा के अनुसार	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान योग	-	-	-	-
	कम करें : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
4. सामान्य आरक्षित निधि					
	पिछले लेखा के अनुसार	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान योग	-	-	-	-
	कम करें : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
योग		-	-	-	-

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

Amount in - ₹

SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	Current Year		Previous Year	
	Revenue	**Total**	**Revenue**	**Total**
Opening balance	3,26,50,086.00	3,26,50,086.00	4,68,48,346.00	4,68,48,346.00
Add: Received during the year		-	-	-
Less: Payments during the year	1,28,26,799.00	1,28,26,799.00	1,41,98,260.00	1,41,98,260.00
Total	**1,98,23,287.00**	**1,98,23,287.00**	**3,26,50,086.00**	**3,26,50,086.00**
Excess of income over expenditure *	-	-	-	-
Total	**1,98,23,287.00**	**1,98,23,287.00**	**3,26,50,086.00**	**3,26,50,086.00**
Utilisation/Expenditure towards objectives of funds				
i) Capital Expenditure				
- Fixed Assets	-	-	-	-
- Others	-	-	-	-
Total	-	-	-	-
ii) Revenue Expenditure				
- Salaries, Wages and Allowances etc	-	-	-	-
- Rents	-	-	-	-
- Other Administrative expenses	-	-	-	-
Total	-	-	-	-
iii) Transfer from KVS Project to Plan				
Total	-	-	-	-

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 3 निर्धारित/अक्षय निधियां	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
अथशेष	3,26,50,086.00	3,26,50,086.00	4,68,48,346.00	4,68,48,346.00
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्त राशि		-	-	-
घटाएँ: वर्ष के दौरान भुगतान	1,28,26,799.00	1,28,26,799.00	1,41,98,260.00	1,41,98,260.00
योग	**1,98,23,287.00**	**1,98,23,287.00**	**3,26,50,086.00**	**3,26,50,086.00**
व्यय पर आय का आधिक्य*	-	-	-	-
योग	**1,98,23,287.00**	**1,98,23,287.00**	**3,26,50,086.00**	**3,26,50,086.00**
निधियों के उद्देश्यों पर उपयोग/खर्च				
i) पूंजीगत खर्च				
– स्थायी परिसंपत्तियां	-	-	-	-
– अन्य	-	-	-	-
योग	-	-	-	-
ii) राजस्व खर्चा				
– वेतन, मजदूरी तथा भत्ते इत्यादि	-	-	-	-
– किराया	-	-	-	-
– अन्य प्रशासनिक खर्चे	-	-	-	-
योग	-	-	-	-
iii) के.वी.एस. परियोजना से योजना में अन्तरण				
योग	-	-	-	-

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 4 - SECURED LOANS AND BORROWINGS:	**Current Year**		**Previous Year**	
	Revenue	**Total**	**Revenue**	**Total**
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)	-	-	-	-
3. Financial Institutions	-	-	-	-
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Interest accrued and due	-	-	-	-
4. Banks:	-	-	-	-
a) Terms Loans	-	-	-	-
- Interest accrued and due	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
7. Others (Specify)	-	-	-	-
Total	-	-	-	-

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4 प्रतिभूत ऋण तथा उधारियां	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
क) मियादी ऋण	-	-	-	-
ख) उपार्जित ब्याज तथा देय	-	-	-	-
4. बैंक	-	-	-	-
क) मियादी ऋण	-	-	-	-
– उपार्जित ब्याज तथा देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-	-	-
– उपार्जित ब्याज तथा देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थाएँ तथा एजेन्सियाँ	-	-	-	-
6. डिबेन्चर तथा बॉण्ड	-	-	-	-
7. अन्य (उल्लेख करें)	-	-	-	-
योग	-	-	-	-

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 5 - UNSECURED LOANS AND BORROWINGS:	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)	-	-	-	-
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
7. Others (Specify)				
1. Computer Advance	-	-	-	-
2. Conveyance Advance	-	-	-	-
3. Festival Advance	-	-	-	-
4. House Building Advance	-	-	-	-
Total	-	-	-	-

SCHEDULE 6 - DEFERRED CREDIT LIABILITIES:	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b) Others	-	-	-	-
Total	-	-	-	-

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 5 अप्रतिभूत ऋण तथा उधारियां	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-	-	-
4. बैंक				
क) मियादी ऋण	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थाएँ तथा एजेन्सियाँ	-	-	-	-
6. डिबेन्चर तथा बॉण्ड	-	-	-	-
7. अन्य (उल्लेख करें)				
1. कम्प्यूटर अग्रिम	-	-	-	-
2. वाहन अग्रिम	-	-	-	-
3. त्योहार अग्रिम	-	-	-	-
4. गृह निर्माण अग्रिम	-	-	-	-
योग	-	-	-	-

अनुसूची 6 आस्थगित उधार देनदारियाँ	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
क) पूंजीगत साधन तथा अन्य परिसंपत्तियों के मालबन्धन द्वारा प्रतिभूत स्वीकृतियाँ	-	-	-	-
ख) अन्य	-	-	-	-
योग	-	-	-	-

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 7 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
A. CURRENT LIABILITIES				
Rent Security	15,34,988.00	15,34,988.00	15,34,988.00	15,34,988.00
Others	-	-	-	-
Statutory Liabilities:	-	-	-	-
a) Provision for creative activities for the children	48,900.00	48,900.00	48,900.00	48,900.00
b) Provision for Cultural Club Members	1,05,000.00	1,05,000.00	1,05,000.00	1,05,000.00
Other current Liabilities	2,62,37,729.00	2,62,37,729.00	2,49,24,633.00	2,49,24,633.00
Unspent Balance of Grants	75,69,033.00	75,69,033.00	4,17,75,647.00	4,17,75,647.00
Total (A)	**3,54,95,650.00**	**3,54,95,650.00**	**6,83,89,168.00**	**6,83,89,168.00**
B. PROVISIONS				
1. For Taxation GST payable	---	---	---	---
2. Gratuity	---	---	---	---
3. Superannuation/Pension/CPF/NPS	6,64,642.00	6,64,642.00	---	---
4. Accumulated Leave Encashment	---	---	---	---
5. Trade Warranties/Claims	---	---	---	---
6. Provision For Expenses	---	---	---	---
7. Provision For Audit fee	2,00,000	2,00,000	2,00,000	2,00,000
Total (B)	**8,64,642.00**	**8,64,642.00**	**2,00,000.00**	**2,00,000.00**
Total (A+B)	**3,63,60,292.00**	**3,63,60,292.00**	**6,85,89,168.00**	**6,85,89,168.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 7 चालू देनदारियाँ तथा प्रावधान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
(क) चालू देयताएँ				
किराया प्रतिभूति	15,34,988.00	15,34,988.00	15,34,988.00	15,34,988.00
अन्य	-	-	-	-
सांविधिक देनदारियाँ	-	-	-	-
क) बच्चों के लिए रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रावधान	48,900.00	48,900.00	48,900.00	48,900.00
ख) सांस्कृतिक क्लब के सदस्यों के लिए प्रावधान	1,05,000.00	1,05,000.00	1,05,000.00	1,05,000.00
अन्य चालू देनदारियाँ	2,62,37,729.00	2,62,37,729.00	2,49,24,633.00	2,49,24,633.00
अनुदान का अव्ययित शेष	75,69,033.00	75,69,033.00	4,17,75,647.00	4,17,75,647.00
योग (क)	**3,54,95,650.00**	**3,54,95,650.00**	**6,83,89,168.00**	**6,83,89,168.00**
(ख) प्रावधान				
1. कराधान के लिए देय जीएसटी	-	-	-	-
2. उपदान	-	-	-	-
3. अधिवर्षिता/पेंशन/सीपीएफ/एनपीएस	6,64,642.00	6,64,642.00	-	-
4. संचित छुट्टी नगदीकरण	-	-	-	-
5. ट्रेड वारन्टी/दावे	-	-	-	-
6. व्यय के लिए प्रावधान	-	-	-	-
7. ऑडिट शुल्क के लिए प्रावधान	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00
योग (ख)	**8,64,642.00**	**8,64,642.00**	**2,00,000.00**	**2,00,000.00**
योग (क+ख)	**3,63,60,292.00**	**3,63,60,292.00**	**6,85,89,168.00**	**6,85,89,168.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025
SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS & DEPRECIATION

(Amount in - ₹)

PARTICULARS	RATE OF DEPRECIATION	OPENING BALANCE	ADDITION		DEDUCTION	DEPRECIATION	WDV As at 31-03-2025
			Before 30 Sep. 2024	After 30 Sep. 2024	During the Year	For the Year	
COMPUTER & LAPTOPS							
Computer (40%)	40.00%	18,40,700.00	-	-	-	7,36,280.00	11,04,420.00
Laptops (40%)	40.00%	1,80,643.00	-	-	-	72,257.00	1,08,386.00
ELECTRICAL INSTALLATION							
Electrical Installation (15%)	15.00%	1,76,269.00	-	-	-	26,440.00	1,49,829.00
FURNITURE & FIXTURE							
Furnishing of Hostel (10%)	10.00%	5,70,586.00	-	-	-	57,059.00	5,13,527.00
Furniture & Fixture (10%)	10.00%	20,54,861.00	-	-	-	2,05,486.00	18,49,375.00
Furniture & Fixture	10.00%	-	66,090.00	16,23,043.00	-	87,761.00	16,01,372.00
Slides Storage (10%)	10.00%	70.00	-	-	-	7.00	63.00
LAND & BUILDING							
Building (10%) Hydrabad	10.00%	8,83,97,743.00	-	-	-	88,39,774.00	7,95,57,969.00
Building (10%)	10.00%	73,18,011.00	-	-	-	7,31,801.00	65,86,210.00
Buildings	10.00%	-	60,92,916.00	-	-	6,09,292.00	54,83,624.00
Land (0%)	0.00%	34,72,89,050.00	-	-	-	-	34,72,89,050.00
LIBRARY BOOKS							
Library Books (40%)	40.00%	1,30,172.00	-	-	-	52,069.00	78,103.00
Books & Journal	40.00%	-	-	1,48,234.00	-	29,647.00	1,18,587.00
VEHICLES							
Cycles (15%)	15.00%	88.00	-	-	-	13.00	75.00
Mobile Van / Staff Car (15%)	15.00%	9,27,831.00	-	-	-	1,39,175.00	7,88,656.00
PLANT & MACHINERY							
Accoustical Work (15%)	15.00%	14,70,332.00	-	-	-	2,20,550.00	12,49,782.00
Airconditioner with Voltage Stablizer (15%)	15.00%	6,49,495.00	-	-	-	97,424.00	5,52,071.00
Airconditioring Installation (15%)	15.00%	1,16,06,176.00	-	-	-	17,40,926.00	98,65,250.00
Albam Records of Rupayam Sansthan (15%)	15.00%	31.00	-	-	-	5.00	26.00
Art Object (15%)	15.00%	5,43,803.00	-	-	-	81,570.00	4,62,233.00
Audio Visual Set (15%)	15.00%	158.00	-	-	-	24.00	134.00
Bradma Answering Machine (15%)	15.00%	41.00	-	-	-	6.00	35.00
Cassettes Tapes (15%)	15.00%	1,327.00	-	-	-	199.00	1,128.00
CCTV (15%)	15.00%	21,644.00	-	-	-	3,247.00	18,397.00
Dictation System (15%)	15.00%	152.00	-	-	-	23.00	129.00
Digital Camera (15%)	15.00%	94,983.00	-	-	-	14,247.00	80,736.00

to be continued ....

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्तियाँ एवं मूल्यह्रास

(राशि ₹ में)

PARTICULARS	मूल्यह्रास की दर	अथशेष	वृद्धि		कटौतियाँ	मूल्यह्रास	लिखित अवमूल्यन मूल्य 31-03-2025 तक
			30 सितम्बर 2024 से पहले	30 सितम्बर 2024 के बाद	वर्ष के दौरान	वर्ष भर	
कम्प्यूटर एवं लैपटॉप							
कम्प्यूटर (40%)	40.00%	18,40,700.00	-	-	-	7,36,280.00	11,04,420.00
लैपटॉप (40%)	40.00%	1,80,643.00	-	-	-	72,257.00	1,08,386.00
इलैक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन							
इलैक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन (15%)	15.00%	1,76,269.00	-	-	-	26,440.00	1,49,829.00
फर्नीचर एवं जुड़नार							
हॉस्टल का साज समान (10%)	10.00%	5,70,586.00	-	-	-	57,059.00	5,13,527.00
फर्नीचर एवं जुड़नार (10%)	10.00%	20,54,861.00	-	-	-	2,05,486.00	18,49,375.00
फर्नीचर एवं जुड़नार	10.00%	-	66,090.00	16,23,043.00	-	87,761.00	16,01,372.00
स्लाइड स्टोरेज (10%)	10.00%	70.00	-	-	-	7.00	63.00
भूमि एवं भवन							
भवन (10%) हैदराबाद	10.00%	8,83,97,743.00	-	-	-	88,39,774.00	7,95,57,969.00
भवन (10%)	10.00%	73,18,011.00	-	-	-	7,31,801.00	65,86,210.00
भवन	10.00%	-	60,92,916.00	-	-	6,09,292.00	54,83,624.00
भूमि (0%)	0.00%	34,72,89,050.00	-	-	-	-	34,72,89,050.00
लाइब्रेरी पुस्तकें							
लाइब्रेरी पुस्तकें (40%)	40.00%	1,30,172.00	-	-	-	52,069.00	78,103.00
पुस्तकें एवं पत्रिका	40.00%	-	-	1,48,234.00	-	29,647.00	1,18,587.00
वाहन							
साइकिल (15%)	15.00%	88.00	-	-	-	13.00	75.00
मोबाइल वैन/स्टाफ कार (15%)	15.00%	9,27,831.00	-	-	-	1,39,175.00	7,88,656.00
संयंत्र और मशीनरी							
ध्वनिक कार्य (15%)	15.00%	14,70,332.00	-	-	-	2,20,550.00	12,49,782.00
वोल्टेज स्टेबलाइजर युक्त एयर कंडीशनर (15%)	15.00%	6,49,495.00	-	-	-	97,424.00	5,52,071.00
एयर कंडीशनिंग इंस्टालेशन (15%)	15.00%	1,16,06,176.00	-	-	-	17,40,926.00	98,65,250.00
रूपयाम संस्थान के अल्बम रिकॉर्ड्स (15%)	15.00%	31.00	-	-	-	5.00	26.00
कला वस्तु (15%)	15.00%	5,43,803.00	-	-	-	81,570.00	4,62,233.00
ऑडियो विजुअल सेट (15%)	15.00%	158.00	-	-	-	24.00	134.00
ब्रैडमा आंसरिंग मशीन (15%)	15.00%	41.00	-	-	-	6.00	35.00
कैसेट टेप (15%)	15.00%	1,327.00	-	-	-	199.00	1,128.00
सीसीटीवी (15%)	15.00%	21,644.00	-	-	-	3,247.00	18,397.00
डिक्टेशन सिस्टम (15%)	15.00%	152.00	-	-	-	23.00	129.00
डिजिटल कैमरा (15%)	15.00%	94,983.00	-	-	-	14,247.00	80,736.00

जारी .....

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS & DEPRECIATION

(Amount in - ₹)

PARTICULARS	RATE OF DEPRECIATION	OPENING BALANCE	ADDITION		DEDUCTION	DEPRECIATION	WDV As at 31-03-2025
			Before 30 Sep. 2024	After 30 Sep. 2024	During the Year	For the Year	
Documentary Films & Other Films	15.00%	-	96,372.00	3,74,775.00	-	42,564.00	4,28,583.00
Documentary & Other Films (15%)	15.00%	10,41,788.00	-	-	-	1,56,268.00	8,85,520.00
DVD Player (15%)	15.00%	11,991.00	-	-	-	1,799.00	10,192.00
Electrical Works (15%)	15.00%	1,19,520.00	-	-	-	17,928.00	1,01,592.00
Exhibition Panels (15%)	15.00%	6,687.00	-	-	-	1,003.00	5,684.00
Fans (15%)	15.00%	52,427.00	-	-	-	7,864.00	44,563.00
Fire Extingisher (15%)	15.00%	2,36,354.00	-	-	-	35,453.00	2,00,901.00
Fire Fighting Work (15%)	15.00%	14,529.00	-	-	-	2,179.00	12,350.00
Franking Machine (15%)	15.00%	20,883.00	-	-	-	3,132.00	17,751.00
Genrator Sets (15%)	15.00%	5,552.00	-	-	-	833.00	4,719.00
Heat Convertor (15%)	15.00%	4,670.00	-	-	-	701.00	3,969.00
Inter Communication System (15%)	15.00%	2,241.00	-	-	-	336.00	1,905.00
Invertors (15%)	15.00%	12,460.00	-	-	-	1,869.00	10,591.00
LP Records & Audio Cassettes (15%)	15.00%	985.00	-	-	-	148.00	837.00
Master Tapes /umatic Tapes / CDs (15%)	15.00%	8,450.00	-	-	-	1,268.00	7,182.00
Musical Instruments (15%)	15.00%	49,288.00	-	-	-	7,393.00	41,895.00
Office Equipments (15%)	15.00%	20,24,200.00	-	-	-	3,03,630.00	17,20,570.00
Equipments	15.00%	-	2,41,489.00	50,93,874.00	-	4,18,264.00	49,17,099.00
Office Tools (15%)	15.00%	51,928.00	-	-	-	7,789.00	44,139.00
Plain Paper Copier (15%)	15.00%	12,74,121.00	-	-	-	1,91,118.00	10,83,003.00
Power Generator (15%)	15.00%	586.00	-	-	-	88.00	498.00
Puppetry Tools (15%)	15.00%	54.00	-	-	-	8.00	46.00
Refrigerator with Voltage Stablizer (15%)	15.00%	19,389.00	-	-	-	2,908.00	16,481.00
Resource Materials (15%)	15.00%	1,945.00	-	-	-	292.00	1,653.00
Room Cooler with Trolleys (15%)	15.00%	23,995.00	-	-	-	3,599.00	20,396.00
Room Heater (15%)	15.00%	35,777.00	-	-	-	5,367.00	30,410.00
Safe with Cash Box (15%)	15.00%	975.00	-	-	-	146.00	829.00
Slide Projector (15%)	15.00%	3,32,601.00	-	-	-	49,890.00	2,82,711.00
Slides (15%)	15.00%	14,698.00	-	-	-	2,205.00	12,493.00

to be continued ....

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्तियाँ एवं एवं मूल्यह्रास

(राशि ₹ में)

विवरण	मूल्यह्रास की दर	अथशेष	वृद्धि		कटौतियाँ	मूल्यह्रास	लिखित अवमूल्यन मूल्य 31-03-2025 तक
			30 सितम्बर 2024 से पहले	30 सितम्बर 2024 के बाद	वर्ष के दौरान	वर्ष भर	
वृत्तचित्र फ़िल्में और अन्य फ़िल्में	15.00%	-	96,372.00	3,74,775.00	-	42,564.00	4,28,583.00
वृत्तचित्र और अन्य फ़िल्में (15%)	15.00%	10,41,788.00	-	-	-	1,56,268.00	8,85,520.00
डीवीडी प्लेयर (15%)	15.00%	11,991.00	-	-	-	1,799.00	10,192.00
विद्युत निर्माण कार्य (15%)	15.00%	1,19,520.00	-	-	-	17,928.00	1,01,592.00
प्रदर्शनी पैनल (15%)	15.00%	6,687.00	-	-	-	1,003.00	5,684.00
पंखे (15%)	15.00%	52,427.00	-	-	-	7,864.00	44,563.00
अग्निशामक यंत्र (15%)	15.00%	2,36,354.00	-	-	-	35,453.00	2,00,901.00
अग्निशमन कार्य (15%)	15.00%	14,529.00	-	-	-	2,179.00	12,350.00
फ्रैंकिंग मशीन (15%)	15.00%	20,883.00	-	-	-	3,132.00	17,751.00
जनरेटर सेट (15%)	15.00%	5,552.00	-	-	-	833.00	4,719.00
ताप परिवर्तक (15%)	15.00%	4,670.00	-	-	-	701.00	3,969.00
अंतर–संचार प्रणाली (15%)	15.00%	2,241.00	-	-	-	336.00	1,905.00
इन्वर्टर (15%)	15.00%	12,460.00	-	-	-	1,869.00	10,591.00
एलपी रिकॉर्ड और ऑडियो कैसेट (15%)	15.00%	985.00	-	-	-	148.00	837.00
मास्टर टेप/ऑप्टिक टेप/सीडी (15%)	15.00%	8,450.00	-	-	-	1,268.00	7,182.00
संगीत वाद्ययंत्र (15%)	15.00%	49,288.00	-	-	-	7,393.00	41,895.00
कार्यालय उपकरण (15%)	15.00%	20,24,200.00	-	-	-	3,03,630.00	17,20,570.00
उपकरण	15.00%	-	2,41,489.00	50,93,874.00	-	4,18,264.00	49,17,099.00
कार्यालय औजार (15%)	15.00%	51,928.00	-	-	-	7,789.00	44,139.00
सादा कागज़ का कॉपी मशीन (15%)	15.00%	12,74,121.00	-	-	-	1,91,118.00	10,83,003.00
विद्युत जनरेटर (15%)	15.00%	586.00	-	-	-	88.00	498.00
कठपुतली उपकरण (15%)	15.00%	54.00	-	-	-	8.00	46.00
वोल्टेज स्टेबलाइज़र वाला रेफ्रिजरेटर (15%)	15.00%	19,389.00	-	-	-	2,908.00	16,481.00
संसाधन सामग्री (15%)	15.00%	1,945.00	-	-	-	292.00	1,653.00
ट्रॉलियों वाला कमरा कूलर (15%)	15.00%	23,995.00	-	-	-	3,599.00	20,396.00
रूम हीटर (15%)	15.00%	35,777.00	-	-	-	5,367.00	30,410.00
कैश बॉक्स वाली तिजोरी (15%)	15.00%	975.00	-	-	-	146.00	829.00
स्लाइड प्रोजेक्टर (15%)	15.00%	3,32,601.00	-	-	-	49,890.00	2,82,711.00
स्लाइड (15%)	15.00%	14,698.00	-	-	-	2,205.00	12,493.00

जारी .....

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025
SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS & DEPRECIATION

(Amount in - ₹)

PARTICULARS	RATE OF DEPRECIATION	OPENING BALANCE	ADDITION		DEDUCTION	DEPRECIATION	WDV As at 31-03-2025
			Before 30 Sep. 2024	After 30 Sep. 2024	During the Year	For the Year	
Spool Tapes / Beta Tapes (15%)	15.00%	3,057.00	-	-	-	459.00	2,598.00
Tape Recorders (15%)	15.00%	20.00	-	-	-	3.00	17.00
Television (15%)	15.00%	84,230.00	-	-	-	12,635.00	71,595.00
Typewriters (15%)	15.00%	6,269.00	-	-	-	940.00	5,329.00
Video Tapes (15%)	15.00%	1,119.00	-	-	-	168.00	951.00
Water Cooler / Desert Cooler (15%)	15.00%	4,16,740.00	-	-	-	62,511.00	3,54,229.00
Water Heater (15%)	15.00%	57,616.00	-	-	-	8,642.00	48,974.00
NORTH EAST RC OFFICE							
Documentary Films (NE RC Off) (15%)	15.00%	1,72,484.00	-	-	-	25,873.00	1,46,611.00
Equipments (NE RC Off) (15%)	15.00%	3,71,776.00	-	-	-	55,766.00	3,16,010.00
Equipments (NE RC Off)	15.00%	-	10,500.00	-	-	1,575.00	8,925.00
Furniture & Fixture (NE RC Off) (10%)	10.00%	2,80,426.00	-	-	-	28,043.00	2,52,383.00
Furniture & Fixture (NE RC Off)	10.00%	-	1,25,700.00	-	-	12,570.00	1,13,130.00
Library Books (NE RC Off) (40%)	40.00%	18,199.00	-	-	-	7,280.00	10,919.00
WORK IN PROGRESS							
Construction of Building at Udaipur	0.00%	24,97,54,706.00	-	21,00,000.00	-	-	25,18,54,706.00
Deposit Work for CPWD for AC	0.00%	77,000.00	-	-	-	-	77,000.00
Deposit Work to CPWD for Plinth Protection	0.00%	25,000.00	-	-	-	-	25,000.00
Deposit Work to NBCC (Lift)	0.00%	21,72,281.00	-	-	21,72,281.00	-	-
Nms (NIC)	0.00%	90,01,015.00	-	-	-	-	90,01,015.00
Website (WIP)	0.00%	1,14,165.00	-	-	-	-	1,14,165.00
Grand Total		**73,11,98,363.00**	**66,33,067.00**	**93,39,926.00**	**21,72,281.00**	**1,52,27,789.00**	**72,97,71,286.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्तियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	मूल्यह्रास की दर	अथशेष	वृद्धि		कटौतियाँ	मूल्यह्रास	लिखित अवमूल्यन मूल्य 31-03-2025 तक
			30 सितम्बर 2024 से पहले	30 सितम्बर 2024 के बाद	वर्ष के दौरान	वर्ष भर	
स्पूल टेप / बीटा टेप (15%)	15.00%	3,057.00	-	-	-	459.00	2,598.00
टेप रिकॉर्डर (15%)	15.00%	20.00	-	-	-	3.00	17.00
टेलीविज़न (15%)	15.00%	84,230.00	-	-	-	12,635.00	71,595.00
टाइपराइटर (15%)	15.00%	6,269.00	-	-	-	940.00	5,329.00
वीडियो टेप (15%)	15.00%	1,119.00	-	-	-	168.00	951.00
वाटर कूलर / डेजर्ट कूलर (15%)	15.00%	4,16,740.00	-	-	-	62,511.00	3,54,229.00
वाटर हीटर (15%)	15.00%	57,616.00	-	-	-	8,642.00	48,974.00
पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय							
वृत्तचित्र फ़िल्में (पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय) (15%)	15.00%	1,72,484.00	-	-	-	25,873.00	1,46,611.00
उपकरण (पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय) (15%)	15.00%	3,71,776.00	-	-	-	55,766.00	3,16,010.00
उपकरण (पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय)	15.00%	-	10,500.00	-	-	1,575.00	8,925.00
फ़र्नीचर और फिक्सचर (पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय) (10%)	10.00%	2,80,426.00	-	-	-	28,043.00	2,52,383.00
फ़र्नीचर और फिक्सचर (पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय)	10.00%	-	1,25,700.00	-	-	12,570.00	1,13,130.00
पुस्तकालय पुस्तकें (पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय) (40%)	40.00%	18,199.00	-	-	-	7,280.00	10,919.00
कार्य प्रगति पर							
उदयपुर में भवन निर्माण	0.00%	24,97,54,706.00	-	21,00,000.00	-	-	25,18,54,706.00
एयर कंडीशनर कार्य हेतु सीपीडब्ल्यूडी को डिपॉजिट	0.00%	77,000.00	-	-	-	-	77,000.00
प्लिंथ प्रोटेक्शन कार्य हेतु सीपीडब्ल्यूडी को डिपॉजिट	0.00%	25,000.00	-	-	-	-	25,000.00
एनबीसीसी को डिपॉजिट (लिफ्ट)	0.00%	21,72,281.00	-	-	21,72,281.00	-	-
एनएमएस (एनआईसी)	0.00%	90,01,015.00	-	-	-	-	90,01,015.00
वेबसाइट (डब्ल्यूआईपी)	0.00%	1,14,165.00	-	-	-	-	1,14,165.00
कुल योग		**73,11,98,363.00**	**66,33,067.00**	**93,39,926.00**	**21,72,281.00**	**1,52,27,789.00**	**72,97,71,286.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 09 - INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
1. In Government Securities	-	-	-	-
2. Other approved Securities	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00
3. Shares			-	-
4. Debentures and Bonds	-	-	-	-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-	-	-
6. Others - GPF Investments Account	-	-	-	-
Opening Balance	-	-	-	-
Add Accumulated Interest & Interest received during the year	-	-	-	-
Add : Investment made during the year	-	-	-	-
Less : Investment Matured during the year	-	-	-	-
Less : Accrued Interest received of the previous year	-	-	-	-
Less : Interest already included in the opening balance	-	-	-	-
7. Interest Accrued on Investments	-	-	-	-
8. Investment in New Pension Fund	-	-	-	-
Total	**2,00,000.00**	**2,00,000.00**	**2,00,000.00**	**2,00,000.00**

SCHEDULE 10 - INVESTMENTS OTHERS	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
a) Secured Investment on Government & other securities	-	-	-	-
b) Accrued interest on investments	-	-	-	-
c) Others/ GPF Bank Account	-	-	-	-
d) TDS Receivable	-	-	-	-
Total	**-**	**-**	**-**	**-**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 9 - निर्धारित/अक्षय फंड से निवेश	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00
3. शेयर	-	-	-	-
4. डिबेन्चर तथा बॉण्ड	-	-	-	-
5. सब्सिडियरी तथा जॉइंट वेन्चर	-	-	-	-
6. अन्य–सा.भ.नि. निवेश खाता	-	-	-	-
अथ शेष	-	-	-	-
जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज एवं संचित ब्याज	-	-	-	-
जोड़ें : वर्ष के दौरान निवेश	-	-	-	-
कम करें : वर्ष के दौरान परिपक्व निवेश	-	-	-	-
कम करें : पिछले वर्ष का प्राप्त उपार्जित ब्याज	-	-	-	-
कम करें : अथ शेष में पहले से जुड़ा हुआ ब्याज	-	-	-	-
7. निवेश पर उपार्जित ब्याज	-	-	-	-
8. नए पेंशन फंड में निवेश	-	-	-	-
योग	**2,00,000.00**	**2,00,000.00**	**2,00,000.00**	**2,00,000.00**

अनुसूची 10 - निवेश-अन्य	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
क) सरकारी तथा अन्य प्रतिभूतियों पर प्रतिभूत निवेश	-	-	-	-
ख) निवेश पर उपार्जित ब्याज	-	-	-	-
ग) अन्य/सा.भ.नि. बैंक खाता	-	-	-	-
घ) टीडीएस पर प्राप्त होने योग्य राशि	-	-	-	-
योग	**-**	**-**	**-**	**-**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE - 11 - CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
A. CURRENT ASSETS:				
1. Cash balance in hand				
Cash In Hand (HQ)	436.00	436.00	3,657.00	3,657.00
Total	**436.00**	**436.00**	**3,657.00**	**3,657.00**
2. Bank Balances:				
a) With Scheduled Banks:				
- Canara Bank (HQ)	3,09,06,664.71	3,09,06,664.71	7,44,18,976.00	7,44,18,976.00
- Cash at Bank (In respect of Earnest Money)	9,08,080.00	9,08,080.00	5,53,552.00	5,53,552.00
- In respect of Regional centre Hyderabad	2,000.00	2,000.00	1,000.00	1,000.00
- In respect of Regional centre Udaipur	2,000.00	2,000.00	1,000.00	1,000.00
- In respect of Regional centre Guwahati	1,100.00	1,100.00	1,100.00	1,100.00
b) With non-Scheduled Banks	-	-	-	-
Total	**3,18,19,844.71**	**3,18,19,844.71**	**7,49,75,628.00**	**7,49,75,628.00**
Total A	**3,18,20,280.71**	**3,18,20,280.71**	**7,49,79,285.00**	**7,49,79,285.00**

to be continued ...

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 के तुलन पत्र की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 11 - चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम आदि	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
क. चालू परिसंपत्तियां				
1. हाथ में रोकड़ शेष				
मुख्यालय में रोकड़	436.00	436.00	3,657.00	3,657.00
योग	**436.00**	**436.00**	**3,657.00**	**3,657.00**
2. बैंक में जमा शेष				
क) अनुसूचित बैंकों में				
– केनरा बैंक (मुख्यालय)	3,09,06,664.71	3,09,06,664.71	7,44,18,976.00	7,44,18,976.00
– बैंक में रोकड़ (बयाना राशि के संबंध में)	9,08,080.00	9,08,080.00	5,53,552.00	5,53,552.00
– क्षेत्रीय केन्द्र हैदराबाद के संबंध में	2,000.00	2,000.00	1,000.00	1,000.00
– क्षेत्रीय केन्द्र उदयपुर के संबंध में	2,000.00	2,000.00	1,000.00	1,000.00
– क्षेत्रीय केन्द्र गुवाहाटी के संबंध में	1,100.00	1,100.00	1,100.00	1,100.00
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में	-	-	-	-
योग	**3,18,19,844.71**	**3,18,19,844.71**	**7,49,75,628.00**	**7,49,75,628.00**
योग-क	**3,18,20,280.71**	**3,18,20,280.71**	**7,49,79,285.00**	**7,49,79,285.00**

जारी ...

B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS:				
a) On Capital Account	-	-	-	-
b) Prepayments of (Franking Machine)	35,208.00	35,208.00	35,208.00	35,208.00
c) Advance to institution/DRP/experts	1,75,789.00	1,75,789.00	1,75,789.00	1,75,789.00
d) Advance to Regional Centre (HYD)	-	-	35,837.00	35,837.00
e) Advance to Staff/Experts/Suppliers	4,80,828.00	4,80,828.00	4,80,828.00	4,80,828.00
a) Advances to other institution / suppliers/ firms				
- Festival Advances	-	-	-	-
- Conveyance Advances	-	-	-	-
- House Building Advances	-	-	-	-
b) Rent Receivable	11,76,821.96	11,76,821.96	-	-
c) Advance for film	-	-		
d) Advance Tax Paid : GST / TDS on GST	2,87,837.32	2,87,837.32	-	-
e) Advance Tax Paid : TDS / TCS	3,60,883.00	3,60,883.00	-	-
f) Security deposit with DVB	1,58,250.00	1,58,250.00	1,58,250.00	1,58,250.00
g) Security deposit with Telephone Dept, Hyderabad	5,000.00	5,000.00	5,000.00	5,000.00
h) Advance for settingup of cultural clubs	4,031.00	4,031.00	4,031.00	4,031.00
i) Security deposit with Telephone Guwahati	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00
f) Advance to CPWD for civil work	1,17,64,992.00	1,17,64,992.00	2,08,99,460.00	2,08,99,460.00
g) Interest Receivable on saving bank a/c	2,94,370.00	2,94,370.00	2,94,370.00	2,94,370.00
h) Accured Interest Receivable on Investments	35,561.00	35,561.00	-	-
i) Advance to NBCC to Civil work	9,06,154.00	9,06,154.00	9,06,154.00	9,06,154.00
j) Advance to NBCC for Gurukul and Kalagram	4,98,05,550.00	4,98,05,550.00	-	-
k) Advance for Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM)	29,50,000.00	29,50,000.00	-	-
l) Grant Utilised Pending Receipt	17,48,114.00	17,48,114.00	-	-
Total (B)	**7,01,90,389.28**	**7,01,90,389.28**	**2,29,95,927.00**	**2,29,95,927.00**
Total (A+B)	**10,20,10,669.99**	**10,20,10,669.99**	**9,79,75,212.00**	**9,79,75,212.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

ख) ऋण, अग्रिम तथा अन्य परिसंपत्तियाँ				
क) पूंजी लेखा पर	-	-	-	-
ख) पूर्व भुगतान (फ्रैंकिंग मशीन)	35,208.00	35,208.00	35,208.00	35,208.00
ग) संस्था / डीआरपी / विशेषज्ञों को अग्रिम	1,75,789.00	1,75,789.00	1,75,789.00	1,75,789.00
घ) क्षेत्रीय केन्द्र हैदराबाद को अग्रिम	-	-	35,837.00	35,837.00
ङ) स्टाफ / विशेषज्ञों / सप्लायर्स को अग्रिम	4,80,828.00	4,80,828.00	4,80,828.00	4,80,828.00
क) अन्य संस्थाओं / जिला स्रोत व्यक्तियों / फर्म को अग्रिम				
– त्योहार अग्रिम	-	-	-	-
– वाहन अग्रिम	-	-	-	-
– गृह निर्माण अग्रिम	-	-	-	-
ख) किराए से प्राप्त होने वाली राशि	11,76,821.96	11,76,821.96	-	-
ग) फिल्म के लिए अग्रिम	-	-		
घ) अग्रिम कर भुगतानः जीएसटी / जीएसटी के लिए टीडीएस	2,87,837.32	2,87,837.32	-	-
ङ) अग्रिम कर भुगतानः टीडीएस / टीसीएस	3,60,883.00	3,60,883.00	-	-
च) डी.वी.बी. में सिक्यूरिटी जमा	1,58,250.00	1,58,250.00	1,58,250.00	1,58,250.00
छ) टेलीफोन विभाग, हैदराबाद में सिक्यूरिटी जमा	5,000.00	5,000.00	5,000.00	5,000.00
ज) सांस्कृतिक क्लब की स्थापना के लिए अग्रिम	4,031.00	4,031.00	4,031.00	4,031.00
झ) टेलीफोन विभाग, गुवाहाटी में सिक्यूरिटी जमा	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00
च) सी.पी.डब्लू.डी. को सिविल कार्य के लिए अग्रिम	1,17,64,992.00	1,17,64,992.00	2,08,99,460.00	2,08,99,460.00
छ) बचत खाता लेखाओं पर प्राप्य ब्याज	2,94,370.00	2,94,370.00	2,94,370.00	2,94,370.00
ज) निवेश पर देय अर्जित ब्याज	35,561.00	35,561.00	-	-
झ) सिविल कार्य के लिए एनबीसीसी को अग्रिम	9,06,154.00	9,06,154.00	9,06,154.00	9,06,154.00
ञ) गुरुकुल और कलाग्राम के लिए एनबीसीसी को अग्रिम	4,98,05,550.00	4,98,05,550.00	-	-
ट) आजादी का अमृत महोत्सव के लिए अग्रिम	29,50,000.00	29,50,000.00	-	-
ठ) उपयोग किया गया अनुदान रसीद लंबित	17,48,114.00	17,48,114.00	-	-
योग (ख)	**7,01,90,389.28**	**7,01,90,389.28**	**2,29,95,927.00**	**2,29,95,927.00**
योग (क+ख)	**10,20,10,669.99**	**10,20,10,669.99**	**9,79,75,212.00**	**9,79,75,212.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES/SERVICES	Current Year		Previous Year	
	Revenue	**Total**	**Revenue**	Total
1. Income from Sales				
a) Sale of Educational Materials	2,855.00	2,855.00	3,435.00	3,435.00
b) Sale of Publications	65,988.00	65,988.00	2,63,197.00	2,63,197.00
c) Sale of Scraps	---	---	---	---
2. Income from Services	---	---	---	---
Total	**68,843.00**	**68,843.00**	**2,66,632.00**	**2,66,632.00**
SCHEDULE 13 - GRANTS /SUBSIDIES				
1. Central Government	31,17,19,038.00	31,17,19,038.00	26,74,67,119.00	26,74,67,119.00
Less: Grant utilised for purchase of Fixed Assets	(1,59,72,993.00)	(1,59,72,993.00)	(2,37,82,623.00)	(2,37,82,623.00)
Add Assets value written off	21,72,281.00	21,72,281.00	1,40,79,635.00	1,40,79,635.00
Add: Unspent balance of previous year, adjusted	4,17,61,581.00	4,17,61,581.00	5,93,75,543.00	5,93,75,543.00
Add: Unspent bal. of Prev Yr Ear-Marked Fund	3,26,50,086.00	3,26,50,086.00	-	-
Less: Unspent balance of current year, adjusted	(75,69,033.00)	(75,69,033.00)	(4,17,75,647.00)	(4,17,75,647.00)
Less: Unspent balance of Ear-Marked Fund	(1,98,23,287.00)	(1,98,23,287.00)	(3,26,50,086.00)	(3,26,50,086.00)
Add: Grant Utilised, Pending Receipt	17,48,114.00	17,48,114.00	-	-
Total	**34,66,85,787.00**	**34,66,85,787.00**	**24,27,13,941.00**	**24,27,13,941.00**
SCHEDULE 14 - FEES /SUBSCRIPTIONS				
1. Entrance Fees	-	-	-	-
2. Annual Fees/Subscriptions	-	-	-	-
3. Seminar/Program Fees	4,19,000.00	4,19,000.00	3,12,000.00	3,12,000.00
4. Consultancy Fees	-	-	-	-
Total	**4,19,000.00**	**4,19,000.00**	**3,12,000.00**	**3,12,000.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की आय-व्यय की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवाओं से आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
1. बिक्री से आय				
क) शैक्षिक सामग्री की बिक्री	2,855.00	2,855.00	3,435.00	3,435.00
ख) प्रकाशनों की बिक्री	65,988.00	65,988.00	2,63,197.00	2,63,197.00
ग) स्क्रैप की बिक्री	---	---	---	---
2. सेवाओं से आय	---	---	---	---
योग	**68,843.00**	**68,843.00**	**2,66,632.00**	**2,66,632.00**
अनुसूची 13 - अनुदान/सब्सिडीज				
1. केन्द्र सरकार	31,17,19,038.00	31,17,19,038.00	26,74,67,119.00	26,74,67,119.00
कम करें : स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद के लिए खर्च अनुदान राशि	(1,59,72,993.00)	(1,59,72,993.00)	(2,37,82,623.00)	(2,37,82,623.00)
जोड़ें: बट्टे खाते डाली गई परिसंपत्तियों का मूल्य	21,72,281.00	21,72,281.00	1,40,79,635.00	1,40,79,635.00
जमा करें : पिछले वर्ष खर्च न की गई राशि का समायोजन	4,17,61,581.00	4,17,61,581.00	5,93,75,543.00	5,93,75,543.00
जमा करें : पिछले वर्ष खर्च न की गई पूर्व–निर्धारित राशि	3,26,50,086.00	3,26,50,086.00	-	-
कम करें : चालू वर्ष की खर्च न की गई राशि का समायोजन	(75,69,033.00)	(75,69,033.00)	(4,17,75,647.00)	(4,17,75,647.00)
कम करें : चालू वर्ष की खर्च न की पूर्व–निर्धारित राशि	(1,98,23,287.00)	(1,98,23,287.00)	(3,26,50,086.00)	(3,26,50,086.00)
जमा करें : उपयोग किया गया अनुदान, रसीद लंबित	17,48,114.00	17,48,114.00	-	-
योग	**34,66,85,787.00**	**34,66,85,787.00**	**24,27,13,941.00**	**24,27,13,941.00**
अनुसूची 14 - शुल्क/अभिदान				
1. प्रवेश शुल्क	-	-	-	-
2. वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-	-	-
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	4,19,000.00	4,19,000.00	3,12,000.00	3,12,000.00
4. परामर्श शुल्क	-	-	-	-
योग	**4,19,000.00**	**4,19,000.00**	**3,12,000.00**	**3,12,000.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 15 - INCOME FROM INVESTMENTS	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
1. Interest				
a) On Govt. Securities	----	----	----	----
b) Other Bonds/Debentures	----	----	----	----
2. Dividends:	----	----	----	----
a) On Govt. Securities	----	----	----	----
b) Other Bonds/Debentures	----	----	----	----
Total	----	----	----	----

SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
1. Income from Royalty	----	----	----	----
2. Income from Publications	----	----	----	----
3. Others (Specify)	----	----	----	----
Total	----	----	----	----

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की आय-व्यय की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 15 - निवेश से आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	----	----	----	----
ख) अन्य बॉण्ड/डिबेन्चर्स	----	----	----	----
2. लाभांश	----	----	----	----
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	----	----	----	----
ख) अन्य बॉण्ड/डिबेन्चर्स	----	----	----	----
योग	----	----	----	----

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन से आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
1 रॉयल्टी से आय	----	----	----	----
2 प्रकाशनों से आय	----	----	----	----
3 अन्य (उल्लेख करें)	----	----	----	----
योग	----	----	----	----

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 17 - INTEREST EARNED	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
1. On Term Deposits:				
a) With Scheduled Banks	-	-	16,95,475.00	16,95,475.00
b) Others	-	-	-	-
2. On Savings Accounts:				
a) With Scheduled Banks	24,88,634.00	24,88,634.00	13,18,354.00	13,18,354.00
b) Others	-	-	-	-
3. On Loans:	-			
a) Employees/Staff	-	-	-	-
b) Others	-	-	-	-
4. Accrued Interest on saving bank a/c	-	-	2,94,370.00	2,94,370.00
5. Accrued Interest on Investments	37,598.00	37,598.00	-	-
6. Interest on Income Tax Refund	6,417.00	6,417.00	-	-
Total	**25,32,649.00**	**25,32,649.00**	**33,08,199.00**	**33,08,199.00**

SCHEDULE 18 - OTHER INCOME				
1. Profit on Sale/disposal of assets:				
a) Owned assets	-	-	-	-
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	-	-	-	-
2. Auditorium rent received	-	-	41,000.00	41,000.00
3. Hostel Receipts	9,03,920.00	9,03,920.00	7,90,500.00	7,90,500.00
4. Miscellaneous Income	44,57,727.00	44,57,727.00	22,29,163.00	22,29,163.00
5. Rental Income	71,60,932.80	71,60,932.80	61,39,950.00	61,39,950.00
Total	**1,25,22,579.80**	**1,25,22,579.80**	**92,00,613.00**	**92,00,613.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की आय-व्यय की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
1. मियादी जमा पर				
क) अनुसूचित बैंकों में	-	-	16,95,475.00	16,95,475.00
ख) अन्य	-	-	-	-
2. बचत खातों पर				
क) अनुसूचित बैंकों में	24,88,634.00	24,88,634.00	13,18,354.00	13,18,354.00
ख) अन्य	-	-	-	-
3. ऋण पर	-			
क) कर्मचारी/स्टाफ	-	-	-	-
ख) अन्य	-	-	-	-
4. बचत खाता पर उपार्जित ब्याज	-	-	2,94,370.00	2,94,370.00
5. निवेश पर उपार्जित ब्याज	37,598.00	37,598.00	-	-
5. आयकर वापसी पर ब्याज	6,417.00	6,417.00	-	-
योग	**25,32,649.00**	**25,32,649.00**	**33,08,199.00**	**33,08,199.00**

अनुसूची 18 - अन्य आय				
1. परिसंपत्तियों की बिक्री/निस्तारण पर लाभ				
क) स्वामित्व की परिसंपत्तियां	-	-	-	-
ख) अनुदान से या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-	-	-	-
2. प्राप्त सभागार किराया	-	-	41,000.00	41,000.00
3. हॉस्टल प्राप्तियां	9,03,920.00	9,03,920.00	7,90,500.00	7,90,500.00
4. विविध आय	44,57,727.00	44,57,727.00	22,29,163.00	22,29,163.00
5. किराये से आय	71,60,932.80	71,60,932.80	61,39,950.00	61,39,950.00
योग	**1,25,22,579.80**	**1,25,22,579.80**	**92,00,613.00**	**92,00,613.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WORK IN PROGRESS	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
a) Closing stock				
- Finished Goods	----	----	----	----
- Work in progress	----	----	----	----
b) Less: Opening Stock				
- Finished Goods	----	----	----	----
- Work in progress	----	----	----	----
NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]	----	----	----	----

SCHEDULE 20 - ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
a) Salaries and Wages	4,77,52,288.00	4,77,52,288.00	4,66,84,524.00	4,66,84,524.00
b) Bonus and Allowances	2,74,125.00	2,74,125.00	2,45,263.00	2,45,263.00
c) Staff Welfare Expenses	6,56,057.00	6,56,057.00	4,60,095.00	4,60,095.00
d) Employees Pension & Retirement Benefits	4,05,62,571.00	4,05,62,571.00	4,25,26,632.00	4,25,26,632.00
e) New Pension Scheme	18,42,137.00	18,42,137.00	14,09,406.00	14,09,406.00
f) Payment to Contractual Staff	1,43,45,568.00	1,43,45,568.00	1,43,29,162.00	1,43,29,162.00
Total	**10,54,32,746.00**	**10,54,32,746.00**	**10,56,55,082.00**	**10,56,55,082.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की आय-व्यय की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 19 - तैयार माल तथा कार्य प्रगति पर के स्टॉक में कमी/बढ़ोत्तरी	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
क) अंत शेष स्टॉक				
– तैयार माल	----	----	----	----
– कार्य प्रगति पर	----	----	----	----
ख) कम करें : अथ शेष स्टॉक				
– तैयार माल	----	----	----	----
– कार्य प्रगति पर	----	----	----	----
शुद्ध बढ़ोत्तरी/कमी (क-ख)	----	----	----	----

अनुसूची 20 - स्थापना खर्चे	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
क) वेतन तथा मजदूरियाँ	4,77,52,288.00	4,77,52,288.00	4,66,84,524.00	4,66,84,524.00
ख) बोनस तथा भत्ते	2,74,125.00	2,74,125.00	2,45,263.00	2,45,263.00
ग) स्टाफ कल्याण–व्यय	6,56,057.00	6,56,057.00	4,60,095.00	4,60,095.00
घ) कर्मचारियों को पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ	4,05,62,571.00	4,05,62,571.00	4,25,26,632.00	4,25,26,632.00
ड) नई पेंशन योजना	18,42,137.00	18,42,137.00	14,09,406.00	14,09,406.00
च) संविदा कर्मियों को भुगतान	1,43,45,568.00	1,43,45,568.00	1,43,29,162.00	1,43,29,162.00
योग	**10,54,32,746.00**	**10,54,32,746.00**	**10,56,55,082.00**	**10,56,55,082.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
Administrative Expenses				
Bank Charges	1,004.00	1,004.00	-	-
Electricity Charges	53,17,607.80	53,17,607.80	41,01,025.00	41,01,025.00
Water charges	11,40,991.00	11,40,991.00	10,77,074.00	10,77,074.00
Insurance	-	-	-	-
Repairs and maintenance of Equipment	3,87,265.00	3,87,265.00	3,11,072.00	3,11,072.00
Rent, Rates and Taxes	35,70,015.00	35,70,015.00	34,80,643.00	34,80,643.00
Vehicles Running and Maintenance charges	3,10,358.00	3,10,358.00	2,91,119.00	2,91,119.00
Postage, Telephone and Communication charges	3,94,985.00	3,94,985.00	5,49,737.00	5,49,737.00
Printing and Stationary	11,26,748.00	11,26,748.00	11,73,742.00	11,73,742.00
Travelling and Conveyance Expenses	24,11,139.00	24,11,139.00	16,80,945.00	16,80,945.00
Expenses on Fees	32,000.00	32,000.00	20,000.00	20,000.00
Auditors Remuneration	2,11,620.00	2,11,620.00	3,31,680.00	3,31,680.00
Hospitality Expenses	4,31,553.00	4,31,553.00	2,09,049.00	2,09,049.00
Professional Charges	6,70,830.00	6,70,830.00	6,75,907.00	6,75,907.00
Advertisement and Publicity	5,21,534.00	5,21,534.00	16,01,393.00	16,01,393.00
Office Expenses	48,80,854.04	48,80,854.04	31,97,856.00	31,97,856.00
Hostel Expenses	1,04,363.00	1,04,363.00	2,15,841.00	2,15,841.00
Newspaper & Periodicals	1,44,501.00	1,44,501.00	1,41,002.00	1,41,002.00
Maintenance of Building	1,63,95,639.00	1,63,95,639.00	1,38,41,420.00	1,38,41,420.00
TA/DA to the Members of Meeting / Society	14,000.00	14,000.00	82,259.00	82,259.00
Regional Centre Udaipur	68,86,049.00	68,86,049.00	64,16,528.00	64,16,528.00
Regional Centre Hyderabad	94,66,533.00	94,66,533.00	81,87,611.00	81,87,611.00
Regional Centre Guwahati	55,81,779.00	55,81,779.00	53,59,104.00	53,59,104.00
Regional Centre Damoh	15,35,380.00	15,35,380.00	13,37,544.00	13,37,544.00
Interest Paid to Ministry of Culture	24,84,102.00	24,84,102.00	32,85,123.00	32,85,123.00
TOTAL	**6,40,20,849.84**	**6,40,20,849.84**	**5,75,67,674.00**	**5,75,67,674.00**
Payment made against Funds for Various Projects				
Workshop /Seminar/ Refresher Courses				
Honorarium to Experts	37,16,700.00	37,16,700.00	21,70,900.00	21,70,900.00
TA/DA to Experts	12,94,308.00	12,94,308.00	4,94,884.00	4,94,884.00
TA/DA to Participants	1,95,91,848.00	1,95,91,848.00	1,36,82,267.00	1,36,82,267.00
Material for Practical Classes	4,03,372.00	4,03,372.00	3,31,435.00	3,31,435.00
Printing of folders & Certificate	67,264.00	67,264.00	6,38,846.00	6,38,846.00
Expenses for conducting Workshops	53,31,751.00	53,31,751.00	48,13,879.00	48,13,879.00

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की आय-व्यय की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
प्रशासनिक खर्चे				
बैंक चार्ज	1,004.00	1,004.00	-	-
इलैक्ट्रिसिटी चार्ज	53,17,607.80	53,17,607.80	41,01,025.00	41,01,025.00
पानी बिल	11,40,991.00	11,40,991.00	10,77,074.00	10,77,074.00
बीमा	-	-	-	-
उपस्करों की मरम्मत तथा रखरखाव चार्ज	3,87,265.00	3,87,265.00	3,11,072.00	3,11,072.00
किराया, दर तथा कर	35,70,015.00	35,70,015.00	34,80,643.00	34,80,643.00
वाहन चालन तथा रखरखाव	3,10,358.00	3,10,358.00	2,91,119.00	2,91,119.00
डाक, संचार तथा टेलीफोन चार्ज	3,94,985.00	3,94,985.00	5,49,737.00	5,49,737.00
मुद्रण व स्टेशनरी	11,26,748.00	11,26,748.00	11,73,742.00	11,73,742.00
यात्रा तथा वाहन खर्च	24,11,139.00	24,11,139.00	16,80,945.00	16,80,945.00
फीस पर खर्च	32,000.00	32,000.00	20,000.00	20,000.00
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	2,11,620.00	2,11,620.00	3,31,680.00	3,31,680.00
आतिथ्य खर्चे	4,31,553.00	4,31,553.00	2,09,049.00	2,09,049.00
प्रोफेशनल चार्ज	6,70,830.00	6,70,830.00	6,75,907.00	6,75,907.00
विज्ञापन और प्रचार प्रसार	5,21,534.00	5,21,534.00	16,01,393.00	16,01,393.00
कार्यालय खर्चे	48,80,854.04	48,80,854.04	31,97,856.00	31,97,856.00
हॉस्टल खर्चे	1,04,363.00	1,04,363.00	2,15,841.00	2,15,841.00
समाचार पत्र, पत्रिकाएं	1,44,501.00	1,44,501.00	1,41,002.00	1,41,002.00
भवन का रखरखाव	1,63,95,639.00	1,63,95,639.00	1,38,41,420.00	1,38,41,420.00
सोसाइटी के सदस्यों को बैठक के लिए टीए/डीए	14,000.00	14,000.00	82,259.00	82,259.00
क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर	68,86,049.00	68,86,049.00	64,16,528.00	64,16,528.00
क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद	94,66,533.00	94,66,533.00	81,87,611.00	81,87,611.00
क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी	55,81,779.00	55,81,779.00	53,59,104.00	53,59,104.00
क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह	15,35,380.00	15,35,380.00	13,37,544.00	13,37,544.00
संस्कृति मंत्रालय को दिया गया ब्याज	24,84,102.00	24,84,102.00	32,85,123.00	32,85,123.00
योग	**6,40,20,849.84**	**6,40,20,849.84**	**5,75,67,674.00**	**5,75,67,674.00**
विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि के तहत भुगतान				
कार्यशाला/संगोष्ठी/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम				
विशेषज्ञों को मानदेय	37,16,700.00	37,16,700.00	21,70,900.00	21,70,900.00
विशेषज्ञों को टीए/डीए	12,94,308.00	12,94,308.00	4,94,884.00	4,94,884.00
प्रतिभागियों को टीए/डीए	1,95,91,848.00	1,95,91,848.00	1,36,82,267.00	1,36,82,267.00
प्रायोगिक कक्षाओं के लिए सामग्री	4,03,372.00	4,03,372.00	3,31,435.00	3,31,435.00
फोल्डर/सर्टिफिकेट की प्रिंटिंग	67,264.00	67,264.00	6,38,846.00	6,38,846.00
कार्यशालाओं के आयोजन पर खर्च	53,31,751.00	53,31,751.00	48,13,879.00	48,13,879.00

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
Assets written off	-	-	-	-
Loss on sale of car	-	-	-	-
Cultural Talent Search Scholarship Scheme				
Honorarium to Experts	23,46,700.00	23,46,700.00	6,29,700.00	6,29,700.00
TA/DA to Experts	6,30,962.00	6,30,962.00	3,78,274.00	3,78,274.00
TA to children/ Guardian	15,45,083.00	15,45,083.00	10,44,023.00	10,44,023.00
Scholarship to children	1,52,11,660.00	1,52,11,660.00	2,03,16,168.00	2,03,16,168.00
Expenses for conducting Interviews	36,60,830.00	36,60,830.00	32,02,035.00	32,02,035.00
Special Awareness Programmes For The Children				
Creative Activities for the Children	41,53,973.00	41,53,973.00	27,74,041.00	27,74,041.00
Setting up of cultural club	8,40,000.00	8,40,000.00	4,65,000.00	4,65,000.00
Resources & Documentation	-	-		
Misc. Documentation Expenses	-	-	-	-
Payment to Expert	-	-	-	-
Educational Kits	-	-	-	-
Publications	8,71,782.00	8,71,782.00	2,76,471.00	2,76,471.00
E-Governance & Digitization	21,15,066.00	21,15,066.00	19,05,912.00	19,05,912.00
Award of Sr. Scholarship/Fellowship				
Honorarium to Experts	19,67,000.00	19,67,000.00	4,62,000.00	4,62,000.00
TA/DA to Experts	21,701.00	21,701.00	-	-
TA to Students	-	-	-	-
Expenses for Conducting Interviews / Meetings	14,02,930.00	14,02,930.00	11,42,144.00	11,42,144.00
Books on Lessor Known Cities	1,83,903.00	1,83,903.00	-	-
Cultural festival/craft mela/ Social Media	2,05,24,344.00	2,05,24,344.00	1,14,18,114.00	1,14,18,114.00
Activities at Varanasi	4,94,876.00	4,94,876.00	-	-
150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi				
Swachchta	4,88,465.00	4,88,465.00	5,00,709.00	5,00,709.00
North East Activities				
A. Workshops/Seminars (N/E)				
Honorarium to Experts	7,77,300.00	7,77,300.00	5,33,600.00	5,33,600.00
TA/DA to Experts	1,71,300.00	1,71,300.00	1,19,100.00	1,19,100.00
TA/DA to Participants	87,45,400.00	87,45,400.00	57,97,422.00	57,97,422.00
Material for practical classes	1,32,833.00	1,32,833.00	1,38,591.00	1,38,591.00
Expenses for conducting workshop	3,36,699.00	3,36,699.00	2,02,481.00	2,02,481.00

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की आय-व्यय की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
बट्टे खाते डाली गई परिसंपत्तियाँ	-	-	-	-
कार की बिक्री पर नुकसान	-	-	-	-
सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना				
विशेषज्ञों को मानदेय	23,46,700.00	23,46,700.00	6,29,700.00	6,29,700.00
विशेषज्ञों को टीए/डीए	6,30,962.00	6,30,962.00	3,78,274.00	3,78,274.00
बच्चों/अभिभावकों को टीए	15,45,083.00	15,45,083.00	10,44,023.00	10,44,023.00
बच्चों को छात्रवृत्ति	1,52,11,660.00	1,52,11,660.00	2,03,16,168.00	2,03,16,168.00
साक्षात्कार आयोजन पर खर्च	36,60,830.00	36,60,830.00	32,02,035.00	32,02,035.00
बच्चों हेतु विशेष जागरूकता कार्यक्रम				
बच्चों हेतु रचनात्मक गतिविधियाँ	41,53,973.00	41,53,973.00	27,74,041.00	27,74,041.00
सांस्कृतिक क्लबों की स्थापना	8,40,000.00	8,40,000.00	4,65,000.00	4,65,000.00
संसाधन एवं प्रलेखन	-	-		
विविध प्रलेखन खर्च	-	-	-	-
विशेषज्ञों को मानदेय	-	-	-	-
शैक्षिक किट	-	-	-	-
प्रकाशन	8,71,782.00	8,71,782.00	2,76,471.00	2,76,471.00
ई-गवर्नेंस एवं डिजिटाइजेशन	21,15,066.00	21,15,066.00	19,05,912.00	19,05,912.00
सीनियर छात्रवृत्ति/फेलोशिप प्रदान करना				
विशेषज्ञों को मानदेय	19,67,000.00	19,67,000.00	4,62,000.00	4,62,000.00
विशेषज्ञों को टीए/डीए	21,701.00	21,701.00	-	-
छात्रों को टीए	-	-	-	-
बैठक/साक्षात्कार आयोजन पर खर्च	14,02,930.00	14,02,930.00	11,42,144.00	11,42,144.00
अल्प ज्ञात शहर शृंखला पर पुस्तकें	1,83,903.00	1,83,903.00	-	-
सांस्कृतिक उत्सव/शिल्प मेला/सोशल मीडिया	2,05,24,344.00	2,05,24,344.00	1,14,18,114.00	1,14,18,114.00
वाराणसी की गतिविधियां	4,94,876.00	4,94,876.00	-	-
महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती				
स्वच्छता	4,88,465.00	4,88,465.00	5,00,709.00	5,00,709.00
पूर्वोत्तर की गतिविधियां				
क) कार्यशाला/संगोष्ठी (उ/पू)				
विशेषज्ञों को मानदेय (उ/पू)	7,77,300.00	7,77,300.00	5,33,600.00	5,33,600.00
विशेषज्ञों को टीए/डीए (उ/पू)	1,71,300.00	1,71,300.00	1,19,100.00	1,19,100.00
प्रतिभागियों को टीए/डीए (उ/पू)	87,45,400.00	87,45,400.00	57,97,422.00	57,97,422.00
प्रायोगिक कक्षाओं के लिए सामग्री (उ/पू)	1,32,833.00	1,32,833.00	1,38,591.00	1,38,591.00
कार्यशाला आयोजित करने पर खर्च (उ/पू)	3,36,699.00	3,36,699.00	2,02,481.00	2,02,481.00

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	Current Year		Previous Year	
	Revenue	Total	Revenue	Total
B. Cultural Talent Search Scholarship Scheme (N/E)				
Honorarium to experts	2,37,000.00	2,37,000.00	1,68,000.00	1,68,000.00
TA/DA to Experts	1,51,941.00	1,51,941.00	80,733.00	80,733.00
TA to children/guardian	6,49,312.00	6,49,312.00	5,47,015.00	5,47,015.00
Scholarship to children	66,04,718.00	66,04,718.00	64,22,069.00	64,22,069.00
Expenses for conducting Interviews	1,36,624.00	1,36,624.00	4,48,373.00	4,48,373.00
C. Creative activities for the children (N/E)	10,18,364.00	10,18,364.00	3,55,625.00	3,55,625.00
D. Regional Centre Guwahati (N/E)	-	-	-	-
E. Travelling and Conveyance (N/E)	-	-	45,767.00	45,767.00
F. AKAM (Azadi Ka Amrit Mahotsav)				
Effective study for AKAM	-	-	2,36,000.00	2,36,000.00
Digital District Repository	98,60,638.00	98,60,638.00	1,34,33,825.00	1,34,33,825.00
Amrit Stambh-Har Ghar Tiranga	2,83,48,483.00	2,83,48,483.00	40,690.00	40,690.00
Bharat Parv	-	-	-	-
Hyderabad Liberation Day	-	-	47,30,983.00	47,30,983.00
Kadam Kadam Badhaye Ja	-	-	4,49,308.00	4,49,308.00
Meri Maati Mera Desh	-	-	22,50,000.00	22,50,000.00
Cultural Drama Festival	-	-	8,00,000.00	8,00,000.00
Akam Telangana	-	-	-	-
Total	**20,80,55,979.84**	**20,80,55,979.84**	**16,10,14,058.00**	**16,10,14,058.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की आय-व्यय की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
ख) सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (उ/पू)				
विशेषज्ञों को मानदेय	2,37,000.00	2,37,000.00	1,68,000.00	1,68,000.00
विशेषज्ञों को टीए/डीए	1,51,941.00	1,51,941.00	80,733.00	80,733.00
बच्चों/अभिभावकों को टीए	6,49,312.00	6,49,312.00	5,47,015.00	5,47,015.00
बच्चों को छात्रवृत्ति	66,04,718.00	66,04,718.00	64,22,069.00	64,22,069.00
साक्षात्कार के आयोजन पर खर्च	1,36,624.00	1,36,624.00	4,48,373.00	4,48,373.00
ग) बच्चों के लिए रचनात्मक गतिविधियाँ (उ/पू)	10,18,364.00	10,18,364.00	3,55,625.00	3,55,625.00
घ) क्षेत्रीय केन्द्र गुवाहाटी (उ/पू)	-	-	-	-
घ) यात्रा और वाहन (उ/पू)	-	-	45,767.00	45,767.00
ख) अकाम (आजादी का अमृत महोत्सव)				
अकाम के लिए प्रभावकारिता अध्ययन	-	-	2,36,000.00	2,36,000.00
डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी	98,60,638.00	98,60,638.00	1,34,33,825.00	1,34,33,825.00
अमृत स्तम्भ–हर घर तिरंगा	2,83,48,483.00	2,83,48,483.00	40,690.00	40,690.00
भारत पर्व	-	-	-	-
हैदराबाद मुक्ति दिवस	-	-	47,30,983.00	47,30,983.00
कदम–कदम बढ़ाए जा	-	-	4,49,308.00	4,49,308.00
मेरी माटी मेरा देश			22,50,000.00	22,50,000.00
सांस्कृतिक नाटक महोत्सव	-	-	8,00,000.00	8,00,000.00
अकाम तेलंगाना	-	-	-	-
योग	**20,80,55,979.84**	**20,80,55,979.84**	**16,10,14,058.00**	**16,10,14,058.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2025

(Amount in - ₹)

SCHEDULE 22 - EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.	**Current Year**		**Previous Year**	
	Revenue	**Total**	**Revenue**	**Total**
a) Grants given to Institutions/Organizations	-	-	-	-
b) Subsidies given to Institutions/Organizations	-	-	-	-
Total	-	-	-	-
Note - Name of the Entities, their Activities along with the amounts of Grants/Subsidies are to be disclosed.				

SCHEDULE 23 - INTEREST	**Current Year**		**Previous Year**	
	Revenue	**Total**	**Revenue**	**Total**
a) On Fixed Loans	-	-	-	-
b) On Other Loans (including Banks Charges)	-	-	-	-
c) Others (specify)	-	-	-	-
Total	-	-	-	-

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की आय-व्यय की अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 22 - अनुदान, सब्सिडी पर खर्च	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
क) संस्थाओं/संगठनों को दिया गया अनुदान	-	-	-	-
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी	-	-	-	-
योग	-	-	-	-
संस्थाओं के नाम तथा उनकी गतिविधियाँ तथा उन्हें दिए जाने वाले अनुदान/सब्सिडी का उल्लेख करें				

अनुसूची 23 - ब्याज	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व	योग	राजस्व	योग
क) स्थायी ऋणों पर	-	-	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक चार्ज सहित)	-	-	-	-
ग) अन्य (उल्लेख करें)	-	-	-	-
योग	-	-	-	-

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

GPF A/C RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR 2024-25

(Amount in - ₹)

RECEIPT			PAYMENT		
	Current Year	**Previous Year**		**Current Year**	**Previous Year**
OPENING BALANCE	5,80,448.10	4,71,538.00	INVESTMENT MADE DURING THE YEAR	40,00,000.00	1,95,32,000.00
EMPLOYEE CONTRIBUTION	60,27,200.00	67,01,900.00	PAYMENT MADE DURING THE YEAR	77,95,173.00	1,49,77,749.00
INTEREST RECEIVED ON INVESTMENT	18,51,978.00	21,30,303.00	BANK CHARGES	1,126.00	-
INVESTMENT MATURED	59,51,984.00	2,57,86,456.00	TDS RECEIVABLE	1,21,048.00	-
ACCRUED INTEREST RECEIVED	82,730.00	-			
			CLOSING BALANCE	25,76,993.10	5,80,448.00
TOTAL	**1,44,94,340.10**	**3,50,90,197.00**	**TOTAL**	**1,44,94,340.10**	**3,50,90,197.00**

(Amount in - ₹)

GPF INCOME AND EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR 2024-25					
EXPENDITURE			**INCOME**		
	Current Year	**Previous Year**		**Current Year**	**Previous Year**
INTEREST PAID TO STAFF	12,20,120.00	16,26,554.00	INTEREST RECEIVED	14,30,645.00	5,80,073.00
BANK CHARGES	1,126.00	-	ACCURED INTEREST	-	12,00,274.00
EXCESS INCOME OVER EXPENDITURE	2,09,399.00	2,11,407.00	TDS RECEIVABLE	-	57,614.00
TOTAL	**14,30,645.00**	**18,37,961.00**	**TOTAL**	**14,30,645.00**	**18,37,961.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

वर्ष 2024-2025 के लिए सामान्य भविष्य निधि लेखा की प्राप्ति व भुगतान

(राशि ₹ में)

प्राप्तियाँ			भुगतान		
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अथ शेष	5,80,448.10	4,71,538.00	वर्ष के दौरान निवेश	40,00,000.00	1,95,32,000.00
कर्मचारियों का अंशदान	60,27,200.00	67,01,900.00	वर्ष के दौरान भुगतान	77,95,173.00	1,49,77,749.00
निवेश से प्राप्त ब्याज	18,51,978.00	21,30,303.00	बैंक शुल्क	1,126.00	-
परिपक्व निवेश	59,51,984.00	2,57,86,456.00	टीडीएस पर प्राप्त होने योग्य राशि	1,21,048.00	-
प्राप्त उपार्जित व्याज	82,730.00	-			
			अंत शेष	25,76,993.10	5,80,448.00
योग	**1,44,94,340.10**	**3,50,90,197.00**		**1,44,94,340.10**	**3,50,90,197.00**

(राशि ₹ में)

वर्ष 2024-25 के लिए सामान्य भविष्य निधि का आय और व्यय खाता					
व्यय			आय		
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्टाफ को भुगतान किया गया ब्याज	12,20,120.00	16,26,554.00	प्राप्त ब्याज	14,30,645.00	5,80,073.00
बैंक शुल्क	1,126.00	-	उपार्जित ब्याज	-	12,00,274.00
खर्चो से आधिक्य आय	2,09,399.00	2,11,407.00	टीडीएस पर प्राप्त होने योग्य राशि	-	57,614.00
योग	**14,30,645.00**	**18,37,961.00**		**14,30,645.00**	**18,37,961.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

GPF A/C BALANCE SHEET AS ON 31-03-2025

(Amount in - ₹)

LIABILITIES			ASSETS		
	Current Year	**Previous Year**		**Current Year**	**Previous Year**
GPF FUND OPENING BALANCE	19,012,018.10	25,661,313.00	INVESTMENT	19,582,000.00	21,533,984.00
EMPLOYEE CONTRIBUTIONS 2023-24	6,027,200.00	6,701,900.00	ACCRUED INTEREST	490,964.00	1,009,809.00
INTEREST PAYABLE TO EMPLOYEES	1,220,120.00	1,626,554.00	TDS RECEIVABLE	399,172.00	507,265.00
EXCESS INCOME OVER EXPENDITURE	-	-	RECEIVABLE FROM CCRT ON A/C OF	-	-
- UPTO 31-03-2025	-	-	PREV. YEAR INCOME TAX TDS REFUND	243,923.00	-
- DURING THE YEAR 2024-25	4,828,887.00	4,619,488.00			
LESS PAYMENT MADE TO STAFF	(7,795,173.00)	(14,977,749.00)	CLOSING BALANCE	2,576,993.10	580,448.00
TOTAL	**23,293,052.10**	**23,631,506.00**	**TOTAL**	**23,293,052.10**	**23,631,506.00**

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
31-03-2025 को सामान्य भविष्य निधि तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

देयताएँ			परिसंपत्तियाँ		
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सा.भ.नि. अथ शेष	19,012,018.10	25,661,313.00	निवेश	19,582,000.00	21,533,984.00
2023–24 में कर्मचारियों का अंशदान	6,027,200.00	6,701,900.00	उपार्जित ब्याज	490,964.00	1,009,809.00
कर्मचारियों को देय ब्याज	1,220,120.00	1,626,554.00	प्राप्ति योग्य टीडीएस	399,172.00	507,265.00
व्यय पर आधिक्य आय	-	-	सीसीआरटी के खाते से प्राप्य		
– 31–03–2025 तक	-	-	पिछले वर्ष का आयकर टीडीएस वापसी	243,923.00	-
– वर्ष 2024–25 के दौरान	4,828,887.00	4,619,488.00			
स्टाफ को किया गया भुगतान कम करें	(7,795,173.00)	14,977,749.00)	अंत शेष	2,576,993.10	580,448.00
योग	**23,293,052.10**	**23,631,506.00**	**योग**	**23,293,052.10**	**23,631,506.00**

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi - 110075

Schedule 24 - Significant Accounting Policies and Notes to Accounts

1. Accounting Convention

The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention. Previous years figures have been re-grouped and re-arranged wherever necessary.

2. Method of Accounting

These accounts are based on the accrual method of accounting.

3. Retirement benefits

Society is a non- profit making organization under the administrative control of Ministry of Culture.

It receives grant from GOI for its expenditure & projects. The expenditure incurred on retirement benefits i.e. Gratuity, Commutation & Leave Encashment etc. in respect of employees retired in particular financial year are received from GOI as annual grant. Therefore, No provision for retirement benefits is made in the books.

4. Investments

Investments for GPF are considered as long term investments and are carried at cost. However, the interest accrued on GPF investments during the financial year 2024-25 is ₹ 14,30,645/-.

5. Fixed Assets

5.1 Fixed Assets are stated at cost less depreciation.

5.2 The assets as shown in the Balance Sheet have been procured out of the grant-in-aid received from the Ministry of Culture, Government of India. The value of the assets has been taken 'on actual basis'.

6. Revenue Recognition

Revenues of CCRT are generated by giving the premises to bank on rent and sale of publications. The revenue from rent of the premises is earned on receipt basis and the same is recorded in Books. In respect of sale of publications, it is accounted in the books at the time of sale.

7. Depreciation

7.1 Depreciation is provided on written down value method as per rates and manner specified in the Income tax Act. 1961 except that at the time of sale of assets written down value of assets sold is reduced from the block of assets to calculate depreciation.

7.2 Consequent to the change in accounting procedure, CCRT has charged depreciation in these accounts from financial year 2001-02 onwards. No depreciation has been accounted for in these accounts for the period prior to the above said accounting period.

7.3 In terms of Income Tax Act, 1961, 40% depreciation has been charged on books by treating it as lending library.

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

15ए, सेक्ट–7, द्वारका, नई दिल्ली–110075

अनुसूची 24-लेखाओं पर महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ तथा टिप्पणियाँ

1. लेखा परिपाटी

वित्तीय लेखा–जोखा पूर्ववृत्त लागत परिपाटी के आधार पर तैयार किया जाता है। आवश्यकतानुसार पिछले वर्षों के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

2. वित्तीय पद्धति

यह लेखे लेखा–जोखा की प्रोद्भूत पद्धति पर आधारित होते हैं।

3. सेवानिवृत्ति लाभ

सोसाइटी भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक गैर–लाभकारी संस्थान है। इसे खर्चों और परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से अनुदान प्राप्त होता है। वित्तीय वर्ष में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिप्रेक्ष्य में ग्रैच्युटी पर व्यय तथा छुट्टी नगदीकरण जो कि सेवानिवृत्ति लाभ में आता है, भारत सरकार से वार्षिक अनुदान के रूप में प्राप्त होता है, अतः इसके लिए ग्रैच्युटी तथा छुट्टी नगदीकरण का प्रावधान खातों में नहीं किया जाता।

4. निवेश

सामान्य भविष्य निधि में निवेशों को दीर्घ अवधि के निवेश के रूप में माना जाता है और ये लागत पर किए जाते हैं तथा इस वित्त वर्ष 2024–25 में सा.भ.नि. पर उपार्जित ब्याज ₹ 14,30,645/– है।

5. स्थायी परिसंपत्तियां

5.1 स्थायी परिसंपत्तियों को लागत में से मूल्य ह्रास घटा कर बताया जाता है।

5.2 तुलन पत्र में दर्शायी गई परिसंपत्तियाँ संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से प्रापण की गई हैं। परिसंपत्तियों का मूल्य "वास्तविक आधार पर" रहा है।

6. राजस्व प्राप्ति

सीसीआरटी की राजस्व प्राप्ति बैंक को किराए पर परिसर देने तथा प्रकाशनों की बिक्री के द्वारा होती है। परिसर को किराए पर देने से प्राप्त राजस्व प्राप्ति आधार पर अर्जित किया जाता है तथा इसे बहियों में रिकॉर्ड किया जाता है। प्रकाशनों की बिक्री को हिसाब में लिया जाता है।

7. मूल्य ह्रास

7.1 मूल्य ह्रास अंकित मूल्य पद्धति पर आयकर अधिनियम, 1961 में उल्लिखित दरों के अनुसार निर्धारित किया जाता है, यदि परिसंपत्तियों की बिक्री के समय परिसंपत्तियों के लिखित मूल्य को परिसंपत्तियों के ब्लॉक से मूल्यह्रास की गणना हेतु घटाया न गया हो।

7.2 लेखा प्रक्रिया में परिवर्तन के परिणामस्वरूप सीसीआरटी में वित्त वर्ष 2001–02 से लगातार इन लेखाओं को हिसाब में लिया है। उपर्युक्त लेखा अवधि से पहले के लिए कोई मूल्य ह्रास हिसाब में नहीं लिया गया।

7.3 आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार पुस्तकों पर 40% मूल्य पर ह्रास प्रभारित किया गया है क्योंकि इसे ऋण देने वाला पुस्तकालय माना गया है।

8. The form of accounts prepared by the CCRT are as per the new format prescribed by Government of India vide its communication bearing No. F. 4-21/2002-45 dated Feb. 25, 2003.

9. The CCRT has four Regional Centers, one each at Hyderabad, Udaipur, Guwahati and Damoh. Accounts of all the Regional Centers are compiled at Headquarter, New Delhi.

10. There was a misappropriation of funds to the tune of ₹ 53,04,304/- in CCRT. Out of which CCRT has recovered ₹ 26,46,250/- from defaulters who were involved into the misappropriation of funds. The remaining uncertain recovery of ₹ 26,58,054/- is still pending in the court of law and is shown in the inner column of current assets as miscellaneous expenditure. The investigation of this case is still going on.

11. A provision of ₹ 1,05,000/- for payment made to Cultural Club members and ₹ 48,900/- for payment to experts for training to children under the head "Creative Activities for the children" has been made and shown in Schedule 7.

12. As per instruction of Audit in their report of the year 2019-20, separate GPF Account (R&P A/c, Income and Expenditure A/c and Balance sheet) has been prepared, not including in the main Account of CCRT.

13. CCRT has paid ₹ 498.055 lakhs to CPWD for civil work in the CCRT Building for Kalagram & Kalagurukul at New Delhi.

14. During the financial year 2024-25 CCRT has earned interest of ₹ 24.841 lakh on the funds received from MoC and the same has been deposited to Ministry of Culture, Government of India.

15. Contingent Liabilities

15.1	Claims against the entity not acknowledged as debts	:	₹ Nil (Previous year ₹ Nil)
15.2	In respect of:		
	– Bank guarantees given by/on behalf of the Entity	:	₹ Nil (Previous year ₹ Nil)
	– Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Entity	:	₹ Nil (Previous year ₹ Nil)
	– Bills discounted with banks	:	₹ Nil (Previous year ₹ Nil)
15.3	Disputed demands in respect of:		
	– Income tax	:	₹ Nil (Previous year ₹ Nil)
	– Sales tax	:	₹ Nil (Previous year ₹ Nil)
	– Municipal taxes	:	₹ Nil (Previous year ₹ Nil)
15.4	In respect of claims from parties for non-execution of Orders, but contested by the Entity	:	Not Applicable

Sd/-
(Dr. Rahul Kumar)
Deputy Director (Fin.) - Incharge

Sd/-
(Rajeev Kumar)
Director

8. लेखाओं का फॉर्म सीसीआरटी द्वारा भारत सरकार द्वारा निर्धारित एवं दिनांक 25 फरवरी, 2003 को विज्ञप्ति सं. एफ 4–21/2002–45 के अनुसार तैयार किया गया।

9. सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र के चार क्षेत्रीय केन्द्र क्रमशः हैदराबाद, उदयपुर, गुवाहाटी तथा दमोह में स्थित हैं। चारों क्षेत्रीय केन्द्रों के लेखाओं को नई दिल्ली मुख्यालय में तैयार किया जाता है।

10. रु. 53,04,304/– की राशि का एक गबन है, जिसमें से सीसीआरटी ने चूककर्त्ताओं से रु. 26,46,250/– की वसूली कर ली है। शेष रु. 26,58,054/– की अनिश्चित वसूली को, जो अभी तक न्यायालय में लंबित है, चालू परिसंपत्तियों के इनर कॉलम में मिश्रित खर्च के रूप में दर्शाया गया है। इस मामले की जांच अभी चल रही है।

11. सांस्कृतिक क्लब के सदस्यों को किए गए भुगतान के लिए रु. 1,05,000.00 और बच्चों के प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञों को भुगतान के लिए रु. 48,900.00 का प्रावधान 'बच्चों के लिए रचनात्मक गतिविधियाँ' शीर्षक के तहत किया गया है और अनुसूची 7 में दिखाया गया है।

12. वर्ष 2019–20 की लेखा–परीक्षा के निर्देशानुसार अलग से तैयार किए गए सा.भ.नि. खाता (प्राप्ति व भुगतान लेखा, आय व व्यय लेखा तथा तुलन–पत्र) में सीसीआरटी के मुख्य लेखा को शामिल नहीं किया गया है।

13. सीसीआरटी ने नई दिल्ली में कलाग्राम और कला गुरुकुल के लिए सीसीआरटी परिसर में सिविल कार्य के लिए सीपीडब्ल्यूडी को रु. 498.055 लाख का भुगतान किया।

14. सीसीआरटी ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त धनराशि पर रु. 24.841 लाख का ब्याज अर्जित किया है और इसे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में जमा कर दिया गया।

15. आकस्मिक देयताएँ

15.1	संस्था को किए गए दावे जो ऋण के रूप में स्वीकृत नहीं हैं	:	शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य)
15.2	निम्नलिखित के संबंध में:		
	– संस्था के द्वारा/की ओर से बैंक गारंटी	:	शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य)
	– संस्था की ओर से बैंक द्वारा जमा पत्र	:	शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य)
	– बैंक के साथ बट्टे खाते में डाले गए बिल	:	शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य)
15.3	निम्नलिखित के संबंध में विवादित माँगें		
	– आयकर	:	शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य)
	– बिक्रीकर	:	शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य)
	– नगरपालिका कर	:	शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य)
15.4	आदेशों के गैर निष्पादन के लिए पार्टियों के दावों के संबंध में लेकिन संस्था, द्वारा सविरोध	:	लागू नहीं

हस्ता./-
(डॉ. राहुल कुमार)
उपनिदेशक (वित्त) - इंचार्ज

हस्ता./-
(राजीव कुमार)
निदेशक

सत्यमेव जयते

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा
(केन्द्रीय व्यय)
भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग
Office of the Director General of Audit
(Central Expenditure)
Indian Audit and Accounts Department

ए.एम.जी-II/एस.ए.आर/सी.आर.टी./8-25/2025-26/ दिनाँक: 09 .04.2026

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विषय: वर्ष 2024-25 के लिए, सांस्कृतिक स्तोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

मैं, **सांस्कृतिक स्तोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली** के वर्ष 2024-25 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न कर रही हूँ|

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए|

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये की 2024-25 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों|

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आप के निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है| पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें|

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है| यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा|"

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीया,

हस्ता/-

उप-निदेशक (ए.एम.जी-II)

Ph. : 91 -11-23702422
Fax: 91 -11-23702271

D.G.A.C.R. Building, I.P. Estate, New Delhi - 110002
e-mail : dgace@cag.gov.in

ए.एम.जी-II/एस.ए.आर/सी.आर.टी./8-25/2025-26/28 दिनाँक: 09.04.2026

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित, **श्री राजीव कुमार, निदेशक, सांस्कृतिक स्तोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र, सैक्टर - 07, द्वारका, नई दिल्ली-110075** को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की एक प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए|

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए|

संलग्नक: यथोपरि|

तान्या अग्रवाल 09.04.26

उप-निदेशक (ए.एम.जी-II)

Opinion of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Centre for Cultural Resources and Training (CCRT) for the year ended 31st March 2025

Opinion

We have audited the Financial statements of Centre for Cultural Resources and Training (CCRT), which comprise the statement of financial position as at 31st March 2025 and the Income & Expenditure Account/Receipts and Payments Accounts for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies under Section 20(1) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2028-29.

This Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

In our opinion, the accompanying financial statements of CCRT, read together with the accounting policies and Notes thereon and matters mentioned in the Separate Audit Report, which follows, **give a true and fair view** of the financial position of the autonomous body as at March 31st, 2025, and (of) its financial performance for the year then ended in accordance with uniform format of accounts.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the CAG's auditing regulations/standards/manuals/guidelines-notes/orders/circulars etc. Our responsibilities are further described in the *Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements* section of our report. We are Independent of the autonomous body in accordance with ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Responsibilities of Management for the financial statements

The Governing Body of CCRT is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with uniform format of accounts, and for internal control as management determines is necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion in accordance with CAG's auditing regulations /standards/ manuals/ guidelines/ guidance-notes/ orders/ circulars etc.

For and on behalf of the CAG of India

(Saurav Kumar Jaipuriyar)
Director General of Audit (Central Expenditure)
New Delhi

Place: New Delhi
Date: 09 .04.2026

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) के खातों पर मत, जो 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए है

मत

हमने सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) के वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षण किया है, जिनमें 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार वित्तीय स्थिति विवरण, तथा उस वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता/प्राप्ति एवं भुगतान खाते और वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियाँ, जिनमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश भी शामिल है, सम्मिलित हैं। यह लेखा-परीक्षण भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत किया गया है। यह लेखा-परीक्षण 2028-29 तक की अवधि के लिए सौंपा गया है।

यह लेखा-परीक्षण प्रतिवेदन केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों तथा प्रकटीकरण मानदंडों आदि के अनुरूपता के संदर्भ में लेखांकन व्यवहार पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ प्रस्तुत करता है। वित्तीय लेन-देन के संबंध में कानून, नियमों एवं विनियमों (उचितता एवं नियमितता) के अनुपालन तथा कार्यकुशलता-सह-प्रदर्शन से संबंधित टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों/सीएजी की लेखा-परीक्षण रिपोर्टों के माध्यम से अलग से प्रस्तुत किया जाता है।

हमारे मत में, सीसीआरटी के संलग्न वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों एवं उनसे संबंधित टिप्पणियों तथा पृथक लेखा-परीक्षण प्रतिवेदन में उल्लिखित विषयों के साथ पढ़े जाने पर, 31 मार्च 2025 की स्थिति में स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति तथा उस वर्ष के लिए उसके वित्तीय प्रदर्शन का सत्य एवं निष्पक्ष चित्र प्रस्तुत करते हैं, और यह खातों के एकसमान प्रारूप के अनुसार है।

मत का आधार

हमने अपना लेखा-परीक्षण (सीएजी) के लेखा-परीक्षण विनियमों/मानकों/मैनुअल/दिशानिर्देशों/नोट्स/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार किया है। हमारी जिम्मेदारियाँ इस रिपोर्ट के "वित्तीय विवरणों के लेखा-परीक्षण के लिए लेखा-परीक्षक की जिम्मेदारियाँ" अनुभाग में और विस्तार से वर्णित हैं। हम नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार इस स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं, जो हमारे लेखा-परीक्षण के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों का पालन किया है। हमें विश्वास है कि प्राप्त लेखा-परीक्षण साक्ष्य हमारे मत के लिए पर्याप्त और उपयुक्त आधार प्रदान करते हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ

सीसीआरटी की शासी निकाय (Governing Body) वित्तीय विवरणों की तैयारी और उनके निष्पक्ष प्रस्तुतीकरण के लिए उत्तरदायी है, जो खातों के एकसमान प्रारूप के अनुसार हो, तथा ऐसे आंतरिक नियंत्रण के लिए भी जिम्मेदार है, जिसे प्रबंधन आवश्यक समझता है ताकि वित्तीय विवरणों की तैयारी इस प्रकार की जा सके कि वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण किसी भी महत्वपूर्ण त्रुटि से मुक्त हों।

वित्तीय विवरणों के लेखा-परीक्षण के लिए लेखा-परीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित आश्वासन प्राप्त करना है कि संपूर्ण वित्तीय विवरण किसी भी महत्वपूर्ण त्रुटि से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, तथा सीएजी के लेखा-परीक्षण विनियमों/मानकों/मैनुअल/दिशानिर्देशों/मार्गदर्शन नोट्स/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार एक लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है, जिसमें हमारा मत सम्मिलित हो।

कृते एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से

ह./-

(सौरव कुमार जयपुरियार)

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय व्यय)

नई दिल्ली

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: **09.04.2026**

नोट: "प्रस्तुत रिपोर्ट मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन ही मान्य होगा।"

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Centre for Cultural Resources and Training (CCRT) for the year ended 31st March 2025

A General

A.1 General Provident Fund Scheme adopted by CCRT is yet to be approved by the Government of India. This was also pointed out in previous years, however, remedial action is yet to be taken by CCRT.

A.2 CCRT has not made provisions for retirement benefits which is in contravention of the AS-15 issued by ICAI and Uniform Format of Accounts prescribed by the Ministry of Finance. This was also pointed out in previous years, however, no remedial action has been taken by CCRT.

A.3 An amount of ₹4.81 lakh under the Advances to Staff/Experts/Firms lying outstanding as on 31.03.2025, included ₹3.22 lakh pertaining to advances made to DAVP for the period from 2014-15 to 2021-22. Further, an amount of ₹1.76 lakh towards advance to institution/DRP/Experts is lying outstanding since previous years. These long pending advances needs to be reviewed and settled under intimation to audit. This was also pointed out in previous year, but no remedial action has been taken.

B Management Letter

Deficiencies which have not been included in this Separate Audit Report have been brought to the notice of the Management through a Management Letter issued separately for remedial/corrective action.

C Assessment of Internal Controls

1 Adequacy of internal audit system

The internal audit of CCRT has been conducted by Chartered Accountant for the year 2024-25.

2 Adequacy of Internal Control System

Internal Control System of CCRT was found inadequate for the following:

(i) There was a misappropriation of funds to the tune of ₹53,04,304/- in CCRT. Out of which CCRT has recovered ₹26,46,250/- from defaulters who were involved into the misappropriation of funds. The remaining uncertain recovery of ₹26,58,054/- is still pending in the court of law. This indicates weak internal control in CCRT which needs to be strengthened.

(ii) The internal audit of CCRT was required to be strengthened as 22 paras were outstanding as on 31st March 2025.

3 System of physical verification of Fixed Assets

The physical verification of Fixed Assets (Land, Building, Vehicles and Plant & Machinery) has been conducted up to 2023-24. The physical verification of Furniture & Fixture was conducted up to 2024-25.

4 System of physical verification of Inventory

The physical verification of Inventory has been conducted for the year 2024-25.

5 Regularity in payment of statutory dues

As per the annual accounts, no statutory dues over six months were outstanding as on 31.03.2025.

D Grants in aid

The grant-in-aid received and utilization thereof for the year 2024-25 are given below:

(₹ in crore)

Grant-in-Aid received during the year	31.67
Unspent balance of previous year	7.44
Internal receipts during the year	1.18
Total fund	40.29
Refunded to Ministry	0.50
Expenditure during the year	36.70
Unspent balance	**3.09**

Thus, CCRT has unspent balance of **Rs. 3.09 crore** at the end of the financial year.

For and on behalf of the CAG of India

(Saurav Kumar Jaipuriyar)
Director General of Audit (Central Expenditure)
New Delhi

Place: New Delhi
Date: 09 .04.2026

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) के खातों पर पृथक लेखा-परीक्षण प्रतिवेदन, जो 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए है

A. सामान्य

A.1. सीसीआरटी द्वारा अपनाई गई सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) योजना को अभी तक भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है। यह बात पिछले वर्षों में भी इंगित की गई थी, किन्तु सीसीआरटी द्वारा अभी तक कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

A.2. सीसीआरटी ने सेवानिवृत्ति लाभों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है, जो कि आईसीएआई द्वारा जारी AS-15 तथा वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित एकसमान खातों के प्रारूप के विरुद्ध है। यह भी पिछले वर्षों में इंगित किया गया था, किन्तु अभी तक कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

A.3. 31.03.2025 तक कर्मचारियों/विशेषज्ञों/फर्मों को दिए गए अग्रिमों के अंतर्गत ₹4.81 लाख की राशि लंबित है, जिसमें ₹3.22 लाख की राशि डीएवीपी को 2014-15 से 2021-22 की अवधि के लिए दिए गए अग्रिमों से संबंधित है। इसके अतिरिक्त ₹1.76 लाख की राशि संस्थानों/डीआरपी/विशेषज्ञों को दिए गए अग्रिम के रूप में पिछले वर्षों से लंबित है। इन लंबे समय से लंबित अग्रिमों की समीक्षा कर इन्हें लेखा-परीक्षण की सूचना में निपटाया जाना आवश्यक है। यह भी पिछले वर्ष इंगित किया गया था, परंतु कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

B. प्रबंधन पत्र

इस पृथक लेखा-परीक्षण प्रतिवेदन में शामिल नहीं की गई कमियों को प्रबंधन के संज्ञान में एक पृथक प्रबंधन पत्र के माध्यम से सुधारात्मक/सुधार के लिए लाया गया है।

C. आंतरिक नियंत्रण का मूल्यांकन

1. आंतरिक लेखा-परीक्षण प्रणाली की पर्याप्तता

वर्ष 2024-25 के लिए CCRT का आंतरिक लेखा-परीक्षण चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा किया गया है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

सीसीआरटी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्नलिखित बिंदुओं के लिए अपर्याप्त पाई गई:

(i) सीसीआरटी में ₹53,04,304/- की राशि का दुरुपयोग (गबन) हुआ। इसमें से ₹26,46,250/- राशि दोषियों से वसूल की जा चुकी है। शेष ₹26,58,054/- की वसूली न्यायालय में लंबित है। यह दर्शाता है कि सीसीआरटी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली कमजोर है, जिसे सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

(ii) सीसीआरटी के आंतरिक लेखा-परीक्षण को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, क्योंकि 31 मार्च 2025 तक 22 पैराग्राफ लंबित थे।

3. स्थायी संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

स्थायी संपत्तियों (भूमि, भवन, वाहन एवं संयंत्र एवं मशीनरी) का भौतिक सत्यापन वर्ष 2023-24 तक किया गया है। फर्नीचर एवं फिक्स्चर का भौतिक सत्यापन वर्ष 2024-25 तक किया गया है।

4. भंडार के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

भंडार का भौतिक सत्यापन वर्ष 2024-25 के लिए किया गया है।

5. वैधानिक देयों के भुगतान की नियमितता

वार्षिक खातों के अनुसार, 31.03.2025 तक छह महीने से अधिक समय के कोई भी वैधानिक देय बकाया नहीं थे।

D. अनुदान

वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त अनुदान तथा उसके उपयोग का विवरण निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	31.67
पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि	7.44
वर्ष के दौरान आंतरिक प्राप्तियाँ	1.18
कुल निधि	40.29
मंत्रालय को वापस की गई राशि	0.50
वर्ष के दौरान व्यय	36.70
अव्ययित शेष राशि	3.09

इस प्रकार, वित्तीय वर्ष के अंत में सीसीआरटी के पास ₹ 3.09 करोड़ की अव्ययित शेष राशि है।

कृते एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से

ह./-

(सौरव कुमार जयपुरियार)

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय व्यय)

नई दिल्ली

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: **09.04.2026**

ए.एम.जी.-II/एस.ए.आर./सी.सी.आर.टी./8-25/2025-26/30

तान्या अम्बष्ठ
उप–निदेशक (ए.एम.जी.–II)
Taanya Ambastha
Deputy Director (AMG-II)

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा
(केंद्रीय व्यय)
ऑडिट भवन, आई.पी.एस्टेट, नई दिल्ली–110002
O/o the Director General of Audit
(Central Expenditure)
Audit Bhawan, I.P. Estate, New Delhi-110002

दिनाँक: 09.04.2026

प्रबंधन पत्र

महोदय,

सांस्कृतिक स्तोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली के वर्ष 2024-25 के वार्षिक लेखों की लेखापरीक्षा कर ली गयी है और मेरे कार्यालय के पत्र संख्या ए.एम.जी.-II/एस.ए.आर./सी.सी.आर.टी./8-25/2025-26/27 दिनाँक: 09.04.2026 के द्वारा लेखापरीक्षा प्रतिवेदन जारी कर दिया गया है। लेखापरीक्षा के दौरान कुछ अनियमितताएँ एवं कमियाँ ध्यान में आई है, जिन्हें लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है। इन कमियों को संलग्न अनुबन्ध में दर्शाया गया है।

अतः इस पर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए मेरा अनुरोध है कि इन अनियमितताओं एवं कमियों पर उचित सुधारात्मक कार्यवाही की जाये।

सादर,

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीया,
तान्या अम्बष्ठ

श्री राजीव कुमार
निदेशक
सांस्कृतिक स्तोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र
सैक्टर - 07, द्वारका
नई दिल्ली-110075

Ph.:+91-11-23702266 Fax :+91-11-23702271 E-mail:taanyaa@cag.gov.in

Annexure to Management Letter

1. During the scrutiny of Fixed Assets (Sch-8) and ledger accounts of CCRT, audit noticed that Fixed Assets amounting to ₹43.89 lakh were misclassified under incorrect heads of Assets, leading to charging of incorrect depreciation during the year.

Sl. No.	Name of Assets	Classified under the head	Correct classification	Amount	Depreciation charged (A)	Depreciation to be charged (B)	Difference (A-B)
1	Building (Lift)	Equipment	Building	20,57,957	1,54,347	1,02,898	51,449
2	Cooler	Furniture & Fixture	Equipment	24,190	2,419	3628	(1210)
3	Air Purifier	Furniture & Fixture	Equipment	67,271	6,727	5,045	1,682
4	RO	Furniture & Fixture	Equipment	19,920	996	1,494	(498)
5	Laptops	Equipment	Computer& Laptops	6,60,000	49,500	1,32,000	(82,500)
6	Desktops	Equipment	Computer& Laptops	13,20,000	99,000	2,64,000	(1,65,000)
7	External SSD Drives	Equipment	Computer& Laptops	1,19,000	8,925	23,800	(14,875)
8	Printer	Equipment	Computer& Laptops	53,989	8,098	21,596	(13,497)
9	OMR Scanner	Equipment	Computer& Laptops	24,900	3,735	9,960	(6,225)
10	OMR Software	Equipment	Computer& Laptops	41,300	6,195	16,520	(10,325)
			TOTAL	**43,88,527**	**3,39,942**	**5,80,941**	**(2,40,999)**

This has resulted in understatement of depreciation and overstatement of Fixed Assets by ₹2.41 lakh.

2. Current Assets, Loans, Advances, etc. (Sch-11) does not include an amount of ₹2.12 lakh on account of GST receivable on rent. This has resulted in understatement of Current Assets, Loans, Advances, etc. as well as Corpus/Capital Fund by ₹2.12 lakh.
3. During the year 2024-25, CCRT earned interest of ₹0.46 lakh on Fixed Deposits of GPF Account. However, the interest earned was not depicted as Income for the year in the Income & Expenditure Account of GPF. This resulted in understatement of Income as well as closing balance of GPF by ₹0.46 lakh.
4. Capital work-in-progress of CCRT included a completed capital work of 'developing web based Integrated Management Information System (MIS)' amounting to Rs. 90.01 lakh. The work was completed in the year 2013-14 but in the absence of completion certificate, the same could not be capitalized by CCRT. However, CCRT has been using the MIS for its daily functions without obtaining the completion certificate. This was also pointed out in previous year report, but no remedial action has been taken by CCRT. CCRT should review this and take necessary action.
5. Annual accounts of GPF revealed that interest earned during the year included an amount of ₹1.62 lakh towards interest on EMD. However, on scrutiny of accounts, the principal amount on which this interest was earned could not be found in the GPF accounts. Details of the same were not furnished by CCRT.
6. 'Earmarked/Endowment Funds (Sch-3)' of CCRT depict a balance of ₹1.98 crore as on 31.03.2026. However, the corresponding balance under 'Investments – From Earmarked/Endowment Funds (Sch-9)' is depicted at ₹0.02 crore only with the balance amount being kept under Current Assets (Bank Balances), which is in contravention of Uniform Format of Accounts prescribed by the Ministry of Finance. CCRT should take necessary action for the correct classification of these funds.

प्रबंधन पत्र का परिशिष्ट

1. स्थायी परिसंपत्तियों (अनुसूची-8) और सीसीआरटी के लेखा खातों की जांच के दौरान यह पाया गया कि ₹43.89 लाख की स्थायी परिसंपत्तियों को गलत परिसंपत्ति शीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया था, जिसके कारण वर्ष के दौरान गलत मूल्यह्रास का प्रभार लगाया गया।

क्र. सं.	परिसंपत्ति का नाम	गलत वर्गीकरण	सही वर्गीकरण	राशि	लगाया गया मूल्यह्रास (ए)	मूल्यहरास लगाया जाना चाहिए था (बी)	अंतर (ए–बी)
1.	*भवन (लिफ्ट)*	उपकरण	भवन	20,57,957	1,54,347	1,02,898	51,449
2.	कूलर	फर्नीचर एवं फिक्स्चर	उपकरण	24,190	2,419	3,628	(1,210)
3.	एयर प्यूरीफायर	फर्नीचर एवं फिक्स्चर	उपकरण	67,271	6,727	5,045	1,682
4.	आरओ	फर्नीचर एवं फिक्स्चर	उपकरण	19,920	996	1,494	(498)
5.	लैपटॉप	उपकरण	कंप्यूटर एवं लैपटॉप	6,60,000	49,500	1,32,000	(82,500)
6.	डेस्कटॉप	उपकरण	कंप्यूटर एवं लैपटॉप	13,20,000	99,000	2,64,000	(1,65,000)
7.	एक्सटर्नल ड्राइव	उपकरण	कंप्यूटर एवं लैपटॉप	1,19,000	8,925	23,800	(14,875)
8.	प्रिंटर	उपकरण	कंप्यूटर एवं लैपटॉप	53,989	8,098	21,596	(13,497)
9.	OMR स्कैनर	उपकरण	कंप्यूटर एवं लैपटॉप	24,900	3,735	9,960	(6,225)
10.	OMR सॉफ्टवेयर	उपकरण	कंप्यूटर एवं लैपटॉप	41,300	6,195	16,520	(10,325)
			कुल	**43,88,527**	**3,39,942**	**5,80,941**	**(2,40,999)**

इससे ₹2.41 लाख तक मूल्यह्रास का कम आकलन तथा स्थायी परिसंपत्तियों का अधिक आकलन हुआ है।

2. चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि (अनुसूची-11) में किराए पर प्राप्त GST की ₹2.12 लाख राशि शामिल नहीं है। इससे चालू परिसंपत्तियों, ऋण एवं अग्रिमों के साथ-साथ कोष/पूंजी निधि में ₹2.12 लाख की कमी प्रदर्शित हुई है।

3. वर्ष 2024-25 के दौरान सीसीआरटी ने GPF खाते की सावधि जमा पर ₹0.46 लाख ब्याज अर्जित किया। हालांकि, यह ब्याज आय एवं व्यय खाते में आय के रूप में नहीं दिखाया गया। इससे आय तथा GPF की समापन शेष राशि दोनों ₹0.46 लाख कम प्रदर्शित हुई हैं।

4. सीसीआरटी के पूंजीगत कार्य प्रगति में 'वेब आधारित एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS)' के विकास पर ₹90.01 लाख का कार्य शामिल है। यह कार्य 2013-14 में पूर्ण हो गया था, लेकिन पूर्णता प्रमाणपत्र के अभाव में इसे पूंजीकृत नहीं किया जा सका। हालांकि सीसीआरटी इस MIS का उपयोग दैनिक कार्यों में कर रहा है। यह मुद्दा पिछले वर्ष की रिपोर्ट में भी दर्शाया गया था, परंतु अब तक कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। सीसीआरटी को इसकी समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

5. GPF के वार्षिक खातों से पता चलता है कि वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज में ₹1.62 लाख EMD पर ब्याज शामिल है। लेकिन खातों की जांच में उस मूल राशि का पता नहीं चला, जिस पर यह ब्याज अर्जित हुआ। सीसीआरटी द्वारा इसका विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया।

6. सीसीआरटी के 'अर्जित/एंडोमेंट फंड (अनुसूची-3)' में 31.03.2026 तक ₹1.98 करोड़ की शेष राशि दर्शाई गई है। जबकि 'निवेश – अर्जित/एंडोमेंट फंड (अनुसूची-9)' में केवल ₹0.02 करोड़ दर्शाया गया है और शेष राशि चालू परिसंपत्तियों (बैंक शेष) में रखी गई है, जो वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित समान खातों के प्रारूप के विपरीत है। सीसीआरटी को इन निधियों के सही वर्गीकरण हेतु आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।